छत्तीसगढ़ विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

पंचम विधान सभा

षोडश सत्र

बुधवार, दिनांक 15 मार्च, 2023

(फाल्गुन 24, शक सम्वत् 1944)

[अंक 08]

Web copy

छत्तीसगढ़ विधान सभा

बुधवार, दिनांक 15 मार्च, 2023

(फाल्गुन 24, शक सम्वत् 1944)

विधानसभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई।

{अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरणदास महंत) पीठासीन हुए}

सदन को सूचना

माननीय मंत्री, आवास एवं पर्यावरण मोहम्मद अकबर की माता जी का निधन

अध्यक्ष महोदय :- हम सब के लिए यह एक अत्यन्त दुखद समाचार है कि माननीय मंत्री, आवास एवं पर्यावरण मोहम्मद अकबर जी की माताश्री नहीं रहीं। उनकी माताजी हज्जन फैमुन-निशा का कल रात में ही देहावसान हो गया। मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति के प्रार्थना करता हूं।

श्री मोहन मरकाम :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मंत्री मोहम्मद अकबर जी की माता जी का निधन हुआ है। मैं सदन की ओर से उनकी माता जी को सत-सत नमन करता हूं, श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

तारांकित प्रश्नों को मौखिक उत्तर

वन विभाग में कार्यरत मजदूरों की लम्बित मजदूरी का भुगतान

[वन एवं जलवायु परिवर्तन]

1. (*क्र. 198) श्री सौरभ सिंह : क्या वन मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- चाम्पा वन मंडल के अंतर्गत 1 जनवरी, 2021 से 15 फरवरी 2023 तक किस-किस वन परिक्षेत्र के किन-किन कार्यो में मजदूरों का मजदूरी भुगतान किस कारण से लंबित है ?

वन मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) : चाम्पा वनमंडल के अंतर्गत 1 जनवरी 2021 से 15 फरवरी 2023 तक किसी भी परिक्षेत्र में मजदूरों का मजदूरी भुगतान लंबित नही है।

श्री सौरभ सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज माननीय मंत्री जी नहीं हैं और जिस कारण से नहीं हैं। छोटा सा मामला है, आपके अधिकारी जान रहे हैं। मेरा आपसे आग्रह है कि मेरे प्रश्न के ऊपर

असंशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

आपने ही इन्क्वायरी की, आपने ही गड़बड़ी पकड़ी, वसूली भी की। तो मेरा यह आग्रह है कि जो भुगतान शेष है उसको मजदूरों को समय-सीमा में भुगतान करवा दें।

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ठीक है। अतिशीघ्र करवा देंगे।

<u>प्रदेश में टायगर रिजर्व क्षेत्र</u>

[वन एवं जलवायु परिवर्तन]

2. (*क्र. 825) श्री अरुण वोरा : क्या वन मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** प्रदेश में कुल कितने टायगर रिजर्व क्षेत्र हैं? इन टायगर रिजर्व का क्षेत्रफल कितने वर्ग किलोमीटर में है? पिछले 03 वर्षो में प्रदेश में बाघों के संरक्षण में कुल कितनी राशि खर्च की गई? **(ख)** प्रदेश में अखिल भारतीय बाघ गणना 2018 में कुल कितने बाघों की संख्या थी? **(ग)** प्रदेश में वर्ष 2020 से दिसम्बर, 2022 तक कुल कितने बाघों की मौत हुई है?

वन मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) : **(क)** प्रदेश में कुल 03 टायगर रिजर्व क्षेत्र है। इन टायगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 5555.627 वर्ग कि.मी है। पिछले 03 वर्षों (वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22) में प्रदेश में बाघों के संरक्षण में राशि रू. 183.77 करोड़ खर्च की गई है।**(ख)** अखिल भारतीय बाघ गणना 2018 के अनुसार प्रदेश में कुल बाघों की संख्या 19 थी।**(ग)** प्रदेश में वर्ष 2020 से दिसम्बर, 2022 तक कुल 02 बाघों की मौत हुई है।

श्री अरूण वोरा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न के जवाब मे माननीय मंत्री जी ने कहा है कि प्रदेश में कुल 03 टायगर रिजर्व क्षेत्र हैं। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रिजर्व टायगर क्षेत्र कौन-कौन से हैं और टायगर रिवर्ज क्षेत्र की स्थापना किस वर्ष में की गई थी ? वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 में इन टायगर रिजर्व क्षेत्रों में बाघों के संरक्षण में कितनी राशि टायगर रिजर्व क्षेत्र के अनुसार खर्च की गई ?

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश में 03 टायगर रिजर्व हैं- उदन्ती, सीतानदी, इन्द्रावती, अचानकमार। वर्ष 2018 तक प्रदेश में कुल बाघों की संख्या 19 थी। माननीय और क्या आप जानना चाह रहे हैं ?

श्री अरूण वोरा :- मैं यह जानना चाह रहा हूं कि वर्ष 2019 से 2022 तक इन क्षेत्रों में कितनी राशि बाघों के सरंक्षण के लिए खर्च की गई ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2019-20, वर्ष 2020-21 और 2021-22 में बाघों के संरक्षण के लिए अभी तक 183.77 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है।

श्री अरूण वोरा :- आपने अभी तक का टोटल बताया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि अभी बाघों की संख्या कितनी है और बाघों की संख्या को बढ़ाने के लिए क्या किया जा रहा है ?

श्री अजय चन्द्राकर :- संख्या बढ़ाने के लिए तो आप हो। अभी तो आप ही उत्तेजित हो।

श्री अरूण वोरा :- मैं जानता था कि आप बोलोगे। इसीलिए मैंने यह प्रश्न किया की बाघों की संख्या 02 हो गई है। उसको बढ़ाने के लिए हम क्या कर रहे हैं ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- 02 नहीं, पूरे प्रदेश में बाघों की संख्या 19 है।

श्री अरूण वोरा :- हॉ, बाघों की संख्या 19 है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- जी हां।

श्री अरूण वोरा :- इनकी बढ़ोत्तरी के लिए कुछ उपाय किया जा रहा है ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, निश्चित रूप से बाघों की संख्या में वृद्धि की जा रही है। उसके लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं उसमें हमारे वन्य जीव बोर्ड की बैठक 19 दिसम्बर 2022 को की गई थी जिसमें कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से 02 Tiger एवं 02 Tigress लाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। बारनवापारा में tiger reintroduction के पहले ख्याति प्राप्त संस्थान से habitat suitability अध्ययन कराने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया है। ग्लोबल टायगर फोरम के साथ सलाहकार की सेवायें लेते हुए उनके द्वारा फील्ड निरीक्षण के पश्चात अचानकमार टायगर रिजर्व के सांभर, धनसान कोर एरिया में 78.78 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 02 Tigress एवं बाद में 01 टायगर छोड़े जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है। भारत सरकार के महानिदेशक वन द्वारा 25.01.2023 को वन प्रोजेक्ट टायगर की समीक्षा के दौरान प्रस्ताव एन.टी.सी.ए. की तकनीकी समिति को भेजने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में प्रस्ताव दिनांक 31.01.2023 को एन.टी.सी.ए. को भेजा गया है। एन.टी.सी.ए. द्वारा स्वीकृति हेतु इसे अपने एजेंडा में शामिल कर लिया गया है। तकनीकी समिति की बैठक माह मार्च के अंतिम सप्ताह में होने की संभावना है। बारनवापारा अभयारण्य में reintroduction Tiger रिकवरी करने हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून के निर्देशक को पी.सी.सी.एफ. वन्य जीवन द्वारा अनुरोध किया गया है। तीनों टायगर रिजर्व गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान तथा 08 अन्य अभ्यारण्य में ग्रास लैण्ड जल स्त्रोत तथा सुरक्षा के काम सतत् रूप से किये जा रहे हैं, जिससे कि अंतर्राष्ट्रीय कारीडोर में भी बाघ के आने पर उसे प्रेस बेस के अनुकूल रहवास मिल सके।

श्री अरूण वोरा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं धन्यवाद दूंगा कि मंत्री जी उस विभाग के लिए भी बुहत अच्छी जानकारी दे रहे हैं, लेकिन वर्ष 2012 से 2022 तक छत्तीसगढ़ में कितने बाघों की मौत हुई है?

श्री अजय चंद्राकर :- बहुत अच्छा जानकारी नहीं दे रहे हैं, वह बहुत अच्छा पढ़ रहे हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, 02 बाघों की मौत हुई थी। एक बाघ का बीमारी के कारण मौत हुआ था और एक बाघ का शिकार हुआ था, जिसके प्रकरण दर्ज है, जिसमें चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय :- श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा जी।

धरसींवा विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग द्वारा निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

3. (*क्र. 990) श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- धरसींवा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2020 -21 एवं 2021 -22 में कितने निर्माण कार्य कराए गए? इनमे से कितने निर्माण कार्य पूर्ण एवं कितने अपूर्ण हैं, कितने निर्माण कार्य के गुणवत्ताहीन होने की शिकायत प्राप्त हुई है?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : धरसींवा विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में कराये गये निर्माण कार्य तथा उनमें पूर्ण एवं अपूर्ण की जानकारी **संलग्न प्रपत्र अनुसार**[1] है। निर्माण कार्यों के गुणवत्ताहीन होने की कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी के द्वारा जवाब तो आ गया है, लेकिन मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगी कि जिस-जिस गांव में पी.एच.ई. का काम पूर्ण हो चुका है, पाइपलाईन का काम पूर्ण हो चुका है तो मेरा निवेदन है कि जो रोड को खोदकर रखे हैं, उस रोड को जल्द से जल्द दुरूस्त करायें और मेरा दूसरा निवेदन यह है कि हमारी घोषणा है कि गांव में जल्द से जल्द पानी की पूर्ति करेंगे, लेकिन जहां-जहां अपूर्ण हैं, वहां पर भी जल्द से जल्द काम शुरू हो, यह मैं निवेदन चाहती हूं।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय मंत्री जी।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी, निश्चिंत तौर पर माननीय जो बात रही हैं। पाइपलाईन के लिए गड्ढे खोदना जरूरी भी होता है और जैसे ही कार्य पूर्ण होगा, उसको लाइबनिंग कर दिया जाएगा, इसको मैं आपको आश्वस्त कराता चाहता हूं और यह हमारी सरकार की महती योजना है। कल विपक्ष ने बहुत सारी बातें बोली थी। मैंने कल कहा था कि मैं जवाब भी दूंगा। जवाब देने के समय पूरा विपक्ष गायब है।

श्री अजय चंद्राकर :- प्रश्न उनका है, विपक्ष का थोड़ी है।

---

[1] परिशिष्ट "एक"

श्री गुरू रूद्र कुमार :- नहीं तो कल मैंने बोला था। प्रश्न बहुत लगे हैं। ऐन समय में आप लोग गायब हो जाते हैं।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, मैडम जी। आप संतुष्ट हैं ?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- निश्चिंत तौर पर हो जायेगा।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, निवेदन है कि रोड बहुत ज्यादा खराब है और रोड जल्द से जल्द दुरूस्त हो।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- मैं दिखवा लूंगा और आप किसी स्पेसिफिक गांव का उल्लेख करना चाहती हैं तो आप बता दीजिये, उसको तुरंत दिखवा जायेगा।

अध्यक्ष महोदय :- धनेन्द्र साहू जी।

<u>अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जानकारी</u>

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

4. (*क्र. 920) श्री धनेन्द्र साहू : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- (क) अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में किन-किन ग्रामों मेंविगत 03 वर्षों में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत कितने-कितने लागत के कार्य स्वीकृत किये गये है ? (ख) प्रश्नां श 'क' के अंतर्गत एवं किस-किस ग्राम के कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जा चुकी है, तथा किस-किस गांव में कार्य प्रगति पर है? टंकी निर्माण एवं पाईप लाईन की कार्य प्रगति की जानकारी देवें ? (ग) किस-किस ग्राम में अभी तक कार्य बंद पड़ा हैएवं किन कारणों से, कृपया पूरी जानकारी प्रदान करें? (घ) कितने ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना का कार्य होना अभी तक शेष है? कब तक स्वीकृत की जावेगी जानकारी प्रदान करें ?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) **:(**क) अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत विगत 03 वर्षो में ग्रामवार स्वीकृत कार्यों की लागत सहित **जानकारी पुस्तकालय में रखे प्रपत्र-अ अनुसार** है। (ख) प्रश्नांश 'क' के अंतर्गत जिन ग्रामो के कार्यों की निविदा आमंत्रित की जा चुकी है, कार्य प्रगति पर है, टंकी निर्माण एवं पाईप लाईन की कार्य प्रगति की **जानकारी पुस्तकालय में रखे प्रपत्र-ब** अनुसार है।(ग) ग्रामवार कार्य बंद के कारण की **जानकारी पुस्तकालय में रखे प्रपत्र-स** अनुसार है। (घ) 13 ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना का कार्य प्रारंभ होना अभी शेष है। समस्तत ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना का कार्य स्वीकृत है।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे ही क्षेत्र का ..।

श्री अजय चंद्राकर :- ऐसा है भाटो, आप प्रश्न मत करिये। आपकी पूरी जानकारी पुस्तकालय में है। पूरी योजना पुस्तकालय में है। आप समझ रहे हैं न। पी.एच.ई. विभाग को एक आदमी रखना चाहिए

कि पूरी जानकारी 90 विधानसभा का पुस्तकाल में रख दें। जमीन में कुछ नहीं है, सब पुस्तकालय में है। अभी अभनपुर पूरा पुस्तकालय में है, देख लीजिये।

श्री धनेन्द्र साहू :- आप चिंता न करें। मंत्री जी सक्षम हैं। पूरी बात का उत्तर दे रहे हैं।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- कुरूद का भी पुस्तकालय में कर देते हैं।

श्री अजय चंद्राकर :- आप कुरूद की बात तो करिये ही मत। वहां आप सीधा पानी पी रहे हैं। डायरेक्ट पानी पी रहे हैं।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- मैं कुरूद घुमने आता हूं।

श्री अजय चंद्राकर :- जनता पानी नहीं पी रही है, आप ही उसको खींच रहे हैं।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी से जो प्रश्न पूछा था, उसमें तीनों प्रपत्र में लगभग पूरी जानकारी आई है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आप जितने गांव का पूर्ण बता रहे हैं, वह योजना में क्या वहां पर प्रति व्यक्ति जितना लीटर पानी दिये जाने का प्रावधान है, उसके अनुरूप क्षमता में स्त्रोत पानी का उपलब्ध है, आपूर्ति हो रही है और जो पूर्ण हो गया है, उसको ग्राम पंचातों को हैंडओवर कर दिये गये हैं क्या?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- कुरूद को भी पुस्तकालय में डालते हैं। सम्माननीय, निश्चिंत तौर पर जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उसको पंचायत को हैंडओवर किया जाता है। यदि कहीं भी कोई भी, किसी प्रकार की शिकायत है तो आप मुझे बता दें। आप जैसा चाहेंगे, उसको मैं वैसा दिखवा लूंगा।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से सीधा यही प्रश्न पूछ रहा हूं कि आपने जितनी योजनाओं को पूर्ण बताया है, उसमें से मेरी जानकारी के अनुसार अभी तक ग्राम पंचायतों को सौंपा नहीं गया है और पर्याप्त पानी के स्त्रोत नहीं होने के कारण और अभी भी आपके सिविल वर्क पूरे हो गये हैं, लेकिन अनेक गांवों में पानी के स्त्रोत की उपलब्धता नहीं है तो उन गांवों में, जहां पर आप योजना पूर्ण बता रहे हैं, उसको सुनिश्चित करायेंगे कि वहां पर सफल स्त्रोत भी उपलब्ध हो जाए। खाली सिविल वर्क कर दिया है और जैसा कि अभी माननीय विधायक बहन जी ने जो चर्चा की थी कि अधिकतम जगह खुदाई तो कर दिये हैं, योजना पूर्ण बता रहे हैं । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा एक निवेदन है ।

अध्यक्ष महोदय :- इनका पूर्ण तो हो जाये ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, पूरे विधायकों को यहां आने से रोका जा रहा है । रायपुर-बिलासपुर रोड से जो विधायक आ रहे हैं, वहां बैरिकेट्स लगा दिये गये हैं, उनको घुसने नहीं दिया जा रहा है । मुझे खुदको रोका गया। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- शिवरतन जी, यह शून्यकाल नहीं है । यह प्रश्नकाल है।(व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम तो सभी विधायक आ रहे हैं । किसी को नहीं रोका जा रहा है ।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन में प्रश्नकाल है और सत्र चल रहा है उस समय अगर विधायकों को रोका जा रहा है तो फिर कैसे चलेगा? (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- आप उनको प्रश्न करने से रोक रहे हो । ।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, रायपुर-बिलासपुर रोड से जो विधायक आ रहे हैं, उनको रोका जा रहा है । मैं खुद 10 किलोमीटर घूमकर आ रहा हूं ।(व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सारे विधायक आ रहे हैं । आराम से आ रहे हैं ।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं खुद 10 किलोमीटर घूमकर आ रहा हूं । थोड़ा सा दिखवा लें ।

श्री कुलदीप जुनेजा :- कहीं कोई विधायक को नहीं रोका जा रहा है ।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- इसी कारण आज विधायकों की बहुत कम उपस्थिति है।

नेता प्रतिपक्ष (श्री नारायण चंदेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसको दिखवा लें । क्या है कि यह बहुत गंभीर विषय है ।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- अगर विधानसभा में आने से रोका जा रहा है तो फिर क्या होगा ? (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर विधानसभा आने से रोका जायेगा तो फिर यह बहुत गंभीर विषय है ।(व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- विधायक को नहीं रोका गया है । (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, विधायकों को नहीं रोका जा रहा है । अभी तो मैं आयी हूं । नहीं रोका गया, आने दिया गया है । (व्यवधान)

श्री अरूण वोरा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी विधायक को नहीं रोका गया है । हम लोग तो अभी आये हैं । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यहां से निर्देशित होना चाहिए ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, जो विधायकों की गाड़ी है उनको नहीं रोका जा रहा है । (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, दूसरी गाड़ी को आप रोकें लेकिन विधायक यदि विधानसभा आ रहा है और उसको आप रोकेंगे तो उसके लिये तो दिक्कत आयेगी न।(व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी तो हम लोग आये हैं, हमें नहीं रोका गया । सब आ रहे हैं । सबको आने दिया जा रहा है । (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप आसंदी से निर्देशित करिये ।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप इस बात को सुनिश्चित करें । (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप आसंदी से निर्देशित करिये । (व्यवधान)

श्री अजय चंद्राकर :- आप भिलाई से आ रही हैं । (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- विधायक महोदय, मैं भिलाई से नहीं आयी हूं । क्या मैं रोज-रोज अपडाऊन करूंगी ? (व्यवधान)

श्री अजय चंद्राकर :- भिलाई से । (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- भिलाई मेरा घर नहीं है, मेरा घर नगरी-सिहावा है।(व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे खुद को रायपुर-बिलासपुर रोड पर रोका गया है । मैं 10 किलोमीटर घूमकर आ रहा हूं ।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी ।

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, दिखवा लीजिये ।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी इसको सुनिश्चित करें, अभी गृहमंत्री जी नहीं हैं । विधायकों को रास्ते में जो रोका जा रहा है उनको विधानसभा पहुंचने दिया जाये ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सबको आने दिया जा रहा है । हम लोग अभी आये हैं और किसी भी प्रकार की बाधा नहीं है, सबको आने दिया जा रहा है ।

अध्यक्ष महोदय :- आप मेरी सुनिए । इन लोगों का यह कथन है कि भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को यहां आने से रोका जा रहा है अगर ऐसा कुछ है तो आप बाहर निर्देशित करवा दीजिये ।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- ये तो अभी पलायन करने वाले हैं उसके लिये अभी माहौल बना रहे हैं । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- विधानसभा में आने से रोका जा रहा है, आप निर्देशित करवा दें । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप चेक करा लें । विधायकों को नहीं आने दे रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय :- मैं बोल तो रहा हूं । (व्यवधान)

संसदीय कार्यमंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अखबारों में प्रचार हुआ है कि 4-5 लाख लोग ये लोग लाने वाले हैं तो विधानसभा की सुरक्षा के लिये यह हमेशा व्यवस्था होती है कि पुलिस विभाग प्रशासनिक तौर पर बैरिकेट्स लगाते हैं नंबर एक, नंबर दूसरा आदरणीय भाई शिवरतन

शर्मा जी कह रहे हैं कि विधायकों को रोका जा रहा है तो छत्तीसगढ़ में ऐसी स्थिति न कभी थी और न कभी हो सकती है ।

श्री अजय चंद्राकर :- का हे कि तें हा असत्य कथन करत हस ।

श्री रविन्द्र चौबे :- मैं कहां असत्य कथन करत हंओं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं 10 किलोमीटर घूमकर आ रहा हूं । यहां पर मुझे रोक दिया गया, जो ओवरब्रिज बना है उधर से घूमकर मैं सिटी से होकर आ रहा हूं ।

श्री अरूण वोरा :- शिवरतन जी जब सबको रोक रहे हैं तो आप कैसे आ गये?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- शिवरतन भैया जी आप हमेशा प्रतिबंधित जगह पर ही क्यों घुस जाते हो ?

श्री अरूण वोरा :- मैं आपसे पहला प्रश्न यह कर रहा हूं कि आप कैसे आये ? किसी को नहीं रोका जा रहा है ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- आप प्रतिबंधित जगह में मत घुसा करो ।

श्री रविन्द्र चौबे :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय शिवरतन जी बिल्कुल सही समय पर आये हैं इसका मतलब है और कभी-कभी आप रास्ता बदलकर भी आप आ जाते तो उसमें क्या गुनाह है भई ? (हंसी)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के लोग विधायकों को जबर्दस्ती रोक रहे हैं कि आप सदन में मत जाओ, धरने में शामिल हो।

श्री अजय चंद्राकर :- भाटो आप बैठ जाओ ।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय मंत्री जी, उत्तर दे रहे हैं और आप बाधा पहुंचा रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, साहू जी । आप अपनी बात रखें ।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी से यही जानना चाहा है कि आपने जिन योजनाओं को पूर्ण बताया है वहां पर सफल स्त्रोत पूर्ण उपलब्ध नहीं है और साथ ही गड्ढ़ों की भराई भी नहीं हुई है । जो कांक्रीट की सड़कें खोद दी गयी हैं उनको पूरा कराने के बाद ही पंचायतों को हेण्डओवर करें । सफल स्त्रोत भी उपलब्ध करा दें और जो गड्ढे हैं, जो कांक्रीट की सड़कें सब उखाड़ी गयी हैं उसको पूरी तरह से वैसे ही भरकर के उनको पंचायतों को हेण्डओवर करें । कृपया आप यह सुनिश्चित करेंगे ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, कुछ गांव में टेस्टिंग चल रहा होगा । टेस्टिंग के कार्य के बाद हेण्डओवर किया जाता है और इनके विधानसभा में नवागांव-क एक ऐसा गांव है जहां पर स्त्रोत एक किलोमीटर-डेढ़ किलोमीटर में भी नहीं मिल रहा है तो हमने हमारा आदेश दिया हुआ है कि 2 किलोमीटर की दूरी पर भी जाना पड़े, ढ़ाई किलोमीटर जाना पड़े । हेवी मोटर पम्प लगाकर, पानी का

स्त्रोत कहीं से भी विभाग ढूंढकर निकालेगा वह नवागांव-क की बात है । उसके अलावा आपकी जो चिंता है । कोई स्पेसिफिक गांव है, मैं निश्चित तौर पर उसको दिखाऊंगा ।

श्री धनेन्द्र साहू :- बहुत सारे गांव हैं जहां पर स्रोत भी उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। तीन-चार बोर मिलाकर उसको सम्पवेल बनाकर योजना बना दी गई है, ऐसी भी कोशिश की जा रही है लेकिन इसके बावजूद भी अनेक गांव हैं जहां स्रोत नहीं है । केवल सिविल वर्क हो गया है, वहां स्रोत के लिए अधिकारी जवाब देते हैं कि हमारे पास फंड नहीं है । उनको अतिरिक्त फंड देकर स्रोत उपलब्ध कराना सुनिश्चित कर दें। मेरा एक आग्रह और है कि अनेक जगहों पर टंकी का काम चालू नहीं हुआ है और पाईप लाईन का काम चालू कर दिया गया है । बहुत सी जगहों पर टंकी का काम चालू नहीं हो रहा है और पूरे गांवों में खुदाई करके रख दिया गया है, पूरा अस्त-व्यस्त हो गया है, लोगों का आना-जाना नहीं हो रहा है । तो पहले टंकी के काम की पूर्णता सुनिश्चित कर दें, उसके बाद पाईप लाईन का काम करें । ताकि उसकी सप्लाई, टेस्टिंग और पूरा करने का काम करें । मेरे यहां प्राय: सारे गांवों में यही स्थिति है । टंकी का काम चालू नहीं हुआ लेकिन पाईप लाईन के लिए खुदाई करके रख दिया गया है ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी, कई प्रकार की योजनाएं होती हैं। नलजल योजना, जिसमें टंकी बनाकर पानी सप्लाई किया जाता है । स्पॉट सोर्स होता है जिसमें बोर के ज़रिये पाईप लाईन का विस्तार करके घर-घर पानी उपलब्ध कराया जाता है । गांव के हिसाब से योजना तैयार की जाती है । सम्माननीय अध्यक्ष जी, मैं बार-बार बोल रहा हूं कि आप बहुत सीनियर लीडर हैं, आप मुझे गांव का नाम बता दें मैं आपके सामने आदेश दे रहा हूं, आप जैसा चाहेंगे वैसा हो जाएगा ।

श्री धनेन्द्र साहू :- गांवों में टंकी का काम शुरू नहीं हुआ है, वहां पाईप लाईन का काम न कराएं । जब तक टंकी पूर्ण नहीं हो जाती तब तक ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- मैं आपके सामने आदेश दे रहा हूं, पहले पानी टंकी बनेगी उसके बाद आगे का काम होगा ।

श्री धनेन्द्र साहू :- जी धन्यवाद् ।

<u>बिलासपुर जिले के जल जीवन मिशन अंतर्गत जारी निविदायें</u>

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

5. (*क्र. 292) श्री शैलेश पांडे : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- पिछले 2 वर्षों में जल जीवन मिशन द्वारा बिलासपुर जिले को कितनी राशि आवंटित की गई है ? कितनी-कितनी राशि का कितना टेंडर किस-किस संस्था को दिया गया है ?अभी तक कितना कार्य पूर्ण हुआ है?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : पिछले 2 वर्षो में जल जीवन मिशन द्वारा बिलासपुर जिले को रू. 107.88 करोड राशि की आहरण सीमा जारी की गई है। ठेकेदार/संस्थावार दिए गए टेंडर की राशि **पुस्तकालय में रखे प्रपत्र अनुसार** है। अभी तक 28 योजना के कार्य पूर्ण है।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी से प्रश्न किया था, उसका उत्तर मुझे मिला है । जल जीवन मिशन बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है और सरकार गंभीरता से इसको कर रही है । माननीय मंत्री जी ने जवाब में बताया है कि 28 काम, 2 वर्ष में पूर्ण हुए हैं और 484 काम अपूर्ण हैं और 21 काम अप्रारंभ हैं । मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि इसमें जो काम अभी तक नहीं हुए हैं, विलम्ब होने के क्या कारण है ?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- सम्माननीय अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने पूर्व प्रश्न के जवाब में बताया कि अनेक प्रकार की योजनाएं होती हैं । टेंडर की प्रकिया होती है । टेंडर की प्रक्रिया में समय लगता है क्योंकि पूरी समिति टेंडर प्रक्रिया पर निर्णय लेती है । माननीय सदस्य देख सकते हैं कि अकिधतम् काम तो प्रगतिरत् है । टेंडर की प्रक्रिया हो चुकी है और जो बचे हुए काम हैं उनमें भी टेंडर लाईव दिखा रहा है । उसमें आप चिंता न करें ।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय मंत्री जी, आपने यह तो टेंडर की बात बताई । यह तो कागज वाली बात हो गई, यह अपनी जगह पर है । लेकिन फील्ड में भी देखें तो वहां भी कुछ दिक्कतें अवश्य होंगी । मैं आपका ध्यान आकर्षण करना चाहता हूं कि इस कार्य को जल्दी पूर्ण किया जाए और इसके लिए मैं मंत्री जी से एक सवाल और करना चाहता हूं ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय सदस्य, आपके विधान सभा क्षेत्र में कितने गांव हैं ।

श्री शैलेश पांडे :- अध्यक्ष महोदय, हमारे जिले में सत्ता पक्ष के हम दो विधायक हैं, एक संसदीय सचिव हैं, चूंकि वे प्रश्न नहीं पूछ सकतीं और बाकी सभी के लिए पूछना चाहिए क्योंकि यह तो जिले की योजना है । माननीय मंत्री जी मैं जिला मुख्यालय का विधायक हूं इसलिए मेरे पास सभी लोग आते हैं । मैं जनहित में पूछ रहा हूं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- जिले में दो ही विधायक कैसे हैं ?

श्री शैलेश पांडे :- मैंने सत्ता पक्ष के विधायक कहा ।

श्री शिवरतन शर्मा :- सत्ता पक्ष के कहा । आप अपने आप को सत्ता पक्ष के मानते हो क्या ?

श्री शैलेश पांडे :- भगवन् बैठो आप । अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि चूंकि काम हो रहे हैं, इसमें कितना समय लगेगा और इन्हें कब तक पूर्ण कर लिया जाएगा ? यह बता दें बाकी और कोई प्रश्न नहीं है। ताकि जनता को जल्दी से जल्दी जल दे सकें, इतना ही पूछना है ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- आपका लगा है ना, बाद में आ जाएगा ना ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, पूरे रास्तों को बंद कर दिया गया है । मैं साढ़े दस बजे निकला था । 20 किलो मीटर घूम कर आ रहा हूं । कोई पुलिस वाला बताने को तैयार नहीं है कि किधर से विधान सभा जाना है । जगह-जगह रोककर बद्तमीजी कर रहे हैं । एक विधायक अगर सदन आ रहा है उसको रोक रहे हैं तो आम जनता की क्या स्थिति होगी ?

श्री कुलदीप जुनेजा :- अध्यक्ष महोदय, आज सारे समाचार पत्रों में छपा है कि विधान सभा रोड, सड्डू रोड खुला है । सारे अखबारों में छपा है ।

श्री नारायण चंदेल :- बहुत गंभीर विषय है ।

श्री धरमलाल कौशिक :- जिस प्रकार से यह सरकार के द्वारा और इनकी पुलिस के द्वारा अभद्रता की जा रही हे ।

श्री शैलेश पांडे :- मेरा जवाब आ जाने दीजिए । नेता जी मेरा जवाब आ जाने दीजिए ।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को सुनिश्चित करना चाहिए, गृहमंत्री जी गायब हैं। मुख्यमंत्री जी बैठे हैं। (व्यवधान) यह विशेषाधिकार हनन का मामला है। आप विधायक को नहीं रोक सकते।

श्री नारायण चंदेल :- विधायक को रोक रहे हैं, यह बड़ा मामला है। (व्यवधान) विधायक विधान सभा सत्र में नहीं आ पा रहा है। इससे बड़ा क्या विषय है। (व्यवधान)

श्री अजय चंद्राकर :- गृहमंत्री जी वहां सबको रोकवाने गये हैं। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- यह विशेषाधिकार का मामला है। (व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :- भैया, शुरू में तो आप अकेले थे अब तो आठ नौ लोग आ गये हैं। (व्यवधान)

श्री शैलेश पांडे :- माननीय अध्यक्ष जी, जल जीवन मिशन बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है, जनता को जल मिलना चाहिए। (व्यवधान) मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। (व्यवधान)

श्री अमरजीत भगत :- माननीय अध्यक्ष जी, यह घोषणा कर दिए हैं और भीड़ आ नहीं पा रही है। इसलिए यह लोग दुनियाभर का नाटक कर रहे हैं। (व्यवधान)

श्री शैलेश पांडे :- जल जीवन मिशन सरकार का बहुत महत्वपूर्ण कार्य है, जनता को पानी देने का काम किया जा रहा है, उसमें व्यवधान कर रहे हैं। (व्यवधान)

श्री अजय चंद्राकर :- आप बहानेबाजी क्यों कर रहे हैं ? (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- अध्यक्ष जी, आसंदी से कुछ आदेश हो। (व्यवधान)

श्री शैलेश पांडे :- मैं भी बिलासपुर से आया हूं, मुझे किसी ने नहीं रोका। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- आप रायपुर बिलासपुर रोड का बेरिकेट हटाईए। रायपुर बिलासपुर रोड से जहां पर रोका जा रहा है आप वहां से विधायकों को एलाउ करवाईए।

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- अध्यक्ष जी, मैं भी 15 किलोमीटर घूमकर आई हूं। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- कार्यकर्ता तो घूमकर आ जायेंगे जी, जहां आना है। (व्यवधान)

श्री विकास उपाध्याय :- अध्यक्ष जी, शिवरतन भैया जानबूझकर ..।(व्यवधान)

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :-:- अध्यक्ष जी, 15 किलोमीटर वापस जाना पड़ा। (व्यवधान)

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :-:- 15 किलोमीटर घूम लिए, बाकी दिन तो जल्दी आते हो। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- अध्यक्ष जी, हम लोग सीधा-सीधा आये हैं, कहीं किसी को नहीं रोका गया है। (व्यवधान) यह लोग जानबूझकर माहौल बना रहे हैं।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अखबार में इतनी बड़ी-बड़ी हेडलाईन दी है कि कौन सा रास्ता खुला है, कौन सा रास्ता बंद है। सरकार ने इतना बड़ा बड़ा अखबार में दिया है। उनको पढ़कर आना चाहिए था ना।

डॉ. रश्मि आशिष सिंह :- वह सौरभ सिंह जी क्या-क्या पढ़ा रहे हैं, हम लोगों को मालूम है।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- अध्यक्ष जी, पहली बात तो यह है कि लोगों का इकट्ठा नहीं होने का बहाना यह उचित नहीं है।

श्री अजय चंद्राकर :- वाह, हम तो सिर्फ विधायकों की बात कर रहे हैं। आप सबको रोक दीजिए।

श्री रविन्द्र चौबे :- दूसरी बात यह है कि, किसी को नहीं रोका जा रहा है।

श्री शिवरतन शर्मा :- हमको रोका गया, इनको रोका गया।

श्री रविन्द्र चौबे :- माननीय विधायकों को आने से किसी को नहीं रोका गया है।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं वीडियो भी दिखा दूंगा। रोका गया है। एक-एक जगह नहीं तीन-तीन जगह रोका गया है। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, आप इतना असत्य कथन ना करें।

श्री अजय चंद्राकर :- भयभीत सरकार। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- एक आंदोलन के लिए इतने भयभीत कि चारों तरफ का रास्ता बंद। सरकार के मन में इतना भय।

श्री रविन्द्र चौबे :- सरकार नहीं है, विधान सभा तो आपका है। विधान सभा का घेराव हो रहा है, प्रशासन की तैयारी रहती है। बेरिकेट लगे हैं।

श्री धरमलाल कौशिक :- तो विधायक को रोकेंगे।

श्री शिवरतन शर्मा :- तो आप विधायकों को रोकेंगे।

श्री रविन्द्र चौबे :- किसी विधायक को नहीं रोका गया है। (व्यवधान)

श्रीमती इंदू बंजारे :- माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, रोका गया है। (व्यवधान)

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- रोके गये हैं। हमको भी तीन जगह रोका गया है।

श्री रविन्द्र चौबे :- सवाल ही नहीं है।

श्री धरमलाल कौशिक :- आपको अभी वीडियो दिखा दें।

श्री अमरजीत भगत :- ना किसी को रोका गया है ना किसी को कुछ किया गया है। (व्यवधान)

श्रीमती इंदू बंजारे :- आपके पुलिस के द्वारा यह कहा गया कि आपको पहले आना चाहिए था। क्या वह पुलिस बताएंगे कि समय से पहले आना चाहिए या बाद में आना चाहिए। अगर ऐसा था तो आप लोगों को कल ही सूचना देना चाहिए था। (व्यवधान) पुलिस का अधिकारी हमको निर्देशित कर रहा है कि सदन की कार्यवाही में हम यहां पहले से उपस्थित हो जाएं। (व्यवधान) यह कितनी लज्जा की बात है।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय विधायक जी वीडियों बनाकर लाए हैं, उसको दिखा देते हैं। विधान सभा में वीडियो को दिखा देते हैं। (व्यवधान) आप इतने भयभीत हो गये हो। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह गंभीर विषय है।

श्री अरूण वोरा :- माननीय अध्यक्ष जी।

अध्यक्ष महोदय :- आप बैठ जाईए। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- बिलासपुर रोड पर रोक रहे हैं, आरंग रोड पर रोक रहे हैं। विधायकों को चारो तरफ रास्ता में रोका जा रहा है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- माननीय गृह मंत्री जी।

श्री अमरजीत भगत :- ना किसी को रोका गया है ना किसी को टोका गया है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माने हम लोग असत्य बोल रहे हैं। (व्यवधान)

श्रीमती इंदू बंजारे :- आप अपने अधिकारियों से पूछ लीजिए। (व्यवधान)

सुश्री शकुंतला साहू :- किसी भी विधायक को रोका नहीं गया है। (व्यवधान) हम लोग भी आए हैं।

गृहमंत्री (श्री ताम्रध्वज साहू) :- कोई किसी को रोका नहीं गया है बल्कि हम कोशिश कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उधर आ जाए। कहीं कोई रोका नहीं जा रहा है। (व्यवधान) बल्कि आप लोगों के खाने की व्यवस्था की गयी है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष जी, गृहमंत्री जी सदन में गलत जानकारी दे रहे हैं। आप स्वयं किसी को भेज करके चेक करवा लीजिए। रोका जा रहा है या नहीं रोका जा रहा है। माननीय गृहमंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं।

श्रीमती ममता चंद्राकर :- हम 71 लोगों को नहीं रोके तो 14 लोगों को कहां रोकेंगे। (व्यवधान)

डॉ. विनय जायसवाल :- 71 लोगों को नहीं रोका गया है, 14 लोगों को रोका गया। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- जब हम लोगों को नहीं रोका गया है तो क्या 14 लोगों को रोका जाएगा ? (व्यवधान)

श्री अमरजीत भगत :- अगर पुलिस रोकती तो यहां तक कैसे आते ?

सुश्री शकुंतला साहू :- हम लोगों को नहीं रोका गया है, बस आप लोगों को रोकेंगे। फालतू का असत्य बोलते रहते हो।

श्री अमरजीत भगत :- पुलिस कहीं नहीं रोक रही है आप लोगों का केवल बहानेबाजी है। (व्यवधान)

श्री शैलेश पांडे :- यहां पर सब्जी भाजी वाला आ रहा है। आपको आने को नहीं मिल रहा है ?

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- किसी को नहीं रोका जा रहा है।

डॉ. विनय जायसवाल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, बी.जे.पी. का पंडाल लगा हुआ था, वहां पर एक भी आदमी नहीं थे। यह पूरा का पूरा नाटक चल रहा है।

अध्यक्ष महोदय :- चलिए, इस बात को समाप्त करिए।

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- चलिए ना आप चलिए, अभी चलिए।

डॉ. विनय जायसवाल :- आपके पंडाल में एक भी लोग नहीं थे।

श्री अरूण वोरा :- माननीय अध्यक्ष जी, यह (व्यवधान) निकालने की प्रक्रिया चल रही है।

अध्यक्ष महोदय :- चलिए इस बात को समाप्त करिए।

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- चलिए ना आप चलिए।

अध्यक्ष महोदय :- वोरा जी बैठिए। (व्यवधान)

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- आप चलिए ना।

अध्यक्ष महोदय :- डॉ. साहब बैठिए। (व्यवधान)

सुश्री शकुंतला साहू :- चलिए आप चलिए।

डॉ. विनय जायसवाल :- माहौल बना रहे हैं।

सुश्री शकुंतला साहू :- चलिए, आप चलिए हम तैयार हैं।

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- चलो, चलो। (व्यवधान)

(माननीय सदस्य श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू एवं संसदीय सचिव सुश्री शकुंतला साहू द्वारा अपनी सीट से बाहर आकर बात रखने पर)

श्रीमती रंजना डीपेन्द साहू :- किस बात पर विधायकों को रोकेगा ? (व्यवधान) विधान सभा आने का।

श्री अमरजीत भगत :- शांति-शांति । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- सुनिए, सुनिए।

सुश्री शकुंतला साहू :- फालतू असत्य बोलती रहती है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने अपनी पीड़ा आपके सामने व्यक्त की है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप स्वयं इसको चेक करा लीजिए। माननीय गृहमंत्री जी सदन में गलत जानकारी दे रहे हैं और विधायक सदन में न आ पाये, इसके लिए सत्ता पक्ष के विधायक जानबूझकर हो-हुल्लड़ कर रहे हैं। आप स्वयं इसको चेक करवा लीजिए।

अध्यक्ष महोदय :- मैंने माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को बोल दिया है। माननीय गृहमंत्री जी अभी आये हैं उनसे। आप सुन लीजिए।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, गृहमंत्री जी आ गये हैं इसलिए आप गृहमंत्री जी को निर्देशित करें क्योंकि संसदीय कार्य मंत्री जी उलझाने का काम करते हैं।

अध्यक्ष महोदय :- मैं गृहमंत्री जी को पुन: निर्देशित करता हूं। प्लीज, आप बैठिये। भगत जी, प्लीज।

श्री अमरजीत भगत :- माननीय अध्यक्ष महोदय, केवल संदिग्ध लोगों को रोका जा रहा है । सदस्यों को कहीं नहीं रोका जा रहा है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, एक मंत्री यह कहे कि संदिग्ध लोगों को रोका जा रहा है। इसका मतलब यह है कि हम विधायक लोग संदिग्ध हैं। इससे शर्मनाक स्थिति और क्या हो सकती है ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- विधायकों को नहीं रोका जा रहा है। इन्होंने यह कहा कि विधायकों को नहीं रोका जा रहा है, केवल संदिग्ध लोगों को रोका जा रहा है। क्या आप संदिग्ध हैं ?

श्री शिवरतन शर्मा :- इसका मतलब यह है कि हम लोग गलत बोल रहे हैं ? हमको बताया गया कि केशव प्रसाद चंद्रा जी को रोका गया। हम लोग तो यहां बैठे हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- क्या आप संदिग्ध हैं ? जब आप संदिग्ध नहीं हैं तो क्यों रोकेंगे ?

श्री शिवरतन शर्मा :- हम लोगों ने खुद देखा था।

श्री अरूण वोरा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इनके 15 में से 13 विधायक आ चुके हैं और किसको रोका जा रहा है ?

अध्यक्ष महोदय :- वोरा जी, आप बैठिये।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी प्रश्नकाल चल रहा है और ये लोग व्यवधान कर रहे हैं।

श्री कुलदीप जुनेजा :- एक मिनट, धरम भैया आये हैं, धरम भैया से पूछिये। धरम भैया, क्या आपको किसी ने आने से रोका है ?

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, आप लोग बैठिये। माननीय गृहमंत्री जी, आप जरा अपने अधिकारियों से जानकारी ले लें। किसी भी तरह से किसी भी विधायक को विधान सभा में अपने कर्तव्य पालन के लिए आने से रोका नहीं जा सकता। आप उनको निर्देशित कर दीजिए। यदि आपके अधिकारी ऐसा कर रहे हैं तो वह गलत कर रहे हैं।

श्री ताम्रध्वज साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सामान्य तौर पर।

श्री धर्मजीत सिंह :- मंत्री जी, एक मिनट, व्याख्या दे देना। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं भी आने में बहुत लेट हो गया। इधर शांति सरोवर से जाओ। पुलिस की व्यवस्था से हमें कोई आपत्ति नहीं है। बड़े-बड़े प्रोग्राम के समय पुलिस की तरफ से एक नक्शा बनाकर अखबारों को छपवाया जाता है कि विधायकों को किधर से आना है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- धरम भैया, आज के पेपरों में छपा है।

श्री शैलेश पाण्डे :- छपा है।

श्री धर्मजीत सिंह :- क्या छपा है ? आपको बड़ा-बड़ा छपवाना चाहिए। बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। दूसरी तरफ खंभा लगा है। इधर से जाओ तो वहां पर खंभा, वहां पर दीवार है। मंत्री जी, यह राजनीतिक आंदोलन हो रहा है और आप राजनीतिक दल के जिम्मेदार सत्ता में बैठे हैं। यहां कोई आतंकवादी हमला होने वाला नहीं है। यहां इतनी बड़ी तैयारी की जरूरत नहीं थी। लेकिन अब आप जबरदस्ती इसकी तैयारी करके इसका महत्व बढ़ा रहे हैं तो उसको कौन क्या करेगा ?

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय, आपको पिछली बात बताती हूं।

श्री अमरजीत भगत :- धरम भैया, किसी भी सदस्य को रोका नहीं जा रहा है। संदिग्ध व्यक्ति को तो हमेशा रोका जाता है।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय धर्मजीत जी बोल रहे हैं कि उसको पेपर में ठीक से फ्लेश करते तो जैसे बजट का विज्ञापन दिये थे, वैसे ही इसका भी विज्ञापन दे देते कि भारतीय जनता पार्टी के आवास का घेराव है इसलिए हम रास्ता बनाये हैं करके मुख्यमंत्री जी अपने पत्रकारों से एक विज्ञापन जारी करवा देते। जिससे सब लोगों को पता...। आप जनसंपर्क अधिकारी से करवा देते ।

श्री अमरजीत भगत :- अच्छा, आप लोग 1 लाख लोग आएंगे करके घोषणा तो कर दिये हैं लेकिन अब 1 लाख लोग नहीं आएंगे तो हम क्या करेंगे ?

श्री धर्मजीत सिंह :- आप दिलवा देते, हमारे...। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- यह भाजपा का आंदोलन है करके करवा देते।

श्री अमरजीत भगत :- आप लोगों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भड़काने की बहुत कोशिश की।

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, खाद्य मंत्री जी का यह बयान ठीक नहीं है। आप धर्मजीत जी को संदिग्ध बोल रहे हैं।

श्री अमरजीत भगत :- नहीं, मैंने किसी भी सदस्य को संदिग्ध नहीं कहा। सदस्यों को नहीं रोका जा रहा है। संदिग्ध लोगों को हमेशा रोका जाता है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- नहीं, यह धर्मजीत जी को कैसे संदिग्ध बोल सकते हैं ?

श्री कुलदीप जुनेजा :- संदिग्ध व्यक्तियों को रोका जा रहा है और हमेशा रोकते हैं।

श्री नारायण चंदेल :- हम तो यहां आने की बात कर रहे हैं। यहां पर जो आ रहे हैं वह उनको रोक रहे हैं।

श्री अमरजीत भगत :- यदि किसी की गतिविधि संदिग्ध हो तो उसको हम क्या बोल सकते हैं ?

श्री कुलदीप जुनेजा :- यह ऐसा नहीं बोल सकते। नेता प्रतिपक्ष जी जबरदस्ती ऐसा बोल रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, आप लोग बैठिये।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- धरम भैया पेपर पढ़ते नहीं हैं। आप सभी पेपरों में छपा है।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय मंत्री जी, आप बैठ जाएं।

श्री धर्मजीत सिंह :- भैया, वह छोटा-छोटा छपा होगा। हमको ठीक से दिखता नहीं है।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह पेपर-पेपर बोल रहे हैं। यह पेपर कोई माध्यम नहीं है। यह 90 विधायकों के साथ पुलिस लगवा देते और हमको रास्ता बता देते।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, आपका प्रस्ताव सुन लिया। जरा आप बताइये।

श्री ताम्रध्वज साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, जब विधान सभा सत्र आहूत होता है तो सामन्य नियम और निर्देश है कि विधायकों को किसी भी प्रकार से रोका न जाए। उनको यहां आने की पूरी सुविधा दी जाती है। यहां तक कि यदि गाड़ियां रूकी हैं या ट्रैफिक जा रहा है तो उनको रोक कर विधायकों को विधान सभा पहुंचने की व्यवस्था है। (मेजों की थपथपाहट) आज की स्थिति में यदि बैरिकेट्स में रोका जा रहा होगा तो वह कौन है, इसको देखने के लिए एक सेकण्ड भले रोकेंगे, पर विधायकों को विधान सभा आने से किसी भी प्रकार की रोक नहीं है। फिर भी मैं और निर्देश करवा देता हूं कि विधायकों को न रोका जाएं।

श्रीमती इंदू बंजारे :- माननीय गृहमंत्री जी, बताने के बावजूद भी आपके पुलिस अधिकारी यह बोल रहे हैं कि आपको समय से पहले आना चाहिए था। यदि ऐसी बात थी तो माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी कल ही हम लोगों को बोल देते कि आप सभी माननीय सदस्यों को 11 बजे से पहले आना है। वह हमें निर्देशित कर रहे हैं कि हमें समय से पहले आना चाहिए।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- आप यहां भोजन की व्यवस्था करवा देते। हम लोग रात भर यहीं पर रूक जाते।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये।

श्री ताम्रध्वज साहू :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, उनके कहने का अर्थ यह नहीं है कि आप समय से पहले निकलते, आज भीड़ होगी। दूसरे दिन भीड़ नहीं होती है आज भीड़ होगी इसलिए आप आज पहले से आ जाएं। यह एक सामान्य चर्चा है।

अध्यक्ष महोदय :- आप तीन-चार बार बोल चुके हैं। आप क्या चाहते हैं ?

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, उसके बाद भी यह गलत जानकारी दे रहे हैं कि विधायकों को पूछने के लिए रोका गया। यह रोड चालू है। पुलिस की गाड़ियां आ-जा रही हैं पर विधायकों को 10 किलोमीटर घूमाया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय :- हर बार गलत जानकारी दे रहे हैं । हर बात को इतना लंबा-चौड़ा बढ़ाकर मत करिए । विधान सभा का ख्याल रखिए । आप सबने मजाक बना रखा है ।

श्री शैलेश पांडे :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा अंतिम प्रश्न है । माननीय मंत्री जी, यह महत्वपूर्ण योजना है, प्रदेश की जनता को जल मिले । मैं आपसे जानना चाहता हूं कि यह काम कब तक खत्म हो जाएगा, हम जनता को कब तक जल दे पाएंगे, उसकी कोई समय-सीमा है तो बता दीजिए ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हर योजना की अपनी अलग-अलग समय-सीमा होती है । कुछ सिंगल विलेज की समय सीमा 9 महीने होती है । इस तरीके से जैसे वर्क आर्डर दिया जाता है, उसके हिसाब से समय सीमा रहती है। निश्चित तौर पर मैं यकीन दिला रहा हूं कि सरकार में रहते रहते आपकी जो चिन्ता है, उसको दूर करेंगे ।

<u>विधानसभा क्षेत्र चंद्रपुर में संचालित क्रेशर</u>

[खनिज साधन]

6. (*क्र. 978) श्री रामकुमार यादव : क्या मुख्यमंत्री महोदय यह बतानेकी कृपा करेंगे कि :- (क) चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 - 22 से 31.01.2023 की अवधि में कुल कितने क्रेशर संचालित हैं ? इनमें से कितने वैध एवं कितने अवैध रूप से संचालित हैं ? विकासखंडवार नाम सहित सूची देवें। (ख) उन क्रेशरों के द्वारा शासन को कब-कब व कितनी-कितनी रायल्टी का भुगतान किया गया है तथा कितना शेष है ? (ग) अवैध उत्खनन या रायल्टी में गड़बड़ी की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं एवं उनपर क्या कार्यवाही की गयी है ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :(क) चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2021-22 से 31.01.2023 तक कुल 06 क्रेशर वैध रूप से संचालित है। जिसमें से 01 क्रेशर उत्खननपट्टा क्षेत्र के भीतर एवं 05 क्रेशर भण्डारण अनुज्ञापत्र प्राप्त कर संचालित है। विकासखण्डवार जानकारी "संलग्न

प्रपत्र"[2] अनुसार है। (ख) भण्डारण स्थल पर स्थापित क्रेशर से कोई रायल्टी प्राप्त नहीं होती है। अपितु क्रेशरयुक्त उत्खननपट्टा से वित्तीय वर्ष 2021-22 में रायल्टी राशि 15 लाख 03 हजार 200 रूपये एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 (दिनांक 31.01.2023 तक) में रायल्टी राशि 11 लाख 19 हजार 200 रूपये प्राप्त हुआ है। (ग) प्रश्नाधीन अवधि में चन्द्रपुर विधानसभा क्षेत्र में अवैध उत्खनन या रायल्टी में गड़बड़ी की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। अतः जानकारी निरंक है।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछे रेहेंव कि मोर क्षेत्र चन्द्रपुर में वर्ष 2021-22 से 31.01.2023 की अवधि में कुल कितने क्रेशर संचालित हे, ओमा कतका अकन वैध हे, कतका अकन अवैध हे। यह मैं पूछे रेहेंव, कतना अकन रायल्टी मिले हे ? ये सब ला पूछे रेहेंव । मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से यही पूछना चाहथौं कि अभी तक कतना शिकायत प्राप्त होए हे?

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की अवैध खदान या गिट्टी क्रेशर की अभी कोई शिकायत नहीं है ।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी से ये निवेदन करना चाहथौं कि जैसे कोई गांव में पथरा खदान खुल गे, कोई ग्रामीण के गांव में रेत के खदान खुल गे । अब वो गांव के रेत के मालिक वही मन हे, लेकिन कोई आदमी ओ खदान ला ले लेथे अउ गांव के गरीब आदमी ला मान लो एक ट्रेक्टर रेत के जरूरत पड़थे त ओला ओकर कना ज्यादा पईसा में बिसाए बर लागथे । मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहथौं कि ऐसे ग्रामीण स्तर में जहां रेत खदान हे, ऊंहा के ग्रामीण मन ला, मूल निवासी मन ला कम से कम आधा पईसा में रेत मिलना चाहिए, अईसे मैं आपसे निवेदन करना चाहथौं ।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह गिट्टी खदान और क्रेशर से संचालित प्रश्न है और माननीय सदस्य रेत का प्रश्न पूछ रहे हैं तो इससे उद्भूत नहीं होता ।

अध्यक्ष महोदय :- फिर भी उनकी मंशा जानते हुए कुछ कह दीजिए ।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, उसके नियम बने हुए हैं और नियम के तहत ही सबको रेत उपलब्ध होता है ।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी सब्बो विभाग के मुख्यमंत्री हे । वास्तव में हमन गांव के आदमी आन, गांव-गांव जाथन त जानथन, ओ गांव मा रेत ला ऊंही मन ला बिसाए बर लागथे, नहात-खोरत ऊंही मन के नरवा हे । अउ कोई रायपुर या कहीं ले जाके रेत के ठेका ले लेथे तो ओ मन ला मोर निवेदन हे कि कम से कम कुछ रियायत ओ मन ला मिलना

[2] परिशिष्ट "दो"

चाहिए । गरीब आदमी हे, ओमन ज्यादा भाव में बिसाथे तो निवेदन हे, कम से कम एकर विचार कर लौ ।

अध्यक्ष महोदय :- ठीक हे न । जब मुख्यमंत्री जी फुर्सतहा में बईठे रहिथे त तै जाकन मिलेकर अउ ओकर से जाके निवेदन कर लेबे ।

प्रश्न संख्या-7 XX XX

<u>तेंदूपत्ता गोदाम निर्माण कार्य में अनियमितता की जांच</u>

[वन एवं जलवायु परिवर्तन]

8. (*क्र. 1030) श्री बघेल लखेश्वर : क्या वन मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- (क) क्या विभाग बस्तर वनमण्डल अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए गोदामों का निर्माण कर रहा है ? यदि हां तो इससे संबंधित वर्ष 2021-22 से 31.01.2023 तक स्वीकृत व अब तक व्यय की गई राशि के संबंध में बतावें ? (ख) क्या इन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच व खर्च की गई राशि के अनुपात में निर्माण होने की स्थिति की जांच की गई है ? कृपया बतावें ?

वन मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) : (क) जी नहीं, गोदामों का निर्माण छ.ग.राज्य लघु वनोपज के द्वारा कराया जा रहा है । वर्ष 2021-22 से 31.01.2023 तक स्वीकृत एवं व्यय की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है:-

स्वीकृत राशि (रू. लाख में)	व्यय राशि (रू. लाख में)
877.78	670.02

(ख) जी हाँ ।

श्री लखेश्वर बघेल :- माननीय अध्यक्ष जी, मेरा प्रश्न तेंदूपत्ता गोदाम निर्माण से संबंधित था, उसमें मंत्री जी ने उत्तर दिया है । मैं इसमें प्रश्न करना चाहूंगा कि उक्त निर्माण कार्य तेंदूपत्ता गोदाम की स्वीकृति किस वर्ष हुई थी और प्रति गोदाम कितनी लागत की थी । आज की वर्तमान स्थिति में उसकी अद्यतन स्थिति क्या है और निविदा कब बुलाई गई थी ?

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नाधीन अवधि वर्ष 2021-22 से 31.01.2023 तक स्वीकृत एवं व्यय राशि की जानकारी इस प्रकार है-स्वीकृत राशि 877.78 लाख रूपये एवं व्यय राशि 670.02 लाख रूपए है । इन गोदामों का निर्माण वन विभाग द्वारा नहीं

किया जा रहा है, इसका निर्माण लघु वनोपज संघ द्वारा किया जा रहा है । माननीय सदस्य ने पूछा है कि यह गोदाम कितनी लागत का है ? प्रति गोदाम की लागत 1 करोड़, 44 लाख, 44 हजार रूपये है।

श्री लखेश्वर बघेल :- माननीय अध्यक्ष जी, इन गोदामों के निर्माण कार्य को देखरेख के लिए विभाग में कोई तकनीकी कर्मचारी है क्या ? इनका वैल्यूवेशन किनके द्वारा किया जाता है । इस संबंध में समाचार-पत्रों में ढेर सारी शिकायतें हई हैं। अनियमितता के सम्बन्ध में शिकायतें हुई हैं। गुणवत्ताविहीन सामग्री डाली जा रही है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, गुणवत्ता की जांच के लिए गुणवत्ता टेस्ट कराया जाता है। गोदाम निर्माण कार्य के लिए उपयोग सामग्री का गुणवत्ता टेस्ट इंजीनयरिंग महाविद्यालय धरमपुरा जगदलपुर के द्वारा किया गया है। गोदाम का पर्यवेक्षण व्ही.सी.एस क्वालिटी सर्विसेज प्रायवेट लिमिटेड मुम्बई एवं जिला यूनियन स्तर पर एम.डी. और एडिश्नल एम.डी. जगदलपुर द्वारा किया जाता है। माननीय सदस्य की चिंता है कि कहीं गुणवत्ताहीन सामग्री डाला जा रहा है, तो पर्टिक्यूलर बता दें तो हम उस जगह को दिखवा लेंगे। उसमें कहीं कोई दिक्कत नहीं है।

श्री लखेश्वर बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, पर्टिक्यूलर जगह नहीं, एक ही जगह में 6 गोदाम बन रहे हैं। जहां पर 6 गोदाम बन रहे हैं, इसमें कई शिकायतें कई बार हुई हैं। विभाग से इस सम्बन्ध में कोई जांच हुआ है क्या ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां आलरेडी नियमित पर्यवेक्षण की प्रक्रिया है। मैंने अभी बताया कि व्ही.सी.एस क्वालिटी सर्विसेज प्रायवेट लिमिटेड मुम्बई एवं जिला यूनियन स्तर पर जो प्रबंध संचालक हैं, उप प्रबंध संचालक हैं, जिला यूनियन जगदलपुर के द्वारा इसका पर्यवेक्षण किया जाता है। गुणवत्ता का जो टेस्ट होता है, वह गोदाम निर्माण हेतु उपयोग सामग्री का गुणवत्ता टेस्ट इंजीनयरिंग महाविद्यालय धरमपुरा जगदलपुर के द्वारा किया गया है। अभी इस तरह की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है कि कहीं गुणवत्ताहीन सामग्री है। 6 गोदाम बन रहे हैं। माननीय सदस्य जी बता दें कि कही किसी जगह पर गुणवत्ताहीन काम हो रहा है तो उसको दिखवा लेंगे और उसको ठीक करवा लेंगे।

<u>बिलासपुर संभाग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत समूह जल प्रदाय योजना</u>

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

9. (*क्र. 982) श्री केशव प्रसाद चंद्रा : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** बिलासपुर संभाग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कितने समूह जल प्रदाय योजना प्रस्तावित किये गये हैं, कितने की प्रशासकीय स्वीकृति जारी हुई है एवं कितने का निर्माण हेतु

कार्यादेश जारी किया गया है, बतायें ? **(ख)** क्या प्रश्नांक "क" से संबंधित प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त योजनाओं के निविदा आमंत्रण में ठेकेदार के पात्रता निर्धारण हेतु पृथक-पृथक मापदण्ड हैं? यदि हां तो इसके लिए उत्तरदायी एवं दोषी कौन है, बतायें ? **(ग)** समूह जल प्रदाय योजना को पूर्ण करने हेतु क्या समय सीमा निर्धारित की गयी है, बतायें ?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : **(क)** बिलासपुर संभाग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 21 समूह जल प्रदाय योजना प्रस्तावित की गयी है, 16 की प्रशासकीय स्वीकृति जारी हुई है। निर्माण हेतु किसी भी समूह जल प्रदाय योजना का कार्यादेश जारी नहीं किया गया है। **(ख)** जी नहीं। प्रश्न ही उपस्थित नहीं होता है। **(ग)** केन्द्र शासन द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत वर्ष 2024 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।

श्री केशव चन्द्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, 21 समूह जल प्रदाय योजना में से केवल 16 की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेरे प्रश्नांश 'ख' में पूछा है कि क्या अलग-अलग नियम बनाया गया है ? आपने कहा "जी नहीं"। माननीय मंत्री जी, निविदा आमंत्रित किया गया है। किसी जगह के लिए आपके अधिकारी ने 5 साल का अनुभव रखा है और किसी जगह के लिए 10 साल का अनुभव रखा है। इसीलिए निविदा को निरस्त किया गया था। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि अलग-अलग जगह के लिए ठेकेदार को लाभ देने के लिए अलग-अलग 5 साल, 10 साल के अनुभव का नियम क्यों बनाया गया है ?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी, प्रश्न उद्भुत नहीं होता है। क्योंकि सदस्य सिंगल विलेज की बात कर रहे हैं और यहां मल्टी विलेज का प्रश्न किया गया है।

श्री केशव चन्द्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मल्टी विलेज की ही बात कर रहा हूं। समूह जल योजना ही है। मैं समूह और सिंगल इतना जानता हूं। आपने समूह जल प्रदाय योजना में जानकारी दिया है कि निविदा आमंत्रित नहीं हुआ। आप अपने अधिकारी से पता कर लीजिये कि रायपुर से रायगढ़ जिले के लिए, मुंगेली जिले के और रायपुर के लिए निविदा आमंत्रित हुआ और तीनों जगहों के लिए अलग-अलग अनुभव मांगा गया है। किसी में 5 साल का अनुभव मांगा गया है, किसी में 10 साल के लिए अनुभव मांगा गया है। मैं आपसे इतना ही जानना चाहता हूं कि..।

अध्यक्ष महोदय :- आपका प्रश्न बिलासपुर संभाग से सम्बन्धित है और आप जो नाम ले रहे हैं, वे बिलासपुर संभाग में नहीं आते।

श्री केशव चन्द्रा :- रायगढ़ ? मेरे हिसाब से रायगढ़ तो बिलासपुर संभाग में आता है।

अध्यक्ष महोदय :- रायपुर नहीं आता है।

श्री केशव चन्द्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, रायपुर नहीं आता, ठीक है। लेकिन रायगढ़ और मुंगेली तो बिलासपुर संभाग में आता है। पूरे प्रदेश के लिए आपका एक ही नियम रहेगा। मान लो

बिलासपुर संभाग है तो वहां के 5 साल का अनुभव रखेंगे, रायपुर संभाग में 10 साल का अनुभव क्यों रखेंगे ?

माननीय अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इस प्रश्न के उत्तर में आपके विभाग ने ही गलत जानकारी दिया है-"जी नहीं", जबिक निविदा आमंत्रित हुआ है। नियम अलग-अलग है, प्रावधान अलग-अलग है। माननीय मंत्री जी हम सबकी भावना है कि सबको पानी मिले। 21 समूह जल प्रदाय योजना में से केवल 16 की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। आप समूह जल प्रदाय योजना में निविदा आमंत्रित करेंगे तो कितने दिन लगेंगे ? जो कार्य पूर्ण करने का जो समय है, उसमें कहा गया है कि 2024 तक पूर्ण कर लेंगे। अभी उसका निविदा भी आमंत्रित नहीं हुआ है। कृपया यह बतायें या जांच करवा लें ? आप बोल रहे हैं कि निविदा आमंत्रित नहीं हुआ है तो जांच करवा लें कि निविदा हुआ है क्या ? अलग-अलग नियम बनाया गया है क्या ? क्यों निविदा निरस्त किया गया ? मेरा आपसे निवेदन है कि आप उसमें जांच करवा लें और जो भी अधिकारी दोषी हो उसके ऊपर कार्रवाई कर दें।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी, निश्चित तौर पर पानी पिलाना पुण्य का काम है। जगतगुरू होने के नाते माननीय मुख्यमंत्री जी ने मुझे बहुत अच्छा विभाग दिया है। आप आपको पानी पिलायेंगे। आप उसके लिए निश्चिंत रहें। रही बात आपके प्रश्न की तो मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, मल्टी विलेज स्कीम का जो भी नियम है, प्रदेश स्तर पर बनता है, जिलों में नहीं बनता है । पूरे प्रदेश के लिये शेम नियम है, यह किसी भी जिले की हो । हालांकि आपने क्वेश्चन के बाहर के दूसरे जिले की बात की है, मैं पूरे प्रदेश की बात कर रहा हूँ, पूरे प्रदेश के लिये शेम नियम है । आप जो बात कर रहे हैं, निश्चित तौर पर समयावधि में हम पूरा करेंगे। साथ ही साथ मुझे यह बताते हुये खुशी होती है कि आपने एक संभाग का पूछा, उसकी आपको जानकारी मिली, पूरे प्रदेश में 77 मल्टी विलेज स्कीम बनकर तैयार है, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति भी हो चुकी है । आप निश्चिंत रहे, हम समय में पूरा कर लेंगे ।

अध्यक्ष महोदय :- गुलाब कमरो जी ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का तो जवाब आया ही नहीं है, क्या समूह जल योजना का टेण्डर जारी हुआ था ? उस टेण्डर पर अनुभव का अलग-अलग नियम 5 साल और 10 साल का रखा गया था । माननीय मंत्री जी, आप बता दें कि टेण्डर जारी किये क्या ? वह निरस्त हुआ क्या ? मेरे को मालूम है कि सब टेण्डर रायपुर से ही जारी करेंगे, प्रदेश में नीति बना है, क्या नीति में भिन्नता थी ? क्या अलग-अलग जिले के लिये आपने टेण्डर जारी किया और उस टेण्डर को निरस्त भी किये हैं क्या ? माननीय मंत्री जी, आपने ऑनलाईन टेण्डर मंगाया है, यह ऑन रिकार्ड है ।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, प्रश्न करिये । प्रश्न ।

श्री गुरू रूद्र प्रसाद :- माननीय अध्यक्ष जी, मैंने जवाब दिया है, मैं दोबारा जवाब दे रहा हूँ । टेण्डर की प्रक्रिया चलते रहती है, फर्स्ट टेंडर में अगर सिंगल कॉल आ रहा है, लेकिन नियम की जो बात

कर रहे हैं, मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, पूरे प्रदेश के लिये एक ही नियम है, अगर आपको ऐसा कुछ लग रहा है तो आप मुझे दे दीजिए, मैं उसकी जांच करा दूंगा । माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा हूँ । मैं बोल तो रहा हूँ कि जांच करवा लूंगा ।

अध्यक्ष महोदय :- जांच तो करा लेंगे ना ? कोई विशेष शिकायत है तो आप लिखकर दे दीजिए ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मिरौनी बैराज और साराडीह बैराज मेरे सक्ती जिले में आता है, यह भी समूह जल योजना है । क्या इसकी प्रशासकीय स्वीकृति हो गई है ? अगर नहीं हुआ है तो कब तक होगा और हो गया है तो इसके लिये आप टेण्डर कब जारी करेंगे ? आप उस गांव में पानी टंकी और पाईप लाईन बिछा रहे हैं, लेकिन यह योजना जब तक चालू नहीं होगा, पाईप लाईन और टंकी का कोई औचित्य नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय :- मिरौनी और साराडीह के बारे में आपने प्रश्न में नहीं पूछा है ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- अध्यक्ष महोदय, मैंने पूछा है, मिरौनी और साराडीह समूह जल योजना में है, जो जवाब दिये हैं, 21 बता रहे हैं, उसमें मिरौनी और साराडीह है ।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- अध्यक्ष जी, टेण्डर प्रक्रिया में उसकी प्रशासनिक स्वीकृति हो चुकी है ।

अध्यक्ष महोदय :- गुलाब कमरो जी ।

<u>भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत हेण्डपंप सुधार</u>

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

10. (*क्र. 452) श्री गुलाब कमरो : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत अंतर्गत कितने हेण्डपंप खराब हैं ? **(ख)** खराब हैण्डपंप की मरम्मत हेतु वर्ष 2022 से जनवरी, 2023 तक सामग्री विकासखण्ड स्तर पर कब तक उपलब्ध करायी जायेगी ? **(ग)** भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में हेण्डपंप मैकेनिक की संख्या बढ़ाने एवं छः माह से जो हेण्डपंप खराब है, उनके सुधार के लिए क्या-क्या कार्यवाही की जा रही है ?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : **(क)** विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत अंतर्गत 108 हैण्डपम्प खराब है, जो सुधार प्रक्रिया में है। **(ख)** खराब हैण्डपम्पों की मरम्मत हेतु वर्ष 2022 से जनवरी, 2023 तक सामग्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संबंधित उपखण्ड के भंडारगृह में आवश्यकतानुसार उपलब्ध करा दी गई है । **(ग)** विधानसभा क्षेत्रवार हैण्डपम्प मेकेनिक की पदस्थापना नहीं की जाती है। अतः भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में मेकेनिक की संख्या बढ़ाये जाने की कार्यवाही

का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता है। 06 माह से कोई भी सुधार योग्य हैण्डपम्प खराब नहीं है। अतः उनके सुधार के लिए कार्यवाही का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता है।

श्री गुलाब कमरो :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने हैण्डपंप सुधार से संबंधित जानकारी चाही थी । जानकारी मुझे मिल गई है, मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरा विधान सभा क्षेत्र भौगोलिक रूप से बहुत बड़ा है, वनांचल क्षेत्र है, जो कि शहर से 110, 130, 140 किलोमीटर दूर होता है । गरमी का समय आ रहा है, जब हैण्डपम्प खराब होते हैं तो प्राय: वहां पर सामग्री की स्थिति कम है । मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि क्या भरतपुर में पर्याप्त मात्रा में सामग्री उपलब्ध करा देंगे ?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- अध्यक्ष महोदय, यदि कमी है तो निश्चित रूप से हम करवा देंगे ।

अध्यक्ष महोदय :- आशीष कुमार छाबड़ा जी ।

<u>छत्तीसगढ़ प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति नियम ।</u>

[सामान्य प्रशासन]

11. (*क्र. 1044) श्री आशीष कुमार छाबड़ा : क्या मुख्यमंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** छत्तीसगढ़ प्रदेश मेंशासकीय विभागों में तृतीय वर्ग, एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों के लिए अनुकंपा नियुक्ति में क्या नियम, प्रावधान है, जानकारी देवें ? **(ख)** प्रशनांश "क" अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति के नियम पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में भी लागू हैं ? यदि हां तो पूर्व में शिक्षाकर्मियों के परिवारों को इस नियम का लाभ दिया जा रहा है कि नहीं ,जानकारी देवें ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) : **(क)** जानकारी **'पुस्तकालय में रखे प्रपत्र'** अनुसार है।**(ख)** जी हां। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति बाबत् सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी एकजाई पुनरीक्षित निर्देश, 2013 के प्रावधान लागू हैं। उक्त नियम शासकीय कर्मचारियों के संबंध में लागू है। शिक्षाकर्मी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी से महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर मैंने चाहा था, माननीय मुख्यमंत्री जी ने उत्तर दिया है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में सामान्य प्रशासन विभाग के अनुकम्पा नियुक्ति के नियम लागू होते हैं, लेकिन शिक्षा कर्मी के मामले में लागू नहीं होता है, माननीय मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि शिक्षा कर्मियों के मामले में कब से यह नियम लागू नहीं हो रहे हैं और क्या ऐसा सरकार के द्वारा आदेश जारी किया गया था कि अनुकम्पा नियुक्ति के मामले में शिक्षा कर्मियों को उसका लाभ नहीं मिलेगा ?

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय आशीष छाबड़ा जी ने प्रश्न लगाया है, पहले तो प्रश्न (क) में सामान्य प्रशासन विभाग से अनुकम्पा नियुक्ति के नियम के बारे में जानकारी मांगी है । प्रश्न (ख) में पंचायत विभाग का उन्होंने प्रश्न कर दिया । दो विभागों का इसमें उत्तर है । माननीय अध्यक्ष महोदय, अनुकम्पा नियुक्ति शासकीय कर्मचारियों के लिये है, लेकिन शिक्षा कर्मियों के लिये वर्ष 2004 में और उसके बाद 2013 में एग्जाई आदेश जारी हुआ था । वर्ष 2018 में संविलियन की प्रक्रिया शुरू हो गई । पिछली सरकार ने शिक्षा कर्मियों का संविलियन किया और बाद में हमारी सरकार जब आई तब भी सभी शिक्षा कर्मियों का संविलियन कर दिया गया है । अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह हुआ कि शिक्षा कर्मी के अब कैडर समाप्त हो गये हैं । अब उसके लिये अनुकम्पा नियुक्ति का प्रावधान नहीं है, चूंकि कैडर ही समाप्त हो चुका है । अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि उसके पहले जो शिक्षा कर्मी 1269 के आसपास थे, उसमें से वर्ष 1998 से लेकर 2007 तक की अवधि में 152 ऐसे शिक्षाकर्मियों की मृत्यु हुई और वह अपात्र पाये गये। जो बचे हैं वह किसी न किसी कारण से अपात्र पाये गये और उसमें से केवल 9 ही ऐसे हैं जो पात्र पाये गये थे। लेकिन चूंकि अब काडर समाप्त हो गये हैं इसलिये उनकी भर्ती भी नहीं हो पा रही है। लेकिन उसके पहले 2013 में संविलियन होने के बाद जितने भी आवेदन आये थे, लेकिन 2018 तक कोई भर्ती नहीं हुई है।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से वही निवेदन करना चाहता हूं कि जो भी लंबित मामले होंगे, उनके परिवार को जल्द से जल्द उसका लाभ मिल जाये।

<u>वन विभाग के सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर निर्माण कार्य की अनुमति</u>

[वन एवं जलवायु परिवर्तन]

12. (*क्र. 941) श्रीमती ममता चन्द्राकर : क्या वन मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- जिला कबीरधाम अंतर्गत वनांचलों में सार्वजनिक उपयोग की भूमि, जो कि वन भूमि क्षेत्र के रूप में दर्ज है, जहां आबादी निवास करती है, क्या ऐसे वन क्षेत्रों की भूमि को सार्वजनिक प्रयोजनों में जैसे सड़क, खेल मैदान, आवासी कॉलोनी, शमशान, अस्पताल आदि बनवाने के लिए राजस्व मद में दर्ज किए जाने अथवा स्थानीय निकायों को सौंपने हेतु सरकार कोई कार्यवाही कर रही है? यदि हां, तो जानकारी प्रदान करें ? यदि नहीं तो ऐसे वन भूमि में निर्माण कार्यों के लिए सरकार की योजना क्या है, बतायें?

वन मंत्री (श्री मोहम्मद अकबर) : जी नहीं । वर्तमान में कोई योजना नहीं है ।

श्रीमती ममता चंद्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न वन विभाग की सार्वजनिक भूमि के उपयोग को लेकर था। जवाब मिला है कि इसके पास शासन के पास वर्तमान में कोई योजना नहीं है। मैं आपके माध्यम से निवेदन कर रही हूं जिला कबीरधाम में मेरा विधान सभा क्षेत्र पंडरिया, जो लगभग

वनांचल क्षेत्र भी है। वहां की सड़कें आज भी इतनी जर्जर है कि वह योजना नियम के अनुरूप नहीं बन पा रही है क्योंकि जो केंद्र सरकार का कैम्पा मद है वह उन्हीं के भरोसे रहता है और राज्य सरकार के पास वह सड़क लगभग पचासों साल की मांग है। लिमईपुर से करपी मुर्की मार्ग की दूरी लगभग 5 किलोमीटर है। मैं आपके माध्यम से निवेदन कर रही हूं कि राज्य सरकार व्यवस्था में लेकर किसी माध्यम से कोई योजना के अनुरूप उस सड़क का निर्माण करने की अनुमति दे। मेरा आपसे यही निवेदन है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- अध्यक्ष महोदय, इसको दिखवा लेंगे। वन भूमि में इस तरह से अलग से निर्माण करने का प्रावधान तो नहीं है लेकिन माननीय सदस्य की चिंता है कि यदि वन भूमि है और वहां पर लोग निवास करते हैं तो उसको दिखवा लेंगे।

श्रीमती ममता चंद्राकर :- जी धन्यवाद्।

प्रश्न संख्या 13 : XX XX

<u>बलौदा-बाजार-भाटापाराजिला में रेत उत्खनन एवं भंडारण की प्रदत्त अनुमति</u>

[खनिज साधन]

14. (*क्र. 989) श्री प्रमोद कुमार शर्मा : क्या मुख्यमंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** बलौदाबाजार- भाटापारा जिला में 31 जनवरी, 2023 की स्थिति में कहाँ-कहाँ रेत उत्खनन किया जा रहा है ? संचालित रेत खदान कितनी अवधि हेतु, किन-किन को प्रदान की गयी है ? वर्ष 2022 से 31 जनवरी 2023 तक जिले में रेत उत्खनन से प्राप्त रॉयल्टी की वर्षवार जानकारी देवें । **(ख)** क्या बलौदाबाजार-भाटापारा जिला में वर्ष 2021-22 से 31 जनवरी, 2023 तक खनिज विभाग द्वारा रेत भंडारण की अनुमति प्रदान की गयी है ? यदि हाँ तो कितने ब्यक्ति फर्म या संस्था को प्रदान की गयी है? **(ग)** प्रश्नांश 'ख' के रेत भंडारण की अनुमति किस दर पर एवं कितनी अवधि हेतु प्रदान की गयी ? क्या भंडारण स्थल से शासन को कितनी राशि प्राप्त हुई है ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) : **(क)** बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 31 जनवरी, 2023 की स्थिति में 10 रेत उत्खनिपट्टा संचालित है। संचालित रेत खदान की अवधि सहित पट्टेदार की जानकारी **"संलग्न प्रपत्र-अ"**[3] अनुसार है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में रायल्टी राशि रूपयें 1 करोड़ 37 लाख 5 हजार एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 31 जनवरी 2023 तक रूपयें 1 करोंड़ 38 लाख 50 हजार रायल्टी

[3] परिशिष्ट "चार"

राशि प्राप्त हुई है।**(ख)** जी हां। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में वर्ष 2021-22 से 31 जनवरी 2023 तक रेत के कुल 10 भण्डारण अनुज्ञापत्र स्वीकृत किये गये है। विस्तृत जानकारी **"संलग्न प्रपत्र-ब"** अनुसार है।**(ग)** भण्डारण अनुज्ञाप्ति स्वीकृति हेतु कोई दर निर्धारित नहीं किया जाता है। अपितु नियमानुसार आवेदन शुल्क लिया जाकर स्वीकृति प्रदान की जाती है। रेत भण्डारण अनुज्ञाप्ति की अवधि की जानकारी **"संलग्न प्रपत्र-ब"** के कॉलम 08 अनुसार है। रेत भंडारण स्थल से शासन को आवेदन शुल्क एवं वार्षिक शुल्क के रुप में राजस्व राशि की प्राप्ति होती है। प्राप्त आवेदन शुल्क एवं वार्षिक शुल्क की तिथिवार जानकारी **"संलग्न प्रपत्र-ब"** के कॉलम10 से 12 अनुसार है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न में माननीय मुख्यमंत्री जी का जवाब आया है कि रेत उत्खनन के लिये 10 जगहों पर अनुज्ञा दी गयी है । मैं सबसे पहले तो माननीय मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन 10 जगहों में से कितनी जगहों पर मशीनों से और कितनी जगहों पर मजदूरों से लोडिंग, अनलोडिंग करने का काम कराया जाता है ?

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह तो नियम से होता है। आपके पास कोई जानकारी है तो आप बता दें।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसमें नहीं लिखा हुआ है कि कितने जगहों पर मशीनों से करना है।

श्री भूपेश बघेल :- आपने तो कुछ पूछा ही नहीं है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय मुख्यमंत्री महोदय, मेरा आपसे सिर्फ इतना ही निवेदन है कि वहां बहुत झोल-झाल हो रहा है। क्या आप उसकी जांच करवा देंगे ? वहां छोटी-छोटी बहुत सारी गड़बड़िया हैं। उसमें जैसे कि जिस जगह का पट्टा दिया गया है, उत्खनन करने वाले उस जगह पर उत्खनन न करके दूसरी जगह पर खोद रहे हैं। वहां पर जितनी गहराई से खोदना चाहिए उससे ज्यादा गहरा खोद रहे हैं। आपसे यही निवेदन है कि आप इन सब गड़बड़ियों को रोकने के लिये जांच करवा दें।

श्री भूपेश बघेल :- अध्यक्ष महोदय, कोई स्पेशिफिक जगह हो, जहां वे उसकी सीमा क्षेत्र से बाहर खुदाई की जा रही है जो आप उसकी जानकारी दें। उसमें निश्चित रूप से कार्रवाई करेंगे। आप जानकारी दे दें कि किस-किस खदान में ऐसा हो रहा है। बिल्कल जांच करवा देंगे।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- जी, आप जांच करवा दीजिये। धन्यवाद्।

प्रश्न संख्या 15 : XX XX

<u>बिंद्रानवागढ़ विधान सभा क्षेत्र में जीवन मिशन योजना के तहत कार्य की अद्यतन स्थिति</u>

[लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी]

16. (*क्र. 1002) श्री डमरूधर पुजारी : क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि :- **(क)** बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 से31.1.2023 तक जल जीवन मिशन अंतर्गत कौन-कौन से कार्य कितनी-कितनी राशि के स्वीकृत किये गयें हैं? स्वीकृत कार्यो में कितने पूर्ण, कितने अपूर्ण एवं कितने अप्रारम्भ हैं, अपूर्ण एवं अप्रारम्भ कार्यो को कब तक पूर्ण कर लिया जावेगा ? **(ख)** प्रश्नांश 'क' के कार्यो हेतु स्वीकृत राशि में कितना राशि केन्द्रांश एवं कितना राज्यांश है ?

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री (श्री गुरु रुद्र कुमार) : **(क)** बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 से 31.01.2023 तक जल जीवन मिशन अन्तर्गत स्वीकृत कार्य निम्नानुसार है -

क्र.	योजना का नाम	कार्य की संख्या	लागत (रू.लाखमें)
1	रेट्रोफिटिंग नलजल योजना, एकल ग्राम नलजल योजना, सोलर आधारित लघु जलप्रदाय योजना	372	30341.63
2	फ्लोराईड रिमूव्हल प्लांट स्थापना	40	669.62
3	सुपेबेड़ा बहुग्राम जलप्रदाय योजना	01	1034.32
कुल		**413**	**32045.57**

स्वीकृत कार्य, स्वीकृति की राशि की विस्तृत जानकारी **पुस्तकालय में रखे प्रपत्र अनुसार** है। स्वीकृत कार्यों में 46 पूर्ण, 144 अपूर्ण (प्रगतिरत) एवं 223 अप्रांरभ है। जानकारी **पुस्तकालय में रखे प्रपत्र अनुसार** है। अपूर्ण एवं अप्रारंभ कार्यो को सितम्बर 2023 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।**(ख)** प्रश्नांश 'क' के कार्यो हेतु कुल स्वीकृत राशि रू. 32045.57 लाख में से सामुदायिक अंशदान रू. 1978.97 लाख, रू. 15033.30 लाख केन्द्रांश एवं रू. 15033.30 लाख राशि राज्यांश है।

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं। मंत्री जी ने मेरे क्षेत्र की पूरी जानकारी दे दी है लेकिन जब से सरकार बनी, सूपेबेड़ा के लोग पानी के लिये तरस रहे हैं और किडनी की बीमारी से मर रहे हैं। जब शुरू से कांग्रेस सरकार ने घोषणा की कि सूपेबेड़ा में शुद्ध पानी देंगे। लेकिन वहां अब तक कोई कार्य नहीं हुआ है और कुछ कार्य कागज में चल रहा है। कभी बीज विभाग में तो कभी टेण्डर लगा है, ऐसा बोलकर माननीय मंत्री जी उत्तर दे रहे हैं। क्या सूपेबेड़ा में शुद्ध जल, पानी पिलायेंगे?

श्री गुरू रूद्र कुमार :- सम्माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी घोषणा है और हम निश्चित तौर पर शुद्ध पानी पिलायेंगे। आप निश्चिंत रहे।

श्री डमरूधर पुजारी :- अध्यक्ष महोदय, कब पिलायेंगे ? आपको बोलते-बोलते 5 साल हो गये। वहां के लोग पानी की वजह से किडनी की बीमारी से मर रहे हैं।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- अध्यक्ष महोदय, अतिशीघ्र, अतिशीघ्र।

श्री डमरूधर पुजारी :- अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय जी और आदरणीय मुख्यमंत्री जी कॉपी में बजट में बजट पढ़कर सुनाये हैं। सूपेबेड़ा में लोग पानी पीकर किडनी की बीमारी से मर रहे हैं। जब से कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ में बनी है तब से यह सरकार सूपेबेड़ा को क्या आप शुद्ध जल दे रहे हैं ? आप किडनी की बीमारी से उनकी मौत करा रहे हैं।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- सम्माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार बनते ही सूपेबेड़ा में कुछ हादसे हुए थे। उसके बाद मैं और स्वास्थ्य मंत्री जी, दोनों साथ में वहां गये थे। क्योंकि यह स्वास्थ्य विभाग से भी रिलेटेड मामला था। वहां पर पानी के कारण मौतें नहीं हुई हैं, यह ऑथेन्टिक बात है। दूसरी बात, घोषणा के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी से चर्चा करके बजट में फण्ड लेकर 9 गावों का मल्टीविलेज स्कीम बनायी गयी। इतनी बड़ी स्कीम बनने में 8-9 महीने लगता ही है। साथ ही साथ फिर जल जीवन मिशन आया। हालांकि यह बोलने वाली बात नहीं है अब वह बातें मायने नहीं रखती, क्योंकि फिर उस समय लॉकडाऊन लगा, यह पुरानी बात हो गई है, लेकिन वही स्थिति थी। जब जल जीवन मिशन आया तो सारी योजनाओं को, बहुत सारे जो नियम, कायदे, कानून है, हमको जल जीवन मिशन के हिसाब से चलना पड़ा। तो फिर उसको हमारे राज्य मद से पूरा शिफ्ट करके, जल जीवन मिशन में लिया। हमने जब जल जीवन मिशन में लिया तो सिंगल टेण्डर हुआ। उस सिंगल टेण्डर में सिंगल आदमी आया तो निरंतर कुछ न कुछ चीजें रहीं, पर मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि हमारे रहते-रहते टेण्डर हो जाएगा और वहां काम शुरू हो जाएगा।

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय मंत्री जी, आप 4 सालों से यह कह रहे हो, लेकिन इन 4 सालों में कुछ नहीं हो रहा है आप सुपेबेड़ा को देखने जाईये। एक भी काम नहीं हुआ है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसमें आसंदी से आपका और निर्देश आ चुका है। यह पहले साल के अभिभाषण में है। यह जनघोषणापत्र में है। वहां पर लगातार मृत्यु हो रही है और यह जो बयान है, वह पर्याप्त नहीं है इसमें आप अनुमति दें तो हम लोग प्रश्न पूछें।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां पीने के पानी के कारण किसी की मृत्यु नहीं हुई है।

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने इसी सदन में घोषणा की है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल असंवेदनशील बयान है।

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने इसी सदन में घोषणा की है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जिम्मेदारी के साथ सदन के अंदर कह रहा हूँ कि वहां पीने के पानी के कारण किसी की मृत्यु नहीं हुई है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप अनुमति दीजिए।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय मंत्री जी, वह बहुत संवेदनशील गांव भी है इसके बारे देश में चर्चा हुई है। यहां जो पानी का काम है, उसको आप, विभाग व्यक्तिगत रूप से देखें और इसे जल्दी से जल्दी करायें । (व्यवधान)

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आई.सी.एम.आर. की रिपोर्ट है कि वॉटर डिसीस के कारण है। (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने यह व्यवस्था पहले आ चुकी है। आपने निर्देश दिया है, आसंदी का कितना सम्मान है, वह दिख रहा है ?

अध्यक्ष महोदय :- देखिए। अब टेण्डर में अकेले टेण्डर आएगा तो आंसदी उसमें क्या करेगा?

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अकेले-दुकेले का सवाल ही नहीं है।

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी गोल-गोल जवाब दे रहे हैं।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, 5 सालों के कार्यकाल में सवा 4 सालों का समय निकल गया, उसके बाद में यह बोल रहे हैं इसमें मंत्री जी का जवाब आया है कि हमारे इस सरकार के रहते, वहां टेण्डर हो जाएगा।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां काम शुरू हो जाएगा। आकपी सरकार में तो...(व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां स्वास्थ्य मंत्री गये थे। स्वास्थ्य मंत्री जी ने कहा कि यह पानी के कारण है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री कह रहे हैं कि वहां पीने के पानी के कारण मृत्यु नहीं हो रही है..।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि हमारे रहते, उनके रहते... (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, एयर एम्बुलेंस की बात हुई थी, अस्पताल की बात हुई थी। वहां यह सरकार पानी पिलाने के लिए सक्षम नहीं है। मंत्री जी कहते हैं कि हमारी सरकार के रहते तक वहां हम टेण्डर करा पाएंगे। (व्यवधान)

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, कभी वित्त विभाग को कहते हैं...।

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का कहना है कि वहां पीने के पानी से मृत्यु नहीं हो रही है। आई.सी.एम.आर. की रिपोर्ट में कहा गया है कि वहां पीने के पानी से मृत्यु हो रही है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह आपके पहले साल के बजट भाषण में है।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि हम टेण्डर करा देंगे।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, बजट भाषण में और राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं क्या कुछ बोल सकता हूँ?

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2019 के राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में सुपेबेड़ा का जिक्र है...।

अध्यक्ष महोदय :- अनुपूरक प्रश्न को तीन-तीन लोग खड़े होकर, एक बार नहीं पूछ सकते हैं। अनुपूरक प्रश्न के लिए मैं जिसे कहूंगा वही प्रश्न पूछेगा। एक साथ तीन लोग प्रश्न नहीं पूछ सकते। अभी माननीय धरमलाल कौशिक जी ने प्रश्न पूछा है, वह अपना सवाल करें।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां सुपेबेड़ा में लगातार मौतें हो रही हैं। वहां स्वास्थ्य मंत्री जी गये थे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री भी गये हैं। वहां एयर एम्बुलेंस, अस्पताल की बात हुई थी वहां फोन नंबर देकर आएं हैं। इन्होंने कहा कि हम देश में ईलाज करायेंगे। किडनी पीड़ित मरीज को कहीं भी ले जाना पड़े, हम ले जाएंगे। वहां मुख्य समस्या पानी की है। आपको इनकी पानी की प्राथमिकता दिखायी दे रही है। सवा 4 साल, साढ़े 4 साल का समय निकल गया।

अध्यक्ष महोदय :- आप प्रश्न पूछिए।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसमें मंत्री जी का जवाब आया है कि हम टेण्डर करा रहे हैं। हमारे सरकार के रहते तक टेण्डर हो जाएगा। अब ये जवाब आएगा तो हमारे माननीय सदस्य यह कैसे, किसको संतुष्ट करेंगे ? हम कैसे संतुष्ट होंगे ? वहां पर लगातार मौतें हो रही हैं तो यह माना जाए कि बाकी जो गांव है उससे प्राथमिकता में वह गांव होना चाहिए। प्राथमिकता में होने के बाद, यह है कि साढ़े 4 सालों में टेण्डर की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई तो मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि उस सुपेबेड़ा क्षेत्र को प्राथमिकता में लेकर, वहां के हालात और परिस्थितियों को लेकर, वहां पर जितनी जल्दी शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हो जाए तो आप यह कितने समय के अंदर में कर देंगे ? यह बताने का कष्ट करें।

अध्यक्ष महोदय :- उन्होंने सवाल पूछा है तो उनका जवाब आने दीजिए। आपको इतनी जल्दी क्यों पड़ी है ?

श्री अमरजीत भगत :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इनको प्रदर्शन में जाना है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वैसे प्रॉपर सुपेबेड़ा गांव के आसपास की बात की जाए तो उस गांव में पेयजल की कोई समस्या नहीं है, लेकिन हम जब वहां पर गये तो वहां के गांव वालों की मांग थी कि क्या आप हमें तेल नदी से पानी पिलायेंगे? यह गांव वालों की मांग थी। हमने वहां बिल्कुल घोषणा की। या तो आप बोल लीजिए या जवाब सुन लीजिए। आप लोग जवाब सुनने की हिम्मत रखिये न। माननीय अध्यक्ष जी जो मैंने बोला कि हमारे रहते टेंडर हो जायेगा। मैं यहीं पर घोषणा कर रहा हूं कि एक महीने के अंदर टेंडर होगा और काम शुरू हो जायेगा और अतिशीघ्र पूरे 9 के 9 गांव में पानी मिलेगा।

श्री डमरूधर पुजारी :- माननीय अध्यक्ष जी, घोषणा करते-करते पूरे 04 साल निकल गये और सुपेबेड़ा में कुछ नहीं हो रहा है।

अध्यक्ष महोदय :- भाषण देने की अनुमति नहीं है, प्रश्न करिये।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सुपेबेड़ा का जिक्र 2019 के राज्यपाल के अभिभाषण में और माननीय मुख्यमंत्री जी के बजट भाषण में भी उल्लेख था। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं सुपेबेड़ा बहुग्राम जलप्रदाय योजना के लिए बजट प्रावधान किस वर्ष में किया गया और कब-कब टेंडर निकाला गया?

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष जी, जैसे माननीय मंत्री जी ने बताया कि पहले सिंगल विलेज स्कीम थी, फिर मल्टीविलेज स्कीम बनी। अब वह बोल रहे हैं कि गांव वालों की मांग पर हम तेल नदी से पानी दिलायेंगे। मैं यह जानना चाहता हूं कि वर्तमान में कौन सी योजना है जिसके तहत कहां से और किस तरह पानी पिलायेंगे ? वह कितने लागत की है ? सचिव, विभागाध्यक्ष, ई.ई. के पास, वह फाईल कहां पर लंबित है ?

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी यह मानने को तैयार नहीं है कि water borne diseases है। जबकि आई.सी.एम.आर. की रिपोर्ट है कि water borne diseases है। पहले मंत्री जी यह कन्फर्म कर लें, उसकी गंभीरता के समझें, यह water borne diseases है इसीलिए पाईप की जरूरत है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- पहले अजय जी, आपके प्रश्न का जवाब दे दें।

अध्यक्ष महोदय :- आप चारों का जवाब मिलाकर दे दीजिए। वैसे एक प्रश्न में दो अनुपूरक प्रश्न पूछे जा सकते है। मैंने गंभीरता को देखते हुए 04 अनुपूरक प्रश्न आपके समक्ष रखे हैं। आप चारों के उत्तर एक साथ दे दीजिए।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी, निश्चित तौर पर जवाब दे देता हूं। माननीय अजय जी, यहां पर मैंने कभी नहीं कहा कि हमने सिंगल विलेज स्कीम बनाई है। मैंने कहा कि सरकार बनते ही जो हादसा हुआ, वहां के गांव की खबर लेने के लिए, वहां की जनता की जानकारी लेने के लिए, उनके

दुख में शामिल होने के लिए हम वहां गये। क्योकि आप लोग तो 15 साल में कुछ किये नहीं थे। अगर आप लोग 15 साल में कुछ किये होते तो आज ये स्थिति उत्पन्न नहीं होती। आप सुपेबेड़ा की बात कर रहे हैं। जब उन्होंने तेल नदी से पानी की मांग की। (व्यवधान)

श्री अजय चन्द्राकर :- यही उत्तर है। यह भाषण दे रहे हैं। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- आप लोग बात तो पूरी सुनिये। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- खाली सुपेबेड़ा को राजनीति का अड्डा बना दिया गया है। (व्यवधान)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय अध्यक्ष जी, नेता जी, बोलने के लिए खड़े हुए हैं। (व्यवधान)

श्रीमती संगीता सिन्हा :- जब माननीय मंत्री जी बोल रहे हैं तो उनकी बात को ध्यान से सुनिये तो।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय अध्यक्ष जी, जगदगुरू जी की बात सुनी जाये।

श्री अजय चन्द्राकर :- बहुत सुंदर।

अध्यक्ष महोदय :- माननीय नेता प्रतिपक्ष जी।

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डरिया) :- हमारे इधर से 04 लोग खड़े हो गये तो आप लोगों को परेशानी हो रही है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष जी, आपके निर्देश का पालन हो गया। यह उत्तर आ रहा है या भाषण हो रहा है।

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय अध्यक्ष जी, मैं घोषणा कर चुका हूं। उसके बाद भी आप लोगों को अध्यक्ष जी ने प्रश्न करने का मौका दिया। .. (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- जब आप लोग कुछ किये नहीं हैं तो चिल्ला क्यों रहे हैं। (व्यवधान)

नेता प्रतिपक्ष (श्री नारायण चंदेल) :- माननीय मंत्री जी। (व्यवधान)

श्री गुरू रूद्र कुमार :- माननीय नेता जी आपका सम्मान है, लेकिन आप लोग जवाब सुनिये न। माननीय अध्यक्ष जी, आप बोलेंगे तो मैं बैठ जाऊंगा।

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह उचित नहीं है। सुपेबेड़ा का मामला गंभीर मामला है। वहां पर पानी से मौंते हो रही हैं और सरकार पानी नहीं दे पा रही है। इसलिए हम माननीय मंत्री जी के उत्तर से असंतुष्ट होकर बहिर्गमन करते हैं।

समय :

11.59 बजे

<u>बहिर्गमन</u>

<u>शासन के उत्तर के विरोध में।</u>

(नेता प्रतिपक्ष, श्री नारायण चंदेल के नेतृत्व में भारतीय जनता के सदस्यों द्वारा शासन के उत्तर से असंतुष्ट सदन से बहिर्गमन किया गया।)

श्री कुलदीप जुनेजा :- माननीय अध्यक्ष जी, आपको बधाई कि आज बहुत समय बाद प्रश्नकाल इतनी शांति से निकला। मैं चाहता था कि अजय चन्द्रकार जी को भी बधाई दूं लेकिन आखिर में उनने पूरा गड़बड़ कर दिया।

अध्यक्ष महोदय :- दलेश्वर साहू जी, प्रश्न क्रमांक-17।

प्रश्न संख्या : 17 XX XX

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्नकाल समाप्त।

(प्रश्नकाल समाप्त)

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

12.00 बजे

पत्रों का पटल पर रखा जाना

(1) अधिसूचना क्रमांक 27/14/वित्त/विआप्र/चार/2021, दिनांक 23 मार्च, 2022

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं छत्तीसगढ़ राज्य वित्त आयोग अधिनियम, 1994 (क्रमांक 3 सन् 1994) की धारा 11 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार अधिसूचना क्रमांक 27/14/वित्त/विआप्र/चार/2021, दिनांक 23 मार्च, 2022 पटल पर रखता हूं।

(2) छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा द्वारा अंकेक्षित स्थानीय नगरीय निकायों, पंचायत राज संस्थाओं, अनुदान प्राप्त एवं अन्य स्वायत्तशासी संस्थाओं का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-22

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं छत्तीसगढ़ स्थानीय निधि संपरीक्षा अधिनियम, 1973 (क्रमांक 43 सन् 1973) की धारा 8-क की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा द्वारा अंकेक्षित स्थानीय नगरीय निकायों, पंचायत राज संस्थाओं, अनुदान प्राप्त एवं अन्य स्वायत्तशासी संस्थाओं का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-22 पटल पर रखता हूं।

(3) छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022

महिला एवं बाल विकास मंत्री (श्रीमती अनिला भेंडिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005 (क्रमांक 4 सन् 2006) की धारा 36 द्वारा अधिसूचित छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग नियम, 2009 के नियम 20 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022 पटल पर रखती हूं।

पृच्छा

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष जी, पूरे प्रदेश के लाखों आवासहीन लोग आज रायपुर में एकत्रित हैं। पिछले चार वर्षों से 16 लाख परिवार, जिनका प्रधानमंत्री आवास बनना था। इस सरकार के द्वारा राज्यांश न देने के कारण वह सारे लोग आवास से वंचित हो गये हैं और आज सारे

लोग रायपुर शहर में विधानसभा घेराव के लिए उपस्थित हैं। इस विषय पर हमारा स्थगन है। हमारा निवेदन है कि आप हमारे स्थगन पर चर्चा करा लें।

श्री धरमलाल कौशिक (बिल्हा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ हुई थी और वर्ष 2015 में यह योजना के प्रारंभ होने के बाद तेजी के साथ में भवन बनना शुरू हुआ था, जब तक की डॉ. रमन सिंह जी की सरकार थी। कांग्रेस के सरकार आने के बाद इस योजना को किनारे लगाने का काम किया गया है।

समय :

12.03 बजे **(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुए)**

श्री धरमलाल कौशिक :- 16 लाख आवास केन्द्र के द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया। 16 लाख के एवज में यह सरकार के द्वारा केवल 82 हजार आवास बना पाई है और अभी जो पूरे हितग्राही हैं, वह अपने आवास की मांग को लेकर आज रायपुर आए हुए हैं और रायपुर में उनका विधानसभा का घेराव है। हम लोगों ने इसमें स्थगन दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, इसको या तो ग्राह्य करके चर्चा करायें या ग्राह्यता के ऊपर चर्चा करायें ताकि हम विस्तार से उस पर हम अपनी बात रख सकें। जिस प्रकार से कांग्रेस के सरकार के द्वारा हितग्राहियों की अनदेखी की जा रही है और उनको आवास से वंचित किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण योजना है। लगभग 11 हजार करोड़ रूपये की राशि केन्द्र सरकार से मिलनी थी। हमारे यहां के मजदूरों को काम मिलता। जो कुली हैं, उनको काम मिलता। जो राज मिस्त्री हैं, उनको काम मिलता। उसके लिए सीमेंट की खरीदी होती, छड़ की खरीदी होती और उनको आवास मिलता। एक प्रकार से केवल उनको आवास से ही वंचित नहीं किया गया, बल्कि यहां काम करने वाले जो मजदूर हैं, जो यहां के सीमेंट और छड़ बेचने वाले हैं, रेत बेचने वाले हैं, इन सबको इसका कहीं न कहीं लाभ मिलता। सब लोगों को वंचित करने का काम किया गया है। हमने इस पर स्थगन दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि आप इस पर चर्चा करायें।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है। केशव प्रसाद चंद्रा जी।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा (जैजैपुर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विधानसभा जैजैपुर में पावर प्लांट व विभिन्न प्लांट से जबरदस्ती डस्ट डाला जा रहा है, जिसके कारण वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और लोगों की स्वास्थ्य खराब हो रही हैं। विकासखण्ड मालखरौदा के ग्राम पंचायत छपोरा के तालाब में 500 गाड़ी डस्ट डालकर उस तालाब को पाट दिया गया है। उसी प्रकार भातमहुल में मनरेगा से जो तालाब खोदा गया था, जिसकी खसरा नं. 498, रकबा 0.567 हेक्टेयर है। वर्ष 2012-13 में मनरेगा से तालाब बना था उसमें भी डस्ट पाटकर के उसको पाट दिया गया है । हमने स्थानीय प्रशासन से शिकायत की तो उनका कहना है कि पर्यावरण विभाग वाले अनुमति दे रहे हैं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, किसी

तालाब को पाटने के लिये सुप्रीम कोर्ट भी अनुमति नहीं दे रहा है तो यह पर्यावरण विभाग वाले क्यों तालाब को पाट रहे हैं ? दूसरी चीज, यह केवल 2 जगह की बात नहीं है । जगह-जगह पर राखड़ का बड़ा-बड़ा पहाड़ बनाया जा रहा है, पानी गिरेगा । अगल-बगल के खेत में जायेगा और खेत बंजर होगा, नदी में जायेगा, तालाब में जायेगा और सिलकोसी जैसी गंभीर बीमारी उस जिले में हो रही है । मैंने इसी सदन में उस बात को लाया था । दमा की बीमारी, एलर्जी जैसी बीमारी हो रही है और प्रशासन सुस्त है अगर कोई स्थानीय व्यक्ति विरोध करता है तो राखड़ ढ़ोने वाला का इतना बड़ा यूनियन है कि उसके ऊपर वह दबाव बनाते हैं, गाड़ी चढ़ा देने की धमकी देते हैं । इसकी भी शिकायत पुलिस विभाग के पास है ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जिस दिन प्लांट वालों को अनुमति मिली है कि उनका राखड़ डम्प होगा । मैंने ध्यानाकर्षण दिया है और मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि यदि यह व्यवस्था नहीं रूकेगी तो इससे पूरा क्षेत्र पर्यावरण प्रदूषित होगा। हमारी जमीन बंजर हो जायेगी ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है, मैंने पूरा सुन लिया है । श्री अजय चंद्राकर ।

श्री अजय चंद्राकर (कुरूद) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री आवास योजना से लगभग 16 लाख वंचितों को, गरीबों को जानबूझकर षड़यंत्रपूर्वक इस सरकार ने वंचित कर दिया । (शेम-शेम की आवाज) माननीय मुख्यमंत्री जी मालूम नहीं कल यहां वर्ष 2012-13, 2014-15 और 2015-16 के आंकड़े यहां पढ़ रहे थे । हम इस सरकार के बनने की बात कर रहे थे, इस सरकार के बनने के बाद कितनी बार आवास वापस किये गये, पैसे के अभाव में कितने आवास निरस्त हुए ? लोकसभा के प्रश्नों में वह लिखित है । जानबूझकर हमने जो बातें कहीं, विधानसभा के अंदर की बातें कहीं उसमें कल कोई उत्तर नहीं आया । लाखों गरीब वंचित हो रहे हैं, यह सरकार गरीबों से घृणा करने वाली सरकार है । उन गरीबों ने अपनी आवाज बुलंद करने के लिये आज रायपुर में विधानसभा घेराव का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में किया है । हम लोगों ने स्थगन का नोटिस दिया है । आपसे अनुरोध है कि सारे काम रोककर चूंकि मुख्यमंत्री जी ने इस संबंध में कल सही बात नहीं कही है इसलिये मामला और गंभीर है इसलिये आप तत्काल काम रोककर इसमें चर्चा करवाईये ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है । माननीय रजनीश सिंह जी ।

श्री रजनीश सिंह (बेलतरा) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वर्ष 2011 की जो ए.सी.सी.सी. की सूची है उसमें लगभग 18 लाख और आवास प्लस के लगभग 6 लाख 85,000 मतलब कुल 25 लाख से ज्यादा आवास बनने थे । भारतीय जनता पार्टी की सरकार में 8 लाख कार्य पूर्ण हुए हैं और 16 लाख से अधिक आवास के काम रूके हैं। जो 16 लाख गरीब परिवार हैं, चूंकि गरीब लोगों का एक सपना होता है कि हमारे पास भी एक पक्का मकान हो, कहीं आयें-जायें तो बच्चों की चिंता मत रहे लेकिन इन सवा चार वर्षों में एक भी आवास नहीं बना है इसके लिये पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश से जो पात्र लोग थे, जिनका

वर्ष 2022 तक बन जाना था और नहीं बना है तो आज वे सब आंदोलित हैं । विधानसभा घेराव का कार्यक्रम कर रहे हैं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आग्रह करता हूं कि सारे काम रोककर हमारे स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा करायी जाये ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है, आपकी बात आ गयी । श्री डमरूधर पुजारीजी ।

श्री डमरूधर पुजारी (बिंद्रानवागढ़) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद गरीब आदमी का आवास रोका गया है और चूंकि यह केंद्र की योजना है । इसकी दूसरी किस्त और तीसरी किस्त भी रोकी गयी है तो गरीबों का प्रधानमंत्री आवास हमारे गरीबों को मिलना चाहिए । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसके लिये चिंता की थी कि हमारे गरीब जो जंगल-झाड़ी और पेड़ के नीचे रहते हैं उनके लिये मकान देने की योजना बनायी थी उसको सरकार द्वारा रोका गया है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने स्थगन प्रस्ताव दिया है कृपया इस पर चर्चा करायें ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है । डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ।

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी (मस्तूरी) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है कि गरीब ने जिस मकान का सपना देखा है और उसका आशियाना ही लूट जाये । आप कल्पना करिये कि एक गरीब आदमी जिसने गर्मी में, बरसात में इस प्रत्याशा में अपना घर तोड़ दिया कि मेरा मकान बनेगा और बना नहीं तो वह कैसी परिस्थितियों में रह रहे होंगे और सरकार उन गरीबों की सुध नहीं लेती है क्योंकि गरीबों के प्रति उनका कोई दृष्टिकोण नहीं दिख रहा है इसलिये आज सभी लोग आक्रोशित होकर के धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं और इस पर हमने स्थगन प्रस्ताव दिया था । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कृपया इस पर चर्चा करवायें ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है । श्रीमती रंजना जी ।

श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू (धमतरी) :- उपाध्यक्ष महोदय, भीख नहीं अधिकार मांगते, हम तो अपना प्रधानमंत्री आवास मांगते । आज प्रदेश में जितने हितग्राही हैं, रायपुर में इकट्ठे हुए हैं । वे इस बात से सरकार को अवगत् करा रहे हैं कि हम भीख नहीं अपना अधिकार मांग रहे हैं और अपना प्रधानमंत्री आवास मांग रहे हैं क्योंकि प्रधानमंत्री आवास माननीय नरेन्द्र भाई मोदी ने 25 जून, 2015 को प्रारंभ किया । इसके तहत् तीन चरणों में गरीबों को पक्का आवास देना था । 2022 तक यह बनकर पूरा हो जाना था । लेकिन 2018 में जब से कांग्रेस की सरकार आई तो प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास बनना बंद हो गए । नये आवास किसी को मिले नहीं, आज भी लाखों आवास बंद पड़े हैं । ऐसे लाखों आवास जो अभी तक बंद पड़े हैं, प्रारंभ ही नहीं हुए । किसी को एकाध किश्त मिली, किसी को दो किश्त मिली है । आज पूरे प्रदेश के जितने भी हितग्राही हैं सब बहुत परेशान हैं और परेशान होकर आज विधान सभा का घेराव करने के लिए उपस्थित हुए हैं ।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय उपाध्यक्ष जी, 15 अगस्त, 2022 हमारी आजादी के 75 साल पूरे हो रहे थे, पूरा देश अमृत महोत्सव मना रहा था । केन्द्र सरकार की योजना यह थी कि 2011 की सर्वे सूची में जो आवासहीन परिवार हैं, उन सारे आवासहीन परिवारों का प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान बन जाए । 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू हुई । 2018 तक छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह की सरकार थी । डॉ. रमन सिंह की सरकार के पीरियड में छत्तीसगढ़ में लगभग 8 लाख मकान बनकर पूरे हुए । पर दुर्भाग्यजनक स्थिति यह है कि जब से प्रदेश में श्री भूपेश बघेल की सरकार बनी, प्रधानमंत्री आवास का राज्यांश नहीं दिया जा रहा है और राज्यांश नहीं दिए जाने के कारण छत्तीसगढ़ की गरीब जनता प्रधानमंत्री आवास से वंचित है । आज अपनी मांगों को लेकर लाखों की संख्या में आवासहीन लोग रायपुर में प्रदर्शन करने आए हैं । हमने इस विषय पर आपको स्थगन प्रस्ताव दिया है । कृपया हमारे स्थगन को स्वीकृत करके चर्चा कराएं ।

श्री पुन्नूलाल मोहले (मुंगेली) :- उपाध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री आवास नहीं मिलने के कारण लोगों में असंतोष है । 16 लाख लोगों को आवास नहीं मिल रहा है और पिछले समय माननीय मुख्यमंत्री जी ने राशि भी नहीं दी जिससे लोग आवासविहीन हैं । विधवा को नहीं मिला, जो बेघर हैं उनको नहीं मिला । लोग परेशान हैं । इसके चलते विधान सभा का घेराव करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता आए हुए हैं । हमने स्थगन दिया है कृपया इस पर चर्चा कराएं ।

नेता प्रतिपक्ष (श्री नारायण चंदेल) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की यह क्रांतिकारी योजना है, यह महत्वाकांक्षी योजना है और उन्होंने लाल किले की प्राचीर से इसकी घोषणा की थी । आज आजादी का अमृत महोत्सव चल रहा है । पूरे देश में, देश के हर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास के तहत् गरीब परिवारों के लिए आवास बन रहा है । लेकिन दुर्भाग्य है कि छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है, जब से यहां कांग्रेस की सरकार बनी है । उसके बाद से यहां प्रधानमंत्री आवास का काम ठप है । यहां गरीबों के आवास नहीं बन पा रहे हैं । आज 16 लाख गरीब परिवारों के हितग्राही राजधानी पहुंचकर ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- नेता जी, यह 16 लाख का आंकड़ा कहां से लाए ?

श्री नारायण चंदेल :- आज भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में विधान सभा घेराव करने जा रहे हैं । आज पूरे छत्तीसगढ़ में, छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा प्रदर्शन होने वाला है और यह गरीबों का प्रदर्शन है । गरीब आदमी आ रहे हैं । उपाध्यक्ष महोदय, हमने इस महत्वपूर्ण विषय पर स्थगन प्रस्ताव दिया है । हमारा आग्रह है कि सदन की कार्यवाही रोककर इस पर चर्चा कराएं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है, मैं इस पर व्यवस्था दूंगा । अब मैं नियम..।

श्री शिवरतन शर्मा :- उपाध्यक्ष महोदय, पूरे देश में सिर्फ छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल दो ऐसे राज्य है जिन्होंने 2011 की सर्वे सूची को पूरा नहीं किया ।

श्री अमरजीत भगत :- उपाध्यक्ष जी, इनका टेंशन साफ चेहरे पर झलक रहा है । भीड़ नहीं आ रही है, इन लोगों ने घोषणा तो कर दी, लेकिन भीड़ नहीं आ रही है इसलिए टेंशन में हैं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- बाकी सभी प्रदेशों में 2011 की सर्वे सूची के आधार पर प्रधानमंत्री आवास बन चुका है । हमने स्थगन प्रस्ताव दिया है, सदन की बाकी कार्यवाही रोककर इस पर चर्चा कराएं । यह महत्वपूर्ण विषय है उपाध्यक्ष महोदय ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- ये शिवरतन शर्मा बड़ा लबरा आदमी है उपाध्यक्ष महोदय । बहुत असत्य बोलथे ।

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- उपाध्यक्ष महोदय, सारी सरकारें, सारी विचारधाराएं गरीबों पर केन्द्रित होती हैं । यह सरकार गरीबों का नाम लेकर सत्ता में आई है और गरीबों से ही घृणा कर रही है, शोषण कर रही है । सारी स्कीमों के लिए पैसा नहीं दे रही है । इसलिए सारे कामों को रोककर इस पर चर्चा कराई जाए ।

श्री अमरजीत भगत :- अजय चन्द्राकर जी, यह बताइए कि केन्द्रांश क्यों घटाया आपने ?

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, मैं इसके लिए अलग से व्यवस्था दूंगा । अब मैं नियम 138..।

श्री अमरजीत भगत :- गरीबों के आवास के लिए सेंट्रल से जो केन्द्रांश मिलता था, उसको आप लोगों ने क्यों घटाया ? अगर गरीबों से प्रेम था तो केन्द्रांश क्यों घटा? एक पत्र भी लिखा है, आप लोगों ने कुछ बोला। आदरणीय, खाली घड़ियाली आंसू बहाने से नहीं होता है। (व्यवधान) केन्द्रांश घटा दिया या नहीं घटाया। आप लोगों ने किसी को चिट्ठी लिखी। (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- केन्द्रांश घटाने के बाद भी आप लोग पी.एम रखने की बात करते हैं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, आप लोग बैठ जाइएगा। दो मिनट बैठिए। मंत्री जी दो मिनट बैठिए।

श्री अमरजीत भगत :- गरीबों को आवास देने में केन्द्रांश घटा तो आप लोग क्या किए यह बताईए ? (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग बैठिए। मैं यहां से कुछ व्यवस्था दे रहा हूं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- उपाध्यक्ष महोदय, नेता जी के बोलने के बाद इन लोग बोलना शुरू कर दिए। बेचारे नेता जी को मानते ही नहीं हैं।

श्री धरमलाल कौशिक :- हम लोगों ने स्थगन दिया है ना। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- शून्यकाल में मैंने आप सबकी बातें सुनी है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- नेता जी बोल दिस तेखर बाद...। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- आप लोग व्यवस्था आने दीजिए ना। हल्ला मत करिए। मंत्री जी, मैं व्यवस्था दे रहा हूं।

श्री धरमलाल कौशिक :- स्थगन की अग्राह्यता पर चर्चा चल रही है कि ग्राह्य किया जाए। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, मैं व्यवस्था दे रहा हूं, आप लोग बैठिए। (व्यवधान) कौशिक जी सुनिए।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- माननीय उपाध्यक्ष जी, अब ये नेता नहीं हैं। नेता जी बोल चुके हैं, उसके बाद आप शुरू कर रहे हो।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्रीजी, मैंने शून्यकाल में आप सबकी बातें सुन ली है। प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर माननीय नारायण चंदेल जी एवं अन्य सदस्यों के द्वारा प्रस्तुत स्थगन प्रस्ताव विचारण उपरांत मैंने अग्राह्य कर दिया है। अब मैं ध्यानाकर्षण की सूचना लूंगा।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, इतना बड़ा विषय है। लाखों लोगों के हित का मामला है। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- माननीय उपाध्यक्ष जी, यह गंभीर विषय है।

श्री धरमलाल कौशिक :- यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- 14 लाख परिवारों का मामला है।

श्री नारायण चंदेल :- यह गरीबों का मामला है। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- पूरा प्रदेश जल रहा है। हाहाकार मचा हुआ है। गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिल नहीं रहा है। (व्यवधान)

श्री नारायण चंदेल :- हमारा आग्रह है कि सदन की कार्यवाही रोककर स्थगन पर चर्चा करवाएं।

उपाध्यक्ष महोदय :- अब मैं ध्यानाकर्षण की सूचना लूंगा।

श्री नारायण चंदेल :- माननीय उपाध्यक्ष जी, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। यह गरीबों का मामला है और गरीबों के मामले में इस सदन में चर्चा नहीं होगी तो कहां होगी।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा नारे लगाये गये)

उपाध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित।

(12:17 से 12:23 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही।)

समय :

12:23 बजे **(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुए)**

उपाध्यक्ष महोदय :- अब मैं नियम-138 (1) के अधीन ध्यानाकर्षण की सूचना लूंगा। अजय चंद्राकर जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अभी मैं आ रहा था तो मुझे वी.आई.पी. मोड़ पर 15 मिनट तक रूकना पड़ा।

उपाध्यक्ष महोदय :- नहीं, बाकी लोगों के लिए तो छूट है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- क्या पुलिस प्रशासन या शासन विधायकों के लिए कॉरीडोर नहीं बना सकता, ताकि विधायक विधान सभा पहुंच जाये।

उपाध्यक्ष महोदय :- गृहमंत्री जी ने तो बताया कि विधायकों के लिए ऐसी कोई बात नहीं है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मुझे क्या पता? मैं अभी आ रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- सबको आने दिया जा रहा है। वह बात आ गई।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- नहीं, आप अभी पता कर लीजिए।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, एक की बात होती तो अलग बात है जो भी विधायक महोदय यहां आ रहे हैं सबके सब यही शिकायत कर रहे हैं।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- भैया, आप इतनी देरी से क्यों आते हैं? आप इतनी देरी से सो उठकर आ रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय, वह बात आ गई है। ठीक है, मंत्री जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बता रहा हूं। यहां के पुलिस प्रशासन ने नये-नवेले लोंगो को रख लिया है। इतने डायवर्सन हैं कि वी.आई.रोड. से इधर आने दे और बाद में लोगों को मोड़ दें। विधायकों को रोका जा रहा है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- बृजमोहन जी, ते रात में पेपर नहीं पढ़े हस का? क्या आप रात में पेपर नहीं पढ़े?

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आसंदी से गृहमंत्री जी को निर्देशित किया गया था।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- यह बाद में आये हैं इसलिए इनकों समझ में नहीं आता है।

श्री शिवरतन शर्मा :- आप इस व्यवस्था को देखे और विधायक आसानी से आ जाये, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उस निर्देश को भी लगभग 1 घण्टे बीत चुके हैं और उसके बाद भी बृजमोहन जी को आने में तकलीफ हुई है।

उपाध्यक्ष महोदय :- मैं इसको दिखवा लेता हूं।

श्री शिवरतन शर्मा :- इसका मतलब यह है कि आसंदी के निर्देशों का भी पालन नहीं हो रहा है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अभी मैं आपको बता रहा हूं कि पुलिस की जीप 1 किलोमीटर तक ऐसे रोक कर खड़ी थी। इनके पी.एस.ओ. गये और वह जाकर बताये, फिर पी.एस.ओ. लोगों ने गाड़ियां हटाईं। क्या इतनी पुलिस प्रशासन नहीं है कि गाड़ियों को जाने दे ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- पीएसओ भी तो पुलिस वाला है क्या ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- डहरिया जी, चौबे जी, तुमन तो यहीं रहिथौ । दलदल सिवनी के रास्ता हे । हमर रास्ता ब्रम्हकुमारी के । अतेक डायवर्सन हे कि गाड़ी ला वहां से डायवर्ट कर दौ । विधायक मन के गाड़ी सीधा आ जाये । वीआईपी मोड़ पर एक किलोमीटर का जाम लगा हुआ है ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- भैया, तै अतेक लेट उठकर काबर आथस, तेन ला बताना ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मैं कतेक बजे भी आववं तो तै रास्ता रोक लेबे का? मैं जतेक बजे भी आववं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- आसंदी से निर्देश हुआ है, उसके बाद भी रोक रहे हैं । संसदीय कार्यमंत्री जी, उस समय आप तो थे ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- गृहमंत्री जी व्यवस्था देवथे ।

श्री शिवरतन शर्मा :- आसंदी से निर्देश हुआ है, उस निर्देश को भी एक घंटा हो गया, उसके बाद भी विधायक को रोका गया है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उस प्वाइंट पर जो अधिकारी लगे हैं, उनसे आप पूछिए । मेरे पीएसओ उतर कर गये या नहीं ? उन्होंने उनको बताया, उसके बाद कितना मिनट लगा ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- बताने के बाद तो आपको आने दिया गया । कोई संदिग्ध आदमी को रोक सकते हैं, बाकी लोगों को आने दे रहे हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- ट्रेफिक का एक-एक किलोमीटर जाम लगा हुआ है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय मुख्यमंत्री जी, आपसे आग्रह है कि शिव डहरिया जी को संसदीय कार्यमंत्री बना देंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा । इनकी जगह जवाब देने वही खड़े हो जाते हैं ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- जवाब नहीं दे रहा हूं, जानकारी बता रहा हूं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- संसदीय कार्यमंत्री बैठे हैं और आप बोल रहे हो तो माननीय मुख्यमंत्री जी से हाथ जोड़कर निवेदन कर लेते हैं कि आपको ही संसदीय कार्यमंत्री बना दें ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- कभू कभू चार्ज ले लेथौं, चिन्ता काबर करथस।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- तोला जोन दिन चार्ज मिल जही न, वो दिन एक मिनट विधान सभा नहीं चलही । (हंसी)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- चलही, चिन्ता के बात नहीं हे ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चन्द्राकर जी, अपने ध्यानाकर्षण सूचना पढ़ें ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष जी, आपका निर्देश तो हो जाये ।

उपाध्यक्ष महोदय :- हो गया है । माननीय गृहमंत्री जी ने कह दिया है और अभी संसदीय कार्यमंत्री व्यवस्था करवा रहे हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष जी, अभी मैं बाहर जाकर एक एस.पी. को बोलकर आया हूं कि आप वहां से आने दो । कुछ लोगों को दलदल सिवनी से विज्ञान केन्द्र की तरफ मोड़ दो, कुछ लोगों को ब्रम्हकुमारी की तरफ मोड़ दो, विधायकों के लिए कारीडोर बनवा दो । मैं खुद सुझाव देकर आया हूं । यहां के अधिकारियों को समझ में नहीं आता है क्या ? पंडरी तरफ से आने वाली रोड़ जाम है, वीआईपी रोड़ से आने वाली रोड़ जाम है, एक-एक किलोमीटर तक जाम है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चन्द्राकर जी, आप अपने ध्यानाकर्षण की सूचना पढ़े ।

समय :
12:27 बजे

ध्यानाकर्षण सूचना

(1) प्रदेश में कोविड काल के दौरान दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति नहीं दिया जाना.

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरी ध्यानाकर्षण सूचना का विषय इस प्रकार है :- प्रदेश में कार्यरत शिक्षक व शिक्षक पंचायत संवर्ग जैसे कई कर्मचारी कोविड काल के दौरान दिवंगत हो चुके हैं, जिनके परिवारजन आज भी अनुकम्पा नियुक्ति के लिये धरने पर बैठे हुए हैं। वहीं इस विभाग में अनुकंपा नियुक्ति का फायदा उठाकर नियम विरूद्ध नियुक्तियां भी दी जा रही हैं।

कोविड महामारी के उपरांत अनुकंपा नियुक्ति नियम के शिथिल होने पर कई अधिकारी/कर्मचारी अपने रिश्तेदारों व जान पहचान वालों को नियम विरूद्ध नियुक्तियां दे रहे हैं। कई दिवंगतों के परिवार में पहले से ही शासकीय सेवक होने के बावजूद भी उसी परिवार के अन्य सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति दे दी गयी और इसकी शिकायत करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। कई कार्यालयों में तो दिवंगत के परिवार में अन्य शासकीय सेवक नहीं होने का असत्य प्रमाण तक दे दिया गया। जिला शिक्षा कार्यालय जशपुर में दिनांक 04.02.2022 को प्रेम कुमार राम को सहायक ग्रेड-03 के पद पर नियुक्त किया गया, जबकि उनके परिवार में पहले से ही उनका बड़ा भाई शासकीय सेवा में कार्यरत है। ऐसे प्रकरण लगभग राज्य के सभी जिला शिक्षा कार्यालयों में दर्ज हैं।

राज्य सरकार भ्रष्ट अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही न कर शिकायत को नजरअंदाज कर रही है। जिन्हें अनुकंपा नियुक्ति का लाभ मिलना चाहिये, वह सड़क पर धरने पर बैठे हुये हैं, जिसके

कारण इस सरकार के प्रति प्रदेश के दिवंगत शिक्षकों के परिवारजनों एवं जनता में काफी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

स्कूल शिक्षा मंत्री (डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह सही है कि शिक्षा कर्मियों के कुछ परिजन अनुकम्पा नियुक्ति की मांग के संबंध में धरने पर बैठे हैं, परन्तु यह कहना सही नहीं है कि विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति का फायदा उठाकर नियम विरूद्ध नियुक्तियां दी जा रही हैं । कोविड महामारी के समय शासन ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अनुकम्पा नियुक्ति हेतु प्रावधानित 10 प्रतिशत की सीमा को शिथिल कर दिया था, जिसका लाभ पूरे प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों को मिला है । इस शिथिलीकरण के फलस्वरूप स्कूल शिक्षा विभाग में 2173 अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है । यह कहना सही नहीं है कि अधिकारी/कर्मचारी अपने रिश्तेदारों व जान पहचान वालों को नियम विरूद्ध नियुक्तियां दे रहे हैं । यह सही है कि जिला जशपुर में प्रेम कुमार राम को सहायक ग्रेड 03 के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान किये जाने के संबंध में यह शिकायत प्राप्त हुई थी कि प्रेम कुमार का बड़ा भाई पूर्व से शासकीय सेवा में है । शिकायत की जांच में यह तथ्य सामने आया कि प्रेमकुमार राम द्वारा गलत शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया था, जिसके आधार पर उन्हें अनुकम्पा नियुक्ति दी गई थी । जांच के आधार पर प्रेमकुमार राम की नियुक्ति निरस्त कर दी गई है एवं शाखा प्रभारी लिपिक श्री प्रदीप कुमार कुजूर, सहायक ग्रेड-2 की वेतनवृद्धि रोकने का आदेश दिया गया है । यह कहना सही नहीं है कि ऐसे प्रकरण राज्य के लगभग सभी जिला कार्यालय में दर्ज है। यह कहना भी सही नहीं है कि राज्य सरकार भ्रष्ट अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही ना कर शिकायत को नजरअंदाज कर रही है। सच यह है कि सरकार के समक्ष जो भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उस पर तत्काल कार्यवाही की गई है। अनुकम्पा नियुक्ति एक सतत प्रक्रिया है एवं पात्र व्यक्तियों को नियमानुसार अनुकम्पा नियुक्ति दी जाती है। किसी भी व्यक्ति में कोई रोष एवं आक्रोश व्याप्त नहीं है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूरे प्रदेश की ऐसी चीजों का उदाहरण दूंगा, तो लम्बा समय लगेगा। मैं सीधे अपने विषय पर आता हूं। प्रेम कुमार पिता- बैजनाथ की अनुकम्पा नियुक्ति का आवेदन कितने दिन से लंबित था ? क्या उनकी नियुक्ति प्रचलित नियम के विपरीत थी ? प्रचलित नियम क्या थे, यह बतायेंगे और नियम के विपरीत थी तो उसकी नियुक्ति आदेश किसके द्वारा निकाला गया ?

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जशपुर जिले के प्रेम कुमार राम ने आवेदन 22.05.2020 को दिया था। उसकी नियुक्ति जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश क्रमांक 9952/स्था./3/अनु./2022 जशपुर जिला दिनांक 04.02.2022 को दिया गया था।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा कि उस समय अनुकम्पा नियुक्ति के नियम क्या थे ? यह जो अनुकम्पा नियुक्ति डी.ई.ओ. द्वारा दिया गया है, वह गलत था या सही

था ? मैंने यह पूछा है। उसका आवेदन कितने दिन से लंबित था ? आप अवधि बता दें, एक साल, दो साल, तीन साल तक लंबित था। कितने दिन तक लंबित था, उसकी नियुक्ति नियमों के विपरीत थी या सही थी मैंने यह पूछा है ? नियम के विपरीत थी या सही थी ? कौन से नियम के तहत अनुकम्पा नियुक्ति दी गई। अनुकम्पा नियुक्ति का कोई भी नियम तो प्रचलित होगा ?

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने पूछा कि आवेदन कितने दिन तक लंबित था। मैंने यह बताया कि उसका आवेदन-पत्र 2020 में मिला था। उसकी नियुक्ति 2022 में की गई। कोविड के समय जिन परिजनों की मृत्यु हो गई थी या जिनका अंतकाल हो गया था, उनके जो आश्रित थे, उनको अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान में चूंकि 10 प्रतिशत की सीलिंग है, हम लोगों ने उसको एक साल के लिए exempt किया था। अगर कोविड में किसी की मृत्यु हुई है तो उसके परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने का जो 10 प्रतिशत की बाध्यता है, उसमें छूट दी गई थी।

अनुकम्पा नियुक्ति के क्या नियम थे ? तो अनुकम्पा नियुक्ति दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों को उसमें दिवंगत शासकीय सेवक की विधवा या विधुर, पुत्र या दत्तक पुत्र, अविवाहित पुत्री या अविवाहित दत्तक पुत्री, आश्रित विधवा पुत्री, आश्रित दत्तक पुत्री, आश्रित तलाशुदा पुत्री, आश्रित तलाकशुदा दत्तक पुत्री एवं पुत्रवधु ये क्रमश: हैं। अगर ऊपर से कोई एक नहीं मिलेगा तो उसके नीचे वाले को, अगर वह भी नहीं मिलता है तो उसके नीचे वाले को क्रमश: अनुकम्पा नियुक्ति मिलेगा।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा है कि उसकी जो नियुक्ति दी गई किसके द्वारा दी गई वह नियम के विपरीत थी या नियम के अनुरूप थी ?

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं वहीं तो बता रहा हूं। आप सुन तो लो, आप खड़े हो गये। मैंने अभी जो अनुकम्पा नियुक्ति का क्रम पढ़ा, जैसे दिवंगत की विधवा नहीं है तो उसके नीचे क्रम में जो आता है, उसको मिलेगा। उसमें उसे शपथ-पत्र देना पड़ता है कि मेरे यहां कोई भी शासकीय कर्मचारी नहीं है। उसमें यह भी है कि किसी के परिवार में शासकीय कर्मचारी है तो अनुकम्पा देने का नियम नहीं था। उसने शपथ-पत्र दिया, उसने झूठा शपथ-पत्र दिया। चूंकि उनके पास पेपर था, उसके आधार पर उसकी नियुक्ति वहां के जिला शिक्षा अधिकारी ने दिया है।

श्री अजय चन्द्राकर :- नियुक्ति गलत थी या सही थी, यह बताईये न ?

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, बाद में यह जानकारी मिली कि शपथ-पत्र झूठा है, उसके आधार पर उसकी जांच की गई।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं पाईंटेड प्रश्न पूछ रहा हूं कि उसकी नियुक्ति गलत थी या सही थी ?

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- शपथ-पत्र के आधार पर सही था। लेकिन बाद में मालूम चला कि शपथ-पत्र झूठा है।

श्री अजय चन्द्राकर :- शपथ-पत्र के हिसाब से सही था। इनके पास शपथ-पत्र था। अब मैं दूसरा प्रश्न कर लेता हूं। उन्होंने कहा कि शपथ-पत्र के हिसाब से सही था। शपथ-पत्र था। इस नियुक्ति की शिकायत कब हुई और उसके लिए जांच समिति बनी, जांच समिति में कौन-कौन थे, उसने कितने दिन में जांच रिपोर्ट दी ? नियुक्ति को निरस्त की गई तो किन कारणों से निरस्त की गई ?

डॉ.प्रेमसाय सिंह :- अध्यक्ष महोदय, समाचार पत्रों में सामने आया कि इनकी नियुक्ति निरस्त हुई है । शपथ पत्र झूठा है । स्वयं संज्ञान में लेकर उसकी 16-02-2023 को उसकी नियुक्ति निरस्त कर दिया गया ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा है कि शपथ पत्र को झूठा बता दिया है । मैंने यह पूछा है कि किसकी शिकायत हुई, समाचार पत्र में छपा, जांच समिति बनाई गई क्या, कौन-कौन थे, कितने दिनों में उन्होंने रिपोर्ट दी, रिपोर्ट के आधार पर किसने उसके नियुक्ति को निरस्त किया ?

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, उनका यह कहना है कि कौन अधिकारी कब उसे आदेश को निरस्त किये ?

डॉ.प्रेमसाय सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे समाचार पत्र के माध्यम से मालूम हुआ कि शपथ पत्र झूठा है और नियुक्ति गलत हुई है, जैसे ही संज्ञान में आया ....।

उपाध्यक्ष महोदय :- नियम में अगर गलत है, क्योंकि कोविड के समय में नियम बना था, एक सामान्य शिक्षा कर्मी लोगों का अगर देहान्त होता है, उसमें मापदण्ड क्या है, थोड़ा क्लियर करेंगे ।

डॉ.प्रेमसाय सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी जो आप बता रहे हैं, चूंकि यह नियम विरूद्ध हुआ था, इसलिये इसको निरस्त कर दिया गया । शिक्षा कर्मियों के अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में अभी माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रश्न नंबर 11 में कहा है कि सामान्य प्रशासन से जो नियम निकला है, सभी विभागों के लिये लागू है। उसमें पंचायत विभाग भी है, लेकिन शिक्षा कर्मी के मामले में चूंकि शासकीय कर्मचारी नहीं है, यह नियम लागू नहीं होता ।

श्री अजय चन्द्राकर :- वह मामला दूसरा है, आपने कहा कि समाचार पत्रों में छपा तो पता चला । मैं यह कह रहा हूँ कि क्या आपने जांच समिति बनाई है, हां या नहीं बता दें ? यदि बनाई तो उस जांच समिति में कौन-कौन थे, कितने दिन में रिपोर्ट दी और उसके बाद उसकी नियुक्ति को निरस्त किसके द्वारा किया गया ? छोटा-छोटा प्रश्न है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- कौन-कौन अधिकारी थे और कितने दिनों में निरस्त किये ?

डॉ.प्रेमसाय सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, नियुक्ति भी डी.ई.ओ. ने किया। समाचार पत्रों के माध्यम से जैसे ही संज्ञान में आया, जांच हुई और जब शपथ पत्र ही गलत था तो डी.ई.ओ. ने उसकी नियुक्ति को निरस्त कर दिया । उसमें कौन सी बड़ी बात है ?

श्री अजय चन्द्राकर :- मैंने पूछा कि आपने जांच समिति बनाई थी क्या कि पेपर के आधार पर निरस्त किया ? जांच समिति बनाई थी तो कौन-कौन थे, यह बोल दें कि जांच समिति नहीं बनाई गई ।

डॉ. प्रेमसाय सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, डी.ई.ओ. उसमें खुद सक्षम है, आपकी नियुक्ति भी किया, बेसिक जानकारी आई, जैसे ही उसमें जानकारी आई, संज्ञान में आया...।

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- भईया, उत्तर नहीं समझ पा रहे हो तो कैसे पता चलेगा ? माननीय मंत्री जी, उत्तर बता रहे हैं । ठीक से समझ लो ।

श्री अजय चन्द्राकर :- अतेक होशियार मत बना भाई । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं बहुत छोटा प्रश्न पूछ रहा हूँ, कोई भी विभाग...।

उपाध्यक्ष महोदय :- इसके कहने से जांच समिति नहीं बनाया गया ।

श्री अजय चन्द्राकर :- मैं भी मंत्री रहा हूँ, कोई भी विभाग पेपर में छपता है, उस पर संज्ञान नहीं लेता है । पेपर में रोज कुछ न कुछ छपता है । पेपर के आधार पर उन्होंने निरस्त किया है, यह बता दें ? यदि जांच समिति नहीं बनाई थी, यह बता दें ? मैं पूछना चाहता हूँ कि डी.ई.ओ. ने पेपर में छपा, उस आधार पर निरस्त किया क्या ? उस आधार पर आप कार्यवाही करेंगे करके मैं बहुत सा पेपर कटिंग दूंगा ना ?

उपाध्यक्ष महोदय :- लिखित में शिकायत मिला था क्या मंत्री जी या पेपर के आधार पर हुआ है ?

डॉ.प्रेमसाय सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय, पेपर के आधार पर मिला था, उसी में संज्ञान लिया है ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज सदन में यह सुनिश्चित हो रहा है कि हम शिक्षा विभाग के खिलाफ पेपर कटिंग देंगे तो हर बार क्या कार्यवाही करेंगे ? उसके बाद मैं दूसरा प्रश्न पुछूंगा ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, लगभग सप्लीमेंट्री क्वेश्चन आ गया ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण है । पेपर के आधार पर मैं शिकायत करूंगा, पेपर कटिंग दूंगा, आप उसमें कार्यवाही करेंगे क्या ? यह बता दें । उन्होंने कहा है कि पेपर के आधार पर कार्यवाही की गई है ।

डॉ.प्रेमसाय सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर यह मालूम हो गया कि झूठा शपथ पत्र है तो उसमें कार्यवाही की गई है । कोई भी समाचार पत्र में जब ऐसी बात प्रकाशित होती है तो उसको विभागीय तौर पर देखा जाता है कि यह सही है कि नहीं है और उसके गुण-दोष के आधार पर कार्यवाही की जाती है ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बहुत महत्वपूर्ण निर्णय विधान सभा में आने वाला है । पेपर कटिंग के आधार पर यदि वह कार्यवाही किया गया है तो मैं आपके सामने सरकार के

खिलाफ पेपर कटिंग दूंगा । वह कार्यवाही करेंगे ? यह सुनिश्चित हो जाये । अब मैं बोल रहा हूँ । इसलिए उस डी.ई.ओ. ने समिति भी बनाई है और उस समिति ने पांच दिन के अंदर रिपोर्ट दी है । वह छिपा रहे हैं और छिपाने का कारण है, उसको बताना चाहे रहे हैं, क्योंकि वह सोर्स ऑफ इंकम है। (शेम-शेम की आवाज) आप उसको छिपा रहे हैं। जब आपने स्वीकार कर लिया है तो आप उसको क्यों बचाना चाहते हैं ?

श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, न किसी को बचाने का सवाल है, न छिपाने का सवाल है।

श्री अजय चंद्राकर :- उपाध्यक्ष महोदय, जब आपने स्वीकार कर लिया है कि गलत नियुक्ति हुई है और आपने उसको निरस्त किया तो क्या आप नियुक्तिकर्ता के ऊपर कार्रवाई करेंगे ? आप एक लाइन में बताईये।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी बताईये ।

श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम इसकी जांच करायेंगे। जांच करने के लिये जो कार्रवाई होगी, उसके बाद कार्रवाई करेंगे।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जांच नहीं। वह तो साबित हो रहा है। पूरे प्रश्नों से साबित हो गया है कि गलत नियुक्ति दी गयी। तो क्यों बचाना चाहते हो ? जांच की क्या जरूरत है ? आपके उत्तर में आ गया है कि गलत हुआ है। तो उसमें क्या जांच होगी ?

श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, बचाने का सवाल नहीं है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- उपाध्यक्ष महोदय, जांच तो होगी ना। बिना जांच के कैसे पता चलेगा कि दोषी कौन है।

श्री अजय चंद्राकर :- मोर बाप, तोर हाथ पाव जोड़थो। अऊ का बोलहू।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- मंत्री जी ने बोल दिया है कि जांच करवायेंगे।

श्री अजय चंद्राकर :- तोर हाथ पाव जोड़थो। तै बहुत विद्वान हस, मान लेवव भैया। तोर हाथ पाव जोड़थो।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- तोर से विद्वान तो दुनिया में कोई है ही नहीं। तोर ज्ञान छलकत रहिथे।

श्री अजय चंद्राकर :- मोर बाप, तोर हाथ पाव जोड़थो। तै हा बैठ जा।

उपाध्यक्ष महोदय :- चंद्राकर जी, यदि जांच के आधार पर आ जाये.।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक लाइन बोल रहा हूं। मंत्री महोदय ने स्वीकार कर लिया है कि गलत नियुक्ति हुई है। उसी अधिकारी ने नियुक्त किया, उसी अधिकारी ने 5

दिन में जांच करवाकर निरस्त कर दिया। अब इसमें जांच की क्या बात बची है ? उस अधिकारी के ऊपर कार्रवाई करनी चाहिए। उसको बचा क्यों रहे हैं ?

उपाध्यक्ष महोदय :- वह शपथ पत्र के आधार पर किया गया है।

श्री अजय चंद्राकर :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा हूं कि शपथ पत्र का आधार ही नहीं है। उसको जांच कमेटी के लोग छिपा रहे हैं। आप अधिकारी को पूछ लीजिये।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, मंत्री जी।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, इसमें छिपाने की बात नहीं है।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय मंत्री जी, आप कार्रवाई क्यों नहीं करना चाहते हैं ? आप कार्रवाई कीजिये।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, बिना शिक्षा अधिकारी के विरूद्ध वह जांच, हम जिसकी विभागीय जांच करवायेंगे, जांच करवाने के बाद जो भी परिणाम आयेगा, उसमें कार्रवाई करेंगे।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय मंत्री जी, आपकी जांच कैसे होती है और कौन करवा रहा है, मैं वह सब जानता हूं। आपके बयान से साबित हो गया है तो क्या आप उसके ऊपर कार्रवाई करना चाहेंगे ? माननीय मंत्री जी, क्या उस डी.ओ. के खिलाफ कार्रवाई करेंगे ? सीधी सी बात है।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- जांच करेंगे। जांच करने के बाद कार्रवाई करेंगे ना। क्यों कार्रवाई नहीं करेंगे ?

श्री अजय चंद्राकर :- यदि आप जांच करेंगे तो कितने दिन में करेंगे ? उसकी समयावधि बता दीजिये।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, समयावधि बता दीजिये।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम :- उपाध्यक्ष महोदय, एक महीने के अंदर जांच करेंगे।

श्री अजय चंद्राकर :- चलिये, ठीक है।

उपाध्यक्ष महोदय :- बहुत बढ़िया। बहुत-बहुत धन्यवाद्।

<u>सदन को सूचना</u>

उपाध्यक्ष महोदय :- आज भोजन की व्यवस्था माननीय श्री कवासी लखमा जी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की ओर से माननीय सदस्यों के लिये लॉबी स्थित कक्ष में एवं पत्रकारों के लिये प्रथम तल पर की गयी है। कृपया सुविधानुसार भोजन ग्रहण करें।

असंशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

(2) जल संसाधन विभाग द्वारा सक्षम अधिकारी कलेक्टर सक्ती एवं माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं किया जाना।

श्री रामकुमार यादव :- अध्यक्ष महोदय, मेरी ध्यान आकर्षण सूचना का विषय इस प्रकार है:- सक्षम अधिकारी कलेक्टर सक्ती के आदेश के आधार पर तथा माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (रा) डभरा के पत्र क्रमाक 3937/अ.वि.अ./भू-अर्जन/2022 डभरा दिनांक 29.12.2022 के आधार पर जल संसाधन विभाग द्वारा कुल 106 परिवारों जिनमें कृषक-दुलार, डमरूधर घुरवा, पंचराम, मानसाय एवं अन्य सभी निवासी चंद्रपुर, तहसील डभरा, जिला सक्ती (छ.ग.) भी शामिल हैं, को अब तक राशि प्रदान नही की गयी है। किसानों में भुगतान नही हो पाने के कारण रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

जल संसाधन मंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- राज्य में औद्योगिक ईकाइयों को जल उपलब्ध कराने हेतु महानदी में कलमा बैराज प्रस्तावित किया गया था। वर्ष 2011 में इस का निर्माण प्रारंभ हुआ एवं वर्ष 2016 में यह पूर्ण हुआ। इस बैराज में रायगढ़ जिले के 13 ग्राम एवं सक्ती जिले के 13 ग्राम कुल 26 ग्रामों की 759 कृषकों की 162 हे0 भूमि हेतु वर्ष 2018 से 2021 मध्य अवार्ड पारित किया गया।

बैराज में पानी भरने से किसानों की भूमि डूब में आयी। विभिन्न चरणों में पारित अवार्डो में कुल रू. 239 करोड़ की मुआवजा राशि वितरित की गयी है। किसानों को अवार्ड तिथि से भुगतान की तिथि के मध्य के ब्याज की राशि रू. 1.71 करोड़ का भी भुगतान अवार्ड राशि के साथ किया जा चुका है। माननीय उच्च न्यायालय में 106 किसानों द्वारा 06 विभिन्न रिट पिटिशन वर्ष 2022 में दायर कर पूर्व की तिथि अर्थात वर्ष 2011 से अवार्ड तिथि तक ब्याज की राशि की मांग की गई है।

माननीय उच्च न्यायाल द्वारा इन याचिकाओं के पक्ष में फैसला देते हुए ब्याज की राशि की गणना कर भुगतान का आदेश दिया गया है।

भू-अर्जन अधिकारी द्वारा 06 याचिकाओं में सम्मिलित चन्द्रपुर तह-डभरा, जिला-सक्ती के कृषक दुलार, डमरूधर, घुरवा, पंचराम, मीना एवं मानसाय सहित सभी 106 कृषकों की ब्याज के अंतर की राशि 6,95,50,283 रूपये (छः करोड़ पंचनानवें लाख पचास हजार दो सौ तिरासी) के भुगतान की गणना की गई है। विभाग द्वारा ब्याज के अंतर की राशि के भुगतान हेतु प्रशासकीय प्रक्रिया की जा रही है। परियोजना लागत के अतिरिक्त यह राशि दी जानी है। अतः बजटीय प्रावधान करते हुए शीघ्र भुगतान किया जायेगा।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज तक जहां भी कोई भी कंपनी लगथे तो पहिली ओ क्षेत्र के किसान ला ओ ला संतुष्ट किए जाथे मुआवजा अउ नौकरी देकर। ए चन्द्रपुर विधान सभा में हालांकि ए पूर्व सरकार के रहिस हावए, लेकिन में वर्तमान ला ही पूछहूं तो वहां किसान मन के

जमीन जेमन नदी के किनारे ककड़ी, कलिंदर लगाकर गरीब मन जीवन यापन करए। ओ मे बड़का-बड़का गेट लगाकर ओ ला स्टॉप डेम बना दिस। ओ मन के जमीन हा बूड़ गे। अउ ओ मन के सदियों से 500-300 साल पहिली जो जीवन यापन करत आवत रिहिस हे, ओ मन के जमीन हा पूरा स्वाहा होगे। अउ आज तक में ए सदन के अंदर में देखेव हों, मय कई ठन प्रश्न भी लगाए रहेव कि ओ मन ला कब मुआवजा मिलही? जेमन के जमीन छूट गे हे ओकर कब सर्वे किए जही ? मोला इहां आश्वासन मिलिस, लेकिन मुआवजा नइ मिल पाईस। मैं आपसे ए भी कहना चाहत हौं कि ओकर कतका दिन में अउ बाकी जो हावए तेखरो मन के सर्वे हो ही। ओमन ला मुआवजा मिलही। में जानत हंव, हमर रविन्द्र चौबे, महाराज जी के आशीर्वाद से मोर क्षेत्र में बहुत सारा काम होए हे। ए मुआवजा ला भी करा देतिस, मय महाराज से ए निवेदन करना चाहत हौं।

श्री रविन्द्र चौबे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वहां मुआवजा तो मिल गया है। लगभग 239 करोड़ यह ब्याज की राशि है। एवार्ड पारित होने के पहले का जितना मुआवजा था, वह बन गया। उन्होंने माननीय उच्च न्यायालय से उस अवधि के बीच के ब्याज की मांग की और यह जो लागत परियोजना की है उसके अतिरिक्त है तो मैंने कहा कि हम इस मुआवजा की राशि की शीघ्र व्यवस्था करेंगे, लेकिन अभी आप कह रहे हैं कि और सर्वे कराकर, अभी तक इस ध्यानाकर्षण में ऐसा कोई उल्लेख नहीं था, लेकिन सदन में माननीय सदस्य कह रहे हैं तो मैं फिर से विभाग को इसके लिए निर्देश जारी कर दूंगा।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से ए भी निवेदन करिहौं चूंकि में ए बात स्पष्ट कर देना चाहत हौं कि ब्याज काबर जुड़त हे। देखिहौ ए आपके कार्यकाल के नो हे, एमन के कार्यकाल के। कभी भी कोई ला मुआवजा दिये जाथे अउ मुआवजा देकर बाद में स्टॉप डेम बनाए जथे, लेकिन ए मन ला कंपनी ला पानी देकर एतना जल्दी रिहिस हे कि उहां स्टॉप डेम हा पहिली बन गे अउ मुआवजा हर बाद में दिये जाथे। तो भई उहू मन तो किसान हे उही मन तो हमन ला सदन में भेजे हे, ओ मन धरती के सीना ला चीर के अन्न उपजावत हे, तो ओ मन ला ब्याज देबर कोई कोताही नइ होना चाही, हमन उकर ऊपर कोई एहसान नइ करत हन। जो नियम प्रक्रिया में हे, जइसे बैंक में पइसा बांटथे। कोई आदमी हर बैंक में कर देहे, पइसा बांटथे उसी प्रकार के ओ मन के समय में पइसा नइ दीन तेखर खातिर ओ ला ब्याज दिये जाथे। आज मय भी कह देत हावंव। ओ क्षेत्र भले चन्द्रपुर क्षेत्र गरीब हो सकथे, लेकिन ओ क्षेत्र में पइसा के कोई कमी नइ हे। जइसे कि मे बतावत हों कि वहां पर मोनेट हे, जे.एस. डब्ल्यू. हे, टॉपवर्थ हे, जिंदल पॉवर प्लांट हे, डी.बी. पॉवर प्लांट हे, कोरबा वेस्ट हावए, ए सब मन करा अभी हम ला ओ कंपनी वाला मन पइसा दिही, जे पानी लेथे तेखर किराया। ओ लगभग 279 करोड़ रूपया हे।भई हमर पानी हे, हमर ला ले जाथे, हमर जमीन बूड़े हे तो हमन ला मुआवजा मिले। बल्कि अउ सर्वे हो जाए, जब तक धरती रही तब तक पॉवर प्लांट बर पइसा ला कमाही। गरीब आदमी एक बार चोचोबोरो पाही तहान बस । हमर मुख्यमंत्री जी हा गे रिहिस हावए। हमन हा

मुख्यमंत्री करा पूरा निवेदन करेन, एक ठन पॉवर प्लांट हे चूंकि महाराज जी से ओ बात ला कहात देव ताकि ओकर जानकारी में हो सकत हे।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप प्वाईंटेड प्रश्न करिये।

श्री रामकुमार यादव :-माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वही मोर प्रश्न हे। मोनेट, एन.टी.पी.सी. लारा जहां पॉवर प्लांट लगाए हे वहां बोनस के तौर पर 5 लाख रूपया अलग देथे, लेकिन जहां ले पानी लेगे हे उहां ला सूची में उद्योग में नाम नइ हे। मोर आपसे प्रार्थना हे कि ए सब ला लागू करए ताकि में जानत हौं कि मोर सरकार हा किसान मन के हितैषी सरकार हे। यहू ला कह देवे कि सर्व जो पुनर्वास के भी देबो, जतका कन जो घटोई जलाशय में मुआवजा हावए, हमर सचिव मन भी बइठे हे, ओमन जानत हावए कि कोरबा के जो वेस्ट पैसा हवै, सब ला मिलाकर लाकर देवै, ये मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहत हौं।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा (जैजेपुर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भाई रामकुमार जी बढ़िया छत्तीसगढ़ी में गोठिआईन हें। माननीय मंत्री जी छत्तीसगढ़ी भी समझथे। हालांकि ये जो प्रश्न है, तेहा ब्याज के अंतर की राशि के हे। लेकिन फिर भी एक बेराज नहीं बल्कि बहुत सारे बेराज बनिस हे और बहुत झन ला मुआवजा भी देईन हे। ये सदन में रामकुमार जी आप ला भी, मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी ला भी मैं धन्यवाद भी देन रहें। फिर भी माननीय मंत्री जी बहुत सारे किसान मन अभी छूटे हवैं। जेमन आज भी आवेदन देत हें, आज भी ओमन मुआवजा से वंचित हे। मोर भी आप करा निवेदन हे कि एक बार और ओकर सर्वे करा लें। जे मन भी छूटे हें, जे मन के अथेंटिक जमीन हे। काबर कि ओ मन ला पीड़ा ज्यादा होते हे, एक झन हा पा गये हो, एक झन हा नई पाये हे।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय दोनों की सदस्य की चिंता एक ही है।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- माननीय मंत्री जी, मोर जैजेपुर विधान सभा क्षेत्र में सक्ती जिला में झारौंदा सिंचाई परियोजना बने हे। ओमा भी किसान मन के लंबित हे। ओमा भी हाईकोर्ट ले आ गये हें। सरकार ला मुआवजा बनाये बर निर्देश करे हे। लेकिन विभाग ओमा कोताही बरतत हे। ओकर भी निवेदन हें कि झारौंदा के परियोजना के मुआवजा भी किसान मन ला मिल जाये।

श्री रविन्द्र चौबे :- माननीय उपाध्यक्ष जी, दोनों विधायकों का बड़ा सम्मान है। आपने किसानों की बात यहां उठाई है। पिछले बार भी साराडीह का मामला रामकुमार यादव जी ने यहां उठाया था। वहां भी लगभग मुआवजा का वितरण किया गया। अभी ये ब्याज की राशि का है, मैंने कहा कि उसके लिए हम शीघ्रता करेंगे। परियोजना की अतिरिक्त लागत है, इसलिए उसमें थोड़ा प्रशासकीय काम में समय लग रहा है। लेकिन आप दोनों का जो प्रश्न है कि और भी किसान हैं जिनके ऐसे मामले लंबित हैं, आपने तो एक सिंचाई योजना का भी नाम लिया। मैं अपने चीफ इंजीनियर को कहूंगा, जहां-जहां भी और

किसानों का एप्लीकेशन है कि उनका मुआवजा शेष है, उसकी गणना फिर से कर लें और विभाग को मुआवजा की राशि देना ही है।

श्री रामकुमार यादव :- माननीय मंत्री जी, धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय :- ठीक है।

समय :

12.53 बजे

<u>नियम 267-क के अंतर्गत विषय</u>

उपाध्यक्ष महोदय :- निम्नलिखित सदस्य की शून्यकाल की सूचना सदन में पढ़ी हुई मानी जायेगी तथा इसे उत्तर के लिये संबंधित विभाग को भेजा जायेगा :-

1. श्री अजय चन्द्राकर
2. श्री सौरभ सिंह

समय :

12.53 बजे

<u>प्रतिवेदनों की प्रस्तुति</u>

<u>पटल पर रखे गये पत्रों का परीक्षण करने सबंधी समिति का तेरहवां एवं चौदहवां प्रतिवेदन</u>

सभापति (श्री आशीष कुमार छाबड़ा) :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं पटल पर रखे गये पत्रों का परीक्षण करने सबंधी समिति का तेरहवां एवं चौदहवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूं।

समय :

12.54 बजे

<u>वर्ष 2023-2024 की अनुदान मांगों पर चर्चा</u>

मांग संख्या	**24**	**लोक निर्माण कार्य- सड़कें और पुल**
मांग संख्या	**67**	**लोक निर्माण कार्य- भवन**
मांग संख्या	**76**	**लोक निर्माण विभाग से संबंधित विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाएं**
मांग संख्या	**3**	**पुलिस**
मांग संख्या	**4**	**गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय**
मांग संख्या	**5**	**जेल**
मांग संख्या	**51**	**धार्मिक न्याय और धर्मस्व**

अप्रकाशित/प्रकाशन के लिये नहीं

मांग संख्या 37 पर्यटन

गृह मंत्री (श्री ताम्रध्वज साहू) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय की सिफारिश के अनुसार प्रस्ताव करता हूं कि दिनांक 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष में राज्य की संचित निधि में से प्रस्तावित व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को :-

मांग संख्या 24 लोक निर्माण कार्य- सड़कें और पुल के लिये- तीन हजार पांच सौ चौरासी करोड़, नौ लाख, चार हजार रुपये,

मांग संख्या 67 लोक निर्माण कार्य- भवन के लिये- एक हजार पांच सौ उनचास करोड़, तिरानबे लाख, पचास हजार रुपये,

मांग संख्या 76 लोक निर्माण विभाग से संबंधित विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाएं के लिये- आठ सौ छत्तीस करोड़, पचहत्तर लाख, अठासी हजार रुपये,

मांग संख्या 3 पुलिस के लिये- छः हजार चार सौ एक करोड़, अड़सठ लाख, चौरासी हजार रुपये,

मांग संख्या 4 गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय के लिये- एक सौ सोलह करोड़, बयानबे लाख, छप्पन हजार रुपये,

मांग संख्या 5 जेल के लिये- दो सौ बीस करोड़, अस्सी लाख, छत्तीस हजार रुपये,

मांग संख्या 51 धार्मिक न्याय और धर्मस्व के लिये- पैंतालीस करोड़, आठ लाख रुपये तथा

मांग संख्या 37 पर्यटन के लिये- एक सौ उनसठ करोड़, चालीस लाख, पचास हजार रुपये

तक की राशि दी जाय।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

उपाध्यक्ष महोदय :- अब इन मागों पर कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत होंगे। कटौती प्रस्तावों की सूची पृथकत: वितरित की जा चुकी है। प्रस्तावक सदस्य का नाम पुकारे जाने पर जो माननीय सदस्य हाथ उठाकर कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाने हेतु सहमति देंगे, उनके ही कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत हुए माने जायेंगे।

मांग संख्या -24

लोक निर्माण कार्य - सड़कें औ पुल

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	6
2.	श्री पुन्नूलाल मोहले	3
3.	श्री अजय चंद्राकर	1
4.	श्री धरमलाल कौशिक	8

5.	श्री शिवरतन शर्मा	13
6.	श्री रजनीश कमार सिंह	84
7.	श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू	10
8.	श्रीमती इंदू बंजारे	16
9.	श्री डमरूधर पुजारी	1

मांग संख्या - 67

लोक निर्माण कार्य –भवन

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	2
2.	श्री अजय चंद्राकर	14
3.	श्री धरमलाल कौशिक	11
4.	श्री शिवरतन शर्मा	12
5.	श्री केशव प्रसाद चंद्रा	1
6.	श्री रजनीश कुमार सिंह	1
7.	श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू	2
8.	श्रीमती इंदू बंजारे	7
9.	श्री डमरूधर पुजारी	1

मांग संख्या - 76

लोक निर्माण विभाग से संबंधित विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाएं

1.	श्री अजय चंद्राकर	3

मांग संख्या - 3

पुलिस

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	24
2.	श्री पुन्नूलाल मोहले	1
3.	श्री अजय चंद्राकर	1
4.	श्री धरमलाल कौशिक	8
5.	श्री शिवरतन शर्मा	13

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

6.	श्री केशव प्रसाद चंद्रा	1
7.	श्री रजनीश कुमार सिंह	2
8.	श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू	2
9.	श्रीमती इंदू बंजारे	1

मांग संख्या - 4

गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	1
2.	श्री अजय चंद्राकर	1
3.	श्री धरमलाल कौशिक	2

मांग संख्या - 5

जेल

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	4
2.	श्री अजय चंद्राकर	1
3.	श्री धरमलाल कौशिक	4
4.	श्री शिवरतन शर्मा	4

मांग संख्या - 51

धार्मिक न्यास और धर्मस्व

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	1
2.	श्री पुन्नूलाल मोहले	1
3.	श्री अजय चंद्राकर	1
4.	श्री धरमलाल कौशिक	4
5.	श्री शिवरतन शर्मा	2
6.	श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू	5

असंशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

मांग संख्या - 37

पर्यटन

1.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	4
2.	श्री अजय चंद्राकर	1
3.	श्री धरमलाल कौशिक	3
4.	श्री रजनीश कुमार सिंह	1
5.	श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू	5

उपाध्यक्ष महोदय :- उपस्थित सदस्यों की कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत हुए। अब मांगों और कटौती प्रस्ताव पर एक साथ चर्चा होगी। माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी की विभाग मांगों का विरोध करते हुए मांग संख्या 24, 67, 76, 3, 4, 5, 51, 37 के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को पूरा प्रदेश ढूंढ रहा है। कल मुख्यमंत्री जी बोल रहे थे कि साहू जी सबसे सीनियर मंत्री हैं। वह 72 साल के हैं। यदि पूरे छत्तीसगढ़ के इस मंत्रिमण्डल के सबसे सीनियर मंत्री हैं तो उनकी कितनी इज्जत हो रही है? उनका कितना अधिकार है? वह कितने निर्णय ले पा रहे हैं? प्रदेश में बड़ी-बड़ी घटनायें हो जाती हैं, छत्तीसगढ़ में बड़ी-बड़ी घटनायें हो जाती हैं, रायपुर में बड़ी-बड़ी घटनायें हो जाती हैं। मंत्री जी नदारद, मंत्री जी का कोई वक्तव्य नहीं, मंत्री जी को कोई जानकारी नहीं। जब मंत्री जी से पत्रकार पूछते हैं तो मंत्री जी कहते हैं कि मैं पूछ कर बताता हूं। मंत्री जी, आप बहुत सीनियर हैं। आप हम लोगों के वरिष्ठ हैं। हम लोग आपकी इज्जत करते हैं। हम चाहते हैं कि आपको सरकार में भी सम्मान मिले। क्या मिल रहा है, यह हम लोग रोज देखते हैं। मंत्री जी को इतना अपमानित, उनके अधिकारों से इतना वंचित कर दिया गया कि मंत्री जी इच्छा नहीं होती है कि वह सदन में आयें। जिस दिन प्रश्नकाल होता है, जिस दिन उनको जवाब देना होता है, उस दिन वह अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए आते हैं। मंत्री जी, आखिर क्या कारण है? क्या अपने जवाब में बतायेंगे। सब कुछ हाऊस से क्यों चल रहा है? कई बार तो हम लोग ढूंढते हैं कि यह हाऊस क्या है? कभी किसी अधिकारी को किसी मामले में फोन करो तो वह कभी नहीं बोलता कि गृह मंत्री जी को बाल दीजिये, वह बोल देंगे। वह क्या बोलता है कि सर, हाऊस से बोलवा दीजिये। क्या है हाऊस? क्या कोई संवैधानिक संस्था है? हम जानना चाहेंगे कि हाउस क्या है ? आपके एस.पी., आपके आई.जी., आपके डी.जी., आपके डी.जी.पी. इवन थानेदार भी बोलता है कि हाउस से खबर करवा दीजिये । मंत्री जी आप बतायेंगे कि हाउस क्या है ? पूरा सदन जानना चाहता है, पूरा छत्तीसगढ़ जानना चाहता है ?

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- मंत्री जी भी खोज रहे हैं कि हाउस क्या है ? आप बोल रहे हैं तो वे भी हाउस का उत्तर मिल जायेगा करके यह उम्मीद रखे हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मंत्री जी, हम तो आपके वजूद को जगाना चाहते हैं। हम आपकी वरिष्ठता को सम्मान देना चाहते हैं, आखिर छत्तीसगढ़ में यह क्या हो रहा है ? किसी भी प्रदेश की उन्नति का यदि सबसे बड़ा कारण कोई हो सकता है तो वहां के लोगों में सुरक्षा की भावना, वहां के लोगों में धर्म के प्रति आस्था । अध्यात्म का प्रचार-प्रसार । लोगों को सुकून मिल सकता है तो वह पर्यटन के माध्यम से मिल सकता है । अपराधियों के सुधार का कार्यक्रम हो सकता है तो वह जेल के माध्यम से हो सकता है । आखिर क्या हो रहा है ? माननीय मंत्री जी आपके पास में धर्मस्व विभाग है । पूरे छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है ? काला यूरोप बनाने की कोशिश हो रही है । आपका काम धर्म की रक्षा करना है । यदि आपके पास जिम्मेदारी है तो सनातन धर्म की रक्षा करने की जिम्मेदारी है । बाकी धर्मों का यह अलग विभाग है, अल्पसंख्यक विभाग है । उसको देखना है, आप जरा बतायें कि आपने सनातन की रक्षा के लिये क्या-क्या प्रयास किये हैं ? चाहे धर्मांतरण हो, क्या यह सनातन की रक्षा का काम है ?

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- कहां धर्मांतरण हो रहा है भैया ? जबर्दस्ती का धर्मांतरण बोल रहे हैं ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, धर्मांतरण का विरोध करने वाले लोग थाने में जाकर बोलते हैं कि हम संविधान को जला देंगे । यहां पर आपके गृह विभाग की जिम्मेदारी आ जाती है । आपका गृह विभाग क्या करता है ? जो लोग धर्मांतरण का विरोध करते हैं उनको जेलों में डाला जाता है ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आप इतने गुस्से से क्यों बोल रहे हैं भई ? आप प्रेम से बोलिये, शांति से बोलिये । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, 3 आदमी हमेशा गुस्से से बोलते हैं । ये, वो और वो । (हंसी)

श्री शिवरतन शर्मा :- क्या है सत्तू भैया इसलिये गुस्सा आता है कि यह सरकार आपकी भी पूछ-परख नहीं कर रही है ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- इनका बी.पी. बढ़ जायेगा ।

श्री शिवरतन शर्मा :- क्या है सत्तू भैया यह सरकार आपकी भी पूछ-परख नहीं कर रही है । आपकी पूछ-परख हो जाये तो गुस्सा शांत हो जाये । न आपकी पूछ-परख हो रही है, न धनेन्द्र भैया की पूछ-परख हो रही है, न रामपुकार जी की हो रही है और न ही अरूण वोरा जी की हो रही है इसलिये गुस्सा आ रहा है ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आप क्यों परेशान हैं ? आप अपनी हैसियत तो देख लो कि क्या है ? (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- हम तो आपकी स्थिति को देखकर चिंतित हैं । हम लोग आपकी स्थिति को लेकर चिंतित हैं । (व्यवधान)

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अगली बार 13 हो जायेंगे ।

श्री अजय चंद्राकर :- अच्छा आप यह बताईये कि आप बिहार से कौन-कौन सा ब्राण्ड लेकर आये हो ?

श्री सत्यनारायण शर्मा :- बिहार से आपके लिये ये लेकर आये हैं, देखिये ।

श्री अजय चंद्राकर :- बस ठीक है, वह जल्दी दे देना ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- तो पहुंचाईये न । जल्दी पहुंचाओ ।

श्री अजय चंद्राकर :- उसको जल्दी पहुंचाओ । भाटो को भी एकाध दो ।

श्री पुन्नूलाल मोहले :- शर्मा जी, बृहस्पत जी को दे दीजिये ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- जल्दी पहुंचाओ न ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- हम पहुंचा देंगे ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बड़ी खुशी की बात है कि आदरणीय सत्तू भैया की आवाज पहली बार इस सदन में सुनाई दी है । इस सत्र में पहली बार ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- प्रेम से बोलो भैया ।

श्री पुन्नूलाल मोहले :- माननीय शर्मा जी, ये क्या होता है ? बता दीजिये ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- जो आपके पास है वही है । (व्यवधान)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जिस मंत्री के जिम्मे धर्म की रक्षा का काम है । क्या आपने कभी किसी एस.पी. को पत्र लिखा है ? क्या आपने कभी किसी कलेक्टर को पत्र लिखा है ? क्या आपने कभी डी.जी.पी. को फोन किया है कि इतना धर्मांतरण क्यों हो रहा है ? धर्मांतरण की आग में बस्तर क्यों जल रहा है ? नारायणपुर की घटना क्यों घटित हो रही है ? माननीय मंत्री जी, आपको इतिहास माफ नहीं करेगा कि आपके धर्मस्व मंत्री रहते हुए छत्तीसगढ़ की संस्कृति को कुचला जा रहा है । छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बदनाम किया जा रहा है, छत्तीसगढ़ की संस्कृति का अपमान किया जा रहा है । छत्तीसगढ़ में धर्मग्रंथों का अपमान हो रहा है और आप मूकदर्शक होकर बैठे हुए हैं । हम तो सोचते हैं, आप तो दावेदार रहे हैं । लिफाफे में आपका नाम भी आा गया था, किंतु षड्यंत्रकारियों ने.., अरे उसका तो बदला ले लो । ज़मीर को तो जगाओ ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- तोला अतेक कार चिंता हे भाई । नेता प्रतिपक्ष तो बनाए नइ हे, अब चिंता मत कर ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं है । आपके अधिकार नहीं, आपके सब विभागों में जितना बजट पिछले वर्ष सेंक्शन हुआ था, उसमें से कितना खर्च कर पाए हैं ।

धर्मस्व जैसे विभाग में, जो बहुत छोटा विभाग है, जिसमें आपके लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में 20 करोड़, 60 लाख, 1000 रूपए की व्यवस्था थी । अभी तक कितना खर्च हुआ है । 7 करोड़ 34 लाख 56 हजार रूपए यानी एक तिहाई । अरे, इतनी बेइज्जती तो बर्दाश्त मत करो मंत्री जी । धर्मस्व जैसे विभाग में 20 करोड़ में से 7 करोड़ खर्च होता है । आपने यह पुस्तिका हम लोगों को उपलब्ध करवाई है । इस पुस्तिका में लिखा है कैलाश मानसरोवर यात्रा, ज़रा आप बता दीजिए कि 4 सालों में कैलाश मानसरोवर के कितने यात्रियों को अनुदान दिया गया था ?

श्री अजय चन्द्राकर :- कोविड हो गया था ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- एक को भी दिया गया है तो बता दीजिए । सिंधु दर्शन यात्रा में कितने को अनुदान दिया गया है, यह बता दीजिए । आपने तो पहले ही एक पाप कर दिया था कि छत्तीसगढ़ की जनता आपको भी लोग आकर बताते होंगे । धनेन्द्र साहू जी भी यहां पर बैठे हैं । छत्तीसगढ़ की पहचान राजिम कुंभ के रूप में हुई थी । पूरे देश के हजारो साधु संत आते थे ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- जबरदस्ती महामंडलेश्वर बन गए थे, किसने बनाया आपको ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आपने । आपकी उपस्थिति में बना ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- मैंने बनाया होता तो वहां नहीं बैठते आप और पीछे बैठते ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आज हमको अच्छा लग रहा है कि सत्तू भइया के मुंह से कुछ निकल रहा है और वह भी इसलिए निकल रहा है कि ..।

उपाध्यक्ष महोदय :- बिहार से आए हैं, इसका असर है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- बिहार का भी असर है और मुख्यमंत्री जी भी नहीं हैं।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आपकी सरकारों की सारी पोलें खोलेंगे हम लोग । मध्यप्रदेश में क्या हो रहा है ? अवैध शराब पर हमने छापा डलवाया ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- और इनको यह भी अच्छा लग रहा है कि विपक्ष के लोग अच्छी मार रहे हैं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- अभी मुख्यमंत्री जी नहीं है तो सत्तू भइया थोड़े भयमुक्त हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- हमको आपकी खुशी की राज़ हमको मालूम है । आपके अकेले की नहीं, आपके बाजू वाले की खुशी का राज़ भी मालूम है ।

श्री शिवरतन शर्मा :- और उनके बाजू वाले की भी और उनके पीछे वाले की सब जानते हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आपने राजिम कुंभ का नाम बदल दिया । छत्तीसगढ़ की गरीब जनता, छत्तीसगढ़ के आर्थिक रूप से कमजोर लोग जो इलाहाबाद नहीं जा सकते, जो उज्जैन नहीं जा सकते, जो लोग कुंभ में नहीं जा सकते, ऐसे लोगों के लिए छत्तीसगढ़ में कुंभ का निर्माण हुआ था । यह एक ऐतिहासिक घटना थी । आपने पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों को अपने तुच्छ राजनीतिक स्वार्थ के लिए बड़े-

बड़े साधु, संत, महात्मा, महामंडलेश्वर, शंकराचार्य उनके आशीर्वादों से वंचित कर दिया। मंत्री जी, थोड़ी लज्जा आनी चाहिए, आप भी कबीरपंथी हो। आपके गुरू के घर में जाकर कब्जा हो जाता है और उस कब्जे को छुड़वाने के लिए अजय चंद्राकर जी को, शिवरतन जी को हम लोगों को जाना पड़ता है।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आप वेदांती जैसे लोगों को पालते हो। कालीचरण जैसे लोगों को पालते हो जो समाज में विद्रोह करवाते हैं। समाज में कुरीतियां लाते हैं। आप लोग ऐसे संतो का मान करते हो।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- नारायणपुर में भी ऐसी लोगों को लेकर गये थे, इसलिए झगड़ा हुआ था। हमारे मंत्री जी बहुत ईमानदार हैं, इतना जानकर रखिए। वे रेत में सड़क नहीं बनाते, पईसा इसलिए बचा है कि हम लोग रेत में सड़क नहीं बनाते। पहले रेत में सड़क बन जाता था, फिर बह जाता था।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इसका जवाब तो आपको जनता देगी।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- जनता तो जवाब दे चुकी है। आप 14 के 14 हैं। एक से भी नहीं जीत पाए।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- रूक जाओ, रूक जाओ, थोड़े दिन रूक जाओ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- रूके क्या, रूके ही हैं। आपके लोग और कम होंगे।

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी :- भैया, हम लोग 13 हैं, आप क्यों 14-14 स्टाईल बदल बदलकर बोलते हो।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- 13 से 12 एक दर्जन रह जाओगे।

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी :- ऐसा ? श्राप है क्या ?

श्री सत्यनारायण शर्मा :- श्राप ही समझो।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, लोग कहते हैं कि बी.जे.पी. के 13 साल में राजिम का वैभव बढ़ा था, गौरव बढ़ा था, देश भर के साधु संत आते थे, अब वह समाप्त हो गया। इन्होंने धर्मस्व संचनालय बनाने का निर्णय लिया। 12 पद संभागीय कार्यालय के लिए 10 पद स्वीकृत किए। मंत्री जी, बताईए, मुख्यमंत्री के पहले बजट में घोषणा की गयी थी कि हम धर्मस्व विभाग का संचनालय बनाएंगे। बन गया, पदों की भर्ती हो गयी। क्या हुआ, क्यों नहीं हुआ, क्या कारण है ? क्या आपकी चलती नहीं है ? आपके अधिकारियों से पूछते हैं तो सर वह वित्त मंत्रालय में पड़ा हुआ है, वहां से स्वीकृति नहीं मिल रही है। इतने सीनियर मंत्री उनके विभाग की स्वीकृति अगर वित्त मंत्रालय से ना मिले तो इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है ?

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी के पास पर्यटन विभाग है। मंत्री जी आप अपने जवाब में पर्यटन विभाग में चार साल में एक भी उपलब्धि बताएंगे। किसी भी प्रदेश की पहचान छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जिस राज्य में पर्यटन की अपूर्ण संभावनाएं हैं। यहां पर पहाड़ भी है, जंगल भी है, पानी भी है, वन्य प्राणी भी है, पर्यटन पैसा कमाने का माध्यम नहीं होता। पर्यटन प्रदेश की

पहचान बनाने का माध्यम होता है। पर्यटन इनवेस्टमेंट होता है। इन्होंने एक भी इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा नहीं किया है। हमने 100 से ज्यादा स्थानों पर होटल, मोटल स्थापित किए। आप उनको मेंटेन नहीं कर पाए।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- अच्छा, इतने सारे खड़े किए थे, खाली दिखाने के लिए था, वहां पर कुछ था ही नहीं। वहां लोग जाना ही नहीं चाहते थे, आपने इस तरह से बना दिया। सरकार के पैसे का पूरा अपव्यय कर दिया।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय मंत्री जी, वह तो लोगों से पूछिए जो लोग जा रहे हैं। पहले लोगों को स्टे के लिए जगह नहीं थी। आज सुविधाएं मिल रही है। छत्तीसगढ़ में देश विदेश के पर्यटक आ रहे हैं। परंतु आपके अनिर्णय की स्थिति के कारण होटल जर्जर हो रहे हैं। उनका मेंटनेंस नहीं हो पा रहा है। केबिनेट में बड़ी-बड़ी बात होती है। निर्णय होते हैं। हमने विरोध किया था, वहां पर दारू के लाईसेंस देंगे। एक तरफ आप शराबबंदी की बात करते हैं। मंत्री जी, क्या आज तक उसकी अधिसूचना जारी हुई? आपने टेण्डर निकाले थे, कोई प्राइवेट आदमी उस टेण्डर को लेने के लिए आया था। इसको आपने अपने प्रतिवेदन में लिखा है कि टेण्डर लेने के लिए कोई नहीं आया। पर्यटन विभाग पैसा कमाने का विभाग नहीं है। यह कोई हिमाचल, केरल, राजस्थान या उत्तराखंड नहीं है। यदि आपको यहां पर लोगों को बुलाना है तो आपको लोगों को सुविधाएं देनी होंगी। आपको उसका प्रचार-प्रसार करना पड़ेगा। आपको अच्छे आयोजन करने पड़ेंगे, परंतु आप कुछ नहीं कर पा रहे हैं। आपको आदिवासी सर्किट के लिए 94 लाख रूपये मिले। आपको प्रसाद योजना में 40 लाख रूपये मिले, 43 करोड़ रूपये मिले, 94 करोड़ रूपये मिले। आपको 137 करोड़ रूपये मिले। अभी तक उसका कितना काम हुआ है? यदि काम नहीं हुआ तो क्यों नहीं हुआ? राम वन गमन पथ के लिए 149 करोड़ रूपये का प्रोजेक्ट बना है। मुख्यमंत्री जी खड़े होकर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। हमने चंद्रखुरी में राम वन गमन पथ बना दिया। क्या आपने वहां पर प्रभु राम की मूर्ति को देखा है? जो सरकार इस देश के अराध्य, इस देश के जन-जन के नायक, जिनके नाम से पूरे देश के गांव-गांव में किवदंतियां होती हैं, आप ऐसे प्रभु राम की मूर्ति का चेहरा भी विकृत बना दे, इससे बड़ी शर्मनाक बात क्या हो सकती है? आज तक उसमें सुधार नहीं हुआ है। आप बार-बार करते हैं कि हमने मां कौशल्या का मंदिर बना दिया।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- बनाये हैं, उसमें क्या दिक्कत है?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं पढ़ रहा था कि मां कौशल्या के मंदिर के निर्माण में साढ़े 6 करोड़ रूपये लगे। मोहसिना किदवई की लड़की की कंपनी को वहां पर रामायण महोत्सव मनाने के लिए कॉन्ट्रेक्ट दिया गया। यह ऐसा पहला कॉन्ट्रेक्ट है और यह अजीब प्रकार का कॉन्ट्रेक्ट है। आपने पर्यटन विभाग में किया है कि उसमें राशि बढ़ाई जा सकती है। उस एग्रीमेंट को 3 साल तक बढ़ाया जा सकता है। उसको और काम दिया जा सकता है। 6 करोड़ रूपये के मां कौशल्या के धाम को बनाने के लिए उस कंपनी को अभी तक 50 करोड़ रूपये दिये जा चुके हैं। आप प्रभु राम के

नाम पर कोई काम कर रहे हो तो कम से कम उसको तो बक्ष दीजिए। आप दारू में खाओ, रेत में खाओ, जंगल में खाओ, सड़क में खाओ, पर प्रभु राम के नाम पर तो खाना बंद कर दीजिए। इस 50 करोड़ रूपये में विकास के काम हो सकते थे। आपने उसी कंपनी को युवा महोत्सव का काम दे दिया, उसी कंपनी को आदिवासी महोत्सव का काम दे दिया और उसी कंपनी को राज्योत्सव का काम दे दिया। आपने उस कंपनी को कन्सल्टेन्सी फीस 50 करोड़ रूपये दिया। आपने निर्माण के लिए नहीं दिया। आखिर यह क्या हो रहा है? आप उस विभाग के मंत्री हैं। आपने राम वन गमन पथ के लिए 149 करोड़ रूपये का प्रोजेक्ट बनाया। आपने वर्ष 2022-2023 में 30 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा, वर्ष 2023-2024 में 50 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा और इस बजट में 25 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा। टोटल कितना होता है? 100 करोड़ रूपये। यदि आप अपने 5 साल में इसके विज्ञापन का खर्चा निकालेंगे तो कितना खर्चा हुआ होगा? जरा आप यह बता दें। इसमें से भी सिर्फ 22 करोड़ रूपये खर्च हुए हैं। आप तो यदु जी को जानते हैं और आप भी उनके घर गये हैं। आज वह इस दुनिया में नहीं रहे। जिन्होंने राम वन गमन पथ के ऊपर पूरा रिसर्च किया, जिन्होंने राम वन गमन पथ की पूरी जानकारियां इकट्ठी कीं और जिन्होंने राम वन गमन पथ की पूरी यात्रा की। आज तक मन्नू लाल यदु जी ने राम वन गमन पथ के लिए जो पुस्तक लिखी, पूरी जानकारी दी । मुख्यमंत्री जी को तो सपना आता है या कोई इवेंट एजेंसी आकर बता देती है । राम वनगमन पथ के ऊपर में पूरे देश के बहुत से साहित्यकारों ने, बहुत से रिसर्चरों ने रिसर्च किया है कि प्रभु राम कहां-कहां गए हैं ? उसमें किसी भी जगह को जोड़ दो । हमारे अजय चन्द्राकर जी उसके ज्ञाता है ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- जय श्री राम का नारा लगाते हो और राम वनगमन पथ का विरोध करते हो ।

श्री शिवरतन शर्मा :- हम मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम का विरोध नहीं कर रहे हैं, ये कालनेमी रूपी जो राम भक्त बने हैं, उनका विरोध कर रहे हैं ।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- ये कालनेमी वाले लोग हैं । दिन भर जय श्री राम और शाम को ढाई सौ ग्राम वाले ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आपने अभी तक कुछ नहीं बनाया । जब हमारे मुख्यमंत्री जी ने बनाया तो उसमें आप विरोध कर रहे हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- हम विरोध नहीं कर रहे हैं, हम भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे हैं ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- डहरिया जी, एक नारा और है । बृजमोहन जी, आपने एक नारा और दिया था । बच्चा-बच्चा राम का, क्या प्रोग्राम है शाम का ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- सोच पॉजिटिव होगी तो अच्छा लगेगा । निगेटिव सोचोगे तो ऐसा ही रहेगा ।

श्री बृहस्पत सिंह :- आप भगवान का नाम लेकर आरोप लगा रहे हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- जय जय श्री राम ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- बच्चा-बच्चा राम का, क्या प्रोग्राम है शाम का ।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा जय श्री राम का नारा लगाया गया)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आपके साथ में शाम को मिलेंगे ।

श्री अरूण वोरा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राम वनगमन पथ कांग्रेस के शासनकाल में बना । हम लोग राम का नाम लेते हैं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- कहां बना है, आप दिखाने ले चलिए ।

श्री अरूण वोरा :- चन्द्रखुरी में बना है ।

श्री गुलाब कमरो :- मेरे क्षेत्र में बना है, चलिए देखने ।

संसदीय सचिव (संसदीय कार्यमंत्री से सम्बद्ध) सुश्री शकुन्तला साहू :- उपाध्यक्ष महोदय, चन्द्रखुरी में बना है, आप मेरे साल चलना या आप स्वयं जाकर देखिए । (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- हमारे सिहावा में भी बन रहा है ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- माननीय बृजमोहन जी, कौशल्या माता मंदिर का पहला पुल मैंने बनवाया था, आपको याद है ?

श्री अरूण वोरा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, बृजमोहन जी बहुत ही वरिष्ठ सदस्य हैं । राम तो सबके हैं, लेकिन मुंह में राम और बगल में छुरी वाला काम नहीं होना चाहिए ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप दोनों का नाम है, आप लोग सहयोग कीजिए ।

श्री ननकीराम कंवर :- भ्रष्टाचार करने के लिए राम को भी नहीं छोड़ा ।

सुश्री शकुन्तला साहू :- 15 साल में भ्रष्टाचार कितना था, पहले 15 साल का देखो ।

श्री शिवरतन शर्मा :- का बात हे शकुन्तला, आज फूल फार्म में हस ।

सुश्री शकुन्तला साहू :- डरवाओ मत न चन्द्राकर जी ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अइसे लगथे कि शकुन्तला के होली के नशा नहीं उतरे हे । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पर्यटन विभाग में संविदा के 60 पदों में से 33 पद खाली हैं, आप कैसे पर्यटन का विकास करेंगे ? आपके होटल जोहार, छत्तीसगढ़ में 40 में से 10 पद खाली हैं, आप कैसे काम करेंगे ? संविदा से भरे जाने वाले 173 पदों से 79 पद खाली हैं, आप कैसे काम करेंगे, जरा बताएं । पिछले चार साल से आपको कोई अधिकार ही नहीं है, आप कुछ करने की स्थिति में नहीं है और ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ के धर्म के रास्ते पर ले जाने की बजाय छत्तीसगढ़ को कुपथ पर ले जा रहे हैं । पर्यटन के माध्यम से छत्तीसगढ़ का प्रचार-प्रसार करने की बजाय बदनामी हो रही है । माननीय मंत्री जी, जरा बताएंगे कि होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की क्या हालत है ? आप उसका क्या उपयोग कर रहे हैं ?

गृहमंत्री (श्री ताम्रध्वज साहू) :- बृजमोहन जी, आपके बोलने के बाद और जब आखिरी में मैं आपके हर बिन्दु का जवाब दे दूंगा कि आपने कितना होटल-मोटल बनाया, कितना खण्डहर हो गया था और उसको किस ढंग से हम लोग टेण्डर करके दे रहे हैं और जो होटल बंद पड़ा था, उसको शुरू किये । सबकी जानकारी दे दूंगा ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की क्या हालत है ?

श्री ताम्रध्वज साहू :- आपने तो बंद कर दिया था, हमने चालू कर दिया है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- ऐसा नहीं है, अभी उसकी हालत क्या है ? कितने पद चाहिए, कितने पद रिक्त पड़े हुए हैं ? ये सोच हमारी है कि अगर छत्तीसगढ़ में होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट खुलेगा तो यहां के बच्चों को रोजगार मिलेगी, पर आज उसकी हालत भी खराब है । पर्यटन का सत्यानाश करने का काम कोई कर रही है तो यह सरकार कर ही है । माननीय मंत्री जी के पास पीडब्ल्यूडी विभाग भी हैं । अब सत्यनारायण जी, बताओ, बताओ। लोग बिना पीये सड़क पर चलते हैं तो लोगों को लगता है कि मन डोले, तन डोले। छत्तीसगढ़ के सड़कों की क्यों इतनी बुरी हालत है ? सड़क विकास निगम को क्यों ज्यादा पैसे दिए जा रहे हैं ? विभाग को पैसे क्यों नहीं दिए जा रहे हैं ? विभाग से क्यों काम नहीं करवाया जा रहा है ? विभाग में इतना बड़ा अमला है, उसको क्यों घर बैठा दिया गया है। क्योंकि अगर सड़क विकास निगम काम करेगा तो उसमें वित्त विभाग की अनुमति की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर सड़क विकास निगम काम करेगा तो उसमें मंत्री जी की अनुमति की जरूरत नहीं पड़ेगी। जितना खाना है, खाओ। जितना बर्बाद करना है, बर्बाद करो। आज पूरे छत्तीसगढ़ की बहुत बुरी हालत है। मुझे पिछले 3-4 सालों में जशपुर जाने का मौका मिला। मैं 8 बार जशपुर गया हूं। मैं एक बार जशपुर पत्थलगांव होते हुए सूरजपुर गया, मेरी 3 दिन तबीयत खराब हो गई। मुझे वहां से आकर 4 दिन आराम करना पड़ा। झारसुगड़ा से होकर जशुपर जाना पड़ता है।

श्री ताम्रध्वज साहू :- जवाब सुनने के सयम रहना, भागना नहीं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल:- झारसुगड़ा होकर जशुपर जाना पड़ता है।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :-भाषण देने के बाद तुरन्त भागने वाले हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, बड़ी-बड़ी बात। मंत्री जी, भागना ये नहीं। देखिये जब यह चर्चा होती है तब यह चर्चा आपके सुधार के लिए होती है। हम जो सुझाव दे रहे हैं, उस पर कुछ काम करेंगे। क्योंकि आप भी छत्तीसगढ़ का भला चाहते हैं और हम भी छत्तीसगढ़ का भला चाहते हैं। इसीलिए ही हम इस सदन में बैठते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय :- बृजमोहन साहब, 30 मिनट हो गए हैं। समाप्त करें।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- नहीं हुआ है।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, 2 मिनट और लीजिये।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- आपको धरने में भी जाना है। (हंसी)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- एक तरफ बोल रहे हैं कि भागना मत। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपकी जो स्टेबलिसमेंट है, उसकी क्या हालत है ? आप 4 साल में कोई भर्ती कर पाये हैं ? प्रथम श्रेणी अधिकारियों के 143 पद स्वीकृत हैं, उसमें 41 पद खाली हैं। द्वितीय श्रेणी के 322 पद स्वीकृत हैं, 101 पद खाली हैं। तृतीय श्रेणी के 3,033 पद स्वीकृत हैं, उसमें 1 हजार पद खाली हैं। चतुर्थ श्रेणी 789 पद स्वीकृत है, उसमें कितने लोग काम कर रहे हैं, आपको मालूम है ? 299 लोग काम कर रहे हैं, 490 पद खाली हैं। आप छत्तीसगढ़ के बेरोजगारों के साथ क्यों मजाक कर रहे हो। अगर एक-एक विभाग में 5-5 हजार पद खाली हैं और सभी विभागों का मिला लेंगे तो 2 लाख, 3 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। आपने वादा किया था कि हम छत्तीसगढ़ के 10 लाख लोगों को रोजगार देंगे, नहीं तो 2500 रूपया भत्ता देंगे। जाओ, दिल्ली में बोलो। के.टी.तुलसी जी क्या कर रहे हैं ? राजीव शुक्ला जी क्या कर रहे हैं ? एक का तो नाम ही याद नहीं आता, बिहार की रंजीता रंजन।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- रंजीता नहीं है, रंजीत है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मालूम नहीं है कि वह पुरूष है या महिला है। रंजीत है या रंजीता है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज सड़कों की हालत से लोग परेशान हैं, हालाकान हैं। आपने पिछले 4 सालों में रायपुर में एक भी बायपास नहीं बनाई है। जो सड़कें बनी हुई है, उसको मेन्टेन नहीं कर पा रहे हैं। अगर आज शहर में कोई आंदोलन हो जाये तो चारों तरफ सड़क जाम हो जाता है। रायपुर शहर की सबसे बड़ी समस्या है तो यातायात की समस्या है, यातायात की समस्या है, माननीय मंत्री जी आपकी जानकारी में है कि रायपुर में ट्रैफिक पुलिस के लिये 1100 पदों का रिकमेंडेशन गया हुआ है, आप लोग राजधानी में रहते हो, कभी राजधानी की चिन्ता करते हो ? आपको भी यहीं रहना है, हमको भी यहीं रहना है, हमारे बच्चों को भी रहना है, हमारी पीढ़ियां हमको गाली देंगी, हमारे पिताजी, हमारे बाप, हमारे दादा, मंत्री रहे हैं, उन्होंने कोई काम नहीं किया है । कुछ तो ऐसा कर जायें कि आने वाली पीढ़ी हमको याद करे ? आज रायपुर शहर में कई बाईपास की जरूरत है, रिंगरोड के चौड़ीकरण की जरूरत है, सर्विस रोड बनाने की जरूरत है, हर बार 15 साल का नाम लेते हैं कि आपने नहीं किया है, आप कर दो ना ? हमने नहीं किया, हमने गलती कर दी । आप क्यों नहीं कर रहे हैं ? एक आंदोलन हो रहा था, विधान सभा नहीं पहुंच पा रहे हैं। सुधारो तो अच्छी बात है, वह भी तो नहीं कर रहे हो ? माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सड़कों की हालत इतनी खराब है, आज पूरा छत्तीसगढ़ परेशान है । अभी मुख्यमंत्री जी ने बड़ी-बड़ी बातें कर दी कि 7000 करोड़ रूपये सड़कों के लिये देंगे, मंत्री जी मैं बजट पढ़ रहा था, आप पिछले वर्ष 2022-2023 का केवल 34 परशेंट पैसा खर्च कर पाये हो, आने वाले समय में तो आप 24 परशेंट पैसा भी खर्च नहीं कर पाओगे । आप हम सब लोग लम्बे समय से विधान सभा में है, सरकार में हैं,

चुनावी साल में क्या होगा, मई तक आपको फायनेंस से सेंक्शन मिलेगा, जून में प्रक्रिया शुरू होगी, जुलाई में एस्टीमेट मिलेगा, सितम्बर में टेण्डर होगा...।

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- अक्टूबर में काम चालू होगा ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अक्टूबर में आचार संहिता लग जायेगी, ठन-ठन गोपाल और जय श्री राम ।

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- अक्टूबर में काम चालू होगा और फिर नवम्बर में हम लोग सरकार भी बनायेंगे ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अब इनके पास तो जादू का डंडा है । साढ़े तीन परशेंट है । कुछ भी कर सकते हैं । एक महीने में सड़क बना देंगे । पांच दिन में टेण्डर कर देंगे । माननीय उपाध्यक्ष महोदय....।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सिमगा से कवर्धा, साजा है ना, वह साढ़े तीन है । बिलासपुर तरफ पांच है । चलिये, अब बोलिये ।

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- कुरूद का कितना है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि अमेरिका के राष्ट्रपति के टेबल पर लिखा होता था, अमेरिका इसलिये विकसित नहीं है, वह विकसित इसलिये हैं कि वहां की सड़कें अच्छी है । किसी भी राज्य की पहचान, आवागमन, वहां की सुविधायें उस राज्य की पहचान बनती है । आप कितनी भी बड़ी-बड़ी बात करें, 15 साल में छत्तीसगढ़ में सड़कों का जो जाल बिछाया गया, जिसमें आप चल रहे हो, उससे छत्तीसगढ़ की पहचान बनी है। अगर देश में सबसे तेजी से विकसित होने वाला राज्य अगर कहलाया तो छत्तीसगढ़ है । पूरे देश में सबसे तेजी से विकसित होने वाला शहर कोई कहलाया तो रायपुर कहलाया । आपने पिछले चार साल में उसे खत्म कर दिया है । मंत्री जी, आपके वर्ष 2022-2023 में कितने काम हैं, 650 काम थे, उसमें से 360 कामों की स्वीकृति मिली है । उस स्वीकृति में भी आप कितने काम कर पाओगे, क्या कर पाओगे, खाली झुनझुना दिखाने से नहीं चलेगा । मैंने कल कहा कि यह एक तुगलकी राजा का बजट है, यह नटवरलाल का बजट है, यह शुतुरमुर्ग का बजट है । माननीय मंत्री जी, मैं आपके ऊपर आरोप नहीं लगाना चाहता हूँ क्योंकि आपके हाथ में तो कुछ है ही नहीं। मेरी जेब में एक कागज है, मैं उसको नहीं पढ़ना चाहता।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- का है ? कुछ है ही नहीं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उसमें लिखा है कि पी.डब्ल्यू.डी. बाय आर.जी., इतना करोड़। रविन्द्र चौबे जी, मैं आपको अकेले में दिखा दूंगा। एक अच्छी बात है कि उस कागज में किसी मंत्री का नाम नहीं है। आपके विभाग का भी नाम लिखा है, वॉटर। छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है ? कितनी बदनामी होगी ?

श्री अजय चंद्राकर :- जो हो रहा है। रहना यही है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- क्योंकि आपको, हमको मिलकर छत्तीसगढ़ को उन्नत, विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है। छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाना है। लेकिन हमारे छत्तीसगढ़ में यह सब होगा ? यह सबके शासन में होता है, हमारे शासन में भी होता था परंतु कुछ मर्यादाएं हैं, कुछ सीमाएं हैं। उसके कुछ तौर-तरीके हैं, उसके बिना राजनीति नहीं हो सकती। हम अपनी पत्नी के साथ जो भी करना है, वह कमरे के अंदर करते हैं। आप सड़क पर करोगे तो जनता उसको अच्छा नहीं बोलेगी। आज तो ऐसा हो रहा है खुला नंगा-नाच । पान डिब्बे वालों को मालूम है कि छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है, चाय डिब्बे वालों को मालूम है कि छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है। हर आदमी जानता है कि किन अपराधियों को किसका संरक्षण है। यह रिवॉल्वर निकालने वाला बच्चा कौन है। यह किसी बार में जाकर मारपीट करने वाला बच्चा कौन है। अभी मेरे पास एक..।

श्री अमरजीत भगत :- बृजमोहन भैया, आपके भाषण से तो यह लग रहा है कि आप कहीं कुंभ में गये हैं और जो ऋषि मुनि है, उनके दर्शन करके आये हैं। आप पूरे आध्यात्म में लीन होकर बात कर रहे हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय मंत्री जी, आप भगवान के लिये नयी सड़कें नहीं बनाये तो मत बनाईये लेकिन पुरानी सड़कों को रिपेयर कर दीजिये। राजधानी के स्वरूप को अच्छा बना दीजिये। यहां की सड़कों को ठीक कर दीजिये। नहीं तो आने वाला भविष्य आपको माफ नहीं करेगा।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आपको माफ कर देगा ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मुझे भी नहीं करेगा।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आपको तो जनता ने पहले ही माफ नहीं किया है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आप और हम, दोनों इसके भागीदार है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, गृह विभाग, सैय्या अब है कोतवाल तो डर काहे का। मैंने हाऊस की बात की थी।

उपाध्यक्ष महोदय :- अग्रवाल साहब 40 मिनट हो गये हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं बस 10 मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। सैय्या अब है कोतवाल तो डर काहे का। माननीय मंत्री जी, आपने पेपर में फोटो देखी थी कि एक लड़की का बाल पकड़ कर, एक हाथ में गंडासा लेकर थाने से 100 मीटर दूर नाबालिक लड़की 16 साल की क्या हमको कभी ग्लानी नहीं आती कभी शर्म नहीं आती कि हमारे छत्तीसगढ़ में कैसी घटनाएं हो रही है। आखिर छत्तीसगढ़ के लोग अवसाद में क्यों जा रहे हैं ? मैं बताता हूं।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, झलियामारी इनके शासन काल में ही हुआ था। वह नाबालिक बच्चों के साथ हुआ था। आप उसको याद कर लीजिये।

श्री अजय चंद्राकर :- उस साल के प्रतिवेदन को निकालकर लाइये, उसमें बहस कर लेते हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी छत्तीसगढ़ के थानों में क्या हो रहा है ? वहां कानून व्यवस्था पर बात नहीं होती, वहां पर अपराधियों को पकड़ने की बात नहीं होती। आप जरा रिकॉर्ड निकालकर देख ले कि जमीनों के मामले में कितने 420 के केस बने हैं। क्या पुलिस का यही काम बच गया है ? जो सिविल के मामले हैं।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- भू आतंक मचाना चाहते हैं। आपके कहने का मतलब है कि भू-माफियाओं पर कार्रवाई न हो।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय सत्यनारायण जी, आप भी पीड़ित हो। एक नयी दुकान खुल गयी है।

श्री अजय चन्द्राकर :- आप कार्यवाही तो कर ही नहीं रहे हो।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, एक नई दुकान खुल गई है। पहले आप यह रिपोर्ट लिखाओ कि मेरी जमीन पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट लिखाने के 20 लाख रूपए। जिसने कब्जा किया, उसको बुलाया जाएगा। इसमें कार्यवाही नहीं होगी, आप 25 लाख रूपये दे दीजिए। यह क्या हो रहा है रोज मेरे पास ऐसे केस आते हैं, पर मुझे तो मालूम है कि यह नक्कार खाने की तुती है यहां तो सब लोग उसमें शामिल हैं, आप किसको शिकायत करोगे ? अगर किसी अधिकारी को फोन करो तो कहते हैं कि सर, वह हाऊस का आदमी है।

श्री अमरजीत भगत :- यह ख्याली पुलाव है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- यह ख्याली पुलाव नहीं है, मेरे पास उदाहरण है। अभी 4-5 दिन पहले भिलाई की बात है। मैं थाने का नाम भी बोल दूंगा। एक दिव्यांग है उस दिव्यांग की जमीन को सस्ते में बेचने के लिए थानेदार बुलाता है। धमकी देता है कि मैं तुमको 420 में बंद कर दूंगा। उसकी 15 करोड़ रूपए की जमीन को 3 करोड़ रूपए में बेचने के लिए मजबूर किया जाता है। उसके सामने कहा जाता है, थानेदार बोलता है कि एस.पी. साहब का फोन आ गया। आप जल्दी दस्तख्त करो, नहीं तो मैं तुमको अंदर कर दूंगा। क्या इसी धंधे, काम के लिए पुलिस बनी है ? इस प्रदेश में माफिया, गुण्डाराज है। यहां अपराधियों को पकड़ने के बजाए हर एस.पी. का महीने का एक करोड़ रूपए कम से कम केवल जमीनों की एफ.आई.आर. दर्ज करना और उसको खत्म करना, इस काम में चला है। मैंने आज तक कभी ऐसा नहीं सुना था।

श्री अमरजीत भगत :- लेकिन यह लग रहा है कि आप एकदम मनगढंत बात बोल रहे हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मैं आपको प्रमाण दे दूंगा, कागज दे दूंगा।

श्री अमरजीत भगत :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इसी राजधानी में पुलिस ने बड़ी-बड़ी घटनाओं में पर्दाफाश किया है और अपराधियों को पकड़ा है। यहां जब बच्चे का अपहरण हुआ था, उसको

बरामद करके लाये। साईबर क्राईम को पकड़ा। इसी राजधानी में पुलिस ने बड़ी-बड़ी घटनाओं में पर्दाफाश किया है और अपराधियों को पकड़ा गया है, आप उसमें भी बोलिए।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आप क्या प्रमाण दे रहे हैं ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह आरोप की बात नहीं है। यहां पर सदन में डी.जी.पी. बैठे हैं। अपने दुर्ग, भिलाई के थानों में पूछ लेंगे कि क्यों किसी दिव्यांग के साथ में ऐसी घटना हुई है या नहीं हुई है ? मैं नाम बता सकता हूँ। प्रदेश में गिरोह चल रहे हैं उसमें पुलिस का सहयोग चल रहा है। उसमें आपका इंवाल्वमेंट है, मैं यह नहीं कहता हूँ, परंतु आपको इन बातों को संज्ञान लेना चाहिए। इस प्रदेश में अपराध क्यों बढ़ रहे हैं ? आज तक तो मैंने सुना था कि नियुक्ति के समय पैसे देने पड़ते हैं। आजकल तो महीना, जिसको जितना अच्छा जिला चाहिए, उसको महीने के इतने देने पड़ेंगे। कम से कम जिस सरकार में आई.ए.एस., आई.पी.एस. की नियुक्ति पैसा लेकर होती हो, उस सरकार का भगवान मालिक है।

श्री उमेश पटेल :- माननीय बृजमोहन जी, आप कुछ भी मत बोलिए।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आज प्रदेश का कहां ले जा रहे हैं ?

श्री उमेश पटेल :-माननीय अग्रवाल जी, आप कुछ भी बोल रहे हैं। क्या आपके पास प्रमाण है ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मेरे पास प्रमाण है।

श्री उमेश पटेल :-माननीय अग्रवाल जी, आप प्रमाण दीजिए। यहां प्रमाण रखिए।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उमेश जी, मेरे पास मोबाईल में लोगों के स्टेटमेंट हैं। मेरे पास यह फोटो है वह कहते हैं कि सर, हम क्या करें ? पर व्यक्तिगत चीजों का दुरूपयोग नहीं करना चाहिए। हम लोग भी 15 साल मंत्री रहे हैं हमारे भी बहुत लोगों से नजदीकी संबंध हैं। अंदर की सब बातें सामने आती हैं। उमेश जी वास्तविकता आप भी जानते हो, रायगढ़, जांजगीर, कोरबा के कलेक्टर के लिए कितना चाहिए ? पहले हम देखते थे रायपुर का कलेक्टर, एस.पी. होगा तो वह सबसे सीनियर आदमी होगा। दुर्ग, कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर, रायगढ़ का कलेक्टर, एस.पी. कौन होगा ? पहले हैरारकी देखी जाती थी, सीनियारटी देखी जाती थी। उमेश जी, मैं आपको दावे के साथ बोलता हूँ कि यहां पर पूरे अधिकारी बैठे हैं। मैं भी 3 सालों तक गृहमंत्री रहा हूँ। कोई माई का लाल, कॉन्सटेबल से लेकर डी.जी.पी. तक बोल दे कि उसकी पोस्टिंग एक रूपए देकर हुई है। कोई माई का लाल यह बोल दे। मैंने अपना सिंद्धांत बनाया हुआ है कि एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस जिस दिन इन दो लोगों को आप इस दलदल में डूबो दोगे, उस दिन आपका प्रशासन नहीं चलेगा, आपका शासन नहीं चलेगा।

श्री अमरजीत भगत :- आदरणीय आप जितने दिन गृह मंत्री थे, उस समय लोगों का हौंसला इतना बुलंद था कि थाने में घुसकर मारपीट करते थे। वह मामला सदन में गूंजा था। आप पुरानी बात का मत याद दिलाईये।

श्री उमेश पटेल :- और मंत्री जी आपको याद है कि सट्टे का खेल कैसे होता था।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय अग्रवाल साहब, समाप्त करें।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं बस 5 मिनट में समाप्त करूंगा। उमेश पटेल जी आप आज मंत्री हो, डहरिया जी, भगत जी मंत्री हैं, रविन्द्र चौबे जी बहुत पुराने मंत्री रहे हैं। हमारे गृहमंत्री जी बैठे हैं। हम लोग कोई छत्तीसगढ़ के आरोप-प्रत्यारोप के लिए नहीं बैठे हैं। हम लोग जो यहां पर चर्चा कर रहे हैं, वास्तविकता पर चर्चा कर रहे हैं। मेरा एक शब्द भी गलत नहीं है। यहां पर बैठे हुए लोगों को मालूम है कि क्या हो रहा है। किसी एस.पी., कलेक्टर की पोस्टिंग करोगे, वह दो साल रहेगा, जिले को समझेगा, वहां पर कुछ काम करेगा। ठेके पर पोस्टिंग हो रही है और 03 महीने, 06 महीने में ट्रांसफर हो जाता है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- पहले पकड़ी लेते हैं। जैसे दुकान में किराया देते हैं, वैसे ही सबसे पहले पकड़ी ली जाती है।

श्री उमेश पटेल :- तैं काबर बीच में बोलत हस।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ को हम सबकी जिम्मेदारी है। यह 22-23 साल का नौजवान राज्य है। अगर ये नौजवान राज्य गलत रास्ते में चला गया तो उसको कोई संभाल नहीं पायेगा। हम उत्तराखंड, झारखंड को देखते हैं। हमने जितना विकास किया, उतना विकास वहां पर नहीं हुआ क्योंकि वहां पर राजनीतिक अस्थिरता थी। अगर सड़क खराब है तो उस पर गाड़ी धीरे चलाना चाहिए। अगर खराब सड़क में गाड़ी तेज दौडाओगे तो गाड़ी तो खराब होगी।

श्री अमरजीत भगत :- हम लोग सरगुजा से आते हैं, पहले आपके समय में वहां से आने में 7-8 घंटे लगते थे, अब हम लोग 5 घंटे में पहुंच रहे हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय गृह मंत्री जी मेरा आपसे आग्रह है कुछ नहीं है। पुलिस के जूतों की धमक होनी चाहिए, अपराधियों में भय होना चाहिए।

श्री अजय चन्द्राकर :- आप कौन सी बात बोल रहे हैं कि भय होना चाहिए। आप दूसरी बात बोलिये। आप भाषण दे रहे हैं या मजाक रहे हैं, पहले यह क्लियर कर लीजिए, आप बोल रहे हैं कि अपराधियों में भय हो। हाउस मजाक करने की जगह नहीं है।

श्री अजय चन्द्राकर :- तोर नंबर आही की नहीं आही, पता नहीं है।

श्री अमरजीत भगत :- चन्द्राकर जी, कुछ दिन के लिए गृह मंत्री के चार्ज में आप भी थे। कैसे-कैसे लोगों की ड्यूटी घर में संतरी में लगानी थी, आपकी च्वाईस जाती थी। उसको भी हम लोग नहीं भूले हैं।

श्री अजय चन्द्राकर : आप बोलियेगा न और कार्यवाही कीजिए।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हां, मुख्यमंत्री जी अपने बजट भाषण में ठीक बोल रहे थे कि अब छत्तीसगढ़ धान का कटोरा नहीं धन का कटोरा हो गया है। वह एकदम ठीक बोल रहे थे। यहां पर सब कुछ बिकता है आपके पास में धन चाहिए। आई.ए.एस., आई.पी.एस., थानेदार, डी.एस.पी., सी.एस.पी. का पद बिकता है। अब आपके पास में धन होना चाहिए। इसको धन का कटोरा मत बनाओ। धन उगाही का कटोरा मत बनाओ। पुलिस के जूतों की धमक हो, पुलिस से अपराधियों में डर हो। क्या हो रहा है? बेटा मॉ की हत्या कर रहा है, बाप बेटे की हत्या कर रहा है।

श्री उमेश पटेल :- उनका बोलने का मतलब यह था कि धन धान्य का कटोरा है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- ठीक है, ऐसा धन-धान्य का कटोरा आपको मुबारक हो। जहां पर हर पद बिकता हो। इसको बिकाऊ राज्य मत बनाओ। किसी जमाने में आई.ए.एस., आई.पी.एस. आते थे तो उनके जश्बात होते थे, उनकी तमन्नायें होती थीं। सर, मैं ऐसा करके दिखाऊंगा। आज तो आई.ए.एस. और आई.पी.एस. को एक साल, दो साल होता नहीं है, जिस दिन से उसकी पोस्टिंग शुरू होती है, सर, मेरी पोस्टिंग रायगढ़, जांजगीर, कोरबा हो सकती है क्या? हम नये-नवेले आई.ए.एस. आई.पी.एस. को भ्रष्ट बना रहे हैं। अभी भी कुछ अच्छे अधिकारी बैठे हुए हैं। हम क्या कर रहे हैं? छत्तीसगढ़ को कहां ले जा रहे हैं? जब हमारे बड़े पद बिकने लगेंगे तब कानून व्यवस्था का भगवान मालिक होगा। उसको हम संभाल नहीं सकते।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- लेकिन बृहमोहन भैया के बारे में ऐसा चर्चा है कि ..।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय चौबे जी, आप बैठे-बैठे गहरी सांस लेते रहेंगे।

श्री अमरजीत भगत :- चंद्राकर जी, थोड़ा जरूरत बात हो रहा है। आप डिस्टर्ब मत करिये। बृजमोहन भैया के बारे में ऐसा चर्चा है कि अपने सरकार में भले ही नहीं चलती थी, हमारी सरकार में उनकी बात सुनी जाती है और पोस्टिंग में आप भी रहते हैं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- ऐसा है कि जिस दिन से बृजमोहन विधायक बना है, उस दिन से बृजमोहन की चलती है। बृजमोहन किसी से गलत काम नहीं कराता और नियम का काम नहीं करता। मध्यप्रदेश में एक चीफ इंजीनियर लाल था। मैंने एक चपरासी का जी.पी.एफ. का फण्ड निकालने के लिए उसको फोन किया। उसकी बच्ची की शादी थी। उस चीफ इंजीनियर ने उस चपरासी से जी.पी.एफ. निकालने के लिए एक लाख रूपये मांगा और मैंने तय कर लिया कि 9 साल तक विधान सभा में उस अधिकारी को ट्रैक किया, उसके लिए प्रश्न लगाया और एक दिन ऐसा आया कि वह सस्पेंड हो गया। अधिकारी भी जानते हैं कि हम पैसे के लिए काम नहीं करते। पैसे के लिए बहुत सारे काम हैं।

समय :

1.52 बजे **(सभापति महोदय (श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह) पीठासीन हुए)**

श्री शिवरतन शर्मा :- अमरजीत जी, आपके विभाग में आपकी कितनी चलती है?

श्री अमरजीत भगत :- आप लोगों ने 15 साल में जितना धान खरीदी नहीं किया, उससे ज्यादा हमने किया है।

श्री शिवरतन शर्मा :- आपकी चलती है या नहीं चलती, यह बताईये न। फाईल कहां चलती है?

श्री अमरजीत भगत :- राजीव गांधी किसान न्याय योजना से सबको पैसा मिला है। उस सूची में आप लोगों का भी नाम है।

श्री अजय चंद्राकर :- सी.एम.आर. के लिए एक हजार करोड़ है।

एक माननीय सदस्या :- राशन कार्ड भी सभी लोगों के लिए है।

श्री अजय चंद्राकर :- चीख-चीख कर बता रहे थे न कि 120 रूपये किये हैं। अब कोई धान खराब नहीं होगा। 1 हजार करोड़ रखेंगे, लेकिन तीन साल तक भुगतान नहीं करेंगे। 1 हजार करोड़ रूपये का प्राभाव है।

श्री उमेश पटेल :- शिव भैया, आप बीच में कहां से पड़ गये। आपको आपकी सरकार ने वही बैठा दिया है। इधर कभी आने ही नहीं दिया। आपको इधर आने दिया क्या? आपको हमेशा यही बैठा कर रखा है। आप तो बोलिये ही मत।

श्री शिवरतन शर्मा :- चलिये मैं वहां बैठ जाऊंगा। इस बात को स्वीकार कर हैं कि हम अगली बार के लिए बैठने आ रहे हैं।

श्री उमेश पटेल :- नहीं, पहले, पहले। आपको वहीं तीन बार बैठाकर रखे थे।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- क्या माननीय मंत्री जी आपके विभाग में कोरबा के बांगो थाने में आपके एक सब-इंस्पेक्टर को बैरक में उसकी हत्या कर दी जाए। इससे शर्मनाक बात कुछ हो सकती है क्या ?

श्री ननकीराम कंवर :- बहुत अच्छा प्रशासन चल रहा है न।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- मैं उस नरेन्द्र परिवार के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। उसके परिवार को भगवान हिम्मत दें, इसकी कामना करता हूं।

श्री अमरजीत भगत :- नगनकी राम जी, आप अपने समय के स्कॉट बनाये थे, अपराधी के मिलन के लिए। उसको सी.एम. साहब तुरंत समाप्त कर दिये थे। आपको कुछ करने नहीं दिया जाता था।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- कम से कम इस गंभीर बात के बीच में तो मत बोलिये।

श्री ननकीराम कंवर :- उद्धार हो जायेगा। यही काम तो मैंने किया है। बोलने से नहीं होता।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आज अपराधी इतने निर्भीक हो गये हैं। माननीय मंत्री जी, किसी अपराधी की इतनी हिम्मत नहीं हो सकती कि आपकी बैरक में आकर एक नौजवान सब-इंस्पेक्टर की हत्या कर दें। जब तक हमारे लोग शामिल नहीं होंगे, जब तक हमारे महकमे के लोग शामिल नहीं होंगे। क्यों खोज नहीं पा रहे हैं? हमारे नौजवानों अधिकारियों की आपसी दुश्मनी में इस प्रकार से हत्या होगी।

थानों में कालर पकड़ी जायेगी, पुलिस वालों के साथ में मारपीट की जायेगी। आखिर क्या हो रहा है? हम छत्तीसगढ़ को कैसे बचायेंगे? कैसे नवोदित छत्तीसगढ़ को बचायेंगे? कैसे जवान छत्तीसगढ़ को बचायेंगे? माननीय मंत्री जी, मुझे कई बार कोफ्त होती है। छत्तीसगढ़ में हम लोग शराब के बारे में सुनत थे, भांग के बारे में सुनते थे। चरस, कोकिंग, मार्किन, इंजेक्शन से नशा। कभी आपके थानेदार, कभी एस.पी.। एस.पी. आजकल सड़कों पर नहीं दिखते। एस.पी. कभी गश्त करते हुए नहीं दिखते हैं। रात की गश्त तो समाप्त हो रही है, क्योंकि लोग मुझे कहते हैं, मैं रात का राजा हूं। 2-3 बजे तक घूमता हूं।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- यह बात तो सही है । आप रात के 2-3 बजे तक जागते हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय सभापति महोदय, सच्चाई है । मैं स्वीकार कर रहा हूं । मैं कभी किसी को नहीं बोलता कि आप गलत बोल रहे हैं । लेकिन कहीं रात को पुलिस नहीं दिखती है । 10-20-50 लोण्डों का झुंड है, उनको भगाने के लिये पुलिसवालों की हिम्मत नहीं है । रायपुर शहर के बीच बाजार में ऐसे 3-4 एरिये हैं जो रातभर खुले रहते हैं, अगर मेरी गाड़ी भी जाये तो वे अपनी मोटर-साईकिल नहीं हटायेंगे । उनकी दादागिरी है । यह क्या हो रहा है ? मैं कई बार फोन करके कि यह संडे बाजार लगता है ।

श्री अमरजीत भगत :- लेकिन आप कई बार तो अविश्वसनीय बात करते हैं कि कोई बृजमोहन अग्रवाल जी को देख ले और वे अपना रास्ता न छोडें, क्या यह कोई विश्वसनीय बात है ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- आप रात में मेरे साथ कोतवाली के पीछे की चार जगह पर चलना । कोतवाली के पीछे का एरिया है । आपकी गाड़ी निकल जाये तो बताना ।

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल) :- भैया, आप यह बताईये कि आपको रायपुर में कौन नहीं पहचानता है ? आपके लिये रास्ता नहीं छोड़ेंगे, आप भी कैसी बात कर रहे हो ?

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय सभापति महोदय, सब पहचानते हैं । हम किसको छूट रहे हैं ? क्यों छूट दे रहे हैं ? यह हालत क्यों हो रही है ? माननीय मंत्री जी ऐसा कभी नहीं हुआ है कि कॉलेज के केम्पस के पास में ऐसे पेडलर, ऐसे हेण्डलर जो मारफिन का इंजेक्शन लेकर घूमते हमारे बच्चे और वे सूख नशे की तरफ जा रहे हैं । पूरे प्रदेश के लोग अपने बच्चों को पढ़ने के लिये, उच्च शिक्षा के लिये रायपुर भेजते हैं । क्यों नहीं हो सकता ? क्या आपके पास आपका गुप्तचर विभाग नहीं है ? वह क्यों नहीं खोज सकता क्योंकि सबके पैसे बंधे हैं । छोटी-छोटी पुड़िया बिकती हैं । फोन करो तो किसी एकाध नाबालिग बच्चे को पकड़ लेंगे, उसके सरगना को नहीं पकड़ते । हमको छत्तीसगढ़ को बचाना होगा । छत्तीसगढ़ की आने वाली पीढ़ी को बचाना होगा और आपने भी देखा है, आपके ही कोट में भी है कि 70 प्रतिशत अपराध नशे के बाद होते हैं । हमको छत्तीसगढ़ को नशेड़ी नहीं बनाना है ।

सभापति महोदय :- माननीय बृजमोहन जी एक घंटे हो गये हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय सभापति महोदय, मैं बस 5 मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूं । माननीय सभापति महोदय, पुलिस अफसर की हत्या, नशे की हालत में आजकल अपने मॉ-बाप, बच्चों तक की हत्या कर रहे हैं यह सबसे बड़ा कारण है और इसके बढ़ने का भी सबसे बडा कारण है हमारी कानून व्यवस्था, हमारे पुलिस प्रशासन की धमक । वह खत्म हो गयी है और उस धमक को अगर एक-बार बेलाईन कुछ हो जाता है तो उसको लाईन में लाने में बहुत समय लगता है। अगर आप इसको ठीक नहीं करेंगे तो आप छत्तीसगढ़ की पीढ़ियों के साथ में अन्याय करेंगे । गली-कूचे में चाकू चल रहे हैं, हत्याओं का दौर चल रहा है, युवाओं को नशे में डूबोया जा रहा है । दारू, गांजा, चरस, अफीम-कोकीन खुलेआम बिक रहा है, जेल एशगाह बन रहे हैं । प्रदेश की संस्कृति नष्ट हो रही है । पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये कोई काम नहीं हो रहा है । आपके पास में सनातन धर्म की रक्षा की जिम्मेदारी है । इसको धर्मांतरण के माध्यम से काला यूरोप बनाने का षड़यंत्र हो रहा है और इसके लिये माननीय मंत्री जी मैं कुछ नहीं कहता । ठीक है, आपके विभाग को पैसा नहीं देंगे, आपके विभाग को बजट नहीं देंगे । आप एस.पी. को फोन तो कर सकते हैं, आप आई.जी. को फोन तो कर सकते हैं कि जरा इसको देखो यह नहीं होना चाहिए । वह नहीं मानता है तो एक नोटशीट तो लिख सकते हैं । अधिकारियों को नियंत्रण में लाने के बहुत सारे तरीके हैं । आपकी एक नोटशीट उस अधिकारी की सी.आर. बिगाड़ सकती है लेकिन आप सभ्य हैं, आप संस्कारवान हैं, आप करना भी चाहते हैं इसलिये मैं आपकी जमीर को जगाना चाहता हूं कि आप जागिये । ये 6-8 महीने बचे हैं । ये 6-8 महीने में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आयेगा वैसे वैसे अपराध और बढ़ेंगे । अगर हम छत्तीसगढ़ को अच्छा बनाना चाहते हैं । इस धान के कटोरे को सुख और समृद्धशाली बनाना चाहते हैं तो यहां की सड़कें अच्छी होनी चाहिए, यहां कानून-व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए, यहां के लोग संस्कारिक और धर्म के आधार पर चलने वाले होने चाहिए, यहां के पर्यटन स्थल विकसित होने हो चाहिए, यहां की जेलें संस्कार देने का केन्द्र बनना चाहिए । अगर यह काम करेंगे तो निश्चित रूप से अच्छा होगा । मेरे पास आंकड़े बहुत सारे हैं, मैं आंकड़ों में नहीं जाना चाहता । क्योंकि यह हमारे सदन का आखिरी बजट है, इसके बाद कोई लम्बा भाषण होगा । इसलिए मैंने छत्तीसगढ़ की समाप्त होती संस्कृति की ओर आपका ध्यान दिलाया है, मैं इस बात की उम्मीद करता हूं कि आप निश्चित रूप से कोशिश करेंगे और कोशिशें ही कामयाब होती हैं । मैं आपकी आलोचना नहीं कर रहा हूं । मैं सुझाव दे रहा हूं । निश्चित रूप से आप इस काम को करेंगे तो छत्तीसगढ़ के लिए आपका कुछ योगदान होगा । माननीय सभापति जी, आपने बोलने का समय दिया उसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद् ।

श्री शैलेश पाण्डे (बिलासपुर) :- माननीय सभापति महोदय, माननीय श्री ताम्रध्वज साहू जो कि गृहमंत्री हैं, पीडब्ल्यूडी मंत्री हैं, जेल विभाग और धर्मस्व मंत्री हैं, पर्यटन मंत्री भी हैं । माननीय मंत्री जी की विभागीय मांगों का समर्थन करने के लिए सनातन धर्म के इस नारे के साथ, इस जयकारे के साथ

कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, भारत माता की जय हो ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- भारत माता की जय हो, गंगा माता की जय हो, गौ माता की जय हो, हर हर महादेव ।

श्री शैलेश पाण्डे :- भारत अखंड हो । भारत अखंड हो । भारत अखंड हो । आखिरी में हम नारा लगाते हैं भारत अखंड हो, इसको याद रखिएगा ।

श्री धर्मजीत सिंह :- अति उत्साह में ज्यादा आगे मत बढ़ो, निकाल दिये जाओगे।

श्री शिवरतन शर्मा :- भारत अखंड होने का नारा लगा रहे हो ना । जिस पार्टी में हो उसी पार्टी ने मातृभूमि के विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार किया था ।

श्री रामकुमार यादव :- हमन जोड़ने वाला हन महाराज, तुमन तोड़ने वाला हो। हमन जोड़ने वाला हन ।

श्री शैलेश पाण्डे :- सभापति महोदय, धर्म क्या है ? धर्म की बहुत सारी बातें आज हुई, बहुत सारी बातें चली आ रही हैं, पूरे प्रदेश में ही नहीं, पूरे देश में धर्म की बातें चली आ रही हैं । धर्म वह है जिसमें हर व्यक्ति समाहित है, धर्म वह है जिसके कारण हर व्यक्ति उसकी शरण में है, धर्म हमारे अंदर है और धर्म हमारी रक्षा करता है । धर्म का नाम लेने वाले वो पाखंडी लोग, धर्म का नाम लेने वाले वो पाखंडी लोग जो पूरे प्रदेश को, पूरे देश को डराते हैं कि धर्म खतरे में है, धर्म खतरे में है, धर्म खतरे में है ।

श्री रामकुमार यादव :- ऊपर में राम राम, तरी मा कसई काम ।

श्री शैलेश पाण्डे :- सभापति महोदय, वह धर्म ही किस काम का जो खतरे में आ जाए । उस धर्म की शरण में कौन जाएगा ? सभापति महोदय, धर्म कभी खतरे में नहीं आता है । ये धर्म का दुष्प्रचार करने वाले लोग, लोगों को बहकाने के लिए, लोगों भड़काने के लिए ऐसी बातें करते हैं । धर्म एक संवेदनशील विषय है । इसका उपयोग क्या किया जा रहा है ? धर्म एक आस्था का विषय है, इसका उपयोग क्या किया जा रहा है ? मैं आपको बताना चाहता हूं, पुराने वाले नेता प्रतिपक्ष सदन में नहीं है, धर्मजीत भइया तो हैं । अभी होली का दिन था, बिलासपुर में होली मिलन कार्यक्रम हो रहा था और बिलासपुर में होली मिलन कार्यक्रम मे इस सदन के पूर्व सदस्य जो मंत्री भी रहे और सदन के सदस्य धरमलाल कौशिक जी भी थे । वहां क्या बयान दिया गया । वहां होली खेल रहे थे, वहां बयान दिया गया कि नवंबर में भगवा होली खेलेंगे। यह बयान दिया, अखबारों में छपा, लोगों ने पढ़ा, जनता ने पढ़ा, छत्तीसगढ़ ने पढ़ा। यह क्या तरीका है ? भगवा आपका है, भगवा मेरा भी है, सभापति जी, भगवा आपका भी है, मंत्री जी भगवा आपका भी है, शिवरतन भैया भगवा आपका भी है, दीदी भगवा आपका भी है, बहन भगवा आपका भी है, भगवा हम सबका है। बात करिए तो अच्छी करिए। देश में अगर

लहरायेगा तो तिरंगा ही लहरायेगा और नवंबर में भी तिरंगा ही लहरायेगा। हम प्रजातांत्रिक लोग हैं, हम प्रजा की सेवा करने वाले लोग हैं। हम जनता के प्रतिनिधि हैं, हम इस तरह का बयान देते हैं। यह क्या तरीका है ? आदरणीय सभापति महोदय, इस देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी जिनके गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल जी थे। यह देश 565 रियासतों में बंटा हुआ था। आप इतिहास देखिए, हमारे सभी साथी इस बात को जानते हैं। जम्मू कश्मीर के राजा विलय नहीं हो रहे थे, गुजरात में राजा विलय नहीं हो रहे थे, भोपाल के राजा विलय नहीं हो रहे थे और ऐसे कई जगह के राजा 10 जगह के राजा विलय नहीं हो रहे थे। यह देश खण्ड-खण्ड में बंटा हुआ था। राजा रजवाड़ों में बंटा हुआ था, रियासतों में बंटा हुआ था। यह जो अखण्ड भारत का नारा हम लगा रहे हैं, यह भारत अखण्ड किसने बनाया ? सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बनाया, यह भारत अखण्ड पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने बनाया। जिस भारत अखण्ड की हम जय जयकार करते हैं, चाहे वह शंकराचार्य जी हों, चाहे वह साधु हों, चाहे वह धर्माचार्य जी हो।

श्री शिवरतन शर्मा :- पाण्डे जी, इतिहास को पढ़ लीजिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य कृपलानी जी थे और उनकी अध्यक्षता में भारत के विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया था पारित किया गया था।

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं अभी उस बात पर आऊंगा।

श्री शिवरतन शर्मा :- दूसरी बात सुन लीजिए। आप जम्मू कश्मीर की बात कर रहे हो ना। आपके नेता ने एक ही प्रांत की जवाबदारी ली थी। वह आज भी देश का फाल्स बना हुआ है। अब कौन से नेता हैं, बोलोगे तो नाम भी बोल दूंगा।

श्री शैलेश पाण्डे :- आदरणीय सभापति महोदय, 565 रियासतों में जो देश बंटा हुआ था। उस देश को एक देश बनाया गया। एक अखंड भारत बनाया गया। नहीं तो हमारे प्रमोद शर्मा जी को अपनी नानी के यहां जाने के लिए वीजा लेना पड़ता। इस देश में 565 प्रधानमंत्री होते। कभी कल्पना कीजिए। कल्पना करिए कितनी विभत्स बात है। 565 प्रधानमंत्री होते और क्या होता ? मैं यह बात बताना चाहता हूं कि इस देश का बंटवारा जिन्होंने किया उनके क्या हाल हुए, मैं आपको पहले बताता हूं। इस देश में कभी बंटवारा होने की बात नहीं थी। सन् 1937 के बाद देश में एक अलग मांग उठाई गयी, उस अलग मांग में इस बात को रखा गया और धीरे-धीरे उसको आगे बढ़ाया गया। जो देश का बंटवारा चाहते थे, जिन्होंने देश का विभाजन किया। मोहम्मद अली जिन्ना, वह आज इस संसार में नहीं है, उनका क्या हाल हुआ ? उन्होंने ही देश का बंटवारा किया। उन्होंने ही भारत के दो तुकड़े किए।

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल) :- शैलेश भाई, मोहम्मद अली जिन्ना को तो एल्बुलेंस भी नहीं मिल पाया।

श्री शैलेश पाण्डे :- आदरणीय मंत्री जी, आपने बहुत अच्छी बातें कही। मैं इसी बात पर आना चाहता था। मोहम्मद अली जिन्ना 6 महीने तक जीवित रहें, जो पाकिस्तान के पहले गवर्नर जनरल थे। जिस दिन उनकी मौत हुई, उस दिन जब वह बीमार पड़े, उनको अस्पताल ले जा रहे थे और अस्पताल ले जाते, ले जाते, उनकी एम्बुलेंस बंद हो गयी और बंद एम्बुलेंस वहीं पर डेड़ घंटे तक खड़े रहे और पड़े रहे। उसके बाद पीछे से दूसरी एम्बुलेंस आई, डेड़ घंटे बाद उनको एम्बुलेंस से बदलकर ले गये और शाम को उनकी मृत्यु हो गयी।

श्री उमेश पटेल :- इसका मतलब यह है कि जो भारत के साथ बुरा करेगा उसकी यही हालत होगी। आप समझ रहे हैं ना। यह आप लोगों के लिए है।

श्री शैलेश पाण्डे :- जो धर्म के नाम पर देशवासियों को भड़काएंगे, पाकिस्तान भी एक देश है। उन्होंने उनको धर्म के नाम पर भड़काया और देश के टुकड़े किये तो उनकी किस हालत में मौत हुई ?

श्री धर्मजीत सिंह :- पाण्डे जी, आप तो सिर्फ यह बताइये कि आखिर आप कौन-से विभाग की चर्चा में भाग ले रहे हैं ? अभी तक मैं यह नहीं समझ पाया।

श्री उमेश पटेल :- यह संस्कृति विभाग पर चर्चा कर रहे हैं। (हंसी)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- यह संस्कृति और धर्मस्व विभाग पर चर्चा कर रहे हैं। (हंसी)

श्री धर्मजीत सिंह :- क्या है कि लोक निर्माण विभाग में यह मसला नहीं है, गृह विभाग में यह मसला नहीं है, पर्यटन विभाग में भी यह मसला नहीं है तो आप किस विभाग पर बोल रहे हैं ?

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं धर्मस्व विभाग पर बोल रहा हूं।

श्री धर्मजीत सिंह :- आप यह बताइये कि धर्मस्व विभाग में देश का बंटवारा कहां से आ गया ?

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं आपको धर्म की ही बात बता रहा हूं।

श्री धर्मजीत सिंह :- आप यह बताइये कि यहां पर धर्मान्तरण हो रहा है या नहीं हो रहा है ?

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं आपको बताता हूं। बड़े-बड़े शंकराचार्य रहें। इनकी सरकार में 15 साल तक शंकराचार्य जी रहें। मैं उसी बात पर आता हूं।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय सभापति महोदय, प्रदेश में जिस तरह का वातावरण तैयार किया जा रहा है उसके लिए इतिहास बताना जरूरी है और यह यही कह रहे हैं।

श्री शैलेश पाण्डे :- हां। मेरी भावनाएं गलत नहीं हैं।

श्री धर्मजीत सिंह :- पाण्डे जी, एक मिनट। मैं आपसे हाथ जोड़ कर निवेदन कर रहा हूं। बच्चा-बच्चा जानता है कि देश कैसे बंटा, कौन बांटा और कहां क्या बना। कृपा करके आप छत्तीसगढ़ में आ जाइये।

श्री शैलेश पाण्डे :- जी, मैं छत्तीसगढ़ में आ रहा हूं। आदरणीय सभापति महोदय, मैं सिर्फ यह बताना चाहता था कि आज जब हम अखण्ड भारत की बात करते हैं।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- छत्तीसगढ़ में जो धर्मान्तरण हो रहा है, आप उसके बारे में भी बोल दीजिए।

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं बता रहा हूं। हम अखण्ड भारत की बात करते हैं। मैं उसी बात पर जा रहा हूं कि किसने भारत को अखण्ड बनाया ? दूसरी बात, 15 साल तक जो सरकार के शंकराचार्य बने रहे। छत्तीसगढ़ में माघ माह में जो पुन्नी मेला होता था, इन्होंने उस पुन्नी मेला को बंद करा दिया और उसका नाम राजिम कुंभ कर दिया। बड़े-बड़े शंकराचार्य, इधर के शंकराचार्य, उधर के शंकराचार्य, इधर के शंकराचार्य, उधर के शंकराचार्य, चारों शंकराचार्य इनको यह बता-बता कर थक गये कि यह कुंभ नहीं बन सकता है लेकिन इन्होंने उनकी बात नहीं मानी। बड़े-बड़े विज्ञापन लगाये गये। बड़े-बड़े साधु-संतों को बुलाया गया। मैं उसके खिलाफ नहीं हूं। आपने गलत काम नहीं किया। ठीक है, आप अच्छा काम कर रहे थे लेकिन आपने उसका गलत नाम रखा।

श्री रामकुमार यादव :- महाराज जी, कई झन मठ वाले ए मन ला चिमटा ला घलो उठा डरे रीहिस हवै।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय सभापति महोदय, यह पाखण्ड है कि आपने माघी-पुन्नी (पूर्णिमा) को जो मेला लगता है और उस मेले में इतनी भीड़ आती है, साधु-संत आते हैं, छत्तीसगढ़ के लोग आते हैं, यह हमारे छत्तीसगढ़ की संस्कृति है, आपने इस संस्कृति को नष्ट करने के लिए और अपना एक असत्य धार्मिक चेहरा सामने लाने के लिए उसको राजिम कुंभ बना दिया। बड़े-बड़े शंकराचार्य मना करते रहें। वह उनके कार्यक्रमों में नहीं आते थे और वह नहीं आएंगे क्योंकि वह धार्मिक गद्दी में बैठे हुए थे।

श्री उमेश पटेल :- शैलेश जी, जब 15 साल तक इनकी सरकार थी तो छत्तीसगढ़ की संस्कृति को किस तरह से मिटाया जाए, इस पर इन्होंने काम किया। ठीक है, यह माघी-पूर्णिमा का मेला उसी का एक काम था।

श्री शैलेश पाण्डे :- क्यों किया ? आपने इसमें अपना फ्लेवर क्यों डाला ? यह छत्तीसगढ़ राज्य है। आपने इसमें अपना कौन-सा फ्लेवर डाला ? यह जो आपके अंदर धर्म को लेकर एक पाखण्डी फ्लेवर है। आप केवल धर्म के नाम पर वोट मांगते हैं और उसके बाद आप राम-राम जपना, पराया माल अपना, यही कर रहे हैं। आपने 15 साल तक यही किया। मुझे खुशी इस बात की है कि माननीय भूपेश बघेल जी ने हमारे सबसे अच्छे धर्म और धर्मस्व मंत्री को धर्म की ध्वजा दी।

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय सभापति महोदय, यह हाल है।

श्री उमेश पटेल :- भैया, मैं हूं न। आप टेंशन क्यों ले रहे हैं ?

श्री धर्मजीत सिंह :- आप तो हमारे दिल में हैं। मैं आपकी बात नहीं कर रहा हूं।

श्री शैलेश पाण्डे :- यह बैठे हैं, पर्याप्त हैं।

श्री धर्मजीत सिंह :- नहीं, पर मैंने इतना बुरा हाल एक सत्र में कभी नहीं देखा।

श्री शैलेश पाण्डे :- नहीं।

श्री रामकुमार यादव :- सुनो न, सुनाना ओती ला हे, ऐती ला नहीं सुनाना हे।

श्री शैलेश पाण्डे :- आप हम सबके संरक्षक हैं। आप बैठिये।

श्री धर्मजीत सिंह :- पाण्डे जी, आपको मजा नहीं आएगा।

श्री शैलेश पाण्डे :- नहीं, मुझे बहुत मजा आ रहा है।

श्री धर्मजीत सिंह :- यदि अभी सब बैठे रहते तो आप एक-सेक डॉयलाग डिलेवरी करते।

श्री शैलेश पाण्डे :- नहीं, वह सब नोट हो रहा है। अधिकारी सुन रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आसंदी में सभापति महोदय जी हैं, जिनको मुझे बताना है।

श्री उमेश पटेल :- पाण्डे जी, यदि आपके भाषण को कोई सुन रहा है तो प्रमोद कुमार शर्मा जी सुन रहे हैं। मैं कोई गलत दिशा में तो नहीं जा रहा हूं करके वह जब से भाषण को सुन रहे हैं। देखिये, आप उनकी लाइन ठीक कर सकते हैं।

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं प्रमोद भाई का 4 बार नाम लूंगा। वह मेरे बहुत अच्छे मित्र और सम्मानीय साथी हैं। मैं उनका नाम और लूंगा।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- महोदय जी, क्षेत्र की जनता तक भी अपनी बात पहुंचाना है।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- उनके लिए जरूरी है।

सभापति महोदय :- चलिये। पाण्डे जी, आप अपनी बात रखिये।

श्री धर्मजीत सिंह :- प्रमोद जी, इनके ऊपर कितने धारा लगे हैं ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- 26 धारा लगे हैं।

श्री धर्मजीत सिंह :- प्रमोद जी के ऊपर 26 धारा लग चुकी है तो जरा जल्दी से आपको भी अच्छा लगेगा, उनको भी अच्छा लगेगा ।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- सबसे ज्यादा धारा बृजमोहन जी के ऊपर लगी है।

श्री उमेश पटेल :- पांडे जी की बात सुनकर प्रमोद जी भी कन्फ्यूज हो गये कि मैं कहीं गलत लाईन में तो नहीं जा रहा हूं ।

सभापति महोदय:- पांडे जी, आप अपनी बात करें ।

श्री शैलेश पांडे :- सभापति महोदय, धर्म के नाम पर पाखण्ड किया गया । राजिम पुन्नी मेला को राजिम कुंभ बना दिया गया ।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- मेरे ऊपर धारा 307 लगी थी तो मैं विधायक बन गया ।

सभापति महोदय :- आप अपने समय में बोल लीजिए ।

श्री शैलेश पांडे :- सभापति महोदय, जब हमारी सरकार आई तो सबसे पहला काम किया, वह मैं आपको बताना चाहता हूं । दिसम्बर में सरकार बनी, जनवरी में दुर्ग में शंकराचार्य जी आये । माननीय

मुख्यमंत्री जी, माननीय गृहमंत्री जी और हमारे बहुत सारे विधायक साथी वहां गए । वहीं पर शंकराचार्य जी ने कहा कि आपके प्रदेश में 15 साल से हमारी बात कोई नहीं सुन रहा था, आप इसको परिवर्तित कीजिए, इसका नाम बदलिए । इसे कुम्भ नहीं किया जा सकता । ये वैदिक परम्परा के खिलाफ है । फिर उसका नाम हमारी सरकार ने राजिम पुन्नी मेला रखा ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- पांडे जी, आप धर्म की बात कर रहे हैं तो मैं बता देता हूं । पाटेश्वर वाले बाबा धाम के आश्रम को तोड़ने के लिए इस सरकार ने नोटिस दे दिया है ।

सभापति महोदय :- शर्मा जी, आपका समय आएगा तो बोल लीजिएगा ।

श्री शैलेश पांडे :- सभापति महोदय, आप धर्म के नाम पर आप पाखंड कर रहे थे, खिलवाड़ कर रहे थे । छत्तीसगढ़ की जनता को गुमराह कर रहे थे । आप क्या-क्या नहीं कर रहे थे, भगवान जानें । हमने सबसे काम उस सबको बंद करने का किया । पहला धर्म का काम तो यही हुआ कि उस राजिम कुंभ मेले को राजिम पुन्नी मेला बनाया गया । हमारे छत्तीसगढ़ की संस्कृति, छत्तीसगढ़ की धरोहर को बचाने का काम किया, उसकी परम्परा को वापस लाने का काम किया, उसकी पहचान को वापस बनाने का काम किया । अगर माघ पूर्णिमा के दिन हमारे मुख्यमंत्री नदी में जाकर डूबकी लगाते हैं, डूबकी पूरा संसार लगाता है । मोदी जी वहां कॉरीडोर बनाएंगे, बनारस में कहीं कुछ और करेंगे तो वहां वाहवाही होगी । हमारे मुख्यमंत्री जी माघ पूर्णिमा के दिन अगर नदी में स्नान करने जाएंगे तो उसको एडवेंचर बोला जाएगा।

श्री उमेश पटेल :- उनको देखकर इन लोगों को मिर्ची लग जाती है तो वे लोग एडवेंचर का कुछ नाम दे देते हैं ।

श्री संगीता सिन्हा :- क्योंकि ये लोग कुछ कर तो सकते नहीं है, सुबह नहा तो सकते नहीं हैं ।

श्री उमेश पटेल :- माननीय मुख्यमंत्री जी जब पहली बार गेड़ी चढ़े तो उधर से बहुत लोगों ने कोशिश की, लेकिन वह गेड़ी टूट गया, ये लोग चढ़ ही नहीं पाये तो उसका नाम बदलकर एडवेंचर कर दिये ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- मंत्री जी, हम लोगों को गेड़ी से आपत्ति नहीं है, गेड़ी पर चढ़ने वाले से आपत्ति है ।

श्री शैलेश पांडे :- सभापति महोदय, जो लोग नागपुर से संचालित हैं, जो लोग इधर-उधर से संचालित हैं, वे छत्तीसगढ़ की परम्परा के बारे में क्या जानेंगे ? उसकी रक्षा कैसे करेंगे, वह कभी नहीं करेंगे । जो नागपुर से इशारा किया जाएगा, वे वही काम करेंगे । माननीय पर्यटन मंत्री जी उपस्थित हो गए हैं, मैं उनको धन्यवाद देता हूं कि उन्होने सबसे पहला काम किया कि धर्म को आगे बढ़ाया, धर्म और संस्कृति की रक्षा की ।

सभापति महोदय, आप 15 साल सरकार में रहे । आपने संस्कृति, पर्यटन के नाम पर क्या किया ? आपने राज्योत्सव में क्या किया ? आज हमारी सरकार को चार साल हो चुके हैं, हम हर साल राज्योत्सव मनाते हैं । हम छत्तीसगढ़ के परम्पराओं की, संस्कृति की रक्षा करते हैं, हम छत्तीसगढ़ की लोक कला संस्कृति को आगे बढ़ाते हैं । हम आदिवासी महोत्सव भी मनाते हैं । छत्तीसगढ़ आदिवासी राज्य है । उन आदिवासियों की संस्कृति को हमारे राष्ट्रपति जी जिनके दत्तक पुत्र हैं, राष्ट्रपति जी आदिवासी समाज से हैं । यह कितनी बड़ी बात है । आपने केवल भोले-भाले हमारे आदिवासी भाई-बहनों का वोट लेने के बारे में सोचा और उसके लिए आपने वह चेहरा खड़ा किया । लेकिन आपने आदिवासियों की संस्कृति, आदिवासियों की सभ्यता, आदिवासियेां की कला की रक्षा करने के लिए आपने कुछ नहीं किया । हमार सरकार 4 साल से विश्व आदिवासी महोत्सव मना रही है, छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य राज्य है, अगर उसको विश्व के मानचित्र में अगर किसी ने लोकप्रिय किया तो हमारी सरकार ने लोकप्रिय किया, किसी और ने नहीं किया। आपने उनके साथ क्या न्याय किया ? आप तो बाहर से हिराइनों को लाते थे। ओ शीला, ओ रानो, हसीना, जमालो, कोई हमको रोको, कोई तो संभालो, अरे कहीं हम गिर न पड़े। वाह, मैं उन कलाकारों का नाम नहीं लेना चाहता हूं। मैं उनका नाम क्यों लूंगा, वह भी हमारे देश की कलाकार हैं। लेकिन यह आपकी सोच थी। आपकी सोच आपके कर्म में आई और आपके कर्म पूरे विश्व ने देखा, पूरा छत्तीसगढ़ ने देखा, सभी लोगों ने देखा।

माननीय सभापति महोदय, ये बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। संस्कृति की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, सभ्यता की बातें करते हैं, पर्यटन की बातें करते हैं। आपने क्या किया ? आप बस राम के नाम पर वोट मांगते हैं। यह प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, छत्तीसगढ़ कौशल्या माता का घर है। आपने क्या किया ? आप केवल देश में दंगे करवा सकते हैं, आप धार्मिक स्थलों को तोड़ सकते हैं, आप यही सब कर सकते हैं। भगवान राम के नाम पर कुछ योगदान नहीं दिया। आपने कहां योगदान दिया ? अयोध्या में जाकर देते हो। कब देते हो ? जब ऊपर से ईशारा होता है। भगवान राम का जितना मान, सम्मान हमारी सरकार ने किया, इन्होंने 15 साल मे इसका 5 प्रतिशत भी नहीं किया। इसीलिए भगवान राम ने बड़ी कृपा करके इनको छत्तीसगढ़ की जनता के माध्यम से इधर बैठा दिया, अब यहां बैठो। हमारी सरकार ने भगवान श्रीराम के चरणों का अनुसरण करने के लिए सबसे बड़ा काम किया। हम भगवान को क्या मानते हैं, हम आस्था रखते हैं, भगवान श्रीराम के पदचिन्हों पर जाना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ की जनता उनके पदचिन्हों पर जाना चाहती है। इसलिए राम वन गमन पथ बनाया। राम वन गमन पथ क्या एक दिन में बना देंगे ? वोरा जी, क्या एक महीने में बना देंगे ? यह लंबा प्रोजेक्ट है। सैकड़ों करोड़ों रूपये लगने हैं। कहां से आयेगा ? थोड़ा-थोड़ा करके ही बनायेंगे न, कभी 25 करोड़ देंगे, कभी 100 करोड़ देंगे, कभी दो सौ करोड़ देंगे, कभी चार सौ करोड़ देंगे। जितना भी देंगे, रत्ती भर देंगे, चलेंगे, लेकिन प्रभु श्रीराम के पदचिन्हों का ही अनुसरण करेंगे। माता कौशल्या का इतना सुन्दर मन्दिर बना, भगवान श्रीराम

की मूर्ति स्थापित हुई, आपने उस बात पर कुछ नहीं कहा, उस धार्मिक विषय पर कुछ नही कहा। इन लोगों ने हनुमान जी का चेहरा बिगाड़ दिया है।

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर,

जय कपिश तिहू लोक उजागर,

रामदूत अतुलित बलधामा,

अंजनि पुत्र पवनसुत नामा (जल्दी-जल्दी बोलते हुए कहा गया)

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर (धीर-धीरे बोलते हुए कहा गया। ये कैसा चेहरा बनाते हैं ? खतरनाक वाला चेहरा बनाते हैं।

श्री रामकुमार यादव:- महाराज, हनुमान हा गदा ला धरे ये मन ला खोजत हे।

श्री शैलेश पाण्डे :- हनुमान जी सेवक थे, भक्त थे।

श्री धर्मजीत सिंह :- पाण्डे जी, हनुमान जी का दो स्वरूप है। आप जो अच्छा वाला बोल रहे हैं, वह पूजा के समय का है। जब हनुमान जी रावणों का वध करने लंका गये थे, वही वाला फोटो इन लोग लगाते हैं।

श्री शैलेश पाण्डे :- लेकिन यह लंका नहीं है न।

श्री धर्मजीत सिंह :- ये तो आप कह रहे हो।

श्री शैलेश पाण्डे :- यह देश शिवरतन शर्मा जी का है, यह देश अजय चन्द्राकर जी का है, यह हमारे प्रमोद शर्मा का भी है, धर्मजीत भईया आपका भी है, यह हमारा भी देश है, आपका भी है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- अभी आप राम के बारे मे बोले। अभी एक और भी दोहा है। रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाये पर वचन ना जाइ। तो आप लोगों ने वचन दिया था कि सरकार दारू बंद करेगी। वचन पूरा करो।

श्री रामकुमार यादव :- हनुमान जी के कैसे दोहा हे, नहीं जानत हा। काला पानी समुदर के, लक्ष्मण देख डराय, एक पुत्र अंजनि के छिन लाय। ओला तुमन बिगाड़े हा। गदा लेकर तुमन ला खोजत हे।

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- प्रमोद भईया, आप संविधान को मानते हो ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- मानता हूं।

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- संविधान को मानते हो न ? संविधान में क्या लिखा है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- शराब बेचना है, ऐसा कहां लिखा है।

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- 25 से 28 तक।

श्री अरूण वोरा :- धर्मजीत भाई, आपका यह सब सुनकर ऐसा लगता है, मैं अपने भा.ज.पा. के साथियों से कहना चाहता हूं कि देखा भाजपाईयों ऐसा काम ना करो, राम का नाम बदनाम ना करो।

सभापति महोदय :- चलिये, पाण्डे जी, अपनी बात जारी रखें।

श्री शैलेष पाण्डेय :- माननीय सभापति महोदय, मैं हमारे पी.डब्लू.डी. मिनिस्टर को कहना चाहता हूँ, उनको धन्यवाद देता हूँ । अभी कुछ दिनों पहले पूर्व नेता प्रतिपक्ष, बिलासपुर वाले जो हैं, उड़ीसा गये थे । उड़ीसा से वह छत्तीसगढ़ एंट्री किये, जैसे ही छत्तीसगढ़ एंट्री किये तो उन्हें पता चल गया कि छत्तीसगढ़ की रोड आ गई है । आपने छत्तीसगढ़ में कैसी सड़क बनाई थी, आपने ऐसी सड़क छत्तीसगढ़ में बनाई कि तीन साल में मंत्री जी उखड़ गये ? आप सड़क का कर क्या रहे थे, आपने सिर्फ भ्रष्ट्राचारकरने दिया । सभापति महोदय, आज अगर सड़कें बन रही है, हम मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना की बात करते हैं, आप की सोच यह क्यों नहीं है कि हमारे छत्तीसगढ़ की जनता को अगर जरूरत है तो आंगनबाड़ी जाने की जरूरत है, अगर जरूरत है तो अस्पताल जाने की जरूरत है, अगर जरूरत है तो स्कूल में जाने की जरूरत है, आपने उसके लिये कोई फण्ड नहीं दिया । मैं माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने दो-दो, तीन-तीन करोड़ रूपया दिया, ताकि वह अपनी इच्छा से अपने क्षेत्र में ऐसे काम करवा सके कि जहां पर हमारे क्षेत्र की जनता को वास्तविक जरूरत है । सभापति महोदय, बड़े काम तो बहुत हो जायेंगे, बड़े-बड़े काम बहुत किये गये, इसमें आपका उद्येश्य भ्रष्ट्राचार करना था । सभापति महोदय, बिलासपुर की सड़कों की बात करें, आपने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में सड़कों का जाल बिछा दिया, वेल्कम इन बिलासपुर, बिलासपुर के माननीय प्रभारी मंत्री जी बैठे हुये हैं, वह मीटिंग लेने आते थे, वह कहते थे कि तेरे को टांग दूंगा, इसको उल्टा टांग दूंगा, इसको सीधा टांग दूंगा, यह सब को टांगते रहते थे, सब कोई टंगता रहता था, उधर फील्ड में जाते नहीं थे । इतना खोदा, इतना खोदा, रसातल, पाताल और कौन-कौन से तल हैं, सात तल होते हैं, वह नीचे पहुंच गया है, उसको ऊपर लाते-लाते टाईम लगेगा ।सभापति महोदय, आपने सड़क को इतना खोद डाले, आप सड़कों की बात करते हैं, सड़कें आपने भी बनाई है, आपने जो अच्छा काम किया है, हम उसकी तारीफ करेंगे कि आपने वह अच्छा काम किया है, लेकिन आपने पूरे प्रदेश में अच्छा काम नहीं किया है । आपने कुछ अपने पसंद की जगहों पर अच्छे काम किये हैं और हमारे मंत्री जी ने पूरे प्रदेश में अच्छा काम किया है । सभापति महोदय, हमारी सरकार ने हर विधायक को समदृष्टि से देखा है । आप बड़ी-बड़ी बातें करते हैं कि बस्तर जल रहा है, कवर्धा जल रहा है, यह सब भड़काने के लिये बातें करते हैं । मैं पूछता हूँ कि इसे जला कौन रहा है, आप ही तो जला रहे हो, उसमें डीजल, पेट्रोल, मिट्टी का तेल कौन डाल रहा है, आप डाल रहे हो ? आप हमको बोल रहे हो ? सभापति महोदय, आप प्रशासन की बात करते हैं, पुलिस की बात करते हैं, जो सम्मान, जो अधिकार, हमारी सरकार ने पुलिस विभाग को दी है, आपने कभी नहीं दिये हैं । आपके मुख्यमंत्री जी के सामने वह डीजीपी साहब पैर छूते हुये दिखे थे, इतना बड़ा फोटो इस प्रदेश में छपा था । भगवान जाने कि जूता उतार रहे थे कि जूता पहना रहे थे, कौन अधिकारी है, मैं उसे नहीं जानता । पुलिस की इज्जत थी, आप हमको यह बोल रहे हैं ? आपके कार्यकाल में थानों में गुण्डागर्दी

होती थी । आपके खुद के विधायक जो तखतपुर थाने में जाकर गुण्डागर्दी करते थे । इसे पूरा प्रदेश जानता है ।

श्री धर्मजीत सिंह :- अभी वाले कौन कर रहे हैं ?

श्री शिवरतन शर्मा :- अभी तो बिहार में वीडियो वायरल हुआ था ना।

श्री शैलेश पाण्डे :- मैं आपके कार्यकाल की बात कर रहा हूं। वह 10 साल तक तखतपुर के विधायक रहे हैं।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- अभी तो रेट लिस्ट चल रहा है।

श्री शैलेश पाण्डे :- आपने बहुत अच्छी बात कही है। मैं कहना चाहता हूं और मेरे सभी सम्माननीय साथीगण बार-बार इस बात को बोलते हैं, यह बहुत अच्छी बात है। आप बड़े दिल से सोचिये। सिस्टम में समस्याएं होती है। कहां नहीं होती ? आपके कार्यकाल में भी थी और हमारे कार्यकाल में भी है। उस सिस्टम में हर कोई व्यक्ति खराब नहीं होता है, उस सिस्टम को ठीक करना पड़ता है। उस सिस्टम को ठीक करने के लिये, बृजमोहन जी, आप अभी बोल रहे थे कि आप नोटशीट लिख देते, यह कर देते, वह कर देते। मैंने यदि किसी पुलिस अधिकारी को डांट दिया तो इतनी टीका-टिप्पणी रोज होती है। यह सिस्टम का पार्ट है, हमें सिस्टम को ठीक करना है। हमें बोलना पड़ेगा। आपने भी बोला, हमने भी बोला। हमने साहस किया और बोला। मेरे क्षेत्र की जनता उससे खुश है।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- पाण्डे जी, हम लोग भी खुश है। आपने सच्चाई को रखा। ऐसा नहीं है कि कोई खुश नहीं है, सब खुश है।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय सभापति महोदय, एक-एक मिनट की दो-तीन बातें है, उसके लिये मैं मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। माननीय मंत्री जी, आपने सबसे पहला अच्छा काम यह किया कि आपने बिलासपुर जेल बनवायी। वह इतनी छोटी जेल थी और उसमें साढ़े तीन हजार कैदी रहते थे। वह 1500 कैपिसिटी की जेल थी। आप उसको बनवा रहे हैं। मुझे जानकारी मिली है, आप यह अच्छा काम कर रहे हैं। इससे आपकी संवेदनशीलता दिखती है कि हम हमारे कैदियों के प्रति भी संवेदनशील है, हम उनका भी ध्यान रखते हैं। मैं अपने अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। मैं इसलिये भी धन्यवाद देता हूं कि इसी होली की बात बता रहा हूं। मैं बिलासपुर शहर का विधायक हूं।

श्री अजय चंद्राकर :- बोलते कुछ हो, करते कुछ हो। भरोसे लायक आदमी नहीं हो।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय सभापति महोदय, एक मिनट। मैं होली के दिन 1.00, 1.30 बजे शहर के लिये घूमने निकला, कहा चलो मिलना जुलना तो हो गया। मैंने वहां पर देखा कि युवतियां अपनी गाड़ी से घूम रही थी और उनको कोई दिक्कत नहीं थी। पुलिस प्रशासन का इतना पहरा था। वह आजादी से घूम रही थी और अच्छे से होली मना पा रही थी। मैंने यह माहौल पहले कभी नहीं देखा।

सभापति महोदय :- पाण्डे जी, चलिये समाप्त कीजिये।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने बिलासपुर को दो थाने दिये, जो बहुतप्रतिक्षित थाने थे। मैं माननीय मंत्री जी से यही कहूंगा कि हमको जितना हो सके, उतना पुलिस प्रशासन को सपोर्ट करना है, उतना पुलिस बल बढ़ाना है। एक बात और सुझाव के तौर पर जरूर कहूंगा कि अब हर व्यक्ति अपनी गाड़ी खरीद रहा है। वह कारें खरीदता है, मोटरसाइकिल खरीदता है। ट्रैफिक बढ़ता जा रहा है। मुझे इन 5 वर्षों में सबसे ज्यादा जरूरत महसूस हुई कि हमको ट्रैफिक पुलिसिंग की बहुत भर्ती करनी चाहिए। क्योंकि अब गाड़ियां बहुत ज्यादा हो गयी है। सड़कें रातों-रात तो नहीं बन सकती है लेकिन उसका प्रबंधन अच्छे ढंग से कर सकते हैं।

सभापति महोदय :- चलिये, समाप्त करिये।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय सभापति महोदय, वैसे तो बहुत सारा बोलना था। चूंकि आज समय कम है इसलिये आपने आज मुझे इतना भी बोलने का मौका दिया इसके लिये मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

सभापति महोदय :- धन्यवाद। श्री अजय चंद्राकर।

श्री अजय चंद्राकर (कुरूद) :- माननीय सभापति महोदय, बोलना तो बहुत कुछ था, इसमें छत्तीसगढ़ की असमिता जुड़ी हुई है और छत्तीसगढ़ तार-तार हो गया है। लेकिन कोई चीजें है जिसके कारण आज कम बोलना हो रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हततं कि मंत्री जी आपको आपके विभाग के पूरे लोग पहचानते हैं या नहीं पहचानते हैं ? आपको पुलिस विभाग के लोग सेल्यूट करते हैं या नहीं करते हैं ? आपका पी.डब्ल्यू.डी. और पर्यटन वाले पहचानते हैं या नहीं पहचानते हैं ? यह बड़ा यच्छ प्रश्न है। नहीं तो मैं आपके बंगले में रोज आ जाऊंगा। आपके दोनों हाथ पीछे करने के लिये, यदि आपको कोई सेल्यूट नहीं करते तो। मैंने एक लिखा थ, आप यदि पढ़ते होंगे। मैं आपको हैश टैग नहीं करता। सेल्फी विथ गृहमंत्री। एक अभियान चलना चाहिए जिससे इस प्रदेश को पता चले कि इस प्रदेश में एक अलग गृहमंत्री है। इसमें आपकी एक फोटो है। मैं आंकड़े तो नहीं पढ़ूंगा, इसमें सभी दिया है। आप इसमें एक कुत्ते का बड़ा जोरदार स्वागत कर रहे हैं, इसमें आप इतना ग्लैड दिख रहे हैं जिसकी हद नहीं है। इसमें मुख्यमंत्री जी भी है। मुझको लगता है कि आप इस प्रदेश में कुछ ज्यादा भाव से अपराधियों का स्वागत करते हैं। इतनी जोरदार फोटो, मैंने आपको इतना प्रसन्न नहीं देखा था। उतनी प्रसन्नता तब दिखती है जब प्रदेश में अपराध घटता है। कल प्रोटोकॉल की बहुत बातें हो रही थी। आप भी देखिये कि कुत्ते का कितना अच्छा स्वागत हो रहा है। मैंने इसलिये पूछा कि मुख्यमंत्री जी प्रोटोकॉल के बारे में लम्बा-लम्बा भाषण दे रहे थे। मैं, आपको बता देता हूँ। मैंने आपके लोक निर्माण विभाग के एक बड़े अधिकारी को फोन किया, मेरे क्षेत्र की कुछ जानकारी चाहिए थी। तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। फिर मैंने सचिव को फोन किया। आपके कहने से कोई फोन उठा लेगा तो। मैंने दुबारा फोन किया तो उनके कहने से 3-4 दिन बाद फोन आया। उन्होंने कहा कि सर, मैं आपसे मिलता हूँ। तो मैं आपको बता

दूं कि मैं उनसे अभी तक नहीं मिल पाया हूँ। आपका नियंत्रण, मैं तो विपक्ष का आदमी हूँ, वह मुझसे नहीं मिले तो न मिले, मुझे क्या करना है ? वैसे भी आप जितना काम देते हैं वह शुरू तो नहीं होता है। वह बजट से डिलिट हो जाता है। चिट्ठी लिखना एक औपचारिकता है। अब दूसरी बात कहना चाहता हूँ कि मैंने अभी आपके एक विभाग में एक अधिकारी को फोन किया तो उन्होंने कहा कि साहब, मैं बाहर हूँ, मैं इसको बोलता हूँ। उन्होंने ईमानदारी से उसका फोन नंबर भी भेजा। आप विधान सभा का वर्किंग डे तीसरा दिन है। मैं तीन दिनों से उस अधिकारी को फोन लगा रहा हूँ वह फोन उठाता ही नहीं है, जिसका नंबर दिया था, वह भी मेरा फोन नहीं उठाता। आप समझ रहे हैं। वह लोग इतने सर चढ़े हैं और आपकी जो बात है तो मैं एकाध निरीक्षक का बोलूंगा तो आप ट्रांसफर कर देंगे। मैं सदन में घोषणा करता हूँ, ऐसा करके। मैं आप जैसे दु:खी आदमी के पास अपना क्या दु:ख रोऊंगा। मैं 3-4 बार पुलिस के बड़े अधिकारी को फोन करता था। मैंने देखा कि फोन नहीं उठाता है तो मैं बोला कि भाड़ में जाये। जो बताना, सूचना देनी होती, अपना तो कोई ट्रांसफर कराना नहीं है। मैंने कहा कि इन लोगों से बात ही करना बंद करो। इस प्रदेश में हालात ऐसे हैं अनियंत्रित घोड़ा, आपका इकबाल नहीं है जो गृहमंत्री का इकबाल होता है। आपको शासन करना है तो आप इकबाल बढ़ाईये और नहीं, तो पुलिस को पर्यटन से जोड़ दीजिए। कैसे, यह अभ्यारण्य है आप घूमने आईये। आपकी मुलाकात हर तरह के अपराधियों से होगी। छत्तीसगढ़ में अपराध करने वाले आईये। आपका स्वागत है। आपसे मुलाकात होगी। आपने इस प्रतिवेदन में जितने प्रकार के पर्यटन गिनाए हैं। इस प्रतिवेदन में पर्यटन विभाग की फोटो में विदेशी खेल को छाप दिया है। आपका नंबर कट गया। इस प्रतिवेदन में गेड़ी वाला तो फोटो ठीक है। इस प्रतिवेदन में गोल्फ-वोल्फ का फोटो छाप दिया है। आप निकालिए, मैंने उसे मोड़कर रखा है। इस प्रतिवेदन में केवल गेड़ी वाली फोटो को रखना था, इसमें गिल्ली, पित्तुल का बहुत सारा फोटो मौजूद है,आप पर्यटन में उसको लगाईए। मौत का खेल, आप मौत का पर्यटन करवाईये। आप छत्तीसगढ़ में आईये, आप कहीं भी कभी भी मर सकते हैं। अब मैं आपको कुछ बातें बताता हूँ मुझे जल्दी बोलना है। चिटफण्ड कंपनी में कितने लोगों का मुकदमा वापस लिया, कितने लोगों का पैसा वापस किया, आपको कितने पैसे प्राप्त हो गए। यह आप बता दीजिएगा। इसमें सिर्फ 56 कंपनियों का मामला है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अब दूसरी बात आपने छत्तीसगढ़ियों के अन लॉ फुल एक्ट के लिए कमेटी बनाई। आज तक उसकी रिहाई नहीं हुई। आपने पेसा कानून में उसकी घोषणा की कि उसकी रिहाई करेंगे। छत्तीसगढ़ में अभी भी अन लॉ फुल एक्ट लागू है। इस प्रतिवेदन में मैं प्रदेश के आंकड़े अपराधिक नहीं पढ़ सकता, यह सब है, मैं आपको समर्पित कर दूंगा। आपके राज में, ओ हो हो, आपने फोटो लगा-लगा कर, राम राज्य की परिकल्पना की है, वह साकार हो रही है और हम नये-नये अपराध देख रहे हैं। माननीय मंत्री जी, आप ऐसे ही चलते रहे। मैं आपको सुझाव दे रहा हूँ कि पुलिस विभाग से एक प्रस्ताव भेजिए कि हम छत्तीसगढ़ को मैक्सिको के टाईप बांट देंगे। क्योंकि इस सदन में राष्ट्रीय,

अन्तर्राष्ट्रीय बात होती है। माननीय मुख्यमंत्री जी राष्ट्रीय बात करते हों तो वह छत्तीसगढ़ की बात ही नहीं करते। मैं क्यों पीछे रहूं ? मैं अन्तर्राष्ट्रीय बात कर देता हूँ कि आधे छत्तीसगढ़ में अपराधियों का शासन रहेगा जैसे वहां मैक्सिकों में माफियाओं का शासन रहता है और आधे में आपका शासन रहेगा। हम, छत्तीसगढ़ वाले दोनों को जीने, सांस लेने के लिए लेव्ही देंगे। हम लोग सांस लेंगे, आप लोग इतना पैसा ले लो। आप यह राज ला रहे हैं। ऑनलाईन ठगी, हर नौकरी लगाने के लिए ठगी, आत्महत्या, सामूहिक आत्महत्या, छत्तीसगढ़ डिप्रेशन में अवसादग्रस्त । 1 लाख 7 हजार टन धान खरीद रहे है, ओ हो, माननीय बृजमोहन जी ने धान का कटोरा बोल दिया, मैं नहीं बोलता। मानव तस्करी, कितने प्रकरण दर्ज हैं ? माननीय कवासी लखमा जी कहां हैं ? उन्होंने कहा था कि एक भी धर्मान्तरण हुआ होगा तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। कोई वनवासी कहेगा तो मान लूंगा। साहब, आपने धर्मान्तरण के प्रकरण स्वीकार किए हैं उसको इस्तीफा दिलवा दीजिए। वनवासी, यह बजट भाषण में लिखा है उसको इस्तीफा दिलवा दीजिए। वह बाहर में तो बहुत बोलते हैं। गांजा, तस्करी, ब्राऊन शुगर, जल्दी बोलना है। कल डिस्टर्ब कर लेबे न। तें विद्वान हस। कल कर लेबे न।

श्री अमरजीत भगत :- आपके काम की बात बोल रहा हूं।

श्री अजय चन्द्राकर :- कल कर लेबे न।

श्री अमरजीत भगत :- आप भाषण वैसे ठीक दे रहे हैं, आप बोले थे किसानों को पैसा मिलेगा तो हम इस्तीफा दे देंगे।

सभापति महोदय :- चन्द्राकर जी, आप अपनी बात बोलिये। चलिये, माननीय मंत्री जी, बैठ जाईये।

श्री अजय चन्द्राकर :- अब इतना तो आग्रह कर रहा हूं कि जितना टोकना है तो कल टोक लेना।

श्री अमरजीत भगत :- देखिये, मैंने आपके निवेदन को मान लिया।

सभापति महोदय :- चलिये, आज जारी रखिये।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय सभापति महोदय, अब गृह विभाग में छत्तीसगढ़ में ठगी स्टार्ट-अप है। छत्तीसगढ़ में चाकूबाज सबसे ज्यादा हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस अभियान चला रही थी, चेक कर रही थी। टारगेट कीलिंग हो रही है। यह टारगेट कीलिंग हम कश्मीर में सुनते थे। वह छत्तीसगढ़ में आ गया और वह भाजपा वालों के लिए ही आया है। अब झीरम कांड इनका राजनीतिक नारा है। माननीय सभापति महोदय, कृपा करके जो जांच करवाना है, जिसकी जांच करवाना है, आप भीमा मंडावी हत्याकांड में एन.आई.ए. को कागज दे सकते हैं, इसमें कागज नहीं देंगे। मैं गृह मंत्री रहते हुए सी.बी.आई. जांच की घोषणा किया। भाभी जी, पूरी सहानुभूति आपके प्रति है, जैसा करवा लो, उसमें हम सहयोग कर देते हैं, दस्तखत कर देते हैं, लेकिन आप न्याय ले लीजिए। क्योंकि आपकी सरकार नहीं बनने वाली है।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- एन.आई.ए. की जांच रिपोर्ट तो दिलवा दीजिए। आपकी केन्द्र सरकार रोक कर रखी है। प्लीज, मैं आपसे निवेदन करती हूं।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय सभापति महोदय, सरेआम डी.एस.पी. के साथ दुर्व्यवहार हुआ, उसकी कालर पकड़ी गई। सरेआम थाना में हत्या हो रही है। यह बोले थे कि सायबर सेल बनायेंगे, पुलिस मुख्यालय में एक सायबर सेल बना है। यह बोले थे कि सब जगह सायबर सेल बनायेंगे, नहीं मालूम कब तक सायबर सेल बनेगा। आरक्षकों की भर्ती निरस्त हो गई, वह कब तक होगी नहीं मालूम। पुलिस कर्मियों के लिए सुविधा, हम लोगों के लिए तो मुख्यमंत्री जी कल बोल रहे थे कि सबके पंडाल में जाते थे। पुलिस वालों के पंडाल में तो गये थे, ये-ये सुधार करेंगे, ये-ये मांग पूरी करेंगे। कर दीजिए। आप ही के जन-घोषणा पत्र में है। 04 साल में एक भर्ती सूबेदार, कमांडेंट की नहीं कर पाये। यदि भर्ती नहीं कर पाते तो सबसे अच्छा ये है कि नशा के बारे में आपको दो लाईन बोल देता हूं। आप मेरे साथ कुरूद चलिये। आपको कौन सा नशा चाहिए, मैं बैठकर आपको पिलवा दूंगा। दारू कौन गांव में पीना है, मैं आपको पिलवा दूंगा। आप बस मेरे साथ चलिये। आपको पुलिस की लियाकत की एक घटना बताता हूं। धमतरी में कांग्रेस वाले बिना नोटिस के सड़क जाम किये तो धमतरी पुलिस उनसे माफी मांगने गई। प्रभु, हम लोगों के रहते आपको सड़क नाम करना पड़ा, हम माफी मांगते हैं। ये पेपर में आया है, ये मैंने नहीं कहा है।

माननीय सभापति महोदय, अब देश के महान नेता जो विदेश में भारत की बात बहुत अच्छे से करते हैं। आपने उसके उद्घाटन के लिए राहुल गांधी जी को बुलाया। शहीद स्मारक बनायेंगे। उसका नक्शा क्या है, आप बता दीजिए। आप तो पहले से नक्शा जारी कर देते हो। विश्वस्तरीय स्कूल का नक्शा जारी हो गया है। इससे पहले राजीव गांधी सेवा ग्राम का नक्शा जारी हो गया। जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क बन रहा था, उसकी दुकान तक बिक गई थी। इसका नक्शा, ड्राइंग, डिजाईन बता दीजिए। मोहसिना किदवई की लड़की हो सकता है कि वह वास्तु इंडिया बना रही होगी। आखिर शहीद कौन है ? आप झीरम घाटी के शहीद करके शहीद के दर्जा का उपयोग कैसे करते हैं ? आप गृह मंत्री हैं, एक शहीद की अदद परिभाषा बता देंगे। आप दूसरी बात आपके पुलिस की लियाकत बता कर मैं तुरंत लोक निर्माण विभाग में आ रहा हूं।

श्री अमरजीत भगत :- मैं कुछ बोलूं।

श्री अजय चन्द्राकर :- आज जल्दी है। आप कल टोक लेना, जितना टोकना होगा।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय गृह मंत्री जी, नोएडा पुलिस महादेव सट्टा के ऊपर दूसरी धारा लगाती है, दुर्ग पुलिस दूसरी धारा लगाती है। आपके बिना संरक्षण के या बिना पुलिस के संरक्षण के उसकी शादी हुई। दुर्ग में तीन दिन में कितने लोगों का पुलिस ने वेरीफिकेशन किया और एक आम आदमी पासपोर्ट बनाता है तो कितने दिन में वेरीफिकेशन होता है। यह छत्तीसगढ़ है जहां ऑनलाईन

सट्टा का विज्ञापन आता है। उस भूकंप का केन्द्र बिन्दु कौन है, जहां गृह मंत्री, मुख्यमंत्री रहते हैं।

श्री अमरजीत भगत :- इसे रोकने का किसी में नैतिक साहस है तो इन्हीं में है। उसको रोका गया है न।

श्री अजय चंद्राकर :- आप लोग कुछ नहीं कर सकते, नशा को नहीं रोक सकते तो आप एक गंजेड़ी न्याय योजना बनाईये। लोगों को चिलम, लंगोटी, गोटी सबको दो, चलो भाई सब पियो करके। आब आपके पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में पूरे बजट किये गये हैं। यह भी मैं आपको दे दूंगा, पढ़ लीजिये। मैं पी.डब्ल्यू.डी. में एक बात इसलिए ज्यादा नहीं बोलता कि इसमें आपको मानसिकता विस्तार की जरूरत है। आपकी कोई सड़क नीति तो है ही नहीं कि गांवों को जोड़ेंगे, पुल-पुलिया को बनायेंगे, जिला मार्ग को दोहरीकरण करेंगे, राजमार्ग से जोड़ेंगे, ऐसी आपकी सड़क नीति तो मैंने देखी नहीं है। सड़क नीति स्वयंभू है। मैंने कल कहा था कि मुख्यमंत्री जी स्टेटमेन हैं। वह विधानसभा, राजभवन, न्यायलय, सबसे ऊपर है। कोई नीति नहीं लगती। वह नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी बोल दिये। वह सुराजी गांव बोल दिये तो माननीय मंत्री जी सुराजी-सुराजी चिल्लाने लगे। अधिकारी सुराजी-सुराजी बोलने लगे। छत्तीसगढ़ मॉडल बोले तो छत्तीसगढ़ मॉडल बोलने लगे। उसमें विधानसभा का कभी चर्चा नहीं होगी। आप अपनी मानसिकता बढ़ाईये और आप महसूस कीजिये कि आप दुर्ग ग्रामीण और पाटन के मंत्री नहीं हैं। ट्रेफिक डेंसिटी आप जितनी दुर्ग को खोद रहे हैं, उससे चार गुनी ट्रेफिक डेंसिटी का सड़क बता दूंगा। आपके ई.इन.सी. की नहीं चलती। वहां पाटन में एस.डी.ओ. है, वह आपकी बात नहीं मानेगा। कितना प्रतिशत में पहुंचा, कितने रेट में सेट करना है, वह तय है और मैं दूसरी बात बता दूं। आप सड़क भर नहीं बनाते बाकी सब काम करते हैं। टेंट लगाना आपका प्रिय काम है। मैं पी.डब्ल्यू.डी. विभाग को टेंट लगाने वाला विभाग बोलता हूं। कुर्सी कितनी लगती है, एरिया कितना है, एस.ओ.आर. क्या हो रहा है, बजट कितना है। मैं कभी आर.टी.आई. नहीं लगाता। मेरा विश्वास नहीं है। मेरा विधानसभा में विश्वास है। मैं चुनकर आता हूं। आपकी पुलिस, जब सड़क की बात किया तो एक सेकंड की एक कहानी है। एक छोटा हाथी वाले को रोका, ओव्हरलोड में हो और उसको बोला कि 35000 लगेगा। दुर्भाग्य से उसी समय रेत गाड़ी निकल रही थी। वह ड्रायवर बोला। वह मेरे पास आकर बताया। मैं आपसे मिलवा दूंगा। बोले कि रेत गाड़ी को पकड़ो, इसका यह भी ओव्हरलोड है। पुलिस से बहस किया। इसका कितना लगेगा। उसको क्यों नहीं पकड़ रहे हो। उसको क्या बोले मालूम कि यहां से भाग। नेतागिरी करता है करके उसको भी छोड़ दिया। किसी पुलिस में माई का लाल नहीं है जो रेत गाड़ी को पकड़ दे, जो कोयला गाड़ी को पकड़ दे। आपकी सड़क रोज की पालिसी नहीं है। जितने घाट है। कितनी डेंसिटी की सड़क बनती है, कितने लोड की सड़क बनती है? 8 टन 10 अन 12 टन ग्रामीण की सड़क । चलती कितनी टन की है? आप बिना नीति के राज्य का पैसा बर्बाद क्यों करते हैं? 32 टन की सड़क बनाईये न और चलवाई न गाड़ी। खदानों में डबल, तीबल लेन की सड़क बनवाओ। चलने दो फिर जितनी चलना है। हम चिल्लायेंगे नहीं। न पकड़ने वाला है। मैंने

आप पैसा बर्बाद कर रहे हैं। अब आखिरी बात। पी.डब्ल्यू.डी. को खतम। पी.डब्ल्यू.डी. के बजट को पूरे खत्म कर दिये गये हैं। आखिरी बात यह है कि आप इतना बड़ा विभाग संभालते हैं। पी.डब्ल्यू.डी. में एक चीज बता दीजिये, जिसके निर्माण के लिए आपको याद किया जाए। एक चीज। चार साल में ठीक है, वह भ्रष्टाचार का स्मारक होगा। आपके हिसाब से।

श्री अमरजीत भगत :- चंद्राकर जी।

श्री अजय चंद्राकर :- मैं एक लाईन नइ बोलव यार। तोर हाथ-पांव जोड़त हव।

श्री अमरजती भगत :- काम का बात है न। सुन लीजिये। छत्तीसगढ़ में पहली बात हुआ है कि पुलिसकर्मियों को सप्ताह में पांच दिन काम करना पड़ेगा। अच्छा काम किया करके उसके तारीफ में दो शब्द बोल दीजिये। खाली क्रिटीसाईज करते हो।

श्री अजय चंद्राकर :- एक स्मारक हमारे भ्रष्टाचार का स्तारम होगा। जो गलत होगा, उसकी जांच करिये। चार साल में एक इंच उस सड़क को चालू नहीं कर पायें। चार साल में कमेटी बना दिये। रायपुर के सीने में जो सतंभ खड़े हैं। उपयोग का निर्णय नहीं कर पाये। इसके छोड़ आप एक स्मारक बता दीजिये । आप पांच साल पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री रहे। यह कुछ दिन रहे। एक फ्लाई ओवर बना दिये, आई.ए.एस. अफसरों के लिए बंगले बना दिये। कुछ ही दिन थे, उसके बाद माननीय चटर्जी जी को विभाग दे दिया गया था। कुछ दिन थे। मैं गलत बोल रहा हूं। मतलब एक-डेढ़ साल में। पांच साल में एकाध स्मारक बता दीजिये जो अपनी constituency में सड़क बनाये हैं, वह आपके चुनाव तक पूरा नहीं होगा।

श्री अरूण वोरा :- चंद्राकर जी, नया रायपुर में देखिये। वहां नया विधानसभा भवन बन रहा है।

श्री अमरजीत भगत :- आप भूलते बहुत हो। आपको भूलने की आदत है। अभी मंत्रियों के लिए नया चेंबर बना है, मंत्रियों के लिए अभी बंग्ला बना है, राज्यपाल भवन बना है।

श्री अजय चंद्राकर :- जो फोटो लगा है और अभी मुख्यमंत्री का निवास देखकर आ जाओ।

श्री अमरजीत भगत :- अभी नया रायपुर में नया विधानसभा भवन बन रहा है।

श्री अजय चंद्राकर :- आज आप बोर कर रहे हैं फिर मैं इधर-उधर बोल दूंगा तो फिर गड़बड़ हो जायेगा ।

श्री अमरजीत भगत :- लेकिन आपकी भूलने की जो आदत है तो आपको याद दिलाना पड़ता है ।

श्री अजय चंद्राकर :- डी.जी.पी. साहब बैठे हैं, मैं नाम नहीं लेता । आप उनको 20 रूपये वसूली में सहयोग दे देना । सी.एम.आर. में एक हजार है । उनको 20 रूपये मिल नहीं रहा है, आर.जी. को मिल रहा है ।

सभापति महोदय :- चलिये, अपनी बात कहिये ।

श्री अमरजीत भगत :- माननीय सभापति महोदय, पहले तो इनका मेडिकल टेस्ट करवाईये । ये जो बिना तथ्य और बिना आधार के दायें-बायें-सायें बोल रहे हैं न।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय बड़े भैया, आपने रामवनगमन पथ बनाया ।

श्री अमरजीत भगत :- उसमें बुराई क्या है ?

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय सभापति महोदय, छत्तीसगढ़ के किसी माइथोलॉजिकल हिस्ट्री में, किसी शोध में खुले तौर पर जिम्मेदारी से मैं बोल रहा हूं कि चंद्रखुरी में श्रीराम जी गये हैं, कहीं से जुड़ता हो तो मुझे बता दीजिये । शिवरीनारायण में जुड़ता है, आप राम शबरी की प्रतिमा बनाते हैं ।

श्री अमरजीत भगत :- क्या वह मंदिर आज का बना हुआ है ? आपके दिमाग को क्या हो गया है ? आप संस्कृति मंत्री भी रहे । क्या वहां पर कौशल्या मंदिर आज का बना हुआ है ? उसका जीर्णोधार किया गया है, नवनिर्माण किया गया है ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय मंत्री जी, शिवरीनारायण में कौन सा मंदिर था उसको थोड़ा सा बतायेंगे ।

श्री अमरजीत भगत :- शिवरीनारायण में भगवान राम गे रिहिस हे तोला मालूम नइ हे ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- नहीं-नहीं । उंहां शबरी माता के आश्रम रिहिस हे का?

श्री अमरजीत भगत :- हां । ये सब अध्ययन के चीज है, कुछ भी मत बोला करो ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- ठीक है, मैं हा अपन भाषण में आपसे थोड़ा सा जवाब पूछहूं ।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय सभापति महोदय, छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी को राम भगवान का प्रवेश कहां से हुआ ? कहां से वे गये और कौन सी प्रमुख घटना घटी यदि समय मिलेगा और अगर मूर्ति लगाने से लोगों को जानकारी हो जायेगी तो आप मुझे जरूर बतायेंगे । आपका काम यह है कि वह नई पीढ़ी तक पहुंचे । हर जगह राम भगवान की मूर्ति लगाने से आप हमारी आस्था, इसको-उसको जो करना है। आप राजनीतिक तौर पर समझ लो । छत्तीसगढ़ का पुराना नाम दण्डकारण्य है। यहां के वंचितों-शोषितों के साथ मिलकर रावण का वध किया । धमतरी जिले में अरण्यकांड के सारे ऋषियों के आश्रम हैं । वहां क्या घटा ? वहां क्या नई चीजें मिली ? लिख देते, नवधा भक्ति भगवान ने अपने मुंह से छत्तीसगढ़ में कही है अरण्यकांड में, शिवरीनारायण में लिख देते । आपने मूर्ति में जितना खर्च नहीं किया न, आपके पर्यटन के एम.डी. बैठे हैं । उससे ज्यादा कंपनी ने आपके स्वागत में खर्च किया । मुख्यमंत्री जी के स्वागत में खर्च किया ।

श्री अमरजीत भगत :- हम तो रामपथगमन बना रहे हैं लेकिन आपने क्या किया ?

श्री अजय चंद्राकर :- मैं उखाड़ के कूड़हा किया । (हंसी)

श्री अमरजीत भगत :- आप स्वीकार करते हैं न ।

श्री अजय चंद्राकर :- क्या मैं कुछ और बोलूं ? क्या मैं इससे और गंदा बोलूं ? आपको लग रहा होगा कि मैं बहुत अचछा कर रहा हूं करके ।

श्री अमरजीत भगत :- और क्या ? क्या आप कुछ भी बोलेंगे ?

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय चंद्राकर जी कृपया अपनी बात रखें । माननीय मंत्री जी कृपया बैठिए ।

श्री अजय चंद्राकर :- मैं इसको फाड़ देता हूं, असंसदीय मत कहियेगा ।

श्री अमरजीत भगत :- अच्छा आप इतना हाइपर क्यों हो रहे हैं ? चर्चा में हास-परिहास होता है । इसमें इतना हाइपर होने की क्या जरूरत है ?

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय मंत्री जी कृपया बैठें । चंद्राकर जी चलिये जारी रखें । माननीय चंद्राकर जी ।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय सभापति महोदय, नवधा भक्ति पूरे भारतीय संस्कृति में अपने मुंह से भगवान ने यहीं कही है । उस लाईन को लिख देते न तो हो सकता है कि छत्तीसगढ़ के लोगों का कल्याण हो जाता लेकिन वहां अपने इतने बड़े पोस्टर, अपने खर्चे से लगाये हैं कि उसका आध्यात्मिक महतव खत्म हो गया है। वह लाईन खत्म हो गयी है । अब देखिये, शिवरीनारायण प्रथम चरण का कार्य बृजमोहन जी ने बोल दिया है कि स्प्रिंग बॉक्स लिमिटेड, द्वितीय चरण का काम, टेलीकम्यूनिकेशन कंसल्टेंट ऑफ इंडिया, तृतीय चरण का काम, टेलीकम्यूनिकेशन ऑफ इंडिया, चंद्रखुरी निर्माण कार्य, टेलीकम्यूनिकेशन कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड, द्वितीय चरण का काम, कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड तृतीय चरण का काम, टेलीकम्यूनिकेशन राजिम के विकास कार्य, बायोप्सी लिमिटेड गुरूग्राम सीतामढ़ी के चौका, बायोप्सी लिमिटेड गुरूग्राम तुरतुरिया निर्माण कार्य वनमंडलाधिकारी, वनमंडलाधिकारी ये फिर आ गया । दलपत सागर तरिया बनायेंगे । टेलीकम्यूनिकेशन कंसल्टेंट इंडिया, तीरथगढ़ में एक टेलीकम्यूनिकेशन इंडिया रामाराम में करेक्टर है । कब इसका विज्ञापन हुआ ? बृजमोहन जी आदिवासी नृत्य का बोल चुके हैं । जब यह शुरूआत में हुआ तो छत्तीसगढ़िया, छत्तीसगढ़ी, छत्तीसगढ़ ऐसा नारा लगाते थे । वाह-वाह-वाह । एक कांग्रेस नेता की लड़की इसको चलाती है । कोई दर नहीं, कोई उसका तौर-तरीका नहीं, लाईट, माइक, साउंड, एक माला लाखों रूपए में खरीद सकते हैं । समझ रहे हो ना आप । डच रोज़ का कांग्रेस ने स्वीकार कर लिया है यह एजेंसी का काम छोटा है ।

श्री अमरजीत भगत :- चंद्राकर जी, बांस की माला भी आपको सोने की दिखती है तो उसका हम क्या करें, अपने चश्मे का नम्बर थोड़ा ठीक रखो ।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय सभापति महोदय, इनके इंट्रप्शन को भी मैं अदरवाइस नहीं मानता । हम लोगों ने बात की थी कि हम जल्दी खत्म करके जाएंगे, हमारा इवेंट है । उनसे भी बार बार मैंने आग्रह किया कि आज इंट्रप्ट मत कीजिए, कल कर दीजिएगा । समझ रहे हैं ना । लेकिन अब क्या बोलोगे ? मैंने पहले सत्र में एक प्रश्न लगाया, सबसे पहली बार कि छत्तीसगढ़ में कितने धार्मिक ट्रस्ट हैं । उन्होंने मुझे कहा कि मैं आपको आश्वासन देता हूं कि मैं सबको ठीक करूंगा । दुख होता है कि ऐसे ऐसे लोगों ने उन ट्रस्टों को कब्जा करके रखा हुआ है जो छत्तीसगढ़ का छ नहीं जानते । कहां

से पैदा हुए, यहां आकर करोड़ों अरबों की सम्पत्ति में काबिज हो गए हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है, जबकि बनाया हमारे बाप-दादा ने । ये बैठकर छत्तीसगढ़िया, छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़ बोलते हैं ना और बड़े भाई साहब के बारे में क्या बोलूं ? साढ़े चार साल में एक लाईन नहीं कर पाए । दूसरी बात, राजनीतिक एजेंडा छोड़ दीजिए और अपने विभाग के उत्तर को पढ़ लीजिए कि कितना धर्मान्तरण हुआ ? राजनीतिक दृष्टि से मत देखिए । आपके एस.पी सुनील शर्मा जी ने पत्र लिखा था । आपने नहीं खोला परिणीति नारायणपुर की हुई । सबसे बड़ी कमी है, मैं राजनीतिक तौर पर सबको छोड़कर बोलता हूं और समाप्त करता हूं। मैं इस विभाग में बोलना नहीं चाहता हूं । मैंने बोला केवल पर्यटन और धर्मस्व है आपके पास । पीडब्ल्यूडी में कहा कि यह केवल टेंट लगाने वाला विभाग है, दुर्घटना करने वाला विभाग है, अंधे मोड़ को आप चार साल में खत्म नहीं कर सके । मेरा 139 की सूचना लगी है । पाटन का एक एस.डी.ओ. आपकी नहीं सुनता, ई.ई. की तो बात छोड़ दीजिए वह तो अपने सचिव की भी नहीं सुनता, जो ई.इन सी. है वह । एस.डी.ओ. से बात मनवा लो तो मान जाऊंगा मैं । छत्तीसगढ़ की संस्कृति, छत्तीसगढ़ का पर्यटन स्थल, छत्तीसगढ़ के ट्रस्टों की सम्पत्ति, जिसके कारण मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ, इतनी समृद्ध है, इतनी समृद्ध है कि हिंदुस्तान के किसी भी राज्य से तुलना कर लो, यदि उसका पुनर्लेखन किया जाए तो उत्तर पाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल, पूर्व पाषाणकाल जहां से मानव इतिहास का क्रम मिलता है से लेकर आज तक आधुनिक इतिहास तक, हर दौर में छत्तीसगढ़ की ज्वलंत उपस्थिति दिखेगी । दुर्भाग्य है कि आपने राजनीतिकरण कर दिया । भाजपा वाले राम का नाम मानते हैं, अरे हम मानते हैं या नहीं मानते हैं उसको छोड़ो, आप हर जगह राम की प्रतिमा लगा देंगे, उसकी जगह में उसको इनोवेशन कर सकते थे, गुरूग्राम की कंपनी को ही बोलकर । रामायण कैसे पढ़ते हैं छत्तीसगढ़ के लोगों को गुरूग्राम की कंपनी नहीं बता सकती । सीधे समझ में आता है वह क्या हो रहा है । मेरा आपसे विनम्र आग्रह है, मैंने जेल के बारे में तो बोला नहीं, आपने लिख दिया है आध्यात्मिक काम होता है । आध्यात्मिक काम का कोई उल्लेख नहीं है । कल हम लोग बैठे थे, आपने जेल सुधार के बारे में एक लाईन नहीं लिखा है, एक लाईन । आप तिहाड़ को देखकर आइए, अभी एक माननीय मंत्री जी गए उन्होंने विप्सनया की सुविधा मांगी, ऐसा ऐसा करूंगा तो जेल अधिकारियों ने कहा कि विपस्नया का सेंटर यहां बना है, आपने यहां आध्यात्मिक लिखा है । आध्यात्मिक नाम की कोई चीज नहीं है, केवल योगा की ही फोटो लगी है । योग और आध्यात्म दूसरी चीज है । मैं आपसे अनुरोध करता हूं यदि आप छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र हैं तो अपेक्षाएं जो की जाती है तो कम से कम पर्यटन संस्कृति के क्षेत्र में आपको छत्तीसगढ़ के इतिहास के साथ तोड़ मरोड़ नहीं करना चाहिए । भाजपा की सरकार ने यदि 15 साल में गलत किया तो आपके पास एकाध चीज थी दिखाने लायक । मैंने पीडब्ल्यूडी का बोला, डेढ़ साल का उदाहरण बताया । एक भी चीज बता तो जिसको आपने किया हो । आखिरी बात बोल देता हूं कि जो बैठे हैं ना, उनके ऊपर नियंत्रण कीजिए और नहीं तो फिर मुझे ड्यूटी दीजिए मैं रोज दो हाथ पीछे फेंकने

आपके बंगले में आऊंगा । छत्तीसगढ़ में आपका इकबाल दिखे । यह अपराधियों का अभ्यारण्य मत बने । सभापति महोदय, आपको बहुत बहुत धन्यवाद्।

समय :

03:00 बजे

श्री अरूण वोरा (दुर्ग शहर) :- माननीय सभापति महोदय, हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी की परिकल्पनाओं के अनुरूप हमारे प्रदेश के गृह, सड़क...।

श्री अजय चंद्राकर :- अरूण जी, एक लाईन को शामिल कर लेना, मैं टोक नहीं रहा हूं। खूंटाघाट में ग्लास हाउस बन रहा है, वहां पर्यावरण पक्षी प्रेमी आते हैं। पूरे बिलासपुर के लोग विरोध कर रहे हैं। यह बोल देंगे। लेकिन वह बन ही रहा है। 10 लाख में क्या ग्लास हाउस बनेगा, समझ में नही आ रहा है। बोलिए अब।

श्री अरूण वोरा :- हमारे प्रदेश के गृहमंत्री की मांग संख्या 24, 67, 76, 3, 4, 5, 51, 37 के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। माननीय सभापति महोदय, आज से 15 साल पहले प्रदेश के क्या हालात थे, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। सड़कों की जो दुर्दशाएं थी, लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे और कालकलवित हो रहे थे। यह बात प्रदेश का हर नागरिक बहुत अच्छी तरीके से जानता है। कानून व्यवस्था किस तरीके से छिन्न-भिन्न थी, लोग बुरी तरीके से इस व्यवस्था से प्रभावित थे। लोगों को धर्म के नाम पर लड़ाया जा रहा था, जबकि आज आप देख रहे हैं, जब से कांग्रेस पार्टी की सरकार आई है, लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। आज जो राम वन गमन पथ की बात करते हैं, कौशिल्या धाम की बात करते हैं, यह भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में हमको कहीं दिखलाई नहीं दी। छत्तीसगढ़ सरकार की गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की भावनाओं से ओत-प्रोत होकर हमारे मंत्री जी ने अंतर्राष्ट्रीय सड़क नेटवर्क स्थापित कर रहे हैं, बल्कि ना केवल राज्य के सुदुर क्षेत्रों में मुख्य मार्गों से जोड़ने और जनसामान्य के लिए आवागमन की सुविधा स्थापित कर रहे हैं। मैं माननीय मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने अपने इस कार्यकाल में लगभग वर्ष 2022-23 में 253 करोड़ 66 लाख रूपए का व्यय किया जिसमें सड़कों का निर्माण कराया, सड़कों का डामरीकरण किया, सड़कों का नवीनीकरण किया और सड़कों की मरम्मत के लिए अभी वर्तमान में वर्ष 2023-24 में 803 करोड़ रूपये की राशि माननीय मंत्री जी ने रखी है। मैं बहुत बड़ी बात ना करते हुए यह बात कहूंगा कि पूरे प्रदेश का बहुत अच्छे ढंग से विकास हो रहा है। दुर्ग का भी जो विकास है, मैं मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा, हमारे दुर्ग में दो अंडरब्रिज, ठगड़ाबांध, इसका निर्माण भी माननीय मुख्यमंत्री के भावनाओं के अनुरूप आपने करवाया। अब मैं माननीय मंत्री जी से थोड़ा सा कहना चाहूंगा, उसकी बात अपनी बात समाप्त करूंगा। साईंस कॉलेज जो दुर्ग में है, उसके आडिटोरियम निर्माण के लिए वे 5 करोड़ रूपये की राशि देंगे और जेल तिराहा से मिनीमाता चौक तक के लिए आप उसमें राशि आवंटित करेंगे। इंदिरा मार्केट से स्टेशन तक

सड़क की डामरीकरण के लिए राशि देंगे। बघेरा में ब्रम्हकुमारी आश्रम के लिए 1 करोड़ रूपये राशि की आवश्यकता है, आप देंगे। आप अच्छी तरीके से जानते हैं, आप स्वयं गये हैं। धमधा ओवरब्रिज जो काफी पुराना हो चुका है, उसके निर्माण के लिए आप राशि देंगे। रविशंकर स्टेडियम के लिए भी मैंने मांग की थी और आपने कहा था कि इसका प्रावधान रखा गया है। बघेरा उरला में अंडरब्रिज के लिए राशि देंगे। दुर्ग में एक सर्वसुविधायुक्त वृद्धाश्रम की और आवश्यकता है, उसके लिए भी आप स्वीकृति प्रदान करेंगे। जिस तरीके का कार्य आपके कार्यकाल में हुआ है उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत बधाई और साधुवाद देते हुए, अपनी बात को समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री ताम्रध्वज साहू द्वारा प्रस्तुत सारी डिमांड मांगों का मैं विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे विरोध का कारण यह है कि 2018 के जब चुनाव हुए तो कांग्रेस का श्लोगन था, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ और आज चुनाव के सवा चार साल बाद छत्तीसगढ़ में जो गढबो नवा छत्तीसगढ़ था, वह अपराध के गढ़ के रूप में गढ़ने का काम हुआ है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ की पहचान शांति के टापू के रूप में होती थी। इस सवा चार साल में छत्तीसगढ़ अपराध के गढ़ के रूप में परिवर्तित हुआ है। दुनिया में घटित होने वाला कोई भी ऐसा अपराध नहीं है जो छत्तीसगढ़ में घटित न होता हो। माननीय मंत्री जी के पास चार महत्वपूर्ण विभाग है। कानून का राज्य स्थापित करना है, आवागमन के लिए सड़कें ठीक करना है। पर्यटन को विकसित करना है। धर्मस्व भी है, पर मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि चारों विभाग में यह सरकार और माननीय मंत्री जी काम करने से पूरी तरह से असफल हुए हैं। पुलिस का तो पूरी तरह से राजनीतिकरण हो गया है। जिन बातों को बृजमोहन जी और अजय जी ने बोला है, मैं उन बातों को नहीं दोहराऊंगा। परंतु मैं आपके सामने कुछ बातें रखना चाहता हूं कि पुलिस का क्या उपयोग होता है? पुलिस का उपयोग जनप्रतिनिधि के खिलाफ केस बनाने में होता है। हमारे सदन के साथी प्रमोद कुमार शर्मा जी जन आंदोलन में सम्मिलित हुए तो उनके खिलाफ मामला पंजीबद्ध हो गया। जब मामला पंजीबद्ध हुआ तो आप चालान पुटअप करिये न। लेकिन इनको केवल टॉर्चर करना है। हमने मामला पंजीबद्ध कर लिया है और जिस दिन हमको लगेगा कि आज आपको किसी काम से रोकना है, उस दिन हम आपके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। सत्ता पार्टी की विधायक छन्नी चंदू साहू जी से विचारों में थोड़ा सा मतभेद हुआ और उनके पति अंदर हो गये। कार्रवाई कैसे होती है? एक मोटर साइकिल में 3 लोग 8 पेटी शराब लेकर जा रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होती है।

माननीय सभापति महोदय, कानून-व्यवस्था की यह स्थिति है। माननीय मंत्री जी कबीर पंथी हैं। छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ के आश्रम में इनकी पार्टी का प्रमुख नेता बीच रोड पर कब्जा करता है और पूरी गली समाप्त हो जाती है। कबीर पंथ के आश्रम में जो कीचन बना हुआ है उस कीचन के ऊपर वह अपना स्लेप डाल देता है। उस पर न लोक निर्माण विभाग और न पुलिस कोई कार्रवाई करती है।

माननीय सभापति महोदय, महादेव सट्टा पर बहुत बातचीत हो चुकी है। नक्सली घटनाओं की क्या स्थिति है? आप पिछले 2 महीने का रिकॉर्ड उठा कर देख लीजिए कि कितने लोग मारे गये? केवल पुलिस की मुखबिरी के संदेह पर जवान बालक को मारा गया। कवासी जी यहां पर नहीं हैं। सीलगेर में क्या हो रहा है? आप नक्सली घटनाओं को रोकने के लिए क्या कर रहे हैं? माननीय शैलेश पांडे जी बहुत जोरदार भाषण दे रहे थे लेकिन यह समझ में ही नहीं आया कि वह किस विभाग पर बोल रहे थे। मैं शैलेश पांडे जी का भाषण उन्हीं को याद दिला देता हूं।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- वह ज्ञान की बातें बता रहे थे।

श्री शिवरतन शर्मा :- बिलासपुर के थाने के उद्घाटन में माननीय गृहमंत्री के सामने उनका भाषण हुआ और उन्होंने यह मांग की कि थाने की रेट लिस्ट लगा दीजिए। किस कार्य के लिए कितना लगेगा और माननीय मंत्री जी ने कहा कि यह विषय यहां पर बोलने का नहीं है। यदि आपको कोई शिकायत है तो आप मुझे आवेदन लिखकर दे दीजिए। अब शैलेश जी ने आवेदन दिया या नहीं दिया? यदि आपने आवेदन दिया तो माननीय मंत्री जी ने उस पर क्या कार्रवाई की? यह तो मंत्री जी बताएंगे।

माननीय सभापति जी, प्रमोद कुमार शर्मा, छन्नी चंदू साहू, कल कैलाश चंद्रवंशी के मामले के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई, राजेश मूणत जैसे जो सरकार का विरोध करे, उसके खिलाफ मामला कायम करो। प्रदेश में धर्मान्तरण की स्थिति क्या है ? अभी अजय चंद्राकर जी सुकमा के एस.पी. के पत्र का जिक्र कर रहे थे। एस.पी. ने पत्र में स्पष्ट लिखा है कि यह संवेदनशील मामला है और इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जब धर्मान्तरण पर चर्चा होती है तो मंत्री जी बोलते हैं कि आपकी सरकार में कितना धर्मान्तरण हुआ? चर्चा आपके बजट पर हो रही है, चर्चा आपकी सरकार के कार्यकाल में हो रही है तो धर्मान्तरण को रोकना आपका काम है।

माननीय सभापति जी, शैलेश जी बोल रहे थे कि हम अखण्ड भारत बनाएंगे। शैलेश जी, क्या आपको यह मालूम है कि भारत का विभाजन क्यों हुआ था ? मोहम्मद अली जिन्ना ने जो विभाजन की मांग की थी तो उनहोंने किस आधार पर देश के विभाजन की मांग की थी ? केवल मजहब के आधार पर देश के विभाजन के मांग हुई थी और हमारी मातृभूमि का विभाजन हुआ था। आज पूरा बस्तर धर्मान्तरण का एक बहुत बड़ा स्थान और अड्डा बन चुका है। मंत्री जी, यदि इसको गंभीरता से नहीं लिया गया तो लॉ एण्ड ऑर्डर की जो स्थिति निर्मित होगी उसको आप संभाल नहीं पाएंगे। अभी क्या हो रहा है कि चित्रकोट विधान सभा में एक घटना घटी।

श्री अमरजीत भगत :- शर्मा जी, क्या आप सुनना चाहेंगे ? क्या मैं आपको आईना दिखाऊं ?

श्री शिवरतन शर्मा :- बोलिए ।

श्री अमरजीत भगत :- आपकी पार्टी बहुत लंबी-लंबी सैद्धांतिक बात करती है। आपके नार्थ ईस्ट राज्य के मुख्यमंत्री यह बोलते हैं कि हम बीफ खाएंगे, आप रोक नहीं सकते । उस सभा में आपके केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी थे और वे उस बात की तारीफ करते हैं । आप दो तरह की बात करते हैं । एक तरफ चाईना हिन्दुस्तान में कब्जा कर रहा है, उसको रोक नहीं पा रहे हैं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय सभापति जी, आप बस्तर से आते हैं । बस्तर के चित्रकोट विधान सभा क्षेत्र के गांव में क्या हुआ ? एक धर्मांतरित व्यक्ति की मृत्यु हुई और उसकी मृत्यु के पश्चात् उसके अंतिम संस्कार का कार्यक्रम होना था। पेशा कानून आपने ही लागू किया है । वहां के आदिवासी समाज के लोग अड़ गए कि हमारा मरघट है और यहां अंतिम संस्कार उसी को करने देंगे, जो आदिवासी समाज की रीति-रिवाज से करेगा । वहां 5 हजार से ज्यादा लोग इकट्ठे हुए । पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा । यह सरकार पूरे छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण कराने में लगी हुई है ।

श्री अमरजीत भगत :- आप केवल इस बात को स्पष्ट करिए कि आप एक तरफ धर्मांतरण रोकने की बात करते हो और दूसरी तरफ आपकी पार्टी के नेता बोलते हैं कि मस्जिद में भी जाओ, उनके साथ बैठकर खाना खाओ । यह दो तरह की बात क्यों करते हो ? आपका क्या सिद्धान्त है, अप उसको स्पष्ट करो । चुनाव आता है तो आप मस्जिद, गिरिजाघर जाने की बात करते हो । ये दो तरह की बात नहीं चलेगी ।

श्री शिवरतन शर्मा :- सभापति महोदय, चिटफंड कम्पनी की बहुत बात हुई। आपने स्वीकार किया है कि आपने चिटफंड कम्पनियों का 32 करोड़ रूपए वापस किया है, पर आपने चिटफंड कम्पनी के लिए कितने का विज्ञापन दिया ? 32 करोड़ रूपए की वापसी हुई और विज्ञापन का खर्च 100 करोड़ हुआ । हम चिटफंड कम्पनी का पैसा वापस कर रहे हैं । अकेले सहारा में छत्तीसगढ़ की जनता का 2 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा डूबा हुआ है ।

श्री अमरजीत भगत :- हमने वापस कराया है ।

श्री शिवरतन शर्मा :- एक पैसा वापस नहीं हुआ । मंत्री जी, आपको बोलते हुए लज्जा आनी चाहिए । 2 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा सहारा में डूबा हुआ है और सदन में गृहमंत्री जी का जवाब है कि हम सहारा के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर सकते ।

श्री अमरजीत भगत :- आप लोग रोजगार मेला लगाकर लोगों का पैसा खाने का काम करते थे । हमारी सरकार ने पैसा वापस कराने का काम किया है । आप थोड़ी सी लज्जा करो । हमने चिटफंड कम्पनी का पैसा वापस कराया ।

श्री शिवरतन शर्मा :- आपने तो जन-घोषणा पत्र में लिखा था कि हम चिटफंड कम्पनी का पैसा वापस कराएंगे । आखिर आप सहारा का पैसा वापस क्यों नहीं कराते? सवा चार साल में कितना पैसा दिला चुके हो ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- धीरे-धीरे सबका पैसा वापस करवाएंगे, आप लोगों ने तो इतना सारा काम करके रख दिया है ।

श्री शिवरतन शर्मा :- तै सिन्हा जी के पईसा ला वापस करवा देबे, बाकी दुनिया के बात ला छोड़ । सभापति जी, मैंने कहा कि छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है । रायपुर में औसतन एक हत्या रोज हो रही है । अभी जो क्राईम संस्था ने रिपोर्ट जारी की है, उसमें छत्तीसगढ़ अपराध में 10वें स्थान पर हैं । प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध बढ़ रहा है । 2019 में 334.7, 2020 में 352.9 है और 2021 में 373.7 है । अपराध का रेश्यों बढ़ रहा है । आपके अकेले बस्तर में 2021-22 से जनवरी, 2023 तक दुष्कर्म के 362 मामले हुए हैं, पास्कों के 492 मामले, छेड़खानी के 472 मामले, दहेज मृत्यु के 5 मामले हुए हैं । अपराध के मामले पूरी तरह से बढ़ रहे हैं ।

सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सरकार बनी तो शुरू में एक साल में बड़ा टेरर पैदा किया गया कि हर काम के लिए एस.आई.टी. का गठन करेंगे । आपने कितनी एस.आई.टी. गठित की और एस.आई.टी. के गठन का परिणाम क्या आया ? झीरम घाटी की घटना का उल्लेख मैं इस सदन में कई बार कर चुका हूं । माननीय मुख्यमंत्री जी का भाषण होता था कि झीरम के सबूत मेरी जेब में हैं और अब बात होती है कि धरम कौशिक जी केस वापस ले लें, नहीं तो प्रदेश की एस.आई.टी. जांच करेगी । छत्तीसगढ़ के डी.जी.पी. बस्तर की घटनाओं की जांच के लिए एन.आई.ए. को पत्र लिख सकते हैं तो अगर झीरम की घटना की जांच एन.आई.ए. कर रही है तो मुख्यमंत्री जी एन.आई.ए. के सामने अपनी जेब से सबूत निकालकर प्रस्तुत क्यों नहीं करते ? माननीय गृहमंत्री जी, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे तो कानून में है कि अगर अपराध के किसी तथ्य को छिपाया जाता है तो उसके खिलाफ हम मामला पंजीबद्ध करते हैं, उसको सह अपराधी बनाते हैं । सदन में मुख्यमंत्री जी 10 बार बोल चुके हैं कि मेरे पास सबूत है । अगर सबूत है और वे प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं, तो तथ्यों को छिपाने का आरोप माननीय मुख्यमंत्री के ऊपर लगता है और माननीय मुख्यमंत्री के खिलाफ भी आपराध कायम करना चाहिए। आप गांव के एक सामान्य व्यक्ति के खिलाफ अपराध कायम कर सकते हो। जिसमें छत्तीसगढ़ के राजनेता मारे गये हैं, 34 नेता मारे गये और उसके सबूत को मुख्यमंत्री जी छिपा रहे हैं तो डी.जी.पी. में हिम्मत होनी चाहिए कि ऐसे मुख्यमंत्री जी के खिलाफ भी मामला कायम करें।

श्री अमरजीत भगत :- शिवतन भाई, आपको शर्म आनी चाहिए। इधर देखकर (श्रीमती देवती कर्मा, सदस्य) बात करो। झीरमघाटी पर बात करने का नैतिक अधिकार है ? आप उधर देखकर बात करो। आप बात करते हो, थोड़ा भी नही लगता है।

श्रीमती देवती कर्मा :- इधर देखकर बात करिये। झीरमघाटी पर पट्टी बांधकर रहे। कान में रूई डाले रहे, उधर आरोपी नहीं पकड़े गये, आपके सरकार में ऐसा हुआ।

श्री शिवरतन शर्मा :- ऐसा है भाभी जी, जो पीड़ित हैं, उनके प्रति मेरी संवेदना है। झीरमघाटी के मामले में मुख्यमंत्री जी पूरे छत्तीसगढ़ की जनता को गुमराह कर रहे हैं। (व्यवधान)

श्रीमती संगीता सिन्हा :- एक महिला की दर्द को समझो।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- फोन की घंटी बज रही थी।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आप लोग तो फोन को भी छिपाकर रखे थे।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय सभापति जी, अंतागढ़ टेपकाण्ड के लिए एस.आई.टी. गठित हुई। नान घोटाले के लिए एस.आई.टी. गठित हुई। आर्थिक अन्वेषण, सन् 2009, 2015 के लिए एस.आई.टी. गठित हुई। 2019 में एस.आई.टी. गठित हुई। इस एस.आई.टीज. का क्या हुआ ? माननीय सभापति जी, एक भी एस.आई.टी. की रिपोर्ट आई है क्या ? 4 साल हो गए।

श्रीमती देवती कर्मा :- आप लोग आरोपी नहीं पकड़े, हमारे नेता लोग शहीद हो गए

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- सुरक्षा नहीं दिए।

सभापति महोदय :- चलिये बैठिये, हो गया, हो गया। बैठिये।

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- आपकी सरकार थी, फोन नहीं उठाये। नैतिकता की बात कर रहे हो। फोन तक नहीं उठाये।

सभापति महोदय :- चलिये बैठिये। बैठिये, बैठिये।

डॉ.(श्रीमती) लक्ष्मी ध्रुव :- मुख्यमंत्री जी का दरवाजा खटखटाये।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आपको झीरमघाटी के बारे में बोलने का अधिकार नहीं है।

सभापति महोदय :- चलिये बैठिये।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय सभापति जी, जन घोषणा-पत्र में पुलिस विभाग के लिए बहुत सी बात करने की बात कही गई थी। आपने क्या किया ? आवास की क्या स्थिति है ? आपके 65 हजार अधिकारी-कर्मचारी हैं और आपके पास 12 हजार आवास है। पुलिस परिवार के बच्चों के लिए शिक्षा ऋण अनुदान की व्यवस्था नहीं है। तृतीय श्रेणी कर्मचारी की वेतनवृद्धि नहीं है। पुलिस के भत्ते में कोई वृद्धि नहीं है। साप्ताहिक छुट्टी की बात की जाती है। मेरे प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्वीकार किया है कि वर्ष 2022 में केवल 113 पुलिस कर्मचारियों को साप्ताहिक छुट्टी दी गई है। शहीद परिवारों को दी जाने वाली राशि में वृद्धि नहीं है। सभी थानों में महिला सेल गठित करने की बात थी, महिला सेल का गठन नहीं हुआ है। पेट्रोल भत्ता किट नहीं दिया जा रहा है। कुल मिलाकर गृह विभाग में जो होना चाहिए था, वह नहीं हो रहा है।

माननीय सभापति महोदय, साहू जी जैसे ही लोक निर्माण विभाग के मंत्री बने और एक्सप्रेव हाईवे की जांच की घोषणा की गई। समाचार-पत्रों में बड़ा-बड़ा बयान आया कि कोई दोषी नहीं बक्शा

जायेगा। सबके खिलाफ कार्यवाही होगी। माननीय साहू जी बतायेंगे कि पिछले 4 सालों में कितने ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही की गई, कितने अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही हुई। आपकी जांच का क्या हुआ ?

माननीय सभापति महोदय, स्काई वॉक को पी.डब्ल्यू.डी. विभाग बना रहा है। आपकी इससे बड़ी असफलता क्या होगी कि सवा चार साल में तय नहीं कर पाये कि उसका क्या करोगे ? जिस काम को टालना हो उसके लिए समिति बना दो, समिति का सभापति आदरणीय सत्तू भइया को बना दो। चाहे शराब बंदी का मामला हो, चाहे स्काईवाक का मामला हो, आपके कितने ओव्हर ब्रिज बन रहे हैं ? कुम्हारी ओव्हर ब्रिज की घटना होती है, माननीय मुख्यमंत्री जी का निर्वाचन क्षेत्र है। क्या इससे बड़ी कोई लापरवाही हो सकती है कि ओव्हर ब्रिज में एक परिवार गिर जाये, उसकी मृत्यु हो जाये। टाटीबंध का ओव्हरब्रिज पूरा नहीं कर पाये। लिमतरा-भाटापारा- बलौदाबाजार मार्ग पर इस विधानसभा में 3 बार चर्चा हो चुकी है। आज तक ठेकेदार और दोषी अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

माननीय सभापति महोदय, राम वनगमन पथ की बात होती है। आप बोलते हैं कि हम ये कर रहे हैं, वह कर रहे हैं। अजय जी ने इस पर बहुत विस्तार से बात रखी है। ये राम वनगमन पथ की बात करते हैं तो ऐसा लगता है कि कालनेमी के रूप में यह सरकार बैठी है, जैसे हनुमान जी को रोकने का काम कर रही है । बोर्ड लगाने में 2 करोड़ रूपये का प्रावधान ....।

सभापति महोदय :- 20 मिनट हो गये हैं । कृपया समाप्त करें ।

श्री शिवरतन शर्मा :- 2 करोड़ का प्रावधान पेड़ लगाने के लिये है, माननीय सभापति जी, राम वनगमन क्षेत्र में किसी प्रकार का कोई काम नहीं हुआ है । दो साल में वृक्षारोपण हुए हैं, वृक्षारोपण की क्या स्थिति है, स्वयं आप देख लें । 80 परशेंट वृक्ष समाप्त हो चुके हैं । पिछले तीन साल से चाहे आम बजट हो, चाहे महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण हो, उसमें राम वनगमन पथ का विषय आ रहा है । माननीय सभापति जी, यह सरकार ना कानून व्यवस्था की स्थिति को संभाल पा रही है, ना पी.डब्लू.डी. को ढंग से चला पा रही है, पर्यटन के क्षेत्र में तो भगवान ही मालिक है, जो बजट है, उसे पूरा नहीं कर पा रहे हैं ।

सभापति महोदय :- चलिये, समाप्त करियेगा ।

श्री शिवरतन शर्मा :- न पी.डब्लू.डी. का बजट खर्च कर पा रहे हो, न पर्यटन का बजट खर्च कर पा रहे हो, इसलिये हम आपकी मांग का विरोध करते हैं । माननीय उपाध्यक्ष जी, आज एक महत्वपूर्ण बात यह है कि लगभग 2 लाख लोग अपने आवास की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की सड़क पर हैं । 2 लाख लोग आ चुके हैं । 2 लाख लोग हैं, जिनकी छत को छीनने का काम इस सरकार ने किया है । आपने समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सभापति महोदय :- श्री धर्मजीत सिंह जी ।

श्री धर्मजीत सिंह (लोरमी) :- माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी के अनुदान मांगों का विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूँ । किसी भी प्रदेश के विकास का द्योतक, विकास का पैमाना, उस प्रदेश की तरक्की का जो मापदण्ड निर्धारित होता है, वह चारों ही विभाग हमारे वरिष्ठ मंत्री के पास है । कानून और व्यवस्था का गृह विभाग, आवागमन का पी.डब्लू.डी. विभाग, टूरिस्म विभाग, धर्म-कर्म के लिये धार्मिक विभाग, सारे महत्वपूर्ण विभाग जो किसी प्रदेश को तरक्की के रास्ते में ले जाने के लिये आवश्यक है, वह आपके पास है । सभापति महोदय, मैं यह बिल्कुल नहीं कहता हूँ कि आपने कोई काम नहीं किया है । आपने काम करने का प्रयास किया है, हुआ भी है, लेकिन सब असंतुलित हुआ है । सभापति महोदय, पहले मैं गृह विभाग की बात करूं, प्रदेश में गृह विभाग में कानून और व्यवस्था की स्थिति कई जगहों पर बहुत खराब है । अभी आपके एक थानेदार को थाने के पास मार डाल गया, योगी आदित्यनाथ के उमेश पाल के मर्डर में तीन गनर जो मारे गये, दो को उन्होंने ठोंक दिया, आप भी पकड़कर ठोंक दो । बांगों के जंगल में ले जाकर उनको गोली मार दो, कुछ नहीं बोलेंगे । हमारे सिपाही, हमारे जवानों को कोई इस प्रकार से नृशंस हत्या करे और हम कानून की दुहाई देते बैठे रहे । सभापति महोदय, यह अपराधियों का कितना दुस्साहस है, एक थानेदार को काट डाला गया, वह अपराधी पकड़ाया, नहीं पकड़ाया है, मुझे मालूम नहीं है, क्योंकि मैं दो तीन दिन से यहां हूँ, इसमें ज्यादा पता भी नहीं कर पाया हूँ । वह एक अलग चीज है । सट्टा, जुआ, अपहरण, बलात्कार, चैन छीनना, इसके जमीन में कब्जा कराओ, उसके जमीन में कब्जा कराओ, यह सब सत्तारूढ़ पार्टी के संरक्षण में हो रहा है । बिलासपुर में तो जमीनें तक उड़ रही है । बिलासपुर में अगर खाली जगह कोई देख लिया तो वहां जाकर सबेरे जेब से ऐसा रूमाल निकालता है और रूमाल रख देता है, मतलब वह उसका हो गया, क्योंकि उसको सत्ता का संरक्षण है । पुलिस वाले उसको संरक्षण देते हैं, आदमी भयभीत है, अपने ही चीज की हिफाजत कैसे करे, अपने जान-माल की हिफाजत कैसे करे, कहीं पर भी चौक-चौराहे में गुण्डे, मवाली, सब खड़े हैं और ऐसा तिरछा मोटर सायकल लगाकर बीच सड़क पर बैठते हैं, पुलिस क्या कर रही है ? सबको दो-दो लात लगाओ और अंदर करो। डर का नाम ही तो पुलिस है ना। एक-एक आदमी के पीछे तो एक पुलिस खड़ी नहीं रहेगी। आपने ही मुझे जवाब दिया है कि छत्तीसगढ़ में 1 हजार आदमी में 2.3 पुलिस है। आपने ही मुझे जवाब दिया है कि आपके 80 हजार पद खाली है। उसमें आपके 17 हजार पद खाली है। अब यह बताईये कि कोई बहुत बड़े प्रोजेक्ट में 2 सौ करोड़ का प्रावधान करने से वह खर्चा तो होगा नहीं क्योंकि मुझे मालूम है कि छोटी-छोटी सड़क और पुल-पुलिया जो 2022-23 के बजट में है, वह आज तक अंगीकार नहीं हो सका है, स्वरूप में नहीं आ सका है। इन 17 हजार रिक्त पदों पर बच्चों की भर्ती कर देते। हमारे छत्तीसगढ़ के 17 हजार बच्चे आपकी पुलिस में जवान हो जाते। उनका उपयोग करते, उनको सड़क पर लाकर खड़े करते, थाने में बैठाते, पुलिस कानून की व्यवस्था को दिखवाते। आप कुछ तो भर्ती करने का प्रयास करिये। छत्तीसगढ़ की पुलिस को जब तक ताकत नहीं देंगे, मजबूती

नहीं देंगे तो कम लोग ज्यादा लोगों को कैसे संभाल पायेंगे। यदि ज्यादा लोड डालेंगे तो कोई अपने आप को रायफल से गोली मार लेता है, कोई बैरक में गोली मार लेता है, दूसरे को नहीं। माननीय गृहमंत्री जी, यह भी दुखदायी स्थिति है। इस पर आपको विचार करना चाहिए था और अभी भी करने की कृपा करें। मैं आपको बिना खर्चे की एक चीज बता रहा हूं, जिससे आधी कानून व्यवस्था बिल्कुल ठीक हो जायेगी। 24 घण्टे के अंदर पूरा प्रदेश दुरूस्त हो जायेगा। यहां जो अधिकारी बैठे हैं, उनको अभी निकलकर यह बोलिये कि हर आई.जी. को यह बोला जाये कि जितने सूदखोर हैं, किसी का पासबुक, किसी का कोरा चेकबुक, किसी का तन्ख्वाह का विथड्रॉल रख लिये हैं। 2 रूपया देते हैं और 18 रूपये लेते हैं। सूदखोर लोग [xx] कर रहे हैं । सूदखोरों के आतंक में बिलासपुर सहित कई जगहों पर लोगों ने आत्महत्या की है। मैं लगातार अखबार में पढ़ता हूं कि आज इस मोहल्ले में आत्महत्या हो गयी। मैं नाम भूल रहा हूं, रोज-रोज वही तो पढ़ना पड़ता है। सबेरे उठो तो सूदखोर के आतंक में ये और सूदखोर की एक दाढ़ी वाला फोटो भी छपती है, बड़ी-बड़ी दाढ़ी रखते हैं। वह गुंडे नहीं है लेकिन बड़ी-बड़ी दाढ़ी बढ़ाकर शो करते हैं। दो लात लगाओगे तो सब ठीक हो जायेंगे। इन सबको थाना में बुलाकर बोल दो कि गुण्डागर्दी नहीं चलेगी और एक अपील जारी कर दो। गैर कानूनी लेन-देन में कोई भी पैसा किसी को लिये दिये हो तो कोई जरूरत नहीं है किसी को पैसा देने की। वह लोग भी मुक्त होंगे मरेंगे नहीं और यह दाढ़ी वाले सब क्लीन शेव करा कर ठीक-ठाक से रहेंगे। आप यह सूदखोर लोगों को ठीक कराईये।

जब अर्जुन सिंह जी मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने एक कमेटी बनाई थी "जनता पुलिस संबंध कमेटी"। जिसमें जनता और पुलिस के बीच के रिश्ते को मधुर और पारस्परिक सहयोगी बनाये जाने की एक कमेटी बनाई गयी थी। वहां पर उसकी कुछ रिपोर्ट्स होंगी, उसको मंगवा लीजिये। जब तक जनता और पुलिस का एक दूसरे के प्रति विश्वास, सम्मान और सहयोग नहीं रहेगा तो हम इन अपराधियों से कैसे निपट पायेंगे। परंतु जनता को पुलिस का इतना डर व्याप्त हो गया है कि वह थाने में जाकर बात करने से भी डरते हैं। थाने के रौबदार से डरता है। आप कृपा करके एक आदेश जारी करें कि हर थाने के गणमान्य लोगों के संग आपकी मीटिंग हो। वह लोग भी सहयोग करेंगे। आप मोहल्ले के बच्चों को एक छोटा-छोटा कुछ प्रवेश पत्र, पास टाइप का दे दो, तो वह लोग भी आपको रात में गश्त में सहयोग कर देंगे। जिससे चोरी रूकेगी, अपराध रूकेगा, तस्करी रूकेगी। जनता और पुलिस के बीच में संबंध ठीक होगा तब कानून व्यवस्था सुधरेगी। किसी भी प्रदेश का विकास तभी होगा जब वहां की कानून व्यवस्था ठीक रहेगी। मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूं, एक छोटी सी मांग भी कर रहा हूं इसको जरा गौर करियेगा। बहुत छोटी सी बात है लेकिन आपने और आपके अधिकारियों ने कभी विचार नहीं किया।

श्री अमरजीत भगत :- धर्म भैया, थोड़ा शेरो-शायरी के साथ बोलिये। क्या निरश-निरश। आप कुछ तो शायरी आने दीजिये।

श्री धर्मजीत सिंह :- भैया, मैं पुलिस वालो को क्या शेरो-शायरी सुनाऊं। अभी कुछ दिन पहले कवर्धा में एक एस.पी. थे। कुछ लड़के लोग उनको डी.एफ.ओ. ऑफिस में ज्ञापन देने गये थे। ज्ञापन देने जाते से लेकर पूरा वापसी आते तक, पूरा वीडियो शूटिंग है। परंतु कुछ नेताओं को पसंद नहीं आया उन्होंने एस.पी. को फोन किया कि वहां के एक एस.डी.ओ. फॉरेस्ट है, जो आदिवासी है। उनके नाम से इन लड़कों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट लिखवाओ । वह मना कर रहा है कि भईया मैं रिपोर्ट नहीं लिखवाऊंगा। उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए। 11 लोगों को एट्रोसिटी एक्ट में चालान कर दिया गया। वह एस.पी. सिर्फ नेता को खुश करने के लिए किया, उसका विवेक, जमीर और जागीर तो नहीं था कि वह कहता कि यह गलत है। जब यह बोलकर, फोर्सली बंद करा सकते हैं तो जब ऐसी पुलिसिंग करोगे तो उसके बाद ही कवर्धा में कानून और व्यवस्था खराब हुई थी। आप समझ गये ? तो अभी आपकी पुलिस से बोल नहीं सकते। हम लोग डरते हैं। माननीय अजय चन्द्राकर जी ठीक बोल रहे हैं। बाहर में हमसे अधिकारी पुराने रिश्ते में नमस्ते भी करना चाहते हैं तो वह डरकर दायें, बायें, तिरछा होकर निकलते हैं कि आप लोग देख मत लो। उनका नुकसान होगा, हमारा क्या घण्टा नुकसान होना है। आप, हमारा क्या नुकसान कर लेंगे ? यदि अधिकारियों को फोन करो, समय चाहिए तो कोई जवाब नहीं मिलता। हम लोग ने भी बात कर लिया कि यहां राजधानी न रहे तो 5 साल हम आपके साथ लिखा पढ़ी कर सकते हैं। हम रायपुर झांकने नहीं आएंगे। हमारा रायपुर में क्या काम है ? यहां हमारा कोई काम नहीं है। हम अपने घर में जाकर रहेंगे। एक समस्या है जब वर्ष 1980 में अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे तो पुलिस विभाग के जवानों को 500 रूपये वेतन मिलता था तो उनको 100 रूपये पौष्टिक आहार के लिए भत्ता दिया जाता था। उनको 500 रूपये में 100 रूपये पौष्टिक आहार के लिए भत्ता दिया जाता था। खैर आप तो नहीं जानेंगे, मैं भी नहीं जानता था मुझे भी किसी ने बताया, लेकिन आपकी बांयी तरफ उधर जो बैठे हैं, वह सब जान रहे हैं। जब आज सिपाही को मूल वेतन 9300 है तो 43 सालों बाद उनका पौष्टिक वेतन भत्ता 200 रूपये हुआ है। आपने 43 सालों में 100 रूपये पौष्टिक आहार के लिए भत्ता को 200 रूपये किया है। तो नरेन्द्र सिंह परिहार को कत्ल करके न आ जाये तो अपराधी क्या करेगा? उसको कुछ खाने पीने के लिए देते, कुछ पहलवानी करता, कुछ ताकत दिखाता। 43 सालों बाद अब आपने उसे पौष्टिक आहार के लिए 100 रूपये का, 200 रूपये भत्ता दिया है ।

समय :

3.32 बजे

(उपाध्यक्ष महोदय (श्री संतराम नेताम) पीठासीन हुए)

अब आप इस भत्ते को बढ़ाने के बारे में सोचिए। आप पैसे खर्च करने के बारे में सोचिए। आपका जवान तंदरूस्त रहे, मजबूत रहे। चले जाईये, आपको झारखण्ड जाना है कानूनी रूप से कोई प्रावधान है ? आप मुझे बताईये ? एक अपराध घटित हुआ और मान लीजिए यहां से पुलिस को झारखण्ड जाना है तो

जो टीम जाती है उसके लिए गवर्नमेंट के होम डिपार्टमेंट के कौन से प्रोविजन में कितना रूपया खर्च करने की बात है ? उसी समय फौरन जुगाड़ होगा, भाई आप देखना। तात्यापारा वाले, आजाद नगर वाले दरोगा साहब, आप देखना। माल-टाल कुछ खर्चा करके, वह लोग भेजते हैं। तो ऐसे में क्या काम होगा ? तो यह सब प्रावधान कर दीजिए ताकि उनके जवानों के ऊपर कोई समस्या न आने पाये।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूँ। मैं सलाह दे रहा हूँ। मैं आपकी आलोचना नहीं कर रहा हूँ क्योंकि वह कोई भी गृहमंत्री हो, चाहे वह भारत का गृहमंत्री हो या प्रदेश का गृहमंत्री हो, यह अपराध तो घटित होगा ही। पुलिस उसको पकड़ने का काम कर भी रही है कहीं सफलता मिलती है और कहीं नहीं मिलती है, लेकिन आप पुलिस को तो मजबूत कर सकते हैं, वह आपका काम है, आपके दस्तख्त से होगा। मैं और यह कहना चाहता हूँ कि पुलिस का राईफल एलाऊंस होता है 60 सालों बाद वह 10 रूपये से बढ़कर 20 रूपये हुआ है। यह कितना हुआ है, वह भत्ता 10 रूपये से बढ़कर 20 रूपये हुआ है। जब गोल बाजार के पास मेरी गाड़ी खड़ी होती है दो, तीन भिखारी परमानेंट हैं जो हमसे पैसा लेते हैं अगर उन्हें गलती से 10, 20 रूपये दे दो तो साले गाली बकते हैं। साला भिखारी हमें सिर्फ 20 रूपये दिया। हमें लज्जा आती है। छत्तीसगढ़ 1 लाख 21 हजार करोड़ का प्रदेश है जहां हीरा, सोना, चांदी, लोहा, बाक्साईट, मुरम, गिट्टी सब है। वहां के जवानों के लिए इस भत्ते को ज्यादा बढ़ा देंगे तो क्या हो जाएगा? आपका विभाग कोई गरीब थोड़ी हो जाएगा।

माननीय गृहमंत्री जी, माननीय गृहमंत्री जी, मैं तीसरी बात कहना चाहता हूँ कि अरूणेश कुमार वर्सेस स्टेट ऑफ बिहार सुप्रीम कोर्ट के एक केस में आदेश हुआ है कि जिन धाराओं में 7 साल से कम की सजा है उसमें विवेचनापूर्ण होने पर ही गिरफ्तारी की जाये, लेकिन यहां तो रिपोर्ट दर्ज हुई, विवेचना गया, उसे लाओ अंदर करो, भेज दो। अब जेल में 1000 कैदी की क्षमता है वहां 4000 लोग रह रहे हैं। कम से कम आप इसी का पालन करवा लीजिए। थोड़ा जेल में लोड कम कर दीजिए। मैं समझता हूँ कि इस पर आप देंगे और जरा यह राईफल एलाऊंस को भी बढ़ाने का कष्ट करेंगे । जेल में 47 से ज्यादा लोग बंद हैं जिनका छोटा-मोटा अमानत, जमानत के कागज में दस्तखत नहीं हुआ है। 47 लोग सरकार का इतना चावल, दाल खा चुके हैं कि जितना वह जुर्म नहीं किये हैं, उससे ज्यादा वह चावल, दाल, रोटी खा चुके हैं। आप एक वकील भेजकर उनको छोड़वा दीजिए न। 47 लोगों का लोड कम करिये न। अब उनका कोई दाई-ददा नहीं है, कोई मालिक नहीं है, 47 लोग पड़े हैं तो आप लिखा-पढ़ी करके उनको छोड़वा दीजिए। आपने कहा भी है कि कुछ करेंगे। थाने को सर्वसुविधायुक्त बनाईये। हमारे लोरमी का थाना अंग्रेजों के जमाने का है। मैं जब पहली बार लोरमी में गया था तो वही थाना जो देख रहा हूं, अभी 04 बार विधायक बनने के बाद भी मेरे को वही थाना दिख रहा है। कभी भी घोड़ा, करैंत सांप ऊपर से फट से टपकते हैं, कभी भी छिपकली हवलदार के पीठ में गिर जाती है। आप थाने को अच्छे से बनवा दीजिए न, थाना बनवाने में कितना पैसा लगेगा? थाने की बिल्डिंग लोरमी में बनवा दीजिए। वहां पर

जगह है। वहां के सिपाहियों का घर भी घोड़ा, करैंत सांप गिरने वाले उसी टाईप का है। उसको भी बदलवाकर वहां residensial आवास बनवा दीजिएगा। चिल्फी में जब आप उद्घाटन करने गये थे, हम आपका स्वागत करने आये थे। वहां जगह है, आपने कहा है तो वहां की भी थाना बिल्डिंग बनाने की कृपा करेंगे।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, लोक निर्माण विभाग में आ जाता हूं। बिलासपुर-रायपुर रोड नेशनल हाईवे की है। अगर आपका ड्राइवर बिलासपुर नहीं गया है तो आप यह मानिये कि वह रायपुर से चलेगा तो सीधा अकलतरा में उसको संज्ञान मिलेगा कि वह अकलतरा पहुंच गया है। अगर बिलासपुर का कोई ड्राइवर रायपुर नहीं आया है तो भिलाई में सुपेला पॉवर हाउस भिलाई स्टील प्लाण्ट जब देखेगा तब कहेगा अरे बाप रे मैं भिलाई आ गया। तो ऐसी जादूगरी वाली रोड बन गई है। क्योंकि यहां से जब हम जाते हैं तो बिलासपुर की तरफ जो रोड़ मुड़ती है वहां पर कोई बड़ी सी लाईन लगवा कर या कोई बड़ा सा बोर्ड लगवा दीजिए जिसमें इतना-इतना बड़ा बिलासपुर लिखा रहे, इतना बड़ा बिलासपुर 15 कलिोमीटर लिखा है, वह दिखता ही नहीं है। अब नौजवान लड़कों को दिखता होगा, हम लोगों को तो तकलीफ होती है। मैं एक बार खुद ही मस्तुरी तरफ चल दिया था। मैं आपसे ईमानदारी से बता रहा हूं। जब मैं रायपुर आता हूं तो हर बार ड्राइवर ला बोलता हूं कि देख रे इही मेर ले हे कि नई, इही मेर ले हे कि नई, हां, हां इही मेर हे। उसमें कुछ छेदा टाईप का चिन्ह बना लिये हैं। उसमें रायपुर आना पड़ता है। इसमें 5 हजार रुपये का तो खर्च है। आप एन.एच. वाले साहब को बोल दीजिए। वह नहीं लगाये तो आप लगवा दो कि ये बिलासपुर शहर और ये रायपुर शहर है। तो जो बाहर से हमारे छत्तीसगढ़ के दर्शन करने आते हैं, गांव, गली, गौठान देखने जाते हैं तो कम से कम वह बिलासपुर की जगह में मस्तुरी, रायगढ़, अकलतरा तो नहीं जायेंगे न। आप यह करवा दीजियेगा। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में मैं जब निकलता हूं तो कहां आ गयेस रे तो ड्राइवर बोलता है कि भैया सहजपुर आ गयेन। मैंने कहा कि सहजपुर नाम के तो मोर विधान सभा में गांव नई हे। सहसपुर को सहजपुर, पोढ़ी को पाढ़ा, बाडी को बाड़ा लिख दिया गया है। जो भी ठेकेदार है, कोई तीसरी, चौथी, पांचवीं फेल लोगों को पेन्टिंग का आर्डर दिया होगा, तो उसको जरा सा ठीक कराईये। अच्छा नहीं लगता कि गांव का नाम गलत लिख दिया गया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बजट का काम स्वीकृत होता नहीं है। मैं अभी-अभी जब वित्त विभाग में प्रश्न लगाया तो काम को मेरे प्रश्न लगाने के एक हफ्ते के बाद कारीडोंगरी के पुल का वित्त से क्लीयरेंस मिला। उसकी स्वीकृति मिली। उसके लिए आपको धन्यवाद और वित्त विभाग को भी धन्यवाद। लेकिन अब कोई कितना माथा-पच्ची करेगा। न हमारे से अधिकारी मिलते, फोन करो तो न जवाब देते हैं, 22 किलोमीटर मंत्रालय जाओ, यह पता नहीं चलता वह हैं कि नहीं हैं, परंतु उसकी स्वीकृति मिली। एक बात और कहना चाहता हूं। लोक निर्माण विभाग में तो अभी बड़ा-बड़ा काम तो होगा नहीं। कई पुल हैं, जैसे मैं यहां से बता रहा हूं कि लोरमी के पुल में रेलिंग टूट गई है, पंडरिया के हाफ

रिवर में इतना बड़ा-बड़ा रेलिंग टूटा है, अगर गाड़ी गिरे तो 25 फिट से ज्यादा हाईट है, उसमें गाडी गिर जायेगी। वह रेलिंग को तो ठीक करवा दीजिए। उसको सुधरवा दीजिए। उसको पुताई करवा दीजिए। वह चकाचक दिखेगा। यह लगेगा कि छत्तीसगढ़ का जोरदार लोक निर्माण विभाग है, पुल इतना चमकदार दिख रहा है। वह पुल घिनघिनहा टाइप दिख रहा है। इसको थोड़ा सा ठीक करा दीजिए। लोरमी के पुल के पास एक इतना बड़ा गड्ढा है कि उसमें अगर कहीं गिरे तो सीवरेज टाईप ही जैसे 25-30 फूट गड्ढे में गिरेगा और ठीक रेस्ट हाऊस के सामने है। मैं उसको सुरक्षित रखा हूं, संरक्षित इमारत सरीके कि जिस दिन मुख्यमंत्री आयेंगे, उस दिन रेस्ट हाऊस से निकलते ही दिखवाऊंगा कि यह देख लो। यह बिल्कुल 15-20 फुट में है। साहब, छोटी-छोटी चीजों को स्वयं संज्ञान में लेना चाहिए। मैं नहीं बोलता कि यह काम मंत्री का है। आप मंत्री हैं, पालिसी डिसीजन लेंगे, पैसा देंगे आप अपने अधिकारियों को बोलेंगे, लेकिन जो यहां अधिकारी हैं, उनके आंख के सामने में देखने के बाद कुछ नहीं करते हैं तो आप यह वर्क कल्चर पैदा करिये। यदि छोटी-छोटी चीजों को करने लगेंगे तो बहुत सी चीजों के ऊपर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना में आपने मंजूरी दिया। जब पूछता हूं तो बना ही नहीं है कहते हैं। दो-चार बने हैं, दो-चार नहीं बने हैं। अब उनसे कारण क्या पूछे । तो कृपा करके आप देख लीजियेगा और यदि लोरमी में सड़क चौड़ीकरण हो कसें तो करा दीजियेगा। हालांकि समय कम है, फिर भी आप जरूर देखियेगा। चौबे जी, मैं पर्यटन का पूरा पढ़ रहा था।

उपाध्यक्ष महोदय :- सर 20 मिनट हो रहा है और कितना समय लेंगे।

श्री धर्मजीत सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय, यहां बोलने वाला ही कहां है । 20 मिनट नहीं, 1 घंटा बोलवाई। आज तो भारत स्वतंत्र है। कोई है ही नहीं। (हंसी)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- चतुर्वेदी लोग चले गये हैं।

श्री धर्मजीत सिंह :- आज भारत स्वतंत्र है।

उपाध्यक्ष महोदय :- क्या है कि आज महिलाओं को कहीं जाना है।

श्री धर्मजीत सिंह :- हम अपनी इन सब बहनों का भाषण सुनेंगे और हम उन लोगों में से नहीं है कि हम अपना भाषण ठोक कर बाहर चले जाये और चाय पीये। इन लोगों को मैं खुद कहता हूं, बोलना चाहिए और इनके भाषण को हम सुनेंगे और सुनने के बाद इनको नंबर भी देंगे और सबको मेरिट लिस्ट में पास करेंगे। (हंसी) तो यह पर्यटन विभाग का है। इसमें जितना फोटो छपा है, मैं पढ़ रहा था। मैं तो बैगा रिसोर्ट चिल्फी में, जब वह बन रहा था, तब से जा रहा हूं। अभी भी जाता हूं, घूमता हूं। मैं तो हर ऐसी जगह जाना पसंद करता हूं जो सुंदर हो, खुबसूरत हो। वह बहुत अच्छा बना है। इसमें दो मत नहीं है। इसको और ठीक से सर्विस वगैरह दे तो वह रायपुर वालों के लिए भी बहुत नजदीक में कुल्लू मनाली सरीके पिकनिक स्पाट है। आप में से कितने लोग देखे हैं, यह नहीं मालूम। लेकिन आप लोग चिल्फी जरूर जाईये। मंत्री जी सारी व्यवस्था करके भेजवा देंगे। खाना, वेज, नान-वेज सब चीज आपको मिलेगा।

दोनों अलग-अलग मिलेगा। यह सब फोटो भाजपा शासनकाल का बना हुआ है। आपके कार्यकाल में बहुत कम बना होगा। एकाध-दो बना होगा, मैं नहीं बोलता, क्योंकि मैं देखा नहीं हूं, लेकिन इनको और बनाने की कोशि होना चाहिए। मंत्री जी, मैं उस दिन बोल रहा था। मैं आपके खिलाफ थोड़ी बोल रहा था। अब आपसे न बोले तो और कहां बोलें। आपके अधिकारी के पास बालूंगा, वह रिपोर्ट लिखवा देंगे। सरकारी काम में बाधा। जुर्म जरायम लग जायेगा। आप तो कृपा करके ऐसा नहीं करते हैं न। तो आप से ही बोलेंगे। आपको कोई अपमानित करने का इरादा न पहले था, न है, न रहेगा, क्योंकि हम आपका बहुत सम्मान करते हैं। आप इस छत्तीसगढ़ के माटी का सपूत हैं तो आपके दिल में दर्द है। आपको बोलेंगे तो उसका हल होगा। यह हमको पूरा भरोसा है, इसलिए बोलते हैं। तो मैं यह कह रहा था कि आपने चैतुरगढ़ का जिक्र टूरिस्ट सेंटर के रूप में किया है। चैतुरगढ़ की देवी का मंदिर, मैंने जानता कि आप वहां गये हैं या नहीं गये हैं। आप गये हैं? हाँ या ना बताईये। मैं आपको भेजवाऊंगा। आप गये हैं तो अच्छी बात है। पाण्डे जी, आप तो गये ही होंगे। वोरा जी और बाकी लोग नहीं गये हैं। चैतुरगढ़ में पहाड़ के ऊपर महिसासुर मर्दिनी का हजारों साल पुराना मंदिर है और बीच में मैं जाना चाह रहा था तो वहां से फोन आया कि पहाड़ धसक गया है। उस रोड के बारे में पूछा तो मुझे बताये कि यह पुरातत्व वाले ने आपत्ति लगाया है। पुरातत्व वाले को कुछ करना-धरना है नहीं। सिर्फ आपत्ति भर लगाते हैं। आदमी कहां से जायेगा। आदमी चढ़ते-चढ़ते मर जायेगा। वह ले-देकर बना। तो इसको भी आप अपने विचार में जरूर जाईये कि यह चैतुरगढ़ का काम हो जाए। चंद्रहासिनी देवी मंदिर है। चंद्रहासिनी देवी के मंदिर में यदि जब आप सामने खड़े होंगे तो आपको मिर्जापुर की जो विद्धयवासिनी देवी है, उसका साक्षात दर्शन होता है। मैं विंद्धयवासिनी पच्चीसों बार गया हूं। मैं चंद्रहासिनी भी गया हूं और दोनों मंदिर की मूर्ति करीब-करीब डायरेक्शन एक है और मंदिर का ट्रस्ट भी ठीक काम कर रहा है। महानदी के किनारे हैं। वहां तो विकास की असीम संभावाएं हैं। बाहर के लोग या हम ही परिवार के 20 लोगों को लेकर जाएं तो कहां रखेंगे साहब? सड़क में बैठायें कि नदिया के रेत में बैठायें ? वहां कुछ बनना चाहिए न तो आप उसको बनवाईयेगा। हमारे खुड़िया में 2 रूपये नहीं मिला है जबकि सन् 1930 का अंग्रेजों के जमाने का डेम है । आपने वाटर स्पोर्टस में मिलेनिया जलाशय वगैरह नाम लिखे हैं न, वह खुड़िया के आगे में बच्चा है । खुडिया अगर वयस्क है तो वह छोटे बच्चे के समान है लेकिन इसमें खुड़िया का नाम नहीं है इसीलिये कभी-कभी यह लगता है कि हमारी हर चीज से क्यों तकलीफ हो जाती है ? आप खुड़िया को तो रखिये । मैं वहां 20 लाख रूपये विधायक निधि से देकर प्रौफेसर खैरा की स्मृति में एक पर्यटन कुटीर बनवाया हूं । जब सरकार ने नहीं बनवाया तो मैंने बनाया, 20 लाख रूपये दिये और मैं 27 तारीख को उसका उद्घाटन भी करने जा रहा हूं तो आप भी बनवा दीजिये न । 5 एकड़ जमीन कलेक्टर ने एडवांस पजेशन दे दिया है । वहां गांव के लोग जाते हैं और जब कोई अपनी पत्नी को लेकर जाता है तो उसकी सारी हीरोगिरी वहीं खत्म हो जाता है जब उसको बोलता है कि खेत के मेड़ में बैठकर तु खाना खा । कोई

अपनी मॉ को लेकर जाता है उसको पत्थर के उपर बैठाकर खाना खिलाता है । रेस्टहाउस तो हमारे और आपके लिये है, वह हमारी बपौती है । नेता लोगों की बपौती है । रेस्ट हाऊस उन्हीं लोगों के लिये खुलेगा । उनको तो कोई अंदर जाने नहीं देता है । अगर वे गलती से 5 मिनट के लिये रिक्वेस्ट करने चले भी गये तो उनकी पत्नी, बीवी के सामने उनको झिड़प दिया जाता है इसलिये मेरी पीड़ा है कि वहां पर बहुत बड़ा लग्जीरियस मत बनवाईये लेकिन एक ऐसा तो बनवाईये जहां थोडा सा आसरा मिल सके । अपने घर की रोटी, पूड़ी-सब्जी, अचार खाकर, चूंकि वहां राजीव गांधी की मूर्ति लगी है । उस डेम का नाम राजीव गांधी डेम है । अगर नाम भी होने के बाद, मूर्ति भी होने के बाद इस सरकार में अगर वहां कुछ काम नहीं हो रहा है तो मुझे कुछ नहीं कहना है । मैं प्रश्नवाचक चिह्न लगाकर छोड़ देता हूं ।

माननीय सभापति महोदय, इनके बहुत से मोटल हैं । जब मैं उस दिन एक मोटल के बारे में बोल रहा था न तो आपकी एक विधायिका महोदय बोलीं कि यह भाजपा सरकार का है । होगा, मंत्रालय जहां आप बैठते हैं वह भी तो भाजपा सरकार का है वहां बैठना बंद कर दीजिये । जिस घर में आप लोग रहते हैं वह भी तो भाजपा सरकार के समय का बना हुआ है वहां रहना बंद कर दीजिये । यह तंग सोच से कोई बड़ी चीज नहीं मिल सकती । मेरा यह कहना है उस मोटल में जो पैसा लगा है, अगर थोड़ा सा भी पैसा और खर्च कर देंगे और वहां किसी को रेंट में मत दो, किराये में मत दो । वहां की महिला मंडल को यह तो बोल दो कि रास्ता चलते एक होटल सरीखे चावल-दाल, आलू-सब्जी, खेड़हा, टमाटर, झोझो बनाकर खिलाओ । हो सकता है कि 200-400-500 रूपये कमा ले उसमें भी तकलीफ है । यहां बोलो तो वहां से आवाज आ जाती है कि भाजपा सरकार ने बनाया है, बनाया होगा भई । भाजपा सरकार वाले कोई अपने घर के पैसे से बनवाये हैं कि यह सरकार अपने घर के पैसे से बनवा रही है । जनता का पैसा है, जनता के लिये लग रहा है । पंडरिया ब्लॉक में एक दीवानपटपर गांव है । मैं वहां भी 10 साल विधायक था । मैं अभी होली में जब घर गया था तो मैंने बोला कि चलो बोर हो रहे हैं दीवानपटपर चलेंगे । दीवानपटपर में पहाड़ी ऐसी है । मेरी फार्चूनर गाड़ी मैंने यहां खड़ी की, गाड़ी बंद करवा दिया और उसको न्यूट्रल कर दिया । उस गाड़ी को ऑपाजिट डॉयरेक्शन में चढ़ाव की तरफ बहुत स्पीड से खींचा । माने उसमें ऊपर तरफ जाती है । आगे से खड़ी करो, पीछे से खड़ी करो, गाड़ी को खींच लेता है, ट्रेक्चर को भी खींच लेता है मतलब वहां पर कोई मेग्नेटिक टाईप का है । वहां पर और कुछ थोड़ी न करना है कि बड़ा भारी मेपहेयर टाईप का बनाना है । एक टिन का शेड तो बनवा दीजिये, जब कोई देखने जाये तो वहां पर वह थोड़ी सी देर के लिये गर्मी, ठंड-बरसात से बच जाये । उस टिन शेड में गांव की 4 महिलाओं को 10,000 रूपये मैं दे दूंगा । बिस्किट और चाय बनाने के लिये बैठा दीजिये, 100-200 रूपये वह महिला कमा लेगी और उसमें बड़ा-बड़ा दीवानपटपर पर्यटन स्थल करके लिखवा देंगे । 100 रूपये, 2000 रूपये, 5000 रूपये में खर्चा करके भी तो हम अपने पर्यटन को डवलप कर सकते हैं तो उसका भी थोड़ा ख्याल करियेगा ।

माननीय मंत्री जी, मेरा आपसे दो और आग्रह हैं यह चिरमिरी के बारे में मैंने उस दिन भी बोला था, मैं जब बोलता हूं तो डॉक्टर रहते नहीं हैं और बाद में आकर बहुत बोलते हैं । चिरमिरी में कोयला खदान था, कोयला खुद चुका है । अब वहां कोई खदान नहीं है । जब चिरमिरी नगर-निगम बना था तो एक लाख 20 हजार की आबादी थी, आज उसकी आबादी केवल 70 हजार है इसका मतलब है कि वही एक ऐसा गांव है जिसकी आबादी घट रही है बाकी सबकी आबादी बढ़ रही है वह इसलिये क्योंकि वहां रोजगार के अवसर खत्म हो गये हैं । खदान बंद हो गया है, मजदूर लोगों के कारण बाजार भी गिरावट में है तो वहां पर वाटर स्पोर्ट्स, पिकनिक स्पॉट, वहां लेदरी का रेस्ट हाऊस । साहब, मैं एक बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर था । न्यूजीलैंड में क्राइसचर्च से हम लोगों को क्वींसटाउन जाना था । उसमें हमारे माननीय भूपेश बघेल साहब भी थे । हमने क्वींसटाउन की पहाड़ियों में लाइटिंग देखी तो मैंने वहीं कहा था कि यह बिल्कुल चिरमिरी जैसी है । लेकिन हम उनके जैसा खर्च नहीं कर सकते । हमने दूसरे दिन देखा तो वह चिरमिरी से ज्यादा सुंदर नहीं था । तो उसको क्वींसटाऊन जैसा क्यों नहीं बना सकते हैं ? किसी होटल वाले को जगह दे दीजिए, किसी से एग्रीमेंट कर लीजिए । रहने के लिए जगह मिलेगी तब तो वहां आदमी जाएगा । अंग्रेज लोग बांध बाद में बनाते थे, अपने रहने के लिए रेस्ट हाऊस पहले बनाते थे । इसलिए पहले वहां रहने का इंतजाम करा दीजिए । जब यह होगा तो निश्चित रूप से चिरमिरी की आबादी भी बढ़ेगी और चिरमिरी के लोगों का जीवन स्तर भी सुधरेगा ।

आखिरी बात कहकर मैं समाप्त करूंगा । टूरिज़्म के लिए मैं एक सलाह देना चाहूंगा । एक बार और दे चुका हूं । पता नहीं अधिकारी नोट करते हैं या नहीं करते हैं, मानते हैं या नहीं मानते हैं । अकबर बीरबल जैसा मैंने भटे का किस्सा सुनाया था ना । वही किस्सा है । अकबर ने बीरबल को खाने पर बुलाया और कहा भटा खाओ । अकबर ने कहा भटा बहुत स्वादिष्ट बना है तो बीरबल ने भी कहा जी हां बहुत स्वादिस्ट बना है । 15 दिन बाद अकबर ने बीरबल को फिर बुलाया और फिर भटा खिलाया और कहा यह भटा बहुत खराब है और नुकसान करता है तो बीरबल ने भी कहा जी हां आपने बिल्कुल सही कहा, यह भटा तो नुकसान करता है । वैसे भी भटे का पेट इतना बड़ा है और इसके सिर पर कांटे हैं । तो अकबर ने कहा बड़ी विचित्र बात करते हो, 15 दिन पहले तो तुमने इसकी तारीफ की और अभी कह रहे हो कि यह खराब है । तो बीरबल ने कहा कि मैं आपकी नौकरी करता हूं, भटे की नौकरी नहीं करता । भटे को आप अच्छा बोलोगे तो मैं भी अच्छा बोलूंगा और आप बुरा बोलोगे तो मैं भी बुरा बोलूंगा । इसलिए यह भटे जैसा किस्सा न हो । इसलिए मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं कि आप अपने अधिकारियों को बोलिए कि वो यहां से एक छोटा सा दल लेकर उत्तराखंड चले जाएं, कमाऊ गढ़वाल अलग अलग रीज़न का अलग पर्यटन मंडल है । वहां छोटे छोटे टिन शेड के घर हैं उससे अच्छा तो सरगांव का आपका बंद पड़ा रिसार्ट है । उसमें वे लोग चावल दाल और जो भी लोकल खाना है वह दे देते हैं और उसके बदले पैसा लेते हैं । आदमी बर्फ में कहां जाएगा, झाड़ के नीचे तो रह नहीं सकता ।

उसी में काम चलाएगा । हमारे चिल्फी में, अमरकंटक के पास, जलेश्वर धाम में भी कोई काम नहीं हो रहा है । मैंने तो संकल्प रखा था कि जलेश्वर धाम में सुविधाएं दी जाएं वह हमारे छत्तीसगढ़ का है । हम लोग थोड़ी थोड़ी कोशिश करेंगे, धीरे-धीरे करेंगे तो वह डेवलप होगा । अचानक कोई चीज नहीं हो सकती है लेकिन कोशिश तो होनी चाहिए । जिसको जब अवसर मिले, हर व्यक्ति कोशिश करे तभी छत्तीसगढ़ अच्छा बनेगा । मैं पुलिस विभाग को भी मजबूत करने के लिए, सड़कों में छोटी मोटी कमियां, त्रुटियां हैं उनको दूर करने के लिए प्रयास करें ताकि पुल पुलिया साफ सुथरी दिखाई दें । इसके लिए आपसे आग्रह कर रहा हूं । मैं कभी भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाता क्योंकि इसको किसी के पिताजी ठीक नहीं कर सकते तो हम कहां से कर लेंगे । इसलिए उसके लिए माफी चाहता हूं । मैंने जो कहा है उस पर विचार करिएगा । मंत्री जी, आपके लिए बहुत सम्मान है । आप बिल्कुल अन्यथा मत लेना । इस सदन में पता नहीं अगली बार आप लोगों से भाषण के माध्यम से बात हो या न हो । इसलिए हम आपका पूरा आदर करते हुए आपसे विनम्र आग्रह करते हैं कि अपने विभाग चुस्त दुरूस्त रखिए। अब तो छोटे मोटे काम ही हो पाएंगे, उनको करने का कष्ट करेंगे । धन्यवाद् ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव (सिहावा) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जब हम लोग छोटे-छोटे थे, तब हम लोग देखते थे कि कोई धार्मिक कट्टरता नहीं थी। गांव के सब लोगों का एक ही देवता होता था और सब लोग उसी को मानते थे, कोई किसी का तिरस्कार नहीं करते थे। लेकिन 15 सालों के भीतर इतनी धार्मिक कट्टरता दिखाई दे रही है कि हमारे जो संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी, आज की इस राजनीतिक परिदृश्य को देखते तो वह भी जीना नहीं चाहते। उन्होंने बहुत सुंदर धर्म निरपेक्ष राज्य की कल्पना की थी, क्योंकि एक बार भारत का विभाजन हो चुका था और उस विभाजन के दर्द को अभी तक नहीं भुलाया गया है। लेकिन यहां सब धर्म के मानने वाले लोग हैं, विविधता में एकता है, सबका सर्व धर्म संभाव की बात करते हैं, लेकिन केवल एक ही धर्म का गुणगान करते हैं और एक ही हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं, जोर-जोर से चिखना, चिल्लाना, इससे हमारे छत्तीसगढ़ का सर्व धर्म संभाव पर काफी आघात पहुंच रहा है, काफी चोट पहुंच रही है। हमारे धार्मिक संस्थानों के नाम को भी बदलने का प्रयास किया गया। आप राजिम माघी पुन्नी को देख लीजिए। हमारा कितना पुराना धार्मिक संस्थान है। लोगों की श्रद्धा है, भक्ति है, बिना किसी भेदभाव के सब लोगों की आस्था है, उसका भी नाम बदल रहे थे। छत्तीसगढ़ी लोगों को तो लगता ही नहीं था कि यह राजिम माघी पुन्नी है या कुंभ है, क्योंकि यहां तो कोई अपना दिखता ही नहीं था। क्षेत्र की जनता अलग-थलग और बाकी लोग एक तरफ। हमारे माननीय गृहमंत्री जी ने पुन: उसको पुराने स्वरूप और उसकी जो स्थिति है, उसको आगे बढ़ाने का काम किया। मैं भी राजिम माघी पुन्नी में गयी थी, तीन दिन तक गयी थी। बहुत ही सुंदर आकर्षक मेला लगा था, वहां का विकास और वहां जो मेले के लिए अलग जगह देना, उसको जो डेवलप करने की बात कही गयी है, वास्तव में बहुत ही सराहनीय प्रयास है। इसी तरह से बजट में छत्तीसगढ़ के कल्चरल कनेक्ट

योजना के तहत् छत्तीसगढ़ जन निवास के निर्माण कराने कराने की बात कही गयी है, वह भी बहुत सुंदर कल्पना है। क्योंकि छत्तीसगढ़ी लोग बाहर बहुत कम जाते हैं। अगर जाते हैं और सुविधा नहीं है तो बहुत अनकंफरटेबल महसूस करते हैं। छत्तीसगढ़ी लोगों की मन की बात को हमारे मुखिया ने समझा है और उसके लिए जन निवास बनाने की बात कही गयी है। वह भी बहुत ही सराहनीय है।

उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी बात, मैं पर्यटन के बारे में कहना चाहती हूं। हमारे माननीय मंत्री जी ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के दस संस्थानों को लीज में देकर उसका विकास करने का प्रयास किया है। उसी तरह से जो टूरिज्म है, उनको सभी तरह की सुविधाएं चाहिए। तीन होटलों को पयर्टन बार के रूप में लाईसेंस देने का प्रावधान किया गया है ताकि वह कानून की परिधि में रहकर और कानून का नियंत्रण हो सके, इसके लिए भी प्रयास किया जा रहा है। होटल जोहार को भी प्राथमिकता मिली है। कुदरगढ़ एवं चित्रकोट में भी रोपवे निर्माण के लिए लोगों को सुविधा देने के लिए प्रयास किया गया है, यह भी बहुत ही सराहनीय है। प्रसाद योजना के तहत् हमारा सिरपुर, जो विश्व प्रसिद्ध है, उसको बौद्धिक थीम पर हेरिटेज बनाने के लिए भी भारत सरकार के मंत्रालय में प्रस्ताव रखा गया है। यह भी बहुत ही सराहनीय कार्य है। छत्तीसगढ़ टूरिस्ट बोर्ड के द्वारा 6 पर्यटन स्थलों के निर्माण कार्य का कार्यादेश जारी किया गया है। निश्चित तौर पर इससे हमारे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मेरा सिहावा विधान सभा क्षेत्र पर्यटन के बिल्कुल अनुकूल है। वहां डेम है, जंगल है, नदी है और महानदी भी वहीं से निकली है। अभी हमारी सरकार वहां पर राम वन गमन पथ के लिए पर्यटन गेट और साथ ही साथ रिसॉर्ट बनाएगी। अभी वहां पर एक सप्तऋषि है लेकिन एक सप्तऋषि को पूरा विकसित किया जा रहा है क्योंकि यह लंबा प्रोजेक्ट है तो मैं इसके लिए माननीय मंत्री जी को बधाई देना चाहती हूं। साथ ही सेमरा में भी राज-राजेश्वरी मंदिर का निर्माण कराया गया है, उसके लिए भी मैं माननीय मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे यहां मधुबन धाम है। मधुबन धाम में श्रीराम चंद्र जी आये थे, उसका थोड़ा-थोड़ा विकास हुआ है लेकिन मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करती हूं कि वहां पर एक बहुत बड़े पार्क की आवश्यकता है जिससे वहां टूरिस्ट को और बढ़ावा मिलेगा। वहां पर 55 एकड़ में एक बहुत बड़ा तालाब है। यदि उस तालाब को विकसित कर दिया जाएगा तो चार चांद लग जाएंगे क्योंकि वहां के निवासी बहुत ही ज्यादा पर्यटन प्रिय और शौकीन हैं। इससे वहां पर नौका विहार भी हो जाएगा। यदि उस तालाब में विदेशी पक्षियों को लाने का कोई उपक्रम होगा तो वह स्थान बहुत ही अच्छा हो जाएगा। मेरी यह सोच है कि यदि आप लोग छत्तीसगढ़ को यह दे देंगे तो यह मेरे क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, साथ ही साथ एडवेंचर गेम हो। मेरे यहां पहाड़ और बांध है तो यदि सेना और पुलिस के रिटायर्ड अधिकारियों के माध्यम से एडवेंचर गेम और ट्रेकिंग गेम की यह सुविधा दे

दी जाती है तो यह भी बहुत अच्छी बात होगी। जब हम गंगरेल से निकलते हैं और यदि सिहावा की ओर जाते हैं तो नरहरा फॉल है, जो कि बहुत सुंदर फॉल है। यदि उसको विकसित कर दिया जाए तो अच्छा होगा। वहां से जबर्रा फॉरेस्ट, जो कि टिक का फॉरेस्ट है और वह बहुत ही सुंदर है। वहां आयुर्वेदिक औषधि है। वह थोड़ा-थोड़ा विकसित हुआ है। यदि उसको और अच्छे ढंग से विकसित कर दिया जाएगा तो मेरा सिहावा विधान सभा क्षेत्र पर्यटन के लिए बहुत ही प्रसिद्ध हो जाएगा क्योंकि वास्तव में वह बहुत सुंदर जगह है और देवभूमि है इसलिए यदि हम उसके विकास के लिए कार्य करेंगे तो यह हमारी सरकार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

उपाध्यक्ष महोदय :- लक्ष्मी जी, दो मिनट। मेरा यह कहना है कि अभी हमारे पास 7 वक्ता हैं।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- जी, मैं जल्दी-जल्दी बोल रही हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- मैं यह कह रहा हूं कि यदि आप लोग अपने-अपने क्षेत्र की मांग रखे तो ज्यादा अच्छा होगा। आप 10 मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिए।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- ठीक है, मैं अपनी बाकी बात कहती हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप अपने क्षेत्र की बात कीजिए।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, क्योंकि हमारा छत्तीसगढ़ 7 राज्यों को जोड़ता है और हमारे मानीनय मंत्री जी के द्वारा ए.डी.बी. के रोड और छत्तीसगढ़ कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट लोन-4 के माध्यम से जो विकास किया गया है वह बहुत ही सराहनीय है। जब मैं विधायक बनी थी तो मेरा मगरलोड ब्लॉक बहुत ही खराब था। मतलब, मुझे नगरी से मगरलोड जाने में शाम हो जाती थी। वहां पुल-पुलिया का अभाव था। यह लोग कहते हैं कि कुछ नहीं बनाये हैं लेकिन माननीय मंत्री ने उसको इतना अच्छा बनवाया है। हमारी सरकार ने इतना अच्छा काम किया है कि अब वह बहुत ही विकसित ब्लॉक दिखाई देने लगा है। उसी तरह से मेघा से दुबली का रोड स्वीकृत हुआ है और कहीं-कहीं पर बन भी रहा है लेकिन जहां पर फॉरेस्ट रोड है वहां पर फॉरेस्ट विभाग ने अनुमति नहीं दी है। यदि आप उसकी जल्दी अनुमति दिलवा देंगे तो वह सड़क भी बन जाएगी क्योंकि मैं उसी रोड से रोज जाती हूं और रोज सड़क को देखकर परेशान होती हूं। आपने तो दे दी है लेकिन आप उसकी अनुमति दिलवा दीजिए।

दूसरी बात, मेरे यहां नाबार्ड योजना से पाण्डरवाही से घटुला तक सड़क का निर्माण हो रहा है और लोक निर्माण विभाग का कसपुर से बिरगुड़ी तक सड़क का निर्माण हो रहा है इसके लिए भी धन्यवाद। इस बजट में सांकरा, घटला, बेलरगांव, जैतपुरी की सड़कें शामिल की गई हैं । आप उसकी जल्दी से जल्दी स्वीकृति प्रदान कर दीजिएगा । जो नगरी की मुख्य सड़क है, उसके आधे सड़क की स्वीकृति मिली है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- लक्ष्मी जी, आप मंत्री जी से मिल लीजिए । श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा जी अपनी बात शुरू करें ।

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- माननीय उपाध्यक्ष जी, दो लाईन और बोल लेती हूं, फिर उसके बाद समाप्त करती हूं । उपाध्यक्ष जी, बंदियों के मानसिक परिवर्तन के लिए भी सरकार बहुत सारा काम कर रही है । जिनको नक्सली समझकर बंदी बनाए गए थे, उनको भी छोड़ा गया है । इसके लिए भी बहुत-बहुत धन्यवाद । बंदियों के मानसिक परिवर्तन के लिए अनेक तरह से योगा, आध्यात्मिक प्रवचन, धार्मिक क्रियाकलाप और सर्वधर्म सम्भाव की जो शिक्षा दी जा रही है, वह बहुत ही सराहनीय है । उसी तरह से मानव तस्करी की रोकथाम के संबंध में भी पुलिस अधीक्षक और उप अधीक्षक के माध्यम से अनेक जगह नियंत्रण की जा रही है, इसलिए इसमें निरंतर कमी आई है । कुल 656 लोग पीड़ित थे, उनमें से 100 प्रतिशत बरामदी की गई है । वहां पुलिस ने बहुत बड़ा कार्य किया है, वह प्रशंसा के योग्य है । इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी को बधाई देना चाहती हूं । उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा (धरसींवा) :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं । मैं माननीय मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं, धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने प्राचीन मंदिर, देवी स्थल, मठ के जीर्णोद्धार, मरम्मत, रख-रखाव, साज-सज्जा और धर्मशाला आदि के निर्माण कार्यों के लिए जो अनुदान दे रही है और इन सभी स्थानों का मरम्मत करवाकर सुदृढ़ किया जा रहा है ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं राजिम पुन्नी मेला, जो पूर्व में 15 सालों से राजिम कुंभ मेले के नाम से भारतीय जनता पार्टी के लोग चला रहे थे । जैसे ही हमारी सरकार आई, उसके बाद उसका नाम राजिम पुन्नी मेला किया गया, उसके लिए मैं मंत्री जी का आभार व्यक्त करती हूं । मैं कहना चाहूंगी कि हम कुंभ किसको बोलते हैं ? हमारे विपक्ष के साथियों ने इसे कुंभ का नाम दिया था, वह गलत था । हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन और नासिक में 12 साल में एक बार नियमित तिथि के हिसाब से कुम्भ का आयोजन होता है और कुंभ मेला लगता है, 6 साल में अर्धकुंभ लगता है, वहां संतो का आगमन होता है । हमारे विपक्ष के भाई राजिम पुन्नी मेला को कुंभ का नाम देकर साधु-संतों का अपमान करते आये हैं । इसमें साधु संतों को बुलाकर उनका अपमान किया जा रहा था । वह तो मेला था और मेला और कुंभ में अंतर होता है ।

श्री धर्मजीत सिंह :- भाभी जी, हम लोग रविदास जी के भक्त हैं । बोले की गंगा नहीं जा सकते तो मन चंगा तो कठौती में गंगा । हमने इसी को कुंभ बोल दिया था । अब आप लोगों ने उसका नाम बदल दिया तो ठीक कर दिये, लेकिन आशय यही है ।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- राजिम में कुंभ कर सकते हैं । जब कुंभ मेला होता है तो मेला का अलग समय होता है ।

श्री धर्मजीत सिंह :- भाभी जी, हम तो आज तक अपने जीवन में कोई कुम्भ, अर्द्ध कुम्भ नहीं देखे हैं। लेकिन रविदास ने कहा है कि मन चंगा तो कठौती में गंगा।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- नहीं, नहीं। हम लोगों का आज भी राजिम में आस्था है। हमारे क्षेत्रवासी जो लोग गंगा नहीं जा पाते, वे लोग राजिम में स्नान करते हैं, अस्थि विसर्जन करते हैं, वह एक पवित्र धाम है। वह पवित्र धाम अपनी जगह है। लेकिन जो आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था, उसे हमारी सरकार , हमारे मंत्री जी के द्वारा राजिम पुन्नी मेला किया गया। मैं उसके लिए आभार व्यक्त करती हूं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वैसे ही बस्तर का दशहरा, बस्तर आदिवासी अंचल है। बस्तर दशहरा आध्यात्मिक, सांस्कृतिक भावनाओं का प्रतीक है, जिसमें हमारी सरकार ने 25 लाख रूपया कलेक्टर के माध्यम से उस आयोजन के लिए आवंटन दे रही है। यह एक सराहनीय कदम है। मां बमलेश्वरी मन्दिर में नवरात्रि पर्व पर अनुदान दिया जाता है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगी कि हमारे भाई लोग राम नाम के लिए बहुत आस्थावान हैं, हम लोग हिन्दू हैं, हम लोग ही भगवान को मानते हैं, बाकी लोग भगवान को नहीं मानते हैं, ऐसा सोच बनाकर चल रहे हैं। सही मायने में भगवान राम को किसने पूजा ? भगवान राम को ऐसा बताते हैं कि उनका ही राम है, बाकी किसी का राम नहीं है। हमारे गांव में जो रामायणिक लोग होते हैं, हमारी छोटी-छोटी समूह की महिलाएं, गांव के वरिष्ठजन, जो लोग शाम को बैठकर रामकथा करते हैं, आज अगर उनका कोई सम्मान कर रही है तो हमारी सरकार, माननीय मुख्यमंत्री की सरकार, माननीय मंत्री जी कर रहे हैं। रामायण प्रतियोगिता के माध्यम से रामायण कथा द्वारा हमारे गांव के लोगों को आगे बढ़ाने का काम हमारी सरकार कर रही है। मैं उसके लिए भी आभार व्यक्त करती हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, वैसे ही दामाखेड़ा मेला कबीरपंथियों का तीर्थस्थल है। उस दामाखेड़ा में हमारे ग्रामवासी, हमारे भाईयों-बहनों की काफी आस्था है। उस आस्था की जगह में हमारी सरकार ने 25 लाख रूपये का आवंटन किया है। वहां शासन-प्रशासन की तरफ से व्यवस्था कराकर मेला कराना एक बहुत बड़ी बात है। वैसे ही जशपुर दशहरा के लिए 10 लाख रूपया दिया गया है। मुंगेली जिले के विकासखण्ड लोरमी के लालपुर में गुरूघासीदास जयंती के अवसर पर यहां भी मेला का आयोजन होता है, यहां पर भी 10 लाख रूपया दिया गया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने का काम कर रही है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहती हूं कि मेरे क्षेत्र में खपरीमरही बंजारी मंदिर है। उस समय माता जी को जिस बैगा ने विराजमान कराया गया था, उस गांव का बैगा आज भी जिन्दा है, उस बैगा को सपना आया था कि माता जंगल में झाड़ियों के बीच में फंसी हुई है और माता आना चाह रही है। खपरीमरही बंजारी मंदिर में माता को एक स्थान दिया गया, वहां माता को विराजमान

कराया गया। आज उस जगह पर पर्यटन के लिए रायपुर, बलौदाबाजार, खरोरा, सिमगा, काफी दूर-दूर से आ रहे हैं, उनकी काफी मान्यता है । उपाध्यक्ष महोदय, माता की आस्था दिन प्रतिदिन बढ़ती गई, माता के स्थान पर लोगों के सहयोग से बहुत सुंदर मंदिर की स्थापना वहां पर हुई है, वहां बहुत से मंदिर बनाये गये हैं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहती हूँ कि उस स्थल में लोगों का बहुत आवागमन है, उस स्थल को पर्यटन का क्षेत्र बनाया जाये, उसके लिये घोषणा किया जाये, यही निवेदन करती हूँ ।

उपाध्यक्ष महोदय :- कृपया समाप्त करें ।

श्रीमती अनीता योगेन्द्र शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में हमारे छत्तीसगढ़ में देश विदेश से कलाकार लोग आते हैं, माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा यहां बहुत ही अच्छा आयोजन आदिवासियों को आगे बढ़ाने के लिये जिस तरह से किया जा रहा है, हमारी सरकार के द्वारा जो प्रयास किये जा रहे हैं, वह बहुत ही सराहनीय है । उपाध्यक्ष महोदय, अंत में एक बात कहना चाहूंगी कि अभी हमारे विपक्ष के भाई झीरम के बारे में बोल रहे थे, जब झीरम की बात आती है तो हम लोगों को काफी दु:ख होता है, हम उम्मीद लगाकर बैठे हैं कि हमको कब न्याय मिलेगा ? हमारे विपक्ष के भाई कभी यह नहीं सोचते हैं कि जो एनआईए की जांच पूर्व में केन्द्र सरकार ने करवाई थी, उस जांच की रिपोर्ट केन्द्र सरकार के पास है, अगर केन्द्र सरकार उसको उपलब्ध कराये तो अपराधियों को पकड़ने में आसानी होगी । मैं सदन के माध्यम से निवेदन करती हूँ कि इसमें संज्ञान लिया जाये। माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि पी.डब्लू.डी. विभाग के द्वारा बहुत अच्छा काम किया गया है । 15 साल में जो रोड नहीं बना था, वह रोड बना है और मेरे ही गांव में पुल-पुलिया नहीं थी, उसमें पुल-पुलिया बनाया जा रहा है । टेकारी, बड़े नाला मार्ग, का रोड बहुत अच्छा है, वैसे ही दौंदे-पचेड़ा मार्ग, बरडी-केसला मार्ग है । उपाध्यक्ष महोदय, एक निवेदन और है, एन.एच. के द्वारा रोड तो बनाया गया है, सर्विस रोड में ही लोगों का आना-जाना बहुत होता है, सिलतरा में एक ही अंडरब्रिज है । स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे हैं, उनको काफी दिक्कत होती है, सिलतरा इंडस्ट्रियल एरिया है, अंडर ब्रिज को जल्द से जल्द बनाया जाये । आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, आप मंत्री जी से मिलकर करा लीजिए । श्री प्रमोद कुमार शर्मा जी ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा (बलौदाबाजार) :- उपाध्यक्ष महोदय, मैं वित्तीय वर्ष 2023-2024 के अनुदान मांगों पर चर्चा करने के लिये खड़ा हुआ हूँ । उपाध्यक्ष महोदय, सामने पूरा खाली है, मांग होगा तो पता नहीं कहां पूरा करेंगे ।

उपाध्यक्ष महोदय :- सब अधिकारी बैठे हैं, मंत्री जी बैठे हैं । आप अपनी बात रखें ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वैसे भी उपाध्यक्ष महोदय, मेरे को सबसे पहले यहां पुलिस विभाग से ही काम था । यहां अधिकारी बैठे हुये हैं । टारगेट वही लोग हैं । मैं सबसे पहले पुलिस विभाग से चालू करूंगा ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आज दादी नहीं है, हमारे मंत्री जी । उनके बारे में भी बोलते हैं ।

श्री धर्मजीत सिंह :- क्या है, इनका कहना है कि जब कोई नहीं है तो देखूंगा इधर, पर बोल रहा हूँ पुलिस वालों के लिये ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- उपाध्यक्ष महोदय, अधिकारी वर्ग ही पूरा भ्रष्ट्राचार की जड़ है । यही लोग हैं, जब इधर वाले उधर बैठते हैं तो पर्ची पहुंचाने का काम करते हैं और उधर वाले इधर बैठते हैं, तब पर्ची पहुंचाने का काम करते हैं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अधिकारी वर्ग की यह स्थिति है कि बराती ऐसी तैसी कराये, हम तो बाजा वाले हैं, इन लोग हर किसी के बाजा में बजाने के लिये जायेंगे । यहां पर पूरा अधिकारी वर्ग भ्रष्टाचार की जड़ है। यदि पूरे सिस्टम को खराब करने का तंत्र कोई है तो छत्तीसगढ़ के अधिकारी वर्ग हैं। यह भ्रष्टाचार जहां से पनप रहा है, यही गलत तथ्य दे देकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। आज अधिकारी इतने बेखौफ हो गये हैं कि खुलेआम भ्रष्टाचार कर रहे हैं। अधिकारी का सिर्फ एक ध्येय है। मात्र अपने आपको बचाने के लिये, अभी सत्ता में कांग्रेस है, तो कोई कांग्रेसी नेता को पकड़ लो और उनकी चमचागिरी करते रहो। मैं आपको उदाहरण के साथ बता रहा हूं। अभी पुलिस विभाग की चर्चा की बात है। कल सदन में एफ.आई.आर. के बारे में चर्चा हो रही थी। मेरे खिलाफ भी एफ.आई.आर. हुए हैं। मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मैंने एक प्लांट के खिलाफ में जनआंदोलन किया। उसमें मेरे खिलाफ में एफ.आई.आर. हुई। मैंने उनकी नजर में गलत काम किया तो उन्होंने एफ.आई.आर. किया। लेकिन उसके बाद का क्या नियम है ? एफ.आई.आर. हुआ है तो मुझे कोर्ट में पेश करें या तो गिरफ्तार करें या तो मुझे जमानत लेने दे, चालान पेश करें। वही तो नियम है ना ? लेकिन अधिकारी वर्ग की सिर्फ चमचागिरी है और चमचागिरी के कारण यह सिर्फ कांग्रेस के नेता को खुश करना है। कांग्रेस के नेता का कहना है कि इसको ऐसी अटका के रखे रहो। न इनको गिरफ्तार करो, न इनकी जमानत होने दो। चुनाव आयेगा उस समय देखेंगे। यह इनकी चमचागिरी है। मैं तो कहता हूं कि ऐसे अधिकारी शर्म करें। वह आई.ए.एस जैसे बड़े-बड़े पदों में बैठे हैं। चमचागिरी एक सीमा तक होती है। आप अपने पद का निर्वहन करें। किसी के कहने पर या नियम के खिलाफ जाकर ऐसा काम करना, यह कहा का न्याय है ? मैं सदन में खुलेआम बोलता हूं। ठीक है, मैंने गलत किया, अपराध किया। यदि आपकी नजरों में आंदोलन करना अपराध था, तो मैंने अपराध किया लेकिन जमानत क्यों नहीं होने दे रहे हैं ? चालान क्यों पेश नहीं होने दे रहे हैं ? मुझे गिरफ्तार होने का डर नहीं है। यह मुझे गिरफ्तार कर ले। लेकिन मुझे सिर्फ इस बात का दु:ख है कि वह अधिकारी केवल एक कांग्रेसी नेता के कहने पर रोक के रखे हुए हैं। आपका भी कोई मान-सम्मान है, आप अधिकारी हो। अपने आपको जगाओ, अपनी जमीर को

जगाओ। अपने आप को उस स्थिति में मत पहुंचाईये, पूरे अधिकारी वर्ग की यही स्थिति है। पूरे अधिकारी गिरगिट हैं, आज उधर है, कल यदि इनकी सरकार बनी तो पूरे गिरगिट की तरह रंग बदल देंगे। यह छत्तीसगढ़ के ऐसे अधिकारी वर्ग है । खैर इनका होना कुछ नहीं है, आप कितना भी शिकायत कर लो। क्योंकि ऊपर तक पूरी जड़ ही ऐसी है, तो कहां कुछ होगा। यह तो हम इसलिये बोल रहे हैं कि हम अपने मन में संतुष्ट होते हैं। अभी दो बात खरी-खरी सुना दी तो हमारा मन हल्का हो गया बाकी इनका कुछ होने वाला नहीं है। यह तो ऐसे ही करते रहेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, अभी रिवॉल्वर के बारे में, उसके लाइसेंस की बात थी। मैं आपको बताऊंगा तो आपको बड़ी ताज्जुब होगा। मैंने रिवॉल्वर का लाइसेंस मांगा था और छत्तीसगढ़ में रिवॉल्वर का लाइसेंस मिला है।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- आप ला ऐसे का काम हो गे कि जरूरत पड़ गे हे ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- अइसने रखे बर।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- अइसने मतलब कुछ तो बात होही।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- कोनो तूकन नहीं भई। महू हा अइसने शौक मा ले लुहू कहाथव।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- तो लाइसेंस ला का करही ?

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- बिना कोई गलती के ओकर ऊपर पुलिस वाला मन अपराध कायम करथे।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- वह मीना बाजार में लेकर घलोक रख सकथस।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- उपाध्यक्ष महोदय, आपको यह जानकर आश्चर्य होगा।

श्री शैलेश पाण्डे :- वह बोल रही है कि तुम वैसे ही इतने खतरनाक हो। आपको लाइसेंस की क्या जरूरत है ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- नहीं मोला नहीं मिलीस। मैं पैसा दे देथो तो मिल जातिस। 5 लाख रूपये मांगत रहिसे।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- ओकर सेती बंदूक रखथस।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों का 5-5 लाख रूपये रेट फिक्स है। इन लोगों का पूरा रेट फिक्स है। ट्रांसफर करने का इतना, लाइसेंस लेने का इतना और दुर्भाग्य की बात है कि छत्तीसगढ़ में 12 लोगों को लाइसेंस दिया गया है और 12 में से 9 लोग एक वर्ग विशेष वाले लोग हैं, जिनको लाइसेंस दिया गया है। बड़ी दुर्भाग्य की बात है।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- कुछ सबूत हे का गा ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- हां, हवय। आप कहो तो ओला पेश कर देथव। पूरा सबूत के साथ। मैं जो बोल रहा हूं एक-एक तथ्य के साथ बोल रहा हूं और मैं हर सबूत देने के लिये तैयार हूं। मुझे जो मन

में अच्छा लगता है मैं सीधे खुली वही बात बोलता हूं। अब किसी को अच्छा लगे या किसी को बुरा लगे। भाभी मोर पास पूरा सबूत हे। 5 लाख रूपये कौन मांगे रिहीसे, तेन अधिकारी के नाम तक बता देव।

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा :- रहन दे।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- वो रहन दे कहाथे इसलिये अभी छोड़ देथव।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी ला पहली बार धन्यवाद देथो कि माननीय ताम्रध्वज साहू।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- मंत्री जी थोड़े मांगे रिहीने 5 लाख रूपये ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- नहीं, नहीं।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- मंत्री जी ला बोलो न कि तोहर अधिकारी गन के लाइसेंस बर 5 लाख रूपये मांगथे। हो सकथे मंत्री जी एक-दो लाख रूपये कम करवा दिही।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- मंत्री जी के पकड़ ले बाहिर हवय। मैं मंत्री जी ला जेन-जेन काम अभी तक मांग करे रहव चाहे सुलभ सड़क योजना हो..।

श्री रामकुमार यादव :- महाराज जी, तोर कई ठोक एफ.आई.आर. हुये हे ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- 26 धाराएं लगी हैं।

श्री रामकुमार यादव :- एको ठोक मा अंदर होये हे ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- जमानत तक तो होने दे पहले।

श्री धर्मजीत सिंह :- उपाध्यक्ष महोदय, ओहा मंत्री जी के तारीफ करना चाहत हे। ते क्यों नहीं करन देथन। तै कर ।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- हमारे पी.डब्ल्यू.डी के माननीय के मंत्री जी, मैंने अभी तक के जितनी भी मांग की है, चाहे सुलभ सड़क योजना हो, चाहे क्षेत्र की समस्या ला लेके गये हो, उसको हमारे मंत्री जी अभी तक हमेशा पूरा किये हैं। मैं उसके लिये मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं और माननीय मंत्री जी मैं आपके ऊपर नहीं आपके अधिकारियों के ऊपर पूरा आक्रोश व्यक्त कर रहा हूं। आरोप लगा रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :- शर्मा जी, कृपया अनुदान मांग और अपने क्षेत्र की मुख्य मांग पर बात करेंगे तो आयेगा।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं गृह विभाग और भ्रष्ट पुलिस वालों के बारे में तो बोल रहा हूँ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप मुख्य मांग भी कर लीजिए।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मांग में आ रहा हूँ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, उनकी मुख्य मांग है कि उन्हें बंदूक चाहिए।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अच्छा, उसे छोड़िए। मेरे मन में एक कन्फ्यूजन था जब मैं बचपन में छोटा था तो मैं शिवरीनारायण का मेला जाता था। मेरे इस कन्फ्यूजन

से किसी धर्म से कोई संबंध नहीं है। मेरा अपने आप में एक कन्फ्यूजन है यह धर्मस्व विभाग से संबंधित है मैं आपसे जानना चाहूंगा कि इससे मेरा कन्फ्यूजन दूर हो जाए, एक समस्या है।

श्री अमरजीत भगत :- माननीय प्रमोद जी, सुन लीजिए। एक गाना बजता है कि हम थे जिसके सहारे, वह हुए न हमारे। आप जिनके चक्कर में देख रहे हैं, वह पूरा खाली है, आप यह नहीं देख रहे हो।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- नहीं। अभी हम स्वतंत्र हैं।

श्री उमेश पटेल :-माननीय मंत्री, आज आप पता नहीं, माननीय शैलेश पाण्डे जी का भाषण सुनकर, उनका मन बदल गया है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं अभी स्वतंत्र हूँ। बाद में निर्णय करेंगे।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- माननीय मंत्री जी, हम जिसके सहारा वाला ऐसा नहीं है, जो हमको सहारा दे, उसकी दुआ। आप सहारा नहीं देंगे तो कहीं न कहीं वह सहारा तो लेगा।

श्री शैलेश पाण्डे :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वह तन से उधर है और मन से इधर है।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- और दूसरे से सहारा लेंगे तो आपको तकलीफ होगी।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि...।

श्री अमरजीत भगत :- माननीय धर्मजीत जी, आपने एक गाना सुना होगा कि कहीं दिल न लगे, कहीं मन न लगे, तो चले आना घर का दरवाजा हमेशा खुला रहेगा।

श्री धर्मजीत सिंह :- यह गाना ऐसा नहीं है। वह गाना है जब कोई तुम्हारा हृदय तोड़ दे, जब तड़फता हुआ कोई छोड़ दे, तब तुम मेरे पास आना प्रिये, मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा, तुम्हारे लिए, ऐसा है। यह पूरब पश्चिम फिल्म का गाना है मनोज कुमार जी ने सायरा बानो, उसके लिए गाया था। वह अंग्रेज थी, वह गड़बड़ कर रही थी।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- मैंने इसी सदन में माननीय अमरजीत भगत जी से अभी थोड़ी देर पहले पूछा था कि शिवरीनारायण में शबरी माता का आश्रम था तो उन्होंने कहा कि आश्रम है। इसमें मेरा एक छोटा सा कन्फ्यूजन है। मेरा कोई आरोप-वारोप नहीं है बस एक जिज्ञासा है।

श्री शैलेश पाण्डे :- आप बताईये कि आपके 26 केस कौन-कौन से हैं?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वह मना कर रहे हैं।

श्री शैलेश पाण्डे :- आपने केवल एक केस बताया है, पूरे 26 केस नहीं बताए।

उपाध्यक्ष महोदय :- कृपया आपस में संवाद न करें। आप समय का भी ध्यान रखें।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कन्फ्यूजन दूर कर दीजिए। मेरा जीवन धन्य हो जाएगा।

श्री धर्मजीत सिंह :- वह शबरी माता के बारे में पूछ रहे हैं कि उनको भ्रम है कि वह अभी आपको बता देंगे कि यहां शबरी माता का मंदिर था या नहीं ?

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, रामवन गमन पथ। अभी उन्होंने हां बोला हैं। मेरे मन में एक जिज्ञासा है कि अयोध्या से सीतामाता, राम भगवान और लक्ष्मण भगवान वनवास के लिए निकले। वह इलहाबाद होते नदी पार करके, एम.पी. होते हुए छत्तीसगढ़ में आए जहां पर जगह लिखी हुई है सीतामढ़ी हर चौका से शिवरीनारायण होते हुए, नीचे आए। लेकिन अगर यहां शिवरीनारायण में शबरी माता का मंदिर था तो वहां शबरी के आश्रम में राम भगवान और लक्ष्मण भगवान गए थे, जहां पर बेर खिलाया गया था। वहां पर तो सीतामाता नहीं थी। तो सीतामाता का हरण कहां हुआ था, तो उससे पहले वाली जगह में कहां हरण हुआ था? यह कन्फ्यूजन वाली बात है। वहीं पर रामायण में लिखा है कि तेलंगाना में जो भद्राचलम पर्वत है रामायण में यह लिखा हुआ है कि वहां सीता माता का हरण हुआ था। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी सोचिएगा अगर शिवरीनारायण में शबरी माता का मंदिर था।

श्री अमरजीत भगत :- प्रमोद जी, उसमें ग्रंथ में कहा गया है कि हरि अनंत, हरि कथा अनंता, कहत सुनत बहु विधि सब संता। कोई एकमत नहीं है। लोगों ने बहुत प्रकार से रचना की है। आप जो बोल रहे हैं वह भी अपनी जगह में सही हो सकता है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं कोई शंका नहीं कर रहा हूँ। हां, मैं उसी कन्फ्यूजन को दूर करने की बात कह रहा हूँ। मेरे मन में ऐसी कोई बात नहीं है।

श्री धर्मजीत सिंह:- मैं, भाभी जी के भाषण में वही बोल रहा था। तोला पूरा टाईम मिलही तें चिंता मत कर।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं मांग करिहौ।

श्री धर्मजीत सिंह :- एक मिनट। भाभी जी, अपने भाषण में बोल रही थी कि इसको कुम्भ बोल दिया। मैंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। अगर मन चंगा है तो यही कुम्भ है। वैसे ही मन चंगा है तो यही शबरीमाता है उसमें क्या रखा है। ज्यादा दिमाग दौड़ने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। आप आगे बढ़े।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक कन्फ्यूजन था कि अगर भद्राचलम पर्वत में सीतामाता का हरण हुआ था तो शबरीमाता के मंदिर का हम लोग रामवनपथ गमन बनाए तो उनके हरण के बाद राम भगवान लोग नीचे साऊथ साईड ढूंढने के लिए गए थे तो ऊपर उन्हें ढूंढने के लिए शिवरीनारायण साईड थोड़ी ही आएंगे। यह मेरा बहुत बड़ा कन्फ्यूजन था। या तो यहां पर शबरीमाता का आश्रम नहीं रहा होगा या फिर रामायण में जो बात लिखी है वह वाला गलत होगा। इसमें मेरा कोई तथ्य नहीं है केवल मेरे कन्फ्यूजन को दूर करने वाली बात है। यहां बहुत सारे ज्ञानी लोग हैं, आप बहुत ज्ञानी हैं, आप बताये थे कि वहां पर है। मैं आपसे कमरे में आकर मिल लूंगा, आप मेरे को अकेले में बता दीजियेगा। आप मेरी शंका को दूर कर दीजियेगा।

श्री धर्मजीत सिंह :- अब आप एक काम कर लो। पंडित शैलेश पांडे जी से आप उनके घर में इसकी कथा सुन लो। शबरी माता कब मिली थीं, अपहरण के पहले मिली थीं या अपहरण के बाद मिली थीं? महाराज, कथा पढ़ दीजिये। इनको कल बाहर लाबी में कथा सुना देना।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे को कोई हडबडी नहीं है। मैं आपसे अकेले में आकर मिल लूंगा, आप मेरे को बता दीजियेगा। धर्मस्व विभाग में हमारे पांडे जी बोल रहे थे कि हमारी कांग्रेस सरकार धर्मस्व की रक्षा कर रही है, यह कर रही है, वह कर रही है, बहुत सारी बात बोल रहे थे। वहीं बालोद में पाटेश्वर धाम को, हमारी भाभी संगीता सिन्हा जी बैठी हुई हैं, इन्हीं के विधान सभा क्षेत्र में पाटेश्वर धाम बाबा जी का आश्रम है, उनके आश्रम को तोड़ने के लिए आप लोग नोटिस दे रहे हैं। अगर आप लोग बाबा की रक्षा नहीं कर सकते तो उनके आश्रम को तोड़िये मत। आप लोग बाबा लोगों के आश्रम को तोड़ने की नोटिस दे रहे हैं। यहां पर बडी-बड़ी बात कर रहे थे कि हमारी सरकार ने ये किया, वो किया, धर्म की रक्षा किया। बाबा लोग आपकी सरकार में बहुत खतरे में हैं।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, धर्म के नाम पर लड़ाई झगड़ा कराने का काम कर रहे थे। वह हमारी मंत्री महोदया के क्षेत्र में आता है।

श्री रामकुमार यादव :- बाबा जी के बात कहत हो तो मोला बाबा आसाराम जी के सूता हे। बाबा के इहां के नाम सुनकर डरो लागत हे।

उपाध्यक्ष महोदय :- यादव जी आपका भी नाम है, संगीता सिन्हा जी का भी नाम है। अब आपको बोलते हुए 13-14 मनिट हो गये हैं, समाप्त करें।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आधा समय तो टोकाटाकी करके समाप्त कर देते हैं।

डा. विनय जायसवाल :- वह राम रहीम वाला बाबा तो नहीं था। उसी के भक्त आप भी हो।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- नहीं था। पाटेश्वर वाले बाबा के बारे में बोल रहा हूं।

श्री धर्मजीत सिंह :- जिसके भाषण में जितनी टोकाटाकी हो, यह समझिये कि वह बड़ा पापुलर भाषण दे रहा है। यह विधान सभा का फार्मूला है।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरी कुछ मांग है।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप मुख्य मांग बता दीजिए।

संसदीय सचिव, खाद्य मंत्री से संबंद्ध (श्री कुंवर सिंह निषाद) :- प्रमोद भाई, पाटेश्वर धाम का बता देना चाहूं कि वहां आदिवासी समाज की आस्था है। अगर किसी समाज की आस्था के ऊपर आप चोट करेंगे तो आपको उसका प्रहार झेलना पड़ेगा।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- मैं धाम की बात कर रहा हूं।

श्री कुवर सिंह निषाद :- आप बाबा जी के बारे में बोले। बाबा जी अलग चीज हैं। लेकिन वहां आदिवासी समाज बहुतायत में हैं। यदि उस समाज की आस्था के ऊपर आप चोट करोगे तो आपको उसका प्रहार सहना पड़ेगा।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- आप ओ बात ला छोड़ो। मोर ज्यादा जानकारी नई हे, एकर सेती मैं नई बोलवं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से अपने क्षेत्र के बारे में मांग करना चाहता हूं।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- आप इधर देख कर बोलिये, उधर देखकर मत बोलिये।

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल) :- प्रमोद शर्मा जी, तैं कम का बर बोलथस, ज्यादा बोला कर।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- मोला तो खुल के बोले नई देय। माननीय मंत्री जी मोर डहर देखिये, कुछ पढिहौं। मोर क्षेत्र के कुछ मांग हे, तेन ला थोड़ा सा लिख लेथौ। लटवा से ताराशिव मार्ग की स्थिति खराब है, ओला आप मन हा बजट में स्वीकृत कर देतौ। सलौनी से देवरी मार्ग निर्माण कार्य स्वीकृति प्रदान करै बर भी आपसे निवेदन करत हौं। पढ़कीडीह से रवानझिपवन होते हुए मोघरा तक की जो रोड है, उसकी विकट दयनीय स्थिति हवै। वहां ये स्थिति है कि हर 15 दिन में एक दुर्घटना हो रही है और वहां पर लोगों की मृत्यु हो रही है। माननीय मंत्री जी से निवेदन है इसको प्राथमिकता से पूरा करें।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, श्रीमती संगीता सिन्हा जी।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इतनी जल्दी।

उपाध्यक्ष महोदय :- आपको बोलते हुए 14-15 मनिट हो गये हैं।

श्री प्रमोद कुमार शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ठीक है। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्रीमती संगीता सिन्हा जी। हो गये गा, तोला आज बहुत टोके हे। तैं बडे नेता हो गये।

श्रीमती संगीता सिन्हा (संजारी-बालोद) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं वित्तीय वर्ष 2023-2024 की अनुदान मांग संख्या 24, 67, 76, 3, 4, 5, 51, 37 के समर्थन में खड़े हौं। अभी जितना देर से चर्चा चलत रहिस हे, सब बात ला सुने हन। मैं एक बात कहना चाहत हौं कि दर्पण एक अनोखी वस्तु है। यहां जितना हन हमन विधान सभा में आये हन, वो दर्पण के यूज ला अच्छे से जानथे। बिना दर्पण देखे कोई यहां पे नई आये हे। दर्पण से बढ़कर कोई वस्तु प्रिय नहीं है। ये चीज ला आप भी मानथौ, हमी मन भी मानथन, सबो झन मानथन। जब व्यक्ति दर्पण ला देखते, ओला देख के हमन बड़ा प्रसन्न होत हन कि आज हमन अच्छा ड्रेस पहने हन, अच्छा दिखत हन। और जब वही बात ला दूसरा बोल देही कि जा अपन मुंह ला दर्पण में देख तो आदमी झल्ला जाथे। ओमा गुस्सा आ जाथे कि मैं अपन चेहरा देख सकत हव, लेकिन अगर कोई दूसरा बोल दिही कि अपन चेहरा ला जा दर्पण में देख कर आ तो ओमा गुस्सा आ जाथे। वही बात हमर विपक्ष के साथी मन से आथे। जब हमन ओला बात करथन तब

अपन दर्पण म देख कर बात करथे अउ हमन जब बोलथन कि 15 साल अपन चेहरा ला देख ता इतना झल्लाथे, इतना जल्लाथे कि ओकर झल्लाहट आप ला पता चलत होही। पूरा पेपर ला फाड़ देथे। कई बार चंद्राकर जी हर टेबल म गिरत-गिरत बचथे। तो वह जो दर्पण के बात हे न, ये विपक्षी के साथ, बी.जे.पी. के साथ साबित होथे। ओसने हमर आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय जी, 15 साल में एमन सड़क पुल तो बनवाईस नइ हे, स्काई वॉक बनाईस, काबर कि येमन ला हवा में उड़े के आदत रहीसे। ओकर सेतीर 15 साल म हमर छत्तीसगढ़ के जनता हर जमीन म उतारीस अउ जोन हमर भूपेश बघेल जी के सरकार हे। किसी भी प्रदेश के विकास में सड़क और पुल के महत्वपूर्ण भूमिका होथे। काबर कि जब हमन कोई भी विधानसभा में जाथन। आप इस राज्य से उस राज्य भी जाओ। कोई भी राज्य म हमन प्रवेश करथन तो वहां के रोड ही ओकर कहानी ला कइथे कि इस राज्य के सी.एम. कइसे होही, मुख्यमंत्री हर कइसे हे। अगर हमन एक विधानसभा से दूसरा विधानसभा में जाथन तो जब ओ रोड ल देखथन। अगर रोड बहुत अच्छा हे ता जरूर बात करथन कि यहां के विधायक बहुत अच्छा हे। अगर विधानसभा के रोड खराब हे ता जरूर बात करथन कि यहां के विधायक कइसे हे कि रोड ला तक नइ बनाय। कभी सरपंच, पंच ला नइ कहन कि यहां के पंच कइसे हे, यहां के सरपंच कइसे हे जो रोड ला नइ बनाहे, कभी नइ कहन कि जिला पंचायत कइसे हे। हमेशा ओ विधायक के बात करथन। तो जो रोड ला बनाय के काम हे, हमर गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के विचारधारा में हमर मुखिया हा इस बार करे हे और उपाध्यक्ष महोदय जी, हमर छत्तीसगढ़ राज्य के पूरा रोड हे, ओ अभी चमाचम बनथे। आप मन कहीं भी जात होहू ता देखत होहू। यहां से हम धमतरी जाथन। पूरा रोड बनथे अउ हमर विधानसभा के स्थिति ला हम बतायेंगे ता आप दंग रह जाहूं। हमन तो लगातार पिछले 5 साल से प्रयास रहीसे, लेकिन विपक्ष रहीसे तेकर सेतीर कहीं नहीं मिले रहीसे और जब से हमर सरकार आइस। हमर जम्मो रोड मन बने हे। छोटे से छोटे अउ बड़े से बड़े। एक किलोमीटर के बात करहूं। जो सुर्रा से तम्बोरा मार्ग रहीसे, ओकर लिये हमन तरस गय रहेन, लेकिन विपक्ष के साथी मन पिछले बार हमन ला उतना रोड नइ देहे रहीसे अउ इस बार हमर सब रोड स्वीकृति हो चुके हे। उपाध्यक्ष महोदय जी, अभी जो बजट में आहे। रेवती नवागांव से जुझारा नाला गांव में उच्च स्तरीय पुल, मेवारी कला से बालोद में अउ सनार डोटोपारा में कार के पुल अउ दल्ली चौक बालोद से पाररस बालोद तक सौंदर्यीकरण मार्ग। उमराधानी पानी मार्ग चौड़ीकरण, मजबूतीकरण। झूमगेरा से घूमका तक नवीन सड़क। रामनगर, रानीतराई, खेड़काडीह से पुलिया। सेमरकोना से सालहेटोला मार्ग। 20 करोड़ 80 लाख रूपये के हमर बजट में पास होहे। मैं हर हमर माननीय गृहमंत्री जी ला बहुत-बहुत धन्यवाद देथो जो इतना सुंदर हमर सड़क के लिए बजट में दीसे। जो बहुत ही सराहनीय कार्य हे।

उपाध्यक्ष महोदय जी, साथ में मैं हर सुगम सगम सड़क योजना के बारे में कहना चाहूं। जो सड़क हे, जइसे कि स्कूल में कोई बच्चा जाथे तो जो मेन रोड से स्कूल तक के रोड इतना खराब रहय कि बारीश में ओ जगह में जाना दूभर रहय। पूरा चिखला-चिखला रहय। वैसी हमर शासकीय भवन होथे, चाहे

आंगनबाड़ी हो, शमशान घाट हो, मेला स्थान हो, धान संग्रहण केन्द्र की बात हो, वहां तक के जो रोड रइथे, वहां तक के जो रोड रइथे, वहां के लिए जो रोड बनाय गेहे, सुगम सड़क योजना बहुत कारगर साबित होथे। ओकर लिए भी मैं हर मंत्री महोदय जी ला धन्यवाद देथो। साथ में वर्ष 2021-22 के बजट में जो रोड हर शामिल हो चुके रहीसे। पड़कीभार से पोण्डीमार्ग अउ रानीमाई से सियादेवी मार्ग। तो मैं हर मंत्री महोदय ला एकर सेतीर ध्यान आकर्षित करना चाहूं जो रानी माई से सियादेवी मार्ग हे, वो आपके पी.डब्ल्यू.डी. में पास हो गये रहीसे, लेकिन वह फारेस्ट विभाग में जाकर रूक गे। काबर की जो एरिया हे, वह फारेस्ट विभाग के अंतर्गत आथे। हमन लगातार प्रयास करेन कि वह किसी भी तरह हल हो जाए तो आप कृपा करे फारेस्ट विभाग के अधिकारी ला बुलाकर मंत्री महोदय जी अगर ये काम हो जही तो ये पर्यटन क्षेत्र में आथे । सियादेही में माता जी के मंदिर हे जो पर्यटन विभाग के अंतर्गत भी आथे । हमन ला बहुत जरूरी हे इस बार चूंकि नवरात्रि पर्व में वहां मेला भी लगथे तो आप इही काम ला अगर करवा देतेओ तो बहुत बड़े कृपा होतिस ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं ऐकर साथ में जेल विभाग के बारे में कहना चाहत हंओ कि हमर प्रदेश में 5 केंद्रीय, 20 जिला, 8 उपजेल संचालित है । आज हम सुरक्षित हन । अगर हम 15 साल पहिली के बात करन ता मोर ख्याल से हमन ला लगथे कि हमर बेटी-महिला मन सुरक्षित नइ रिहिस हे । कोई भी अगर महिला-बेटी रात में 8 बजे के बाद बाहर जाना पड़े तो ओला बहुत मुश्किल रहय । उस समय के जो झलियामारी कांड हे ओहा हमर मंत्री महोदया हमर अनिला दीदी के क्षेत्र में आथे । वहां हमर बेटी मन के इतना बेकार स्थिति रिहिस हे, ओमन शोषित होत रिहिस हे, वो झलियामारी कांड ला हम याद दिलाथन ता ओला भूले के प्रयास करवाथे। सबसे बड़े कांड झीरमघाटी होए हे, झीरमघाटी के जब बात चलथे ता ओमन ला फर्क नइ पड़य । जेन व्यक्ति ला ओ हा केवल एक घटना तौर पर लगथे न ओला कोई फर्क नइ पड़य । अगर झीरमघाटी के बारे में पूछना हे तो हमर दीदी जेन बइठे हे, जेकर मांग के सिंदूर उजड़े हे ओला पूछओ । ओ दर्द ला समझथे । जब एक-बार झीरमघाटी के नाम होथे ता ओला कितना बड़े दर्द होथे ? ये बात ला ओमन उठा-उठाके यहां तक कि झीरमघाटी जब घटना होइस वहां पर हमर जो भैया मन शहीद होइन । ओकर मोबाईल 3 दिन तक चालू रिहिस हे और 3 दिन तक लगातार घर वाले मन बेटी हा, बेटा हा, मां हा, बहन हा सब लगातार कॉल करत हे, लगातार कॉल जात हे लेकिन ओ फोन नइ उठिस । काबर नइ उठिस, ऐला चेक करवा सकत रिहिस हे का ? ओला जांच करवा सकत रिहिस हे लेकिन नहीं ओला साइलेंट करके दबा दिये गिस अउ आज वो झीरमघाटी के बात करथे कि जांच करे । हम करवायेंगे, हमर सरकार हे, ओकर सब करेंगे लेकिन उस समय ओकर बहुत बड़े योगदान रिहिस हे ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, साथ में जो भाजपा शासनकाल के बालात्कार वाले केस हे । वर्ष 2016 में 1583, वर्ष 2017 में 1826, वर्ष 2018 में 2091 तक बालात्कारी केस होए हे । साथ में हत्या

के बहुत बड़े केस होय हे, बहुत सारा कांड होय हे । आपके पास समय नइ हे, नइ दुहू कहिके मैं हा अपन क्षेत्र के बारे में रखे बर अपन बात ला रखत हंओं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपके आदेशानुसार बोहारानाला में उच्चस्तरीय पुल निर्माण के लिये मैं हा मंत्री महोदय से निवेदन करत हंओं काबर कि बोहारा से सनोद मार्ग में आवासपारा प्राथमिक शाला हॉयर सेकेण्डरी स्कूल गौठान धान खरीदी केंद्र है । अगर गांव से वहां हमन ला जाना पड़थे ओकर लिये 2 किलोमीटर घूम के जाये बर पड़थे और अगर वहां बोहारा नाला में पुल के निर्माण हो जथे तो वहां केवल आधा किलोमीटर के दूरी रइही ता आपसे सनम्र निवेदन हे कि बोहारा नाला में उच्चस्तरीय पुल के निर्माण हो । साथ में जो सनौद और कुरूद में नवीन थाना बर हमर महोदय जी दे हे तो नवीन थाना तो चुके हे । नवीन थाना में भवन के कमी हे तो जो नवीन थाना हे वहां पर भवन दे तो बहुत बडे कृपा होही । साथ में एक हमर जो गुरूर हे । गुरूर में जो थाना है वहां पर पुलिस मन के घर नइ हे । रात में अगर हम पुलिस मन ला कभी फोन करथन, कभी जरूरत पड़थे तो ओमन घर से वापस आथे । वहां पर घर बने हे लेकिन इतना जर्जर हे, पानी टपकथे, सांप निकलथे जइसे महोदय जी बतात रिहिस हे । सांप, छिपकली के डेरा हे । ओसनहे स्थिति हमर गुरूर थाना में हे ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, समाप्त करें ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं वहां आवास के मांग करत हंओं और साथ में पर्यटन के लिये इतना कहना चाहूं कि जो जल पर्यटन में गंगरैल डेम एडवेंचर डवलप होए हे । वहां बहुत अच्छा हे कि जब हमर इंहां मेहमान आथे, सगा आथे ता हमन ला घुमाये के कहीं जगह नइ रिहिस हे । 15 साल में कभी डवलप नइ करिस । जो बोलथे न खेत के मेड़ में खाला खिलाथन ता हमन ला उतना 15 साल मा शर्मिंदगी महसूस होइस । आज गंगरैल डेम एडवेंचर के रूप में होए हे । बस मैं हा मंत्री महोदय से एक मांग करत हंओं कि जो मोर तांदुला डेम हे । तांदुला डेम भी बहुत सुंदर डेम हे वहां भी एडवेंचर अइसनहे अगर डवलप कर दिये जाये, जल पर्यटन में शामिल कर दिये जाये तो बहुत बड़े आपके कृपा होगी और साथ में संस्कृति के बारे में तो कल बोल ही चुके हंओं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप कल बहुत बोले हओ ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- संस्कृति के बारे में इतना कहना चाहत हौ धन्यवाद् प्रेषित करत हौं । माता बहादुर कलारिन के ऐच्छिक अवकाश दे हे एखर बर बहुत बहुत धन्यवाद् ।

उपाध्यक्ष महोदय :- श्रीमती इंदु बंजारे ।

श्रीमती संगीता सिन्हा :- उपाध्यक्ष महोदय, एक आखिरी बात । धर्म के बारे में कहना चाहत हौं । जब हम सुबह उठथन तो पुराना जमाना में, गांव के मन उठथे तो सबसे पहिली मम्मी पापा, मां बाबूजी के पांउ छुए के संस्कार रहिस हे । ओखर बाद जब घर से बाहर निकलथन तो गांव में जाकर देखहू तो हमेशा राम राम शब्द निकलथे । आज वो राम राम शब्द ला भाजपा के मन बांटे के प्रयास

करत हे । ओमन राम राम ला अपन शब्द कथे । मतलब राम राम ला तुम बांटहू । ये बहुत गलत हे धर्म के नाम पर राजनीति मत करो । अगर आप ला राजनीति करना हे तो अपन क्षेत्र के नाम से करो, धर्म के नाम से मत करो । उपाध्यक्ष महोदय, आप बोले के मौका देव, धन्यवाद् ।

श्रीमती इंदू बंजारे (पामगढ़) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आधुनिक भारत के महानायक मान्यवर श्री कांशीराम साहब की जयंती पर पूरे प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं देती हूं । आज मैं वित्तीय वर्ष 2023-24 की अनुदान मांगों पर चर्चा के लिए खड़ी हुई हूं । उपाध्यक्ष महोदय, हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश शांति का टापू रहा है । हमारे छत्तीसगढ़ के जो संस्कार हैं, जो बोली है, जो भाषा है यह पूरे देश में प्रचलित है । छत्तीसगढ़ को देखने के लिए पूरे देश से लोग आते हैं । लेकिन मुझे यह कहते हुए बहुत दुख हो रहा है कि जिस तरह से वर्तमान में छत्तीसगढ़ की स्थिति चरमराई हुई है । कानून व्यवस्था की वर्तमान स्थिति हमारे प्रदेश के आने वाले समय के लिए घातक साबित होगी । छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन चुका है। हर दिन मर्डर, अपहरण और बलात्कार जैसी घटनाएं होती रहती हैं । छत्तीसगढ़ वासियों के साथ हर दिन अन्याय और अत्याचार बढ़ता ही जा रहा है । उपाध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ सरकार कहती है कि छत्तीसगढ़ मॉडल, जब छत्तीसगढ़ मॉडल कहती है तो मुझे समझ नहीं आता कि यह छत्तीसगढ़ को किस दिशा में ले जा रहे हैं । छत्तीसगढ़ यदि मॉडल बना है तो केवल भ्रष्टाचार का मॉडल बना हुआ है । अपराध का गढ़ बन चुका है । हर दिन अपराध बढ़ते जा रहे हैं । आज सुबह की घटना को मैं दोहराना नहीं चाहूंगी । लोगों में उम्मीद थी कि यदि हमारे साथ कोई अन्याय, अत्याचार होता है तो पुलिस या प्रशासनिक अधिकारियों से न्याय की उम्मीद रहती थी । लेकिन आज लोगों का यह विश्वास टूट चुका है । पुलिस प्रशासन केवल वसूली करने के लिए बैठा हुआ है । लोगों को अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए कोई काम नहीं करते हैं और न ही कोई ठोस कदम उठाते हैं । किसी को भी पकड़ लेते हैं, किसी के साथ भी जबरदस्ती करते हैं और केवल वसूली करने के लिए बैठे हुए हैं । इस तरह से छत्तीसगढ़ सरकार और पुलिस विभाग के प्रशासनिक अधिकारी पर से जनता का विश्वास उठ चुका है । उपाध्यक्ष महोदय, एक पंक्ति के माध्यम से कहना चाहूंगी - झांक रहे हैं इधर उधर, खुद को आज ताके कौन । दुनिया सुधरे सब चिल्लाते, खुद को आज सुधारे कौन । छत्तीसगढ़ की सरकार कहती है कि 15 सालों में उन्होंने क्या किया ? 15 साल, 15 साल की रट लगाए रहते हैं लेकिन इन्होंने 15 साल में जो काम किया उसके कारण ही ये लोग 15 सीटों तक सिमट गए । लेकिन मैं छत्तीसगढ़ सरकार और माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहती हूं कि जो काम इन्होंने किया उन कामों को आप मत दोहराइए । अपने काम और अपनी नीति को इस तरह मोड़ दीजिए कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की जनता आपको इसी जगह पर बिठाय, अगर आपकी कार्यशैली अच्छी रहेगी तो । सम्माननीय लक्ष्मी ध्रुव जी बाबा साहब के बारे में एक बात कह रही थीं । लक्ष्मी दीदी मैं आपको बताना चाहूंगी कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी ने एक और बात कही थी । भारतीय

संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो इसको पालन करने वाले की नीति और उसकी सोच अगर अच्छी नहीं होगी भारतीय संविधान अच्छा साबित नहीं हो सकता । हमारे देश या प्रदेश में जो भी घटनाएं घट रही हैं ये इन्हीं मानसिकताओं पर लागू होती हैं । उपाध्यक्ष महोदय, आपने कहा कि हमें अपने क्षेत्र की मांगों पर विशेष ध्यान देना है । मैं माननीय मंत्री जी से विशेष निवेदन करती हूं । क्योंकि मैं जितने कामों को बोलूंगी वे पूर्व में भी बजट में शामिल थे और आज भी बजट में शामिल है । उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन कर रही हूं कि लाहौद मार्ग से डोंगाकोरौद सड़क निर्माण, जिसके संबंध में सदन में बहुत बार प्रश्न भी किया है, ध्यानाकर्षण भी लगाया है। उसके लिए बजट में शामिल है लेकिन आपसे निवेदन है कि प्रशासकीय स्वीकृति देने के बाद उसमें जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराया जाए। क्योंकि मैं लगभग 26 तारीख को मैं धरना प्रदर्शन में बैठी हुई थी तो आपके विभाग के अधिकारी ने मुझे यह आश्वस्त दिलाया था कि 1 मार्च से 15 मार्च तक हम पैच रिपेरिंग का काम चालू कर देंगे। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बताते हुए बहुत तकलीफ हो रही है कि इनके प्रशासन के जो अधिकारी हैं, वह असत्य बोलकर हमसे छल कपट करके हमसे असत्य कहा गया और एक ईंट क्या एक पत्थर भी वहां गिराने का काम नहीं किया गया है और ना ही काम चालू हुआ है। इसे बजट में शामिल कर इसकी प्रशासकीय स्वीकृति दिलाकर काम चालू कराया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, राहौद सलखन मार्ग चौड़ीकरण मजबूतीकरण के लिए आवागमन का एक विशेष रास्ता है, मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करती हूं कि इसको भी पूर्ण किया जाए। पनगांव से सेन्दरी मार्ग सड़क जो जांजगीर चापा और पामगढ़ विधानसभा को जोड़ती है। काफी लंबे अर्से से ग्रामवासी और दोनों विधान सभा के लोग प्रयास कर रहे थे लेकिन आज तक ना तो उनकी सरकार में हो पाया, उनके विधायक थे तब भी नहीं हो पाया, अगर कम से कम आपकी सरकार में हो जाए तो हमारी भी मान सम्मान बनी रहेगी, आपकी भी मान सम्मान बनी रहेगी। नेवराबंद से पामगढ़ नहर पार होते हुए पचरी सड़क निर्माण के लिए भी मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करती हूं। ग्राम खिसोरा से कचंदा पहुंच मार्ग है, उसकी भी मैं आपसे निवेदन करती हूं। ग्राम पथर्रा से पेन्ड्री पहुंच मार्ग है, उसके लिए भी आपसे निवेदन करती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, पड़रीया मोड़ से सिंघलद्वीप पहुंच मार्ग है, जो विकास के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ गांव है, जहां विकास के लिए काफी चुनिंदा काम ही होते हैं लेकिन हमारे कार्यकाल में आने के बाद हमने प्रयास किया और इस सड़क के लिए मैंने विभाग को बार-बार पत्र लिखा है। माननीय मंत्री महोदय जी, चूंकि यह बजट में शामिल है तो प्रशासकीय स्वीकृति दिलाकर इस सड़क को बनाने के लिए निवेदन करती हूं। यह सड़क कुछ ही मीलों की दूरी है, बाकी इतना बड़ा सड़क नहीं हैं, 10 मिनट का रास्ता है लेकिन उसके लिए लोगों को कई सौ किलोमीटर घूमकर जाते हैं। यह प्रमुख मार्ग है और छोटे कस्बे के लोग निवासरत रहते हैं। आपसे निवेदन है कि इसकी प्रशासकीय स्वीकृत दिलाने का निवेदन करती हूं। तनौद से खोखरी पहुंच मार्ग है, यह भी काफी प्रभावशील सड़क है जिसमें लोग

आवागमन करते हैं और पामगढ़ से अगर यह बन जाता है तो पामगढ़ से लोगों को आने जाने में काफी सहूलियत प्राप्त होगी। ग्राम लोहर्सी से खोरसी महानदी सड़क निर्माण के लिए भी मैं निवेदन करती हूं, चूंकि यह नदी के किनारे है तो बड़ी-बड़ी वाहनें उसमें चलकर सड़क को बर्बाद कर देती है और उसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है। इसके लिए भी मैं आपके माध्यम से मांग करती हूं। सम्माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगी कि रिवापार से राहौद पहुंच मार्ग निर्माण के लिए आपसे मांग करती हूं। जब से हमारा छत्तीसगढ़ अलग हुआ है तब से यह गांव अछूता रूप से पड़ा हुआ है। चाहे वह अधिकारी हो, कर्मचारी हो, प्रशासनिक व्यक्ति हो, किसी की भी नजर इस सड़क पर नहीं पड़ी है और ग्राम पंचायत, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का भी बहिष्कार किया था। चक्काजाम भी किया था, उसके बावजूद भी आज तक इसमें कोई कदम नहीं उठाया गया है। मैंने इसके संबंध में चक्काजाम भी किया था तो प्रशासन की ओर से आश्वस्त किया गया था कि बजट में शामिल कराकर प्रशासकीय स्वीकृति दिलवायेंगे करके, बजट में शामिल है। आपसे निवेदन है कि इसको पूर्ण कराया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिए, समाप्त करिए।

श्रीमती इंदू बंजारे :- उपाध्यक्ष महोदय, एक मिनट में समाप्त कर रही हूं। पकरीयां से रिवापार तक सड़क निर्माण की मांग करती हूं। माननीय मंत्री महोदय उसके भवन के लिए मैंने पूर्व में भी आपसे निवेदन किया था तो आपने मुझे आश्वस्त किया था कि जो पामगढ़ में विश्रामगृह हैं, आप भी उसमें गये हैं, आप उस स्थिति से अवगत हैं, वहां पर दो ही कमरा है, उसमें जब भी अधिकारी चले जाते हैं तो हम लोगों को वेट करना पड़ जाता है या आप लोग चले जाते हैं तो आमजन जो हैं, उनको वेट करना पड़ जाता है, चूंकि उसमें दो ही कमरा है। आपने पूर्व में आश्वस्त किया था कि आप प्रपोजल भिजवाईए, इसको निश्चित रूप से पूर्ण करायेंगे करके, मैं इसके लिए अतिरिक्त कक्ष के लिए आपके माध्यम से मांग करती हूं। मंत्री महोदय जी, आपसे एक और निवेदन है कि हमारे पामगढ़ में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय भवन नहीं है, मैं इसके लिए भी आपके माध्यम से मांग करती हूं। इसके साथ ही उप पंजीयक कार्यालय पामगढ़ में भवन नहीं है, इसके लिए भी मैं आपसे मांग करती हूं। पूर्व में मैंने भिलौनी, ससहा, में हायर सेकेण्डरी की भी मांग की थी, इसके लिए भी मैं आपसे मांग करती हूं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में ससहा, ग्राम पंचायत है जिसमें प्रतिवर्ष गुरू घासीदास जी के उपलक्ष्य में 15 दिवसीय मेला का आयोजन होता है और नदी के इस छोर मस्तूरी विधानसभा और हमारे पामगढ़ विधानसभा दोनों क्षेत्रों को जोड़ती है, वहां अगर पुलिस चौकी बन जाता है तो वहां आम लोगों को काफी सहूलियत प्राप्त होगी और जो भी कार्यक्रम होता है, वह सही ढंग से संचालित हो सकता है। पूर्व में जो हमारे भाजपा की सरकार थी, उन्होंने हमारे क्षेत्र में माननीय बृजमोहन अग्रवाल जी गये थे तो उन्होंने देवरभटा और शिवरीनारायण को पर्यटन स्थल बनाने के लिए घोषणा की थी, अब उनको तो बोल नहीं सकती लेकिन जो हमारी जनता है उनको यह पता नहीं रहता कि पक्ष और

विपक्ष कौन हैं। वे यह सोचते हैं कि घोषणा हो गयी तो निश्चित रूप से बनेगी। उनकी यह उम्मीद है कि आने वाला समय में यह बन जाएगा। इसके लिए मैं आपसे निवेदन करती हूं। मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के तहत् मेरे क्षेत्र की कई सारी सड़कें बजट में शामिल हैं लेकिन पैसे नहीं होने के कारण उसको प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिल पाई है तो इसके लिए भी मैं आपसे विशेष निवेदन करती हूं कि मैंने आपसे जिस काम को कराने का निवेदन किया है, उसको आप करा दीजिएगा। चूंकि 2 सालों से ये कार्य बजट में शामिल हैं लेकिन इनको प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिल पाई है जिसके कारण से मुझे दर-दर भटकना पड़ता है। मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से विनम्र निवेदन करती हूं कि मेरे जितने भी कार्य इस बजट में शामिल हैं उनको आप प्रशासकीय स्वीकृति दिला कर मेरे क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाइये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय :- आशीष कुमार छाबड़ा जी।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा (बेमेतरा) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय गृहमंत्री जी के विभागों से संबंधित मांग संख्या 24, 67, 76, 3, 4, 5, 51, 37 के वर्ष 2023-2024 की अनुदान मांगों के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। अभी विपक्ष के साथी यहां से कूच कर गये हैं। वह हमारे प्रदेश की भोली-भाली जनता को गुमराह करते हैं। असली मुद्दा यह है कि इनको अपने आवास की चिंता है। इनके ऊपर इनके आवास का संकट छाया हुआ है तो यह वहां गये हुए हैं। चूंकि वह यहां पर नहीं हैं लेकिन मैं आपके सामने उनके लिए एक छोटी सी बात रखना चाहूंगा।

छोटी-छोटी बातें करके, बड़े कहां जाओगे।

पतली गलियों से निकलो, तब खुली सड़कों पर आओगे।।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने प्रदेश की जनता को 15 साल तक पतली गलियों में घुमाया है और प्रदेश की जनता ने इनको रोड में ला दिया। मैं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपनी बात की शुरूआत इस प्रकार करता हूं कि किसी भी देश या प्रदेश का जो सबसे महत्वपूर्ण विभाग होता है वह लोक निर्माण विभाग होता है। जैसा कि पूर्व सदस्यों ने भी कहा कि जब हम किसी प्रदेश में जाते हैं, किसी जिले में जाते हैं, किसी विधान सभा क्षेत्र में जाते हैं उस समय जब हम विकास के पैमाने की तुलना करते हैं तो सबसे पहले हम यह देखते हैं कि वहां की रोड कनेक्टिविटी कैसी है और वहां पहुंच मार्ग कैसे हैं? यदि ग्रामीण अंचल, सुदूर अंचल तक पहुंच मार्ग अच्छे होते हैं और लोगों को आवागमन के लिए बारहमासी अच्छी सड़कें उपलब्ध होती हैं तो लोग इस बात की प्रशंसा करते हैं कि यहां की सरकार जन कल्याणकारी नीतियों के अनुरूप काम कर रही है। यहां की सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति जी ने एक बात कही थी कि ऐसा नहीं है कि अमेरिका संपन्न है इसलिए यहां की सड़कें अच्छी हैं बल्कि यहां की सड़कें अच्छी हैं इसलिए अमेरिका संपन्न है। इसलिए हम सड़कों से विकास की तुलना करते हैं और विकास का सबसे बड़ा पैमाना रोड को कहा जाता है। जिन

मार्गों में आवागमन के ज्यादा दबाव थे और जो पहले सिंगल लेन रोड हुआ करते थे, हमारी सरकार आने के बाद उसको निर्माण कार्य करके टू लेन किए। जहां टू लेन रोड थे, वहां पर फोर लेन रोड और जहां आवश्कता पड़ी, वहां पर फोर लेन मार्गों को सिक्स लेन के रूप में भी परिवर्तित करने का कार्य पिछले 4 साल में हमारी सरकार ने किया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह बात किसी से छिपी नहीं है कि 2 साल एक बड़ी चुनौती से पूरा देश और पूरा विश्व गुजरा है जिससे छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं रहा है। कोविड-19 का एक बड़ा भयानक दौर था। वह एक ऐसा समय था जब पूरे देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था ठप्प पड़ी हुई थी। मैं हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय गृहमंत्री, लोक निर्माण मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने उस भयानक दौर के बावजूद छत्तीसगढ़ के विकास के पहिए को थमने नहीं दिया। लगातार विकास की गति आगे बढ़ती रही। लगातार छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई दिशा मिली। लगातार इस विभाग के माध्यम से नये-नये आविष्कार करके इन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को समझा और उस मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाएं बनाईं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, कुछ देर पहले ही हमारे एक सदस्य मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना की बात कर रहे थे। मैं माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने एक अच्छी योजना बनाई क्योंकि पहले जब हमारे बच्चे स्कूल जाया करते थे और जब बारिश होती थी तो वहां सड़कों में कीचड़ होता था और पानी भरा रहता था जिससे उनको बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। आंगनबाड़ी के बच्चे जब आंगनबाड़ी केन्द्र में जाया करते थे तो उन्हें बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ता था। स्वास्थ्य केन्द्र हो या और भी जितने शासकीय भवन हैं, जहां पर पहले पहुंच मार्ग उपलब्ध नहीं थे और जहां लोगों को आने-जाने में बहुत कष्ट हुआ करता था, इन सब बातों को ध्यान में रखकर हमारी सरकार और माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक बहुत अच्छी योजना मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना बनाई। इस वर्ष के बजट में भी माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय गृहमंत्री जी के माध्यम से उस योजना के लिए लगभग डेढ़ सौ करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। मैं माननीय मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम शिक्षित बेरोजगारों की बात करते हैं। हम यह बात करते हैं कि यहां के युवाओं को रोजगार मिले। छत्तीसगढ़ में हम ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करायें, इस दिशा में भी इस विभाग ने बहुत अच्छा काम किया है और ई टेण्डर की प्रक्रिया शुरू की है ।

समय :

5:00 बजे

ई टेण्डर के माध्यम से जितने शिक्षित बेरोजगार थे, जिनके पास डिप्लोमा था, जिन्होंने इंजीनियरिंग की थी, उनको सीधा रोजगार से जोड़ने का काम हमारी सरकार ने किया है, जिसमें बेरोजगार युवाओं को 20 लाख रूपए तक के काम मैदानी ईलाकों में और 50 लाख रूपए तक के कार्य युवाओं के लिए आदिवासी क्षेत्रों में, बस्तर क्षेत्रों में हमारी सरकार के माध्यम से माननीय मंत्री जी ने किया है । साथ ही ठेकेदार जो बड़े प्रोजेक्ट किया करते थे, पहले उसमें इंजीनियरों को रखने की अनिवार्यता नहीं थी, लेकिन माननीय मंत्री जी ने एक आदेश जारी कराया कि हर कार्य में एक इंजीनियर होना चाहिए । उससे भी लगभग 6 हजार इंजीनियरों को रोजगार मिला है । उससे गुणवत्ता भी बढ़ी है, हमारी मानीटरिंग भी लगातार हुई है और विभाग के माध्यम से रोड़ बनाने तक ही नहीं, बल्कि रोड़ की क्वालिटी अच्छी रहे, रोड़ में गुणवत्ता रहे, इस पर भी विशेष रूप से विभाग के माध्यम से ध्यान दिया गया है । मैं उदाहरण बताना चाहूंगा कि विभाग पहले ठेकेदारों से परफारमेंस गारंटी लिया करती थी, वह पहले तीन साल की थी, लेकिन सरकार बनने के बाद उस नियम में परिवर्तन किया गया और अब पांच साल की परफारमेंस गारंटी ठेकेदार से ली जाती है । अगर सड़कों की मरम्मत की आवश्यकता पड़ती है तो परफारमेंस गारंटी के माध्यम से विभाग से वह मरम्मत कार्य कराया जाता है, जिसमें इस विभाग के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि पहले स्वाईल टेस्टिंग की सुविधा पूरे छत्तीसगढ़ में सिर्फ रायपुर में हुआ करती थी । अगर बस्तर, सरगुजा, रायपुर या दुर्ग संभाग के किसी भी ठेकेदार को स्वाईल टेस्ट कराना होता था या विभाग को स्वाईल टेस्ट कराना होता था तो रायपुर के लैब में उनको आना पड़ता था, लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद माननीय मंत्री जी ने प्रत्येक संभागों में लगभग 5 लैब की स्थापना करवाई ।

उपाध्यक्ष महोदय :- रामकुमार जी, आप अपनी बात कहिए । आपको 5 मिनट का समय दिया जाता है ।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, अभी तो मैंने एक ही विभाग शुरू किया है, अभी तो बहुत सारे विभाग बाकी हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आप अपने क्षेत्र की मुख्य बात करिए ।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- उपाध्यक्ष जी, अभी हमारे विपक्ष के साथी नहीं है, वे पुलिस को नियंत्रित करने की बात करते थे । हम लोगों ने 15 साल देखा है कि पुलिस का दुरूपयोग भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने किस तरीके से किया है और अप्रत्यक्ष रूप से, अघोषित रूप से उन्होंने पुलिस को एजेंट के रूप में काम कराया है। ऐसे दौर को भी हम लोगों ने देखा है । आज मैं अपनी पुलिसिंग को

दावे के साथ बोल सकता हूं कि सरकार के किसी मंत्री ने, न किसी विधायक ने नियंत्रण करने का काम किया है, बल्कि मैं हमारे प्रदेश की पुलिस को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनकी कानून व्यवस्था इतनी अच्छी है कि अगर कोई भी अपराध होता है या कोई भी किस्म की घटना घटती है तो उसमें त्वरित एक्शन लेकर त्वरित कार्यवाही करके हर दृष्टिकोण से उनको आधुनिक रूप से जोड़ने का काम भी हमारी सरकार के माध्यम से किया जा रहा है । आजकल सोशल मीडिया का जमाना है तो ठगी के बहुत सारे मामले देखने को मिले हैं, लेकिन पुलिस ने उसमें कार्यवाही भी की है, गिरफ्तारी हुई है और जिसको जो सजा मिलनी चाहिए थी, वह पुलिस के माध्यम से उनको लगातार सजा भी दी गई है ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं कि इस बजट में उन्होंने हर वर्ग के व्यक्ति का ध्यान रखा है । हम कोटवार से लेकर पटेल तक के मानदेय की बात करें । उसी प्रकार से हमारे जो नगर सैनिक हैं, जो अग्निशमक में आपातकाल में हमारी सुरक्षा के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहते थे, साथ ही त्यौहार भी होता था तो हम त्यौहार को अपने घर में अच्छे से मनाते थे और हमारे जवान ड्यूटी में हमेशा उपलब्ध रहते थे, ताकि कहीं कोई अप्रिय घटना न घट जाये । उनको पूर्व जो मानदेय मिलता था और वर्तमान में जो मानदेय है, उसके आंकड़े मैं रखना चाहता हूं । पूर्व में उनको 13200 रूपए मानदेय दिया जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री जी और माननीय मंत्री जी ने इस बजट में उनके लिए अधिक मानदेय का प्रावधान रखा है, उसमें उनको 19500 रूपए मिलेंगे । लगभग साढ़े 6 हजार रूपए की बढ़ोत्तरी होगी, यह एक बड़ी बढ़ोत्तरी है । हमारी सरकार हर वर्ग के लोगों का ध्यान रख रही है । हमारी सरकार के माध्यम से हम लोगों ने जन कल्याणकारी योजना बनाई है।

उपाध्यक्ष महोदय :- जल्दी समाप्त करें । आज केशव चंद्रा जी प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे ।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- अब आपका आदेश है तो मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय:- आप अपना मुख्य मांग रख लीजिये, वह अगली बार पूरा करेंगे।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, बहुत उच्चतम मांग है। मैं माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में जितना हम लोगों ने चाहा है, माननीय मंत्री जी खुले मन से लगातार हम लोगों को दिया है। लेकिन उसके बावजूद एक छोटा सी मांग है। माननीय मंत्री जी उससे अवगत हैं। बंजारी लावातरा बेरला ब्लाक एक ऐसा क्षेत्र है, जहां एक उच्च स्तरीय पुल की मांग एक लंबे अर्से से चल रही है। वहां पर एक सिद्धी माता सण्डी का मन्दिर है, वह आस्था का एक बड़ा केन्द्र है। वहां आने-जाने में बड़ी दिक्कत होती है। माननीय मंत्री जी मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि कम से कम एक और पुल ..।

श्री ताम्रध्वज साह :- दिया है न।

श्री आशीष कुमार छाबड़ा :- बड़ा पुल बंजारी लावातरा वाले में प्रावधान करवा देते। बाकी मैं इस

अनुदान मांग का समर्थन करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय :- रामकुमार कश्यप।

श्री रामकुमार यादव (चन्द्रपुर) :- उपाध्यक्ष महोदय, मोला कश्यप कह लो, यादव कह लो, मैं हा सर्व समाज वाला हव।

माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी के अनुदान मांग के समर्थन मा खड़े हव। विपक्ष के साथी मन बोलिन अउ भाग गइन। खैर ओ मन सुनही जरूर, कहीं भी वीडियो मा देखही, ओ मन वीडियो निकाल-निकाल के देखथे कि का बोलिस हे। मैं अपन पुरखा के बात ला याद करथव। हमर पुरखा मन बताय हे कि ये भारत अउ छत्तीसगढ़ मा ऋषि-मुनि के जन्म होय रहिस हे। कहे गय हावय कि 33 कोटि देवता अउ 88 हजार मुनि के कहीं पर उल्लेख हे तो छत्तीसगढ अउ भारत मा होय हे। विशेषकर हमर भारत मा जहां मर्यादा पुरूषोत्तम राम जी जन्म लीस, ओखर दाई घर छत्तीसगढ़ हे। आज ऐसे राम भगवान के जहां-जहां ओखर कोमल पैर पड़े हे, ओला आज हमर सरकार, हमर मंत्री जी रोड बनाय के काम करत हे। भारतीय जनता पार्टी वाला मन नइ हे, एक झन आक के सिखोत रहिस हे राम ऐसा है, राम राज्य ऐसा होना चाहिए। त मैं ओला समझाएव, बाबू तोर का नाम हे तो ओ कहीस योगेश। मैं कहेव कि मोर का नाम हे जानथस, रामकुमार। मोर ददा हर गरूवा चराने वाला गरीब घर के, मजदूर घर के रहिस। तो मोर नाम ला रामकुमार धर दीस। कहिस कि हमन तीरीथ बरस कहां जाय सखबो, घरे में रामकुमार गरूवा भागत हे झेक, रामकुमार पीढ़हा ला अमर तो, रामकुमार लौठी ला अमर तो, रामकुमार आ तो बेटा, मोर गोड़ ला सार, पीरात हे। हमन नाम से जपबो कहके मोर नाम रामकुमार रखे गय हे, तो ये मन मोला राम भगवान के बारे में सिखोत हे। ओखरे खातिर मैं हा कहथव कि ऐ कपड़ा रचाय से कोई भगत नहीं बन जाय, अंतरमन ला रचना चाहिए। ऐमा आज सिर्फ अउ सिर्फ ये मन ये समझथे कि राम नाम के राजनीति करके आगे बढ़ जाबो, छत्तीसगढ़ के जनता ये बात ला देखत हे।

माननीय उपाध्यक्ष जी, अब पर्यटन के बाद पुलिस के बात करे जाय। ये मन पुलिस के बारे मा बहुत कन गोठयात रहिस हे कि पुलिस ऐसा है, पुलिस वैसा है। हमन रात के सो रहथन तो रात-रात भर जागकर के पहरा देकर हमन ला सुरक्षित करथे। इही हा पुलिस हे। कहीं पर कुछ हो जाथे , पुलिस आथे तो हमन शांत हो जाथन, मन मा विश्वास हो जाथे नहीं तो हमन टी.व्ही. मा देखथन। छत्तीसगढ़ पहली मध्यप्रदेश मा रहिस हे। जमीन-जायदाद के बंटवारा हो गय हे, लेकिन अभी टी.व्ही. के बंटवारा नइ होय हे। ऐके थन चैनल ला देखे बर लागथे। मन नहीं रहय तभो मध्यप्रदेश के समाचार ला सुने बर लागथे, का करिहा ? तो आज टी.व्ही. ला खोल के देखथन, उहां के सरकार, येही भारतीय जनता पार्टी के सरकार येही पुलिस के दम पे डोजर ला धरके ओमन ला डरा-चमकाकर के कांग्रेस के नेता के घर ला ओदारत हे। हमन टी.व्ही. मा देखथन, वहां भयभीत हे। लेकिन वाह, मोर सरकार, धन्यवाद मोर सरकार कि आज

सही मायने मा कहिहा तो महापुरूष मन के विचार में महात्मा गांधी जी के विचार में, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के विचार में हमर सरकार हा चलत हे। समभाव, सब ला ले के चलने वाला सरकार, गिरे परे हपटे मन ला ले के चलने वाला सरकार, मोर सरकार चलत हे, मोर पुलिस ले के चलत हे। तेला नाना प्रकार के एमन दोष देथे, मोला एक झन अऊ कहे रिहिसे, बेटा कोई अच्छा काम करथे त वोखर पीठ ला भी थपथपाना चाही । अच्छा काम करथे त रात दिन वोला दोदत रइहव त उहू मन जंघा जथे । वोमन सब नोट करथे, वहु मन इंसान ए, रात-रात भर जागे हे त तुमन दौंदथव, नोट होवथ ए, भोरहा म झन रइहव ? माननीय उपाध्यक्ष जी, आज हम जब कोनो जवान साथी ला पूछथन कि तैं काय बनना चाहथस, त वोहा कइथे मैं ह पुलिस बनहूं । वोहा कलेक्टर नई काहय ? वोहा सिर्फ पुलिस कइथे । पुलिस के वोतके महत्व हे, तेखर पाय के मैं हा कहना चाहथंव कि पुलिस के ज्यादा अपमान मत करव, पुलिस हे त आज हम हन, आप हव । पहली जमाना म कोई बस्तर जाय बर, बस्तर के नाम सुनै त चेथी के बाल हा डर मा खड़ा हो जाये । आज के डेट म पता करके देखव, एखर खातिर, मैं धन्यवाद देवथंव मोर सरकार ला, मोर मंत्री ला अऊ पुलिस विभाग ला जेन हा अतका सुंदर काम करथे ।

श्री धर्मजीत सिंह :- पुलिस के बारे में हो गे ना । अब तैं बिल्कुल निश्चिंत राह कोई पुलिस के डाहर ले तोला चन्द्रपुर में कोई खतरा नई राहय । आराम से मजा करो ।

श्री रामकुमार यादव :- वोहा मोर राजनीतिक गुरू ए । उपाध्यक्ष जी, पी.डब्लू.डी. के रोड हा कोई भी प्रदेश के आईना होथे । हमर पढ़े लिखे मन कइथे, "टाईम इज मनी" । अगर रोड अच्छा रही त आप कम समय में ज्यादा दूरी तय कर सकथव] लेकिन रोड खराब रही त उबड़ खाबड़ में तुमला ज्यादा टेम लागथे, वोहा तुंहर टाईम ला घाल देथे । उपाध्यक्ष महोदय, 15 साल के सरकार में अंते ला कोन कहव, मैं जेन क्षेत्र के रहने वाला अंव चन्दरपुर विधान सभा, ब्लॉक मुख्यालय ल जोड़ने वाला, ट्रेन ला जोड़ने वाला, वो रोड ऐसन रहिसे कि कुकुर बिलई घलो वो रोड म नई रेंगय, वहु हा खेत में रेंगय । वोतका एमन मता दे रिहिन हावय । कंपनी खोलिन, कंपनी खोलथे त काय करथे पहली वोखर लिये रोड बनाना चाही, वोखर गाड़ी ला चलाय बर, वोखर धुर्रा माटी ला डोहरे बर, वोखर खातू कचरा ला लेगे बर, पहली रोड बनाना चाही, लेकिन येमन रोड नई बनइस । मोर माननीय मंत्री जी ला धन्यवाद देहंव, जे हा आज वोतका सुंदर रोड बनावथे । अब मोर क्षेत्र के मांग मा आ जाथंव । घेरी, बेरी ऐसे करथव, मोला मना करिहव जानथंव । मोर क्षेत्र म चन्द्रहासिनी मंदिर हे, कोन कलेक्टर हे, ऐसना कोन एस.पी. हे, जे चन्द्रहासिनी मंदिर के दर्शन करे बर नई जाय, वो चन्द्रहासिनी मंदिर घलो कहाथ होही, बेटा हो, तुमन नेता बनथव, मंत्री बनथव, मुख्यमंत्री बनथव, अधिकारी बनथव, मोर दर्शन करे बर आथव, मोरे कुछ नई बनाथव रे, खुद चन्द्रहासिनी देवी कहाथ होही, आज तक ऊंहा पर्यटन स्थल नई ए । एमन ला 15 साल होगिस, लेकिन मोर मुख्यमंत्री जी गे रिहिस हावय, मैं मांग करें हंव, चन्द्रपुर ला पर्यटन स्थल म जोड़े हावय अऊ अढ़भार म अष्टभुजी मां के मंदिर हे, उहू ला जोड़े के घोषणा करे हे, वोला जल्दी अधिकारी

भेज के, वोला मुहुर्त रूप देके वोला जल्दी करय । वोखर बाद मोर क्षेत्र म एक ठन सकर्रा गांव ला मुख्यमंत्री घोषणा करे हे, उंहा चौकी बर प्रशासनिक स्वीकृति हे, वोहा जल्दी मिल जाये । मालखरौदा म नवा एसडीएम आफिस बनाय हे, वोला अनुविभागीय पुलिस के मांग करथंव । उपाध्यक्ष महोदय, रोड के बाद अपन बात ला समाप्त करिहंव । एक ठन मुख्यमंत्री के घोषणा ए सपोद से मउहापाली के हावय । देश ला आजाद होय 75 साल हो गे, लेकिन अभी तक ऊंहा रोड नई ए । मुख्यमंत्री घोषणा करे हे, प्रशासनिक स्वीकृति बचे हे, मैं वोखरो निवेदन करथंव। एक ठन ए, बेनीपाली,कटठरापाली, निमोही, देवरघट्टा, एखरो प्रशासनिक स्वीकृति के मांग करथंव, एक ठन देवरघट्टा से अंडा होते हुये ओहर दारीमुड़ा, तौरीपाली के प्रशासनिक स्वीकृति के मांग करथंव । आप मोला बोले के मौका देहव, अतेक सारा बात रहिसे, मैं मांग के समर्थन करत अपन वाणी ला विराम देवथंव ।

उपाध्यक्ष महोदय :- थैंक्यू । श्री केशव चन्द्रा ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा (जैजेपुर) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय गृह मंत्री जी के अनुदान मांग म बोले बर मैं खड़ा होय हंव । काबर कि पहली गृह मंत्री जी के नाम आइसे त गृह विभाग से ही शुरू करथंव । ए विधान सभा म पुलिस विभाग से सबसे ज्यादा प्रताड़ित, दुखी कोई होही त मही हा हरंव । उपाध्यक्ष महोदय, 19-7-2022 के मोर घर मा चोरी होए हावय । पुलिस के अधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री तक ऐसे कोई नेता नहीं होही जेला में हा चिट्ठी नहीं देय होइहा। लेकिन 08 माह बीते के बाद भी चोर नहीं पकड़ाइस। चोर नहीं पकड़ाइस कोई बात नहीं। लेकिन पुलिस अब चोर ला खोजना बंद कर दिस। अब ओकर कोई जांच नहीं होथे। मैं मोर घर का मामला मा आंदोलन करे हन। जब आंदोलन करे हन तो पता चलिस कतका अकन दु:खी है। 20-25 ठन आवेदन आइस जेमन ये कहिन के हमर घर मा चोरी होय 06 महीना, 01 साल, 02 साल हो गे हे। थाना मा एफ.आई.आर. दर्ज हे लेकिन पुलिस हा कभू चोर मन ला नइ खोजिस। 20-25 ठन अइसना आवेदन आये हे जेमन के घर मा चोरी होये हे लेकिन पुलिस करा गयन तहा हमर रिपोर्ट में लिखिन के तोर घर मा 01 लाख रूपये कहा ले आइस। पहली येला बता। गहना चोरी हो गे, गहना के बिल ला। तो बिल नइ हे तेकर कारण ओला पुलिस मन नइ रोकिन। माननीय मंत्री जी, मैं पिछले समय भी सदन में निवेदन करे रहै। चोर आसमान ले नइ आइस होही अऊ केवल मोर घर की बात नहीं हे। आप समीक्षा करा कि ऐसा कतका अकन मामला हे जेला पुलिस हा पकड़त नहीं हे, खोजत नहीं हे। चार दिन ताजा-ताजा रहिथे। उपाध्यक्ष महोदय, मोरो घर चोरी होये तो ऐसे लागिस पुलिस के मेला लगे हे। एस.पी., एडिशनल एस.पी., कौन-कौन थाना के पुलिस, दू दिन मार भीड़। मोला तो ऐसे लागिस कि ये मन रात तक इ सदन ले दौड़त-दौड़त घर गये रहव कि चोरी होगिन कहि ता, रात तक खोज के निकाल दिही। लेकिन 4 दिन मा मामला ठण्डा होइस सदन खत्म होइस पुलिस के जोश ठण्डा हो गे, पुलिस के खोज बंद हो गे। अऊ आज नवा थानेदार आये हे ओला फोन

करके पूछे रेहव तो मोला तो मालूम ही नहीं हे, मोर कार्यकाल के नो हे कहत रिहीसे। तो चोर कार्यकाल में होथे का ? लेकिन जैसे ही पुलिस आथे, ओला पता चल जाथे कि कौन ए क्षेत्र मा जुंआ खिलाथे।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- का चोरी हुये रिहीसे ?

श्री केशव प्रसाद चंद्रा:- महोदय, मोर घर मा चोरी हुए रिहीसे। घर के ताला ला तोड़ के चुराये रिहीन हवय। सदन में दू-तीन घाव अऊ बोल डारे हवव।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- हव, पहले भी बोले रिहीन एकर सेती बोले रेहव।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- हव हव,।

उपाध्यक्ष महोदय :- अब मजबूत वाला ताला लगाओ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- रेता कति ले कौन बिना रॉयल्टी के उठाथे ओला पुलिस ला पता चल जाथे। कौन-कौन अवैध रूप से शराब बेचथे, ओ चिन्हांकित हो जाथे, लेकिन चोर के पता नइ चलै। अऊ बड़ा दु:ख के बात हे जब आंदोलन करे रेहव तो कई ठोक आवेदन तो अइसने आइस कि बकरी के चोरी हो गे हे लेकिन पुलिस ओला पकड़ नइ पात हवय। हमन बड़ा शर्मिंदगी महसूस करथन जब क्षेत्र में आम जनता कहिथे कि विधायक तोर घर चोरी होये हे तेला पकड़वा नहीं पाथन तो ते हमर साथ अन्याय होही हमर घर मा चोरी होये तो तै का पकड़वाबे, तै का मदद करबे। अऊ बड़ा शर्मिंदगी तब महसूस करथन, जब यही सत्ता पक्ष और विपक्ष, भारतीय जनता पार्टी के मन सोशल मीडिया मा डालथे कि विधायक घर के चोरी, चोरी नो हे, ये सहानुभूति प्राप्त करे बर एक षडयंत्र है। मैं आवेदन देहा कि यदि ये षडयंत्र हे तो पुलिस कम से कम ओ षडयंत्र के तो खुलासा करै। अऊ अगर चोरी हे तो चोर ला पकड़ै। पाण्डे जी, ऐसे कोई अधिकारी नइ हे जेकर करै नइ गय होही। आई.जी. रहै, डी.जी.पी. रहै, थानेदार रहय अऊ में हर 15 दिन में थाना बर ड्यूटी लगाथो मोर घर के चोरी के का हुइस। कभी थानेदार पूछे नइ आइस। बाकी चीज मन के भी समीक्षा पूछथा। एके ठन चीज कहिथे कि काकर ऊपर शंका हे। मोर लड़ई झगड़ा थोड़े हे, मोला कोई धमकी दे हे तेकर ऊपर शंका व्यक्त करिहा, ये चोरी हे। अऊ ये काम तो पुलिस के काम हे। माननीय मंत्री जी निवेदन हे हमन तकलीफ पाथन तो पा जाही लेकिन आम जनता के साथ का होत होही। थोड़े से पुलिस मन केवल शराब बस झन खेलाए। केवल गांजा अफीम के धंधा ला संरक्षण मत देवए। बल्कि आम जनता सुख सुविधा में रहाए एकर भी चिंता करए, मोर आप करा निवेदन हावए। हमर बजट में ए साल बड़ अकन जोड़े हावव। ओकर बर में आप ला धन्यवाद् देवत हौं, लेकिन कहना भी चाहत हौं कि पिछले समय बजट कस मत रहाए कि बजट में तो आ जही लेकिन ओखर प्रशासकीय स्वीकृति मिलबे मत करए। अभी आप मरघट्टी से रनपोटा साढ़े तीन किलोमीटर जोड़े हों, संजयग्राम चोरिया से ठठारी तीन किलोमीटर जोड़े हो, दर्राभांठा से झाररौंदा 9 किलोमीटर जोड़े हो, तीन साल पहिली अउ जोड़ रेहेव बजट से बाहर हो गे रिहिस। प्रशासकीय स्वीकृति नइ मिले रिहिस। एला पुन: नया जोड़े हव। नयाबराद्वार ठठारी से ठठारी तक 12 किलोमीटर ला चौड़ा करे बर लिखे, जोड़े हौ। मंदरागोढ़ी

सिल्ली मार्ग मा जो पुल टूटे हे, उच्च स्तरीय पुलिया के भी बजट में सम्मिलित करए हव। बसंतपुर भोगरी मार्ग जे सड़क बने रिहिस हे बाढ़ मा बह गे रिहिस हे ओला आधा किलोमीटर ला बनाये बर बजट में सम्मिलित करए हव। जैजेपुर में पशु चिकित्सालय भवन, पेंड्री में पशु औषधालय अउ छपोरा में माननीय मुख्यमंत्री जी घोषणा करे रिहिन हे कि आप बजट में छपोरा में पुलिस चौकी के प्रावधान रखे हो। माननीय महोदय, प्रावधान तो होगे, लेकिन निवेदन अतकी हे कि ओकर प्रशासकीय स्वीकृति कइसे मा मिलही ? काबर कि अगर मैं आप ला पिछला इतिहास बता देंव तो शायद सुनके आप भी दंग हो जहू । आप ला भी जानकारी हे कि मोर क्षेत्र के दू ठन अइसे सड़क जो वर्ष 2014-15 के बजट में सम्मिलित होए रिहिस। वर्ष 2015 में ओकर प्रशासकीय स्वीकृति मिलिस। वर्ष 2016 मा टेण्डर होकर, कार्यादेश जारी होईस, लेकिन वर्ष 2023 तक ओ सड़क हा नइ बन पाईस। हर विधान सभा में ओ मुद्दा ला उठाथौं। हर विधान सभा में रखथौं। ए जो सड़क हे बेलादुला से कलमीडीह अउ लम्बाई केवल 2 किलोमीटर हे। खम्हरिया से छितापड़रिया लम्बाई केवल ढाई किलोमीटर हे, लेकिन आज तक वह सड़क नइ बनिस। मुआवजा के समाधान नइ होईस। एके गांव केला मुआवजा दे दे हौ, एक गांव के मन ला मुआवजा नइ मिल पाए हे। ओ सड़क हा नइ बन पाए हे। मैं आप ला ही दोष नइ देवत हाववं पिछला सरकार भी एकर ऊपर ध्यान नइ दिस अउ आप तो ध्यान नइ देवत हावव, लेकिन मोर निवेदन हे कि कम से कम सरकार के प्रति जनता के विश्वास थोड़ा-बहुत रहाए। आपके बजट के प्रति रहाए। मैं जानत हौं कि जैजेपुर अउ मालखरौदा सड़क के कहिहौं।

श्री रामकुमार यादव :- में ओ ला नइ कहात हौं। काहे सुनार के ठुक ठाक अउ लोहार के एकेच घांव। आप 1 किलोमीटर सड़क के बात करत हौ। हमर मंत्री जी अतका बड़ उदार हे ओ सीधा 25 किलोमीटर तक जोड़ दिस। बतावव तौ। ए पुल ला घला जोड़ दिस सलनी से नवागांव वाला ला। अभी प्रशासकीय स्वीकृति मिलत हे।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- मैं बतात हौं कि अभी कोन-कोन पुल ला जोड़े हो तेला। में गिनत हांवव। महूं एक कागज धरे हावव। महूं पढ़े-लिख हवं। बजट ला महूं पढ़े बर जान डारथौं। हमन सुगम सड़क योजना के खूब प्रशंसा करेन अउ प्रशंसनीय योग्य कार्य भी हे। काबर कि जतका शासकीय बिल्डिंग हाट बाजार, बने रिहिस ओ जुड़ जावत रिहिस, लेकिन माननीय मंत्री महोदय, ओ अधर में लटक गे हे। एक बार के स्वीकृति जो वर्ष 2020-21 के होए हे। ओ मा के कुछ सड़क बने हे, कुछ नइ बने हे, ओ बना भी डारिन। आप बेरोजगार इंजीनियर मन ला काम दे रहेव, पढ़े लिखे मन ला काम दे रहेव। वह बढ़िया रिहिस, लेकिन आज तक ओ मन पइसा नहीं पाइस। बजट नइ हे। बाकी आप वर्ष 2021-22 मा जो स्वीकृति दे हावव तेखर आज तक टेण्डर नइ लगे हे। अधिकारी मन ला पूछथन कि काबर ए तो बजट नइ हे, पइसा नइ हे, तेखर बर ऊपर ले टेण्डर नइ लगाए के मौखिक रूप से हमन ला कहे हे कि टेण्डर नइ लगाना हे। ए ज्यादा पइसा के नइ, आपके पूरा प्रदेश भर में कतका अकन बजट हावए एक

झन विधायक मन ला एक करोड़ अउ दू करोड़ के प्रस्ताव मांगथौ। इहां 90 विधायक मा अधिकतम 200-250 करोड़ हे। एक सड़क बनाथौ तेखर जगह मा हर क्षेत्र में हो जतिस, लेकिन अतका अच्छा काम होए के बावजूद भी सरकार एकख बर पइसा उपलब्ध नइ कराते हे। ते हा दुर्भाग्य के बात हे। भाई रामकुमार जी कहत रहिन हावए कि बजट में सम्मिलित हे ओ नवागांव वाले पुलिया हा अभी स्वीकृत हो ही। माननीय रामकुमार जी, वर्ष 2017-18 के बजट में मल्ली से खजरानी भी सम्मिलित रिहिस। ओ हा साढ़े तीन किलोमीटर के सड़क हे। अकलसरा से भोथिया भी 17-18 किलोमीटर के बजट में सम्मिलित रिहिस 5 किलोमीटर के सड़क हे। मलदा से नंगारीडीह 1 किलोमीटर लम्बाई के सड़क भी 2019-20 के बजट में सम्मिलित रहिस। धमनी से नरियरा 1 किलोमीटर के सड़क 2019-20 के बजट मे सम्मिलित रहिस। बोरसरा से करमनडीह, करमनडीह गे हवा। चारो तरफ नरवा ले घेराय हे, कोई तरफ ले रास्ता नई हे, लेकिन केवल 1 किलोमीटर ओ गांव के मन रास्ता पा जाही, ओहर भी 2019-20 के बजट मा सम्मिलित रहिस, घोघरी से बरभांटा तोहरे विधान सभा ले बरभांटा जाथें। तोहरें विधानसभा के गांव ले ओखरो लंबाई केवल 1 किलोमीटर हे। ओहर भी 2019-20 के बजट में सम्मिलित रहिस, लेकिन हश्र का होईस, ओकर प्रशासकीय स्वीकृति नई मिलिस। फिर मैं कहिहां केवल राजनीतिक दुर्भावनावश प्रशासनिक स्वीकृति नई मिलिस। आरोप लगाहे कि दुर्भावनावश नई हे। लेकिन ओ गांव के मन का बिगाड़ डारे हे कि 1 किलोमीटर के सड़क बन जातिस, ओ मन भी अच्छा सड़क मा चलतिन। तिखरे बार मोर आरोप हे। विपक्ष के विधायक हन, तेकर कारण प्रशासकीय स्वीकृति ये सरकार नई देत हवै।

माननीय मंत्री महोदय, अभी कुछ मन बजट में जिंदा हवै। आखिरी सांस लेत हे। ये साल के बाद ओ भी बजट ले बाहर हो जाही। पोड़ेखेरा से जुनवानी गांव हे, जेहां पहुंच नई हे। 3 किलोमीटर के सड़क हे। ठठारी से अकलसरा होते हुए केकराभाट, रामकुमार जी अभी मुख्यमंत्री जी से मिलकर घोषणा करवायें हैं लेकिन वो बजट में नई आईस।

श्री रामकुमार यादव :- मुख्यमंत्री जी की घोषणा के लिए चिंता मत करा। वह आटोमेटिक आ जाही।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- ऊपर ले उतर जाही।

श्री रामकुमार यादव :- उतर गये नहीं, वो अभी गये हे।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- ठठारी से अकलसरा होते हुए केकराभाट 2020-21 के बजट मे सम्मिलित हे। बनसुला से कपिस्दा ढाई किलोमीटर की है, भोथिया से सनली 4 किलोमीटर की सड़क 2022-23 के बजट में सम्मिलित है। माननीय मंत्री जी आप करा भी मिले गये रहेन। ये वही सड़क हे जो दर्राभांटा से झारौंदा और झारौंदा मोड से सलनी तक पूरा माईनिंग के गाड़ी चलथे। प्रधानमंत्री सड़क योजना में सड़क स्वीकृत होय रहिस, लेकिन लोक निर्माण विभाग एला एम.डी.आर. में ले लेहिस। जे दिन ले लोक निर्माण विभाग एम.डी.आर. मा ले लीहिस, प्रधानमंत्री सड़क भी एक रुपया के मरम्मत नई करत

हे और लोक निर्माण विभाग भी एक रुपया के मरम्मत नई करत हे। अउ हमन क्षेत्र के जनता मन बैठ करके चंदा करके, आप कोई ला भी भेज करके पता लेवव, वो गांव के आदमी मन ला कम से कम चलने के लायक रहय, तेकर लिये उहां पानी डलवाथन, ओ प्लाण्ट, ओ प्लाण्ट ला तैं स्लैग चूड़ी दे दे, थोड़ा कन मुरूम दे दे कर, ओ सड़क ला बनात हन। लेकिन आपके विभाग करा ओकर मरम्मत करै के भी पैसा नई हे। बजट में आईस, बाहर हो गये। पुन: बजट मा आये हवै। अब तुमन के कृपा दृष्टि लगही तभी वोहा मिलही। फिर सोचिहा कि ये विपक्ष के विधायक हे, ऐला स्वीकृति नई देना हे तो प्रशासकीय स्वीकृति नई होय। तुंहर हाथ में हे। काबर कि वित्त मा जाथन।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, माननीय समाप्त करें।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- वित्त में जाथन तो वहां ले कहथे, हाउस ले आही तिकरे होही। रामकुमार यादव जी का हाउस ला खूब जाथे। भोथिया से सलनी, मलनी से डोंगिया, गोविंदा से बड़गड़ी 2 किलोमीटर, अरसिया से बिर्रा के बीच, आप पुलिया के बात करत हा ना, ये 2020-21 के बजट में अरसिया से बिर्रा, उच्चस्तरीय पुलिया जुड़े हे, अथरीपाली से मुड़पार बोरईनदी में उच्चस्तरीय पुलिया, धनवारपारा सलनी से नवागांव के बीच बोराई नदी में उच्चस्तरीय पुलिया।

श्री रामकुमार यादव :- विधायक जी, आप एतका कन जोड़ देत हौ कि पूरा प्रदेश के पैसा वहीं सिरा जाही, मोला लागत हे।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- बिल्कुल, हमर अधिकार है। जनता मन के आवश्यकता हे। छपराहसौद मार्ग में भेड़िकोना, हर बार पुल डूबथे। ये मुख्य मार्ग हे। 03 तीन ले रास्ता बंद रहिथे। भडौंरा से खरझट्ठी के बीच मा बोलाई नदी मा उच्च स्तरीय पुल, खोंखरी के पास बगाननाला में उच्च स्तरीय पुलिया, दर्राभांटा से भोथिया सलनी, मुलनीडीह कचंदा मार्ग 17 कलिोमीटर। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये मोर मांग न होय, ये बजट में सम्मिलित हे। लेकिन एकर प्रशासकीय स्वीकृति नई मिले हवै। सेमरिया से मुक्ता डेढ किलोमीटर, बड़गड़ी से चारपारा 2 किलोमीटर, पिहरीद से पिरदा 7 किलोमीटर, ये बजट में सम्मिलित हे। लेकिन एकर प्रशासकीय स्वीकृति नई मिले हे। माननीय मंत्री जी थोड़ा कन दिन के तोहर हमर जी हा बांचे हवै, कौन जानी फिर जीवो कि नई ता। मोर निवेदन हे जी हर हे ततका दिन तक कोशिश कर देवा। थोड़े बहुत हो जाये। मोर कुछ मांग भी हे। माननीय आंसदी ले निर्देश आ गये हे कि जल्दी खत्म करा। तो कम से कम मांग देथौं। देने वाला तो तुमन हौं, नई दिहा तबौ हमर महोदय कहथे कि नई भी दिहा तो का तोहर बिगाड़ लेबो। नई सुनिहा तुंहर काय बिगाड़ लेबो। तुंहर करा पुलिस हे। आज सदन आय बर रोक लीस। पुलिस काय बिगाड़ लेहे। इहां कहेन त उल्टा एक झन मंत्री कइ दिस कि संदिग्ध आदमी मन ल पुलिस रोकथे। त हमन संदिग्ध भी हो गेन। अब हमन के बातों ता नइ सुनीन। तीन जगह डायवर्ट। एक जगह पुलिस तो बता देतीस कि विधानसभा कती ले जाबो। माननीय महोदय, करमनडी गांव हे, जोहर पहली बजट म रहीस। गुजकुलिया से करमनडी ढाई किलोमीटर हे। मैं तो

नइ कहव बजट में आ गेहे, आप बजट में शामिल कर देवा, लेकिन कोई प्रकार से आपके मद ले अगर व्यवस्था होही। कन्वर्जेंस में भी आप पास पैसा रइथे। ये पहुंचवहीन गांव हे त एला कम से कम बनवा देवा। एक सेमराडीह गांव हे, जे हर पहुंचविहीन गांव हे, जहां केवल चले बर पगडण्डी हे। आज भी बरसात के दिन म ओ गांव में मोटर-सायकल नइ जा पाय। बरभाठा, ये रामकुमार विधायक जी भी उहां बगान नदी ल तउर के जाथे । एकर विधानसभा से मोर विधानसभा जुड़थे। कोई सड़क नइ हे, पुलिया नइ हे। डोमाडीह एक अइसे गांव हे, जहां मरीज ला खाट मा उठाकर लाथे। लंबाई ज्यादा नहीं हे, केवल तीन किलोमीटर हे। नरियरा से मिरौनी बैराज ये भी तीन किलोमीटर के हे। सिलादेही मा एक मउहाडीह गांव हावय। ओहर बिरान गांव घोषित हो गेहे, लेकिन उहां एक बस्ती हावय। उहां रास्ता नइ हे। मुख्य मार्ग से छिराडीह, जो पहुंचविही गांव हावय। एकर मैं हर आप करा मांग करत हव। अगर आप ल उचित लागही कि ए गांव के मन ला भी रास्ता मिलय त देख लिहा। अभी इंदू बंजारे जी कहिन हे। जो पामगढ़ के विश्राम गृह हे, ओसरे हालत मोर जैजैपुर के भी विश्राम गृह के हे। केवल दू कक्ष हे। तहसील हावय त कम से कम दू अतिरिक्त कक्ष आप जो हे ओला बनवा देवा। आप बहुत अकन का सड़क बनाथा काय ओकरो रइथे तो बम्हीनडीह भी अब तहसील बन गे। बम्हीनडीह के तो अउ हालत खराब हे। उहां भी दू कमरा के अतिरिक्त कक्ष बनवा देता ता बहुत बढ़िया होतीस। साथ ही साथ अभी भोथिया हर तहसील होहे त भोथिया म भी कम से कम दू कमरा के एक पी.डब्ल्यू.डी. के रेस्ट हाऊस बनवा देता। रायपुरा में मैं पुलिस चौकी के मांग करे रहे, बजट में तो नइ आहे, फिर भी मैं आप करा निवेदन करत हव कि ये बजट मे सम्मिलित कर देवा। एकर साथ ही साथ दू ठन विभाग आपके साथ हावय। एक ठन पर्यटन। अउ निश्चित रूप से पर्यटन के अगर विकास होही त छत्तीसगढ़ के सम्मान, छत्तीसगढ़ के गौरव हमन ला सब जगह बढ़ही। पर्यटक मन आही, बाहर के मन आही। हमर संस्कृति ल, हमर हाव-भाव ल, हमर व्यवहार ल, हमर शिक्षा-दीक्षा ल, ओमन भी जानही अउ जब बाहर के आदमी आही त केवल ओमन हमन करा सीखकर नइ जाय ओमन से भी हमन ल सीखे के अवसर मिलही। त बड़े-बड़े जह तो पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होत हावय, लेकिन हर गरीब आदमी पर्यटन स्थल म नइ जा सकय। तो मोर निवेदन हे कि ग्रामीण क्षेत्र म मैं केवल मोर जैजैपुर विधानसभा के बात नइ करत हव बल्कि हर विधानसभा मा एक-दू ठन अइसे जगह होही, जेमन ग्रामीण मन बहुत सम्मान के साथ पर्यटन स्थल के रूप म ओ करा पिकनिक के रूप म, मेला के रूप म आत रइथे त ओसना जगह म, पर्यटन के रूप में विकसत करा। ज्यादा कुछ नहीं। ओ करा पानी के व्यवस्था हो जाय, ओ करा लाईट के व्यवस्था हो जाए, ओ करा जाय के सड़क के व्यवस्था हो जाए। छोटे-मोटे सामुदायिक भवन बन जाए। अउ मोर क्षेत्र म तीन जगह अइसना हावय। भोथिया के मनका माई मंदिर हे, कचन्दा म खमेश्वरी मंदिर हे अउ बड़गड़ी म सिदेश्वरनाथ के मंदिर हे। तीनों जगह ल अगर ग्रामीण स्थल के रूप म कुछ किये जा सकथे त कर लेवा।

उपाध्यक्ष महोदय :- कृपया समाप्त करें।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- माननीय मंत्री जी, धार्मिक न्यास म मोर विधान म एक देवरघट्टा गांव हे। मैं पूरा पता करे, लेकिन अभी तक कोई बताय नइ सकथे कि उहां के शिव मंदिर कतका पुराना हे अउ उहां महाशिवरात्रि म 15 दिन के बहुत भव्य मेला लगथे, लेकिन ये मंदिर के हाल ये हे कि गांव के गरीब आदमी मन भी चंदा करके ओ मंदिर ल नइ बनवा सकत हावय। शिव भगवान ला मटकी रखे के जरूरत नइ हे, बल्कि ऊपर ले पानी टपकथे हावय। तो मोर निवेदन हे कि ओ मंदिर के जिर्णोद्धार, ओकर बाउण्ड्रीवॉल अउ मेला लगथे ता ओकर एकाध-दू ठन सामुदायिक भवन अगर होही त, काबर कि बजट ल पढ़त रहे ता धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग म भी बजट के प्रावधान हे। मैं एला खाली सदन में बोले हावव, बाकी आप ल लिखकर भी दिहा। आप ल इच्छा लागही, उचित लागही ता ऐला कर दिहा। ये बात के मैं निवेदन करत हंओं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप मोला समय दे हा ओकर बर आप ला बहुत-बहुत धन्यवाद । आपके सदन के एक सदस्य होय के नाते पुन: मैं पूरा सदन करा निवेदन करत हंओं कि मोर घर के जो मोर व्यक्तिगत परेशानी अऊ दिक्कत हावय तो घर में चोरी होए हावए । माननीय मंत्री महोदय मैं तो यह समझत रहेओं कि मुख्यमंत्री महोदय भी संज्ञान मा लिही काबर कि ये सदन के हमन एक सदस्य हन । मैं समझत रहेओं कि गृहमंत्री भी ऐला संज्ञान में लेकर के कम से कम अपन तरफ ले पुलिस ला एक-बार बोलही लेकिन दुर्भाग्य अऊ दुख के बात हे कि ये सदन में केवल दल के आधार पर काम होथे । ये सदन मा दुर्भावना के राजनीति होथे । कभी कोई पुलिस के अधिकारी ये नइ चाहिस कि विधायक के घर में चोरी होए हे तेला गंभीरतापूर्वक जो हे ऐकर बर ये किये जाये ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, काय होगे अगर हमर सामान के चोरी होगे, जान-माल बच गे हे अऊ अगर जीवन हे तो ओ चीज ला हमन पूर्ति कर लेबो लेकिन आदमी काकर ऊपर आरोप लगात हे ? पुलिस के ऊपर ही प्रश्नचिह्न लगाहीं । प्रशासन के ऊपर ही प्रश्नचिह्न लगही अऊ ये व्यवस्था तब तक रइही जब तक ये दुर्भावना के राजनीति होत रइही तब तक ये नइ बनय । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप मोला बोले के लिये समय दे हा तेकर बर आप ला बहुत-बहुत धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े जी । आप दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें ।

श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े (सारंगढ़) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय गृहमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं । मोर विधानसभा हा 15 साल ले बहुत जर्जर रिहिस हे, एक भी सड़क नइ बन पाये रिहिस हे लेकिन कांग्रेस सरकार आये हे तबसे बहुत सारा अइसे रोड बनिस हे जेमा कि इस साल भी 8-10 ठन बजट में पास होए हे ता मैं माननीय गृहमंत्री जी ला बहुत-बहुत धन्यवाद दिहां और साथ ही साथ रामकुमार जी के जो क्षेत्र हे चंद्रपुर, नाथलदाई हा मोर हे अऊ चंद्रहासिन हा रामकुमार जी के हे तो वहां भी कुछ मंगल भवन, चाहे सामुदायिक भवन पर्यटन स्थल के कुछ मांग करहूं ता आपसे

निवेदन हे कि वहां भी काबर कि बहुत दूर ले जइसे उड़ीसा ले बहुत जनसंख्या में वहां देखे बर आथे तो कहीं भी रूके के जगह नइ हे ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से मोर छोटे-छोटे मांग हे । जेमा कि बरमकेला क्षेत्र बईगिनडीह से करनपाली तक 3 किलोमीटर जेमा कि बहुत ज्यादा जरूरी हे । कल ओमन देखे आये रिहिस हे ता मोला विधायक जी बोलत रिहिस हे, हमर एक ठन रोड ला पास करवा देथा ता मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करिहां और अमेरीडीपा से एक और रोड हे जेमा कि हमर गृहमंत्री जी से निवेदन हे कि ओ रोड ला भी पास करवा दिही, बजट में जोड़ दिही । मैं हा गृहमंत्री जा बहुत-बहुत धन्यवाद दिहां जेमा कि हमर सारंगढ़ बहुत आदिवासी क्षेत्र हे, बरमकेला भी हे काबर कि बरमकेला में मोर सामुदायिक भवन नइ हे, न रेस्टहाऊस नइ हे । जेमा रेस्टहाऊस बहुत पुराना हे । वहां जाहा तो एक ठन पलंग तक नइ हे । कहीं भी थक के आहा ता 10-15 मिनट रूक जइहां कइहा तेकर बर कुछ नइ हे ता वहां भी कुछ कर देतीस ता मंत्री जी से बरमकेला बर मोर निवेदन हे । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप मोला बोले बर समय दे हा ओकर बर बहुत-बहुत धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष महोदय :- चलिये, मंत्री जी ।

गृह मंत्री (श्री ताम्रध्वज साहू) :- सम्माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे सभी विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा में आज जिन्होंने भाग लिया - सम्माननीय बृजमोहन अग्रवाल जी, सम्माननीय अजय चंद्राकर जी, श्री शिवरतन शर्मा जी, सम्माननीय धर्मजीत सिंह जी, प्रमोद कुमार शर्मा जी, आदरणीया इंदू बंजारे जी, केशव प्रसाद चंद्रा जी, आदरणीय शैलेश पांडे जी, अरूण वोरा जी, डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, श्रीमती संगीता सिन्हा जी, आशीष कुमार छाबड़ा जी, रामकुमार यादव जी, उत्तरी गनपत जांगड़े जी । सभी सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। हमारी सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों के विषय में चर्चा की, काफी कुछ अच्छे सुझाव भी आये । हमारे कार्यों पर उन्होंने विस्तार से काफी प्रकाश डाला है । मैं सभी वक्ताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और उनके जो प्रश्न हैं, उन्होंने जो बातें रखी हैं उनका बहुत संक्षिप्त में जवाब या जानकारी सदन में रखना चाहता हूं । सबसे पहले अपने छोटे विभागों से शुरू करता हूं । धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के बारे में बात होने पर ये कहते हैं कि 15 सालों की बात मत करें, आप लोग काम करें । मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि हमारे इस कार्यकाल के 4 साल पूरे हो चुके हैं । 4 सालों में डेढ़ साल कोरोनाकाल निकला । हमको कुल ढाई साल काम करने का अवसर मिला । उस ढाई साल में जितना अच्छा हो सकता है वह हम लोगों ने किया है । 15 सालों का उल्लेख इसलिए करना चाहते हैं कि अगर आप लोगों ने 15 सालों में काम किया होता तो हमारे लिए कोई बड़ा काम, विस्तृत काम नहीं बचता । संधारण के काम बचते जिनका आना-जाना लगा रहता है, जरूर होता । धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा मूल काम जो चला आ रहा है । इसमें सबसे बड़ा काम राजिम माघी पुन्नी मेले का होता है । इसके विषय में माननीय बृजमोहन अग्रवाल जी बात उठा रहे

थे । अब यहां नहीं है, उनके सामने जवाब देते तो ज्यादा अच्छा होता लेकिन बात रखना जरूरी है । जब हमारी सरकार बनी और विधान सभा का पहला सत्र हुआ तो माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर मैंने पहला बिल राजिम महाकुंभ को हटाकर राजिम माघी पुन्नी मेला करने का पेश किया । उसमें मैंने अंग्रेजों के जमाने के गैजेटियर का उल्लेख किया । उस दिन शायद मैंने कहा था कि 116 साल पहले, यानी अब 120 साल । 116 साल पहले अंग्रेजों के गैजेटियर में लिखा है कि राजिम माघी पुन्नी मेला नाम । उसी नाम से मेला भरता था और 116 साल पहले अंग्रेजों के गैजेटियर में उस समय 50 हजार की भीड़ का उल्लेख मिलता है । जिसका मैंने सदन में रखा और उस राजिम माघी पुन्नी मेले के नाम को भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने परिवर्तित करके राजिम महाकुंभ किया था। हमारे वेद, शास्त्रों, ग्रंथों, पुराणों में बड़े आचार्यों का कहना है कि महाकुंभ सिर्फ 4 जगह होता है इसलिए वह नाम उचित नहीं । इसलिए हमने पुराने नाम को लागू किया, हम लोगों ने अपनी ओर से कुछ नहीं किया । लेकिन पुराना नाम ही राजिम माघी पुन्नी मेला था । मुझे भी अच्छी तरह याद है जब हम छोटे थे तो बैलगाड़ी से आते थे और रेत में ही 3 दिन, 4 दिन वहीं मेले में रहते थे, घूमते थे । तो राजिम माघी पुन्नी मेला नाम करने का, पुराना नाम वापस लाने का काम हम लोगों ने इस विधान सभा में बिल पेश करके किया । उपाध्यक्ष महोदय, आज की तारीख में लगभग 3 करोड़ की राशि इस मेले में लग रही है । जब हमारी सरकार बनी और दायित्व मुझे मिला तो मैंने देखा कि 11 करोड़, 12 करोड़ इस मेले में पूर्व की सरकार लगाती थी । हमने पहले साल उसको कम करके 9 करोड़ किया, फिर 6 करोड़ और अब 3 करोड़ में उसी राजिम माघी पुन्नी मेले का आयोजन करते हैं और पहले से बेहतर तरीके से करते हैं, कहीं पर भी कोई शिकवा शिकायत नहीं है । धार्मिक न्यास और धर्मस्व के द्वारा अब हम लोगों ने संचालनालय बनाने का पारित कर लिया है । चूंकि इसका डायरेक्टोरेट नहीं था, हम लोगों ने संचालनालय बनाने का पारित कर लिया है, डायरेक्टोरेट बनेगा । अभी तो हम लोग जो राशि स्वीकृत करते हैं वह राशि कलेक्टर के माध्यम से जनपदों को जाती है । हम लोग कोशिश कर रहे हैं कि जल्द से जल्द संचालनालय हो जाए । इस विभाग के द्वारा छोटे-छोटे काम किये जाते हैं जहां आयोजन होता है उसमें कुछ राशि प्रदान की जाती हे । जैसे बस्तर दशहरा है, दामाखेड़ा मेला है, गिरौदपुरी का मेला है, जशपुर का दशहरा है, हर्राडीपा, केराडीह, आरा दशहरा है, मुंगेली जिले के लालपुर मेले में जन सुविधा के लिए, कैलाश मानसरोवर में यात्री जाते हैं, उनको 50 हजार के मान से अनुदान देते हैं, सिंधु दर्शन के लिए जाने वालों को 15 हजार का अनुदान देते हैं, बस्तर अंचल के माझी, चालकियों को मानदेय दिया जाता है । मां बमलेश्वरी मंदिर में अनुदान जाता है, प्रयागराज महाकुंभ में व्यवस्थाएं की जाती हैं । इस प्रकार से लगातार धर्मस्व और धार्मिक न्यास विभाग के द्वारा कार्य किया जाता है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं पर्यटन के विषय में चर्चा करना चाहता हूं। यह बिल्कुल सही है और हमारा मानना भी है कि बहुत सारे देश ऐसे हैं जिनका पर्यटन ही उनकी आय का स्त्रोत है और

पर्यटन से ही उनकी सरकारें चलती हैं। ऐसे बहुत से देश हैं। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अनंत संभावनाएं हैं और बहुत ज्यादा काम करने की गुंजाईश है। कितनी भी बड़ी ताकत लगा लें, कितना भी बजट लगा लें, 10, 15, 20 साल लगातार इसमें काम करेंगे तो छत्तीसगढ़ मात्र हिंदुस्तान नहीं, विश्व के नक्शे में एक सबसे बड़ा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। हमें अभी मात्र ढाई साल अवसर मिला और उस ढाई साल में हम लोग जितना कर सकते थे, 13, 14 ट्राईवल टूरिज्म के अंतर्गत हम लोगों ने काम चालू कर दिया। प्रसाद योजना के अंतर्गत डोंगरगढ़ का काम चालू कर दिया। हम लोगों ने सिरपुर के लिए प्रोजेक्ट बनाकर भेज दिया। राम वन गमन पथ की बात आपके सामने है। यह अलग बात है, अजय चंद्राकर जी कह रहे थे, मैं उतना पढ़ा तो नहीं हूं और ना ही बहुत सारे लेख जानता हूं। विदेशों की बात ज्यादा करते हैं, विदेश के लेखकों की बात, शेरशाह सूरी और क्या-क्या बात करते हैं, वह तो मैं नहीं जानता, पर इतना जानता हूं कि हम लोगों ने पर्यटन के क्षेत्र में काम किया है। बृजमोहन अग्रवाल जी बोल रहे थे, हम लोगों ने मोटल बनाया, उसका रख रखाव कर दीजिए। जिस समय हमारी सरकार बनी, मैं सारे मोटल स्थल देखने गया, सब जर्जर टूटा-फूटा पड़ा हुआ था, एक मोटल में कोई काम नहीं, चौकीदार रखकर उनकी तन्ख्वाह दे रहे थे, सबमें झाड़ वगैरह लगा हुआ था। अभी हम लोगों ने 12 मोटल को 30 वर्ष के लीज के लिए देना शुरू कर चुके हैं। क्योंकि हम उसको बना नहीं सकते। करोड़ डेड़ करोड़ एक-एक मोटल में लगना है। हम लोग टेंडर करके 30 मोटल को दे चुके हैं, जिससे एक करोड़ 61 लाख रूपये अभी प्रीमियम प्राप्त हुआ है। आने वाले वर्षों में लीज रेंट हर साल डेड़ करोड़ दो करोड़ मिलेगा। 30 वर्षों में हमको 87 करोड़ रूपया इसमें मिलेगा। जो हम लोग जर्जर चीजों को टेंडर करके दे दिए हैं। वर्तमान में हम लोग 17 इकाई का संचालन स्वयं करा रहे हैं, लेकिन उसको भी जैसे हमारे कुछ सदस्यों ने कहा, उसको भी हम लोग नीजि क्षेत्रों में देने की ओर आगे जा रहे हैं। हमारी सरकार का काम व्यवसाय करना नहीं है। इसलिए हम उन इकाइयों को भी देना चाहते हैं। 17 इकाई और एक कैफेटेरिया पर्यटन मंडल चला रहा है जिससे वर्तमान में 6 करोड़ की राशि का फायदा हो रहा है। उपाध्यक्ष जी, इनकी सरकार 15 साल थी, एक पर्यटन नीति नहीं बनी थी। हम लोगों ने आने के बाद पर्यटन नीति बनाई। उसमें होटल वालों को क्या सहयोग रहेगा, हम क्या छूट देंगे, बस ट्रांसपोर्ट वालों को क्या सब्सिडी देंगे। हमारी सारी पर्यटन नीति बन गयी है। हम लोगों ने धीरे-धीरे उनकी मीटिंग भी की है। होटल वालों से मीटिंग किया कि हम लोग किस तरह से सहयोग करें और पर्यटन के क्षेत्र में यहां बहुत अच्छा काम हो सके। हम चित्रकोट में रोपवे निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। खूंटाघाट में भी जो अभी जो 2 करोड़ 95 लाख की बात की गयी है, वह ग्लास हाउस वाली बात अभी जो कर रहे थे, उसमें भी हम लोग आगे बढ़ रहे हैं और एरिगेशन के माध्यम से उस काम को आगे बढ़ाया जाएगा। सतरेंगा ट्राईवल टूरिज्म के लिए 4 करोड़ 62 लाख रूपए की राशि दी है। ट्राईबल टूरिज्म जिसका मैंने पहले उल्लेख किया। 94 करोड़ रूपए की लागत से जशपुर, कुनकुरी,

मैनपाट, महेशपुर, कुरदर, सरोगादादर, गंगरेल, कोण्डागांव, नथिया नवागांव, जगदलपुर, चित्रकोट, तीरथगढ़ में विकास काम पूर्ण कर लिया गया है। ट्राईवल टूरिज्म के अंतर्गत प्रसाद योजना मॉ बम्लेश्वरी में 43 करोड़ का हमारा काम चालू हो गया है। दामाखेड़ा में 22 करोड़ की स्वीकृति दी, काम चालू हो गया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह जिस होटल की बात कर रहे थे, जर्जर होकर टूटने-फूटने लगा था, उस मैंनेटमेंट को भी हम लोगों ने चालू कर दिया। जिसमें पद स्वीकृति की बात कर रहे थे, हम लोगों ने जितना हो सका, प्रिंसीपल एवं टेकर कर दिए। वहां से बच्चे निकलने भी शुरू हो गये, बच्चे को होटलों में 20 हजार, 30 हजार, 40 हजार, 50 हजार मासिक में रख भी रहे हैं। जो हमारे होटल मैनेजमेंट से बच्चे निकल रहे हैं। अभी हमारे होटल मैनेंजमेंट में 139 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत् हैं। जो छात्र-छात्राएं निकलते जा रहे हैं उनको स्थान मिलते जा रहा है। अजय जी राम वन गमन पथ की बात कह रहे थे कि भगवान राम किधर से आये, किधर से गये, कितना हुआ, किस पुस्तक को पढ़े, किस पुस्तक को नहीं पढ़े? हमारे यहां मान्यता है कि यह सीतामढ़ी है, यह हरचौका है, यह ऐसा है, यह वैसा है तो जो-जो भी हैं। शबरीनारायण, शिवरीनाराण, शबरी के नारायण, राजिम, पंचकोशी जैसे सभी जगहों को लेकर हमने अभी प्रमुख-प्रमुख जगहों का विकास शुरू किया है। यह विवाद का विषय नहीं है कि भगवान राम रायपुर के अंदर से गये या रायपुर के बाहर से गये। आज हम उस विवाद के विषय में नहीं हैं। हम इस तरफ जा रहे हैं कि जो रामायणकालीन प्रमुख स्थल थे, पहले हम उनको विकसित कर लें, उसके बाद हम अन्य स्थलों को देखेंगे। वह 2200 किलोमीटर चले, यह बात है तो उस दिशा में भी हम लोग आगे बढ़ना चाहते हैं। हम लोगों ने भारत सरकार के समक्ष भी बहुत सी नये योजनाएं पेश की हैं। हमने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत बिलासपुर और जगदलपुर के लिए 62 करोड़ रूपये और 45 करोड़ रूपये और कुरदुरगढ़ के लिए योजना प्रेषित किया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इन ढाई वर्षों में पर्यटन की दिशा में जितना ज्यादा अच्छा हो सका है, हमने काम करने की शुरूआत की है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हम बहुत अच्छा कर लिये हैं। अभी बहुत अच्छा नहीं हुआ है। मैंने पहले भी कहा है कि यदि हम हर साल पूरे 100 करोड़ रूपये भी लगाएंगे तो भी अभी 10-20 साल तक काम करने की गुंजाइश है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं नगर सेना की चर्चा करना चाहूंगा। नगर सेना एक बहुत छोटा सा विभाग है। लोगों के मन में उनके प्रति रहता है कि नगर सेना के हैं, नगर सेना के हैं लेकिन वह हमारे पुलिस विभाग से मिलकर भरपूर काम करते हैं। इसी में हमारे बीच में एक छोटा सा अग्निशमन विभाग भी है। मैं आपको इसकी भी जानकारी देना चाहूंगा कि हमारे जो 6 नये जिले बने हैं, इनमें नगर सेना, अग्निशमन कार्यालय और फर्निचर कार्यालयीन उपक्रम के लिए भी वर्ष 2023-2024 के बजट में प्रावधान कर दिया गया है। हमारा यह विभाग विपत्ति□□ में भी काम करता है और अन्य समय में प्रशासनिक कार्यों में हमारे होमगार्ड के लोग काम करते हैं। काफी दिनों से लगातार इनके मानदेय को बढ़ाने की बातें

आती थीं। परंतु इस बार हम लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन किया और हमारे इस नगर सेना विभाग के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात यह रही कि उनके मानदेय में 6,420 रूपये प्रति□माह की वृद्धि की गई। उनका मानदेय लगभग 13,000 के आसपास था लेकिन अब उनको प्रति□□माह लगभग 19,000 रूपये मानदेय मिलेगा। हमारे बजट में 5 नये जिलों के लिए भी पद सृजन का प्रावधान कर दिया गया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, नगर सेना और एस.डी.आर.एफ. के जवानों ने बहुत बेहतर काम किया है। मैं आपको उसकी थोड़ी सी जानकारी देना चाहूंगा। पिछले वर्ष जो बाढ़ आया था, उसमें सूचना प्राप्त होते ही इन लोगों ने बाढ़ में घिरे हुए 3,440 आदमियों को निकाला। उसी प्रकार से हमारा जो अग्निशमन विभाग है उन लोगों को आग लगने की 4,017 सूचनाएं मिलीं और उन लोगों ने जाकर उस पर काबू पाने का काम किया। हमने राज्य आपदा मोचन बल के 54 जवानों को प्रशिक्षण भी करवाया। हम लोगों ने सुकमा से 100, रायपुर से 500, राजनांदगांव से 300, कोरबा से 300, कुल 1200 लोगों को स्वयं सेवक के रूप में तैयार किया। हमारे 342 पदों की भर्ती अभी प्रक्रियाधीन है। हमें जरूरत के अनुसार भवन वगैर: भी मिल रहे हैं। बजट में उसका भी प्रावधान है। हमारे इस विभाग ने जो सबसे बड़ा काम किया, जिसके लिए पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में उस समय इसका नाम टी.व्ही. में चला। जिला जांजगीर के मालखरौदा थाना के पिहरीद निवासी राहुल साहू (10 वर्ष का बच्चा) जो खुले बोरवेल में गिर गया था। वह 80 फीट गहरे बोरवेल में 65 फीट में अटका था। उसको 106 घण्टे मेहनत करके निकाला गया। (मेजों की थपथपाहट) यह हमारे इस विभाग का सबसे बड़ा काम था। (मेजों की थपथपाहट) जिला सुकमा में 8.7.22 को, सिलगेर में सी.आर.पी.एफ. (कोबरा) के 210 बटालियन के जवान नदी पार कर रहे थे तो हमारा एक जवान बाढ़ में बह गया। वह नक्सली क्षेत्र था, उसके बावजूद हमारे जवानों ने 5 किलोमीटर पैदल प्रतिकूल परिस्थिति में नदी के तेज बहाव में सर्च आपरेशन करके घटनास्थल से 01 किलोमीटर दूर जवान के शव एवं उसके हथियार व एम्युलीशन सहित ढूंढ कर सीआरपीएफ के अधिकारियों को सौंपा ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रधानमंत्री आवास के लिए पूरे छत्तीसगढ़ से जो हितग्राही प्रधानमंत्री आवास से वंचित थे, उनका प्रदर्शन था और छत्तीसगढ़ की पुलिस ने बरबरता की, प्रदर्शनकारियों के ऊपर अश्रु गैस के गोले फेके गए हैं, वाटर केनन चलाया गया है, लाठी चार्ज हुआ है । सरकार की सारी संवेदनाएं समाप्त हो गई हैं । माननीय गृहमंत्री जी, आज गृह विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा हो रही है और यहां प्रदेश के गरीब, हितग्राहियों के ऊपर लाठी चार्ज हो रहा है । मैं आपसे निवेदन करता हूं कि इस विषय पर आपको संज्ञान लेना चाहिए और माननीय मंत्री जी जांच के निर्देश देना चाहिए । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इन सारे विषयों पर मंत्री जी का बयान आना चाहिए । लाठी चार्ज, अश्रु गैस के गोले, वाटर केनन, सब चलाया गया है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- उनका बयान आएगा । मंत्री जी अभी पुलिस की ही बात करेंगे।

श्री शिवरतन शर्मा :- बहुत बड़ी संख्या में हितग्राही घायल हुए हैं । 50 हजार से ज्यादा लोग थे, उनके ऊपर लाठी चार्ज हुआ है और आप लोगों को हंसी आ रही है। यह आपकी सरकार की संवेदना है । गरीब जनता पीसी जा रही है ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं जेल विभाग की मांगों पर चर्चा करूंगा । हमारे राज्य में 33 जेल हैं, जिसमें 5 केन्द्रीय जेल, 20 जिला जेल और 8 उपजेल हैं । इन जेलों में बंदी क्षमता से कुछ ज्यादा ही बंदी हैं। वित्तीय वर्ष में हमने उसके लिए 220 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है, पिछले वर्ष इस मद में 197 करोड़ रूपए का प्रावधान था । पिछले वित्तीय वर्ष से इस वर्ष में हमें इस मद में 11.80 प्रतिशत अधिक बजट मिला है । नवीन मद के रूप में भी उपजेल खैरागढ़, सक्ती, मनेन्द्रगढ़ का उन्नयन और 26 नवीन पदों के सृजन हेतु स्वीकृति के लिए 1 करोड़, 08 लाख रूपए का प्रावधान है । सी.सी.टी.व्ही. की व्यवस्था, जनरेटर क्रय, Washer Extractors, सोलर पम्पों एवं सिक्यूरिटी फेंसिंग के लिए हमने 5 करोड़ का बजट प्रावधान किया है ।

श्री शिवरतन शर्मा :- संसदीय कार्यमंत्री जी, इस पर कोई व्यवस्था तो आनी चाहिए । माननीय मंत्री जी अपने विभाग की मांगों को पढ़ रहे हैं । आज के इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की ओर से बयान आना चाहिए । लोग घायल हैं, लोगों को अस्पताल ले जाया गया है ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- नवीन मद के अंतर्गत हमें 10 बंदी बैरक का निर्माण, मुख्य दीवार के विस्तारीकरण आदि के लिए भी बजट प्रावधान किया गया है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- अभी बोलेंगे ।

श्री शिवरतन शर्मा :- वे वक्तव्य थोड़ी दे रहे हैं, वे बजट भाषण पढ़ रहे हैं। माननीय मंत्री जी, यह मैं भी समझता हूं । इतनी बड़ी घटना घटी है, गरीब जनता के ऊपर लाठी चार्ज हुआ है । इस पर सरकार का बयान आना चाहिए ।

उपाध्यक्ष महोदय :- आ रहा है, अभी वे बोलेंगे ।

श्री शिवरतन शर्मा :- उपाध्यक्ष जी, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप मंत्री जी को निर्देशित करें ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जेल विभाग में काफी उपलब्धियां भी आई हैं, इसको भी आपके सामने कहना चाहता हूं । जेलों में विद्युतीकरण से संबंधित कार्य एवं अन्य आवश्यक निर्माण कार्य हेतु बजट प्रावधान किया गया है ।

श्री धर्मजीत सिंह :- उपाध्यक्ष जी, आप दो मिनट मंत्री जी का भाषण रोकवाईए । इतनी बड़ी सूचना मिली है, आप निर्देश दे दीजिए । आप भाषण रोकवाकर बयान देने का निर्देश दे दीजिए ।

श्री शिवरतन शर्मा :- मंत्री जी लगातार भाषण पढ़ रहे हैं ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- प्रदेश की जेलों में 616 बार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 44958 बंदी लाभान्वित हुए । वर्ष 2022 में 44 जेल अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 280 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिसमें से 123 प्रकरण निराकृत हुए । उसमें 62 लाभान्वित एवं 91 बंदी जेल से रिहा हुए । 2022 में 115 में लोक अदालत का आयोजन किया गया, उसमें 650 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिसमें 319 प्रकरण निराकृत हुए एवं राज्य की जेलों से 2022 में 330 बंदी रिहा हुए ।

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, एक मिनट । मंत्री जी अपने अनुदान मांग पर चर्चा कर रहे हैं । इसको उनके संज्ञान में लाया गया है। अभी उनका उत्तर आएगा, उसमें समाहित होगा ।

श्री शिवरतन शर्मा :- कब तक आएगा ?

उपाध्यक्ष महोदय :- अभी आ जाएगा ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- जेल विभाग की बहुत सारी उपलब्धियां हैं, वह मैं आप सबके सामने रखना चाहता हूं ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, मेरा आपसे आग्रह है । माननीय मंत्री जी जानकारी मंगा लें और पूरे सदन को अवगत कराएं । पूरे प्रदेश का बहुत बड़ा मामला है ।

उपाध्यक्ष महोदय :- वे कुछ न कुछ जरूर करेंगे । आप उनका उत्तर तो सुनिए, उनकी बात जरूर आएगी । मंत्री जी, आप जरूर बताईए, जो अभी आपके संज्ञान में आया है । शर्मा जी ने जो ध्यानाकर्षित किया है, उस पर आप वक्तव्य देंगे।

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- तोर पसीना घलो तो नहीं छूटे हे ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- उपाध्यक्ष महोदय, अभी मैं इसको प्रस्तुत कर रहा हूं, फिर जानकारी आ जाएगी ।

उपाध्यक्ष महोदय :- उसी में जानकारी आएगी ।

श्री शिवरतन शर्मा :- गरीब जनता के दर्द ला तुमन नहीं जानव गा । खाली मलाई खाये बर जानथव, गरीब जनता के दर्द ला जानतेव त ये हंसी मजाक के बात नहीं होतिस । लाठी चार्ज हो गया है, अश्रु गैस के गोले छोड़े गए हैं (व्यवधान)

डॉ. लक्ष्मी ध्रुव :- तुमन 15 साल में गरीब बर कतेक काम करे हव, ओला सब जानथे । बीजेपी मन का करहे, ओला हमन जानथन । (व्यवधान)

श्री रामकुमार यादव :- गरीब के कतका सेवा करे हव, तेन ला हमन जानथन। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :- शर्मा जी, आपने जो जानकारी दी है, वह मंत्री जी के संज्ञान में आ गया है । आप लोग बैठिए । (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप मंत्री जी को निर्देशित करने की कृपा करें । (व्यवधान)

श्री ताम्रध्वज साहू :- उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं गृह विभाग की उपलब्धियों के बारे में बताना चाहूंगा । पिछले चार वर्षों से प्रदेश की पुलिस के द्वारा कठिन परिस्थितियों में भी बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधों में पूर्ण नियंत्रण किया गया है । कोविड कॉल के कारण भी घटित अपराधों में अपराधियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की गई है । राज्य में वामपंथी उग्रवाद जो कई वर्षों से विकास को अवरूद्ध किया हुआ था, हमारी पुलिस के द्वारा लगातार उनके विरूद्ध कार्यवाहियां की है, जिसके कारण माओवाद ग्रसित क्षेत्रों में मूलभूत विकास संभव हो पाया है । गृह विभाग के वित्तीय वर्ष 2023-24 में 6141 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष से 13.5 प्रतिशत अधिक है, जो दर्शाता है कि बेहतर कानून व्यवस्था, प्रदेश में शांति व्यवस्था, अपराधों के नियंत्रण के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है । (मेजों की थपथपाहट)

उपाध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी, दो मिनट। शासन की जानकारी में भी है माननीय मंत्री जी के संज्ञान में भी आ गया है। कृपया अनुदान मांगों के जवाब में सब बात आ जायेगी।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष जी, अनुदान मांगों में कौन सी बात आ जायेगी ?

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- अभी जानकारी दे रहे है न।

श्री शिवरतन शर्मा :- अनुदान मांगों पर कौन सी जानकारी आ जायेगी। इस विषय पर मंत्री जी को तत्काल जानकारी लेकर सदन को बताना चाहिए।

श्री धर्मजीत सिंह :- उपाध्यक्ष जी, देखिये, इसके पहले भी कई आंदोलन हुए हैं। उपाध्यक्ष जी, जरा इधर देखिये। इसके पहले भी कई आंदोलन हुए हैं, लाठीचार्ज हुए हैं और इसी प्रकार से बोला जाता है। आसंदी से निर्देश दिया जाता है कि हमारी इस जानकारी को संज्ञान में लेकर बयान दें। अनुदान मांगों में यह बयान आता नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय :- आयेगा। अभी अनुदान मांग के जवाब में आ जायेगा।

श्री शिवरतन शर्मा :- आपसे निवेदन है कि अलग से बयान आना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय :- अलग से मिल जायेगा।

श्री धर्मजीत सिंह :- मैं वही बोल रहा हूं। आराम से जानकारी मंगा लीजिये। देखिये यहां कोई मशीन तो लगा नहीं है कि वह बयान दे देंगे।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय मंत्री जी, आप अलग से उनके बारे में बता दीजियेगा।

श्री ताम्रध्वज साहू :- हां (सिर हिलाकार सहमति) 07 नवीन पुलिस चौकी, 05 पुलिस थाना, इसके लिए 556 पदों का प्रावधान किया गया है। नवीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का भी प्रावधान किया गया है। 03 नवीन पुलिस चौकी का थाने में उन्नयन प्रावधित है। कुल 154 नवीन पद प्रावधित है। राज्य स्तरीय डायल-112 योजना हेतु का विस्तार प्रदेश के सभी जिलों में किया गया है। साइबर क्राइम नियंत्रण हेतु पदों का प्रावधान किया गया है। राज्य के थानों में साफ-सफाई हेतु स्वीपर के 100

नवीन पद प्रावधित किए गए हैं। बटालियन मुख्यालय मे बैण्ड प्लाटून के लिए 70 पदों का प्रावधान किया गया है। पुलिस दूरसंचार के लिए 60 नवीन पद का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस अकादमी हेतु 23 पदों का प्रावधान किया गया है। पुलिस मुख्यालय मे फिंगर प्रिंट ब्यूरो हेतु 42 पदों का प्रावधान किया गया है। नक्सल असूचना हेतु 70 तकनीकी पदों का प्रावधान किया गया है।, रायगढ़, बिलासपुर, कोरिया में नवीन पुलिस अधीक्षक कार्यालय भवन का प्रावधान किया गया है। बलरामपुर में पुलिस कन्ट्रोल रूम एवं 10 नवीन पुलिस थाना भवन, 10 पुलिस चौकी निर्माण का प्रावधान किया गया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश के सशस्त्र बल सेनानी में राजपत्रित अधिकारी हेतु 75 आवास का प्रावधान किया गया है। , रायगढ़, दंतेवाड़ा प्रशासनिक भवन का प्रस्ताव का प्रावधान किया गया है। प्रशिक्षण संस्थानों में 19 राजपत्रित आवासों का प्रावधान किया गया है। नवगठित 5 जिलों में पुलिस लाईन, प्रशासनिक भवन कन्ट्रोल रूम बैरक का प्रावधान किया गया है। कोरबा, कटघोरा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भवन का प्रावधान किया गया है। नक्सल प्रभावित बस्तर के 7 जिलों में आमचो पुलिस केन्टीन भवन निर्माण, अम्बिकापुर में महिला राजपत्रित मेन्स भवन निर्माण, राज्य पुलिस अकादमी चन्द्रखुरी में आदर्श थाना भवन, मेस भवन, दुर्ग में कुम्हारी थाना को स्मार्ट थाना, दंतेवाड़ा में नवीन थाना, महिला भवन का प्रावधान किया गया है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वैश्विक महामारी के दौरान प्रदेश के पुलिस की भूमिका के विषय में प्रकाश डालना चाहूंगा। जब कोविड-19 के समय हाहाकार मचा हुआ था, उस समय हमारे विभाग के अधिकारी-कर्मचारी जान हथेली में लेकर बाहर निकलकर व्यवस्था बनाये रखने, सेवा करने का काम कर रहे थे। कोरोना महामारी के फैलाव को रोकने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान पुलिस विभाग के द्वारा चलाया गया।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, प्रवासी मजदूर के लिए यह भारतवर्ष मे सबसे बड़ा काम किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी, हम लोग सब निकलते थे तो देखते थे कि दूसरे प्रदेशों के प्रवासी मजदूरों के पैरों में चप्पल नहीं होते थे। सूजन अलग होता था। पैर में फोड़ा रहता था, बच्चे नंगे पैर चल रहे होते थे, चप्पल नहीं, भूखे थे। उनको इस तरह से चलते देखकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने हर जिले के कलेक्टर और एस.पी. निर्देशित किया कि कोई भी प्रवासी मजदूर, वह चाहे किसी भी प्रदेश का हो, हमारे बार्डर में आये तो उनके लिए गाड़ी की व्यवस्था, दवाई की व्यवस्था, जूते चप्पल की व्यवस्था, सबकी व्यवस्था करने का काम किया है।

श्री शिवरतन शर्मा :- अभी-अभी सूचना प्राप्त हुई है कि सदन के वरिष्ठ सदस्य बृजमोहन अग्रवाल जी को गेट से गिरफ्तार किया गया है। रास्ते से गिरफ्तार करके उनको ले जाया गया है। यह बहुत गंभीर घटना है। सदन चल रहा है। सदन के वरिष्ठ सदस्य बृजमोहन अग्रवाल जी की गिरफ्तारी

हुई है। अभी उनको गिरफ्तार करके ले जाया गया है। इस पर तो तत्काल सदन को जानकारी आनी चाहिए कि उनको किन कारणों से गिरफ्तार किया गया है?

उपाध्यक्ष महोदय :- आ जायेगी। सूचना भी आयेगी।

श्री ताम्रध्वज साहू :- वह काम हमारे पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया है। कन्टेनमेंट जोने में कर्तव्य के दौरान पुलिस कर्मियों के संक्रमित हो जाने, परिजनों में संक्रमण का बस अड्डे आने-जाने वालों का झुग्गी बस्तियों सहित सभी रहवासी क्षेत्रों में, आदिवासी क्षेत्रों में व्यवस्था किया गया। आदिवासियों के लिए सबसे बड़ा काम गृह विभाग की तरफ से जो हुआ, वह आदिवासियों के विरूद्ध दर्ज प्रकरणों की वापसी का है, जिसकी ये बात करते हैं। 15 साल में कितने प्रकरणों की वापसी हुई, यह बता दें? अनुसूचित जनजातियों के विरूद्ध दर्ज प्रकरणों की वापसी के लिए हमारी सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस पटनायक की अध्यक्षता में पटनायक समिति का गठन किया। इसमें 721 आदिवासियों के विरूद्ध दर्ज 371 प्रकरणों की वापसी की अनुशंसा की गई। इसी तरह अनुसूचित जनजाति के 344 प्रकरणों में 665 आदिवासी इससे लाभान्वित हुए। 715 प्रकरणों में 1386 व्यक्तियों के विरूद्ध दर्ज प्रकरणों को प्रकरण वापसी एवं त्वरित निराकरण किया गया।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि छत्तीसगढ़ नशे का अड्डा बन रहा है, मैं इसके बारे में बहुत संक्षिप्त में बताना चाहूंगा। सन् 2015 से 2018 तक इनके आखिरी कार्यकाल में गांजा के प्रकरण 2,138 इनके कार्यकाल में पकड़े गये।उपाध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि छत्तीसगढ़ में नशे का अड्डा बन रहा है, मैं बहुत संक्षिप्त में बताना चाहूंगा कि 215-218 इनके तीन-चार साल के आखिरी के कार्यकाल में है । इनके कार्यकाल में गांजा के प्रकरण 2138 इनके कार्यकाल का है और हमारे चार साल में गांजा के 3076 प्रकरण पकड़े गये हैं यानी इनसे ज्यादा प्रकरण हमारे कार्यकाल में पकड़ रहे हैं, रिकव्हर कर रहे हैं, जब्ती की जा रही है ।

श्री केशव प्रसाद चंद्रा :- यह सरकार की उपलब्धि है कि गांजा ज्यादा बिक रहा है । भई ज्यादा बिक रहा है तो आप ज्यादा पकड़े हैं ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- चन्द्रा जी, जिन प्रदेशों का आ रहा है, मैं उधर का बता रहा हूँ । कौन-कौन से प्रदेश से आ रहा है, इनकी बता दूं । जहां इनकी सरकार है, उन प्रदेशों से आ रहा है ।

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- तोर घर म चोरी होये रहिसे, हर बार मामला ला उठा थस । आवेदन दे दे । मुआवजा मांग ले ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय मंत्री जी, बेरियर में आपकी पुलिस क्या कर रही है ।

डॉ.शिवकुमार डहरिया :- चोर हा ऊंहा चिट्ठी लिखके छोड़े हे, ऐसे आदमी के घर आगेंव, जिंहा कुछु नई मिलिस ।

श्री ताम्रध्वज साहू :- नशीली दवा के 239 प्रकरण, हमारे कार्यकाल में 780 प्रकरण । अन्य मादक पदार्थ इनका 93, हमारा 136 है । देशी शराब के इनके में 59 हजार प्रकरण है, हमारे में 99 हजार प्रकरण हैं । जुआ, सट्टा के विरूद्ध जो कार्यवाही हुई है, उसमें 5 करोड़ 61 लाख नगद और अन्य सामग्री जब्त की गई है । भर्ती और अनुकम्पा नियुक्ति की जो बात कर रहे थे, हमारी सरकार ने पिछले 4 वर्षों में 4170 भर्तियां की है, जिसमें आरक्षक संवर्ग के 2037 और बस्तर फाईटर 2057, यह भर्तियां शामिल है । निरीक्षक संवर्ग, प्लाटून कमांडर संवर्ग के विज्ञापित 975 पदों की भर्ती की कार्यवाही चालू है । पिछले चार वर्षों में 1038, अनुकम्पा नियुक्तियां भी की गई है, जो हमारे काम हुये हैं, उसकी भी जानकारी मैं आपके सामने रख रहा हूँ । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, महिला सुरक्षा के उपाय, महिला संबंधी अपराध के शिकायत पर शीघ्र कार्यवाही हेतु राज्य के 455 पुलिस थाना चौकी में महिला सेल का गठन किया गया है । पृथक से महिला अधिकारी की तैनाती की गई है । महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये अभिव्यक्ति एप लांच किया गया है । वर्तमान में इस एप के एक लाख चौंतीस हजार आठ सौ से भी अधिक पंजीकृत यूजर्स हैं । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मै कुछ एक प्रकरणों का भी उल्लेख करना चाहूंगा, जो बहुत मुश्किल था, जिसका हल हमारे विभाग ने किया । थाना खमतराई जिला रायपुर में नाबालिग के साथ हुई बलात्कार के प्रकरण में आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर मात्र 48 घण्टों में चालान पेश किया । आरोपी को 10 दिवस में 20 वर्ष का कारावास हुआ। थाना बोधघाट में भी बच्ची के साथ बलात्कार के प्रकरण में 7 दिन के अंदर विवेचना पूर्ण कर चालान प्रस्तुत किया गया । हमारी पुलिस ने समय-समय पर बहुत तेज गति से काम किया है, त्वरित गति से काम किया है । बलात्कार के प्रकरण में छेड़छाड़ के प्रकरण में बिना विलंब किये त्वरित कार्यवाही हमारे विभाग द्वारा किया जाता है । हत्या की घटनायें 15 वर्ष के शासन काल में 1015 हुई है जबकि हमारे शासनकाल में बहुत कम है । थाना अमलेश्वर की घटना, खुड़मुड़ा की घटना, कुम्हारी के पास कपसदा की घटना, इतना चर्चित रहा है, लेकिन उसमें भी हमारे पुलिस विभाग ने बहुत तेज गति से काम करके बहुत जल्दी उसको रिकव्हर किया है । माननीय उपाध्यक्ष महोदय, चाहे वह अपहरण की घटनायें हो, नशीले पदार्थों के विरूद्ध की गई कार्यवाही हो । चिटफण्ड के विषय में कह रहे थे कि एक रूपया आप लोगों ने रिकव्हर नहीं किया है । वर्ष 2018 के पूर्व छत्तीसगढ़ में जिता भी चिटफण्ड खुला है, भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्य अतिथि बनकर जाके दुकानों में फीता काटकर उद्घाटन किये । हमारे प्रदेश के करोड़ो-अरबों रूपया गरीब लोगों का, नवजवान लोगों का जमा हुआ है, इनके कारण भाग गये हैं, लेकिन हम लोगों ने जो काम शुरू किया है, 28 फरवरी 2023 तक 209 अनियमित चिटफण्ड कंपनियों के विरूद्ध 465 प्रकरण पंजीबद्ध कर 555 डायरेक्टर और 118 पदाधिकारी, कुल 673 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है । 48 अनियमित वित्तीय कंपनियों के 78 करोड़ 38 लाख की अधिक की संपत्ति के कुर्की का आदेश माननीय न्यायालय

के द्वारा किया जा चुका है, जिसमें 53 करोड़ 74 लाख रूपये से अधिक संपत्ति आदि नीलामी आदि माध्यम से शासन को प्राप्त हुआ है । इस प्रकार से वापस अब तक 32 करोड़ की राशि लौटाई जा चुकी है । पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु पर बहुत चर्चाएं होती हैं। पुलिस अभिरक्षा के दौरान मृत्यु होने पर तत्काल घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को शव पंचनामा जांच हेतु प्रेषित किया जाता है। हमारे विभागों का, कोर्ट का जो नियम है, हम लोग उसके अनुसार इसमें पूरा काम करते जाते हैं। बाल अपराध/गुम सेल/मानव तस्करी बनाया गया है, उसमें भी सफलता पूर्वक कार्य किया जाता है। पुरानी सरकार का, इन लोगों की सरकार के समय का प्रकरण जो रिकव्हर नहीं हुआ था काफी पुराना, पुराना प्रकरण है। वर्ष 2015 का सारंगढ़, बिलाईगढ़ का प्रकरण, श्रीमती मालती बंजारे प्रकरण, वर्ष 2016 का प्रकरण, इनके कार्यकाल के पहले का प्रकरण, उसको भी हमारे कार्यकाल में हमारे गृह विभाग ने रिकव्हर किया है। रायगढ़ के दोहरे हत्याकाण्ड वाला प्रकरण। यदि आप सारे प्रकरण को उठाकर देखें तो हमारे गृह विभाग ने कहीं पर भी कोताही नहीं बरती है बल्कि आज हम गर्व से यह कह सकते हैं कि हम लोगों ने 99 प्रतिशत प्रकरणों में रिकव्हरी की है (मेजों की थपथपाहट)। कहीं पर भी किसी प्रकार की कोई कमी की बात नहीं है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस विभाग की बहुत सारी उपलब्धियां भी हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग अंतर्गत, बस्तर अति नक्सल संवेदनशील क्षेत्र है, यह आप जानते हैं। उक्त क्षेत्र में माओवादी के कई मिलिट्री फार्मेशन सक्रिय है। राज्य अंतर्गत माओवादी समस्या के उन्मूलन की दिशा में केंद्रीय सुरक्षा बल, राज्य पुलिस के समन्वित प्रयासों से भी विगत चार वर्षों में अच्छी सफलताएं प्राप्त की गई है। इसके फलस्वरूप माओवादियों के प्रभाव का इलाका लगातार सिमटता जा रहा है। माओवादियों का संगठनात्मक ढांचा कमजोर होने के फलस्वरूप नक्सलियों में बौखलाहट है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये राजनैतिक दल की बात कर रहे थे, यह टार्गेट किलिंग की बात कर रहे थे। पुलिस बल और सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई के कारण माओवादियों द्वारा आम नागरिकों तथा जनप्रतिनिधियों की हत्या की घटनाओं में कमी आयी है। एक ओर जहां वर्ष 2003 से 2008 के मध्य माओवादियों द्वारा 27 जनप्रतिनिधियों, राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की हत्या की गई। वहीं वर्ष 2008 से 2013 के मध्य 37, वर्ष 2013 से 2018 के मध्य 41 और 2018 से 2023 के मध्य अभी हमारे 04 साल के कार्यकाल में मात्र 12 रह गई है। हमारे अधिकारी और कर्मचारी इस तरह से फोकस करके काम कर रहे हैं। नक्सली गतिविधियां एक कोने में सिमटती जा रही है। कहीं पर भी टार्गेट किलिंग की बात नहीं है। इसी प्रकार से वर्ष 2015 में 52, वर्ष 2016 में 63, वर्ष 2017 में 58, वर्ष 2018 में 89 कुल 262 आम नागरिकों की नक्सलियों द्वारा हत्या की गई है। इसकी तुलना में वर्ष 2019 में 49, वर्ष 2020 में 49, वर्ष 2021 में 44 एवं वर्ष 2022 में 36, कुल 178 आम नागरिकों की नक्सलियों द्वारा हत्या की गई है। इस प्रकार हमारे विगत 4 वर्षों में नक्सलियों द्वारा आम नागरिकों की हत्या में

कमी आयी है। पुलिस सुरक्षा बलों द्वारा भी माओवादियों के विरूद्ध आक्रमण अभियान चलाये जा रहे हैं। इससे शहीद जवानों की संख्या में कमी आयी है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ''नक्सल उन्मूलन हेतु की गयी प्रभावी कार्यवाही'' हेतु कुल 74 कैम्पों की स्थापना की गई है। ''मनवा नवॉ नार'' के माध्यम से हम अंदरूनी नक्सल प्रभावित ग्रामों तक सुविधाएं पहुंचाने का काम कर रहे हैं। जिसमें सड़क बिजली, पीडीएस, पेयजल, स्कूल, छात्रावास, आश्रम, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी, मोबाईल टॉवर, बैंक/ए.टी.एम. इत्यादि का लाभ प्रदाय किया जा रहा है। हम लोग ''एल.डब्ल्यु.ई. रोड'' के अंतर्गत जो रोड बना रहे हैं। RRP-1 योजना अंतर्गत कुल 1958 किलोमीटर लंबाई के 51 मार्गों में से 38 सड़कों, 1684 किलोमीटर और 07 पुलों का काम पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार RCPLWE (RRP-2), सेकण्ड योजना अंतर्गत स्वीकृत 291, (2479 कि.मी.) में से 199 सड़कों (1798 कि.मी.) एवं 25 पुलों में से 11 पुलों का निर्माण हम लोग पूरा कर चुके हैं। जिला सुकमा अंतर्गत भेज्जी-चिंतागुफा एक्सिस, जिला बीजापुर एवं सुकमा अंतर्गत बासागुड़ा-जगरगुड़ा एक्सिस, विगत् 30 वर्षों से बंद राष्ट्रीय राजमार्ग स्टेट हाईवे क्रमांक 5 पल्ली-बारसूर एक्सिस तथा अरनपुर-जगरगुंडा एक्सिस खोल दिया गया है । यह वहां की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बस सेवा जो बंद थी वर्षों से बंद मार्गों बीजापुर से बेचापाल, बीजापुर से बेदरे, बीजापुर से सिलगेर, बीजापुर से गलगलम, बीजापुर से गंगालूर, जगरगुण्डा से दंतेवाड़ा एवं बैलाडीला से नारायणपुर मार्गों में सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की जाकर, बस सेवा प्रारंभ की जा चुकी है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विगत वर्षों से बंद पड़े 301 स्कूल पुन: प्रारंभ किए गए हैं। इस प्रकार से गृह विभाग के द्वारा इन डेढ़ वर्षों के कोरोना काल के बावजूद, ढाई वर्षों में जितना काम चाहे नक्सली उन्मूलन हो, चाहे मैदानी इलाके के काम हो, अभी सबसे ज्यादा काम हुआ है। हमारा राज्य न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला है उसमें भी हम लोग समय की आवश्यकता के अनुसार विस्तार करते जा रहे हैं। क्षेत्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला बिलासपुर को सशक्त करने के लिए बजट प्रावधान किया गया है। बिसरा जांच में काफी विलंब होता था, उसके लिए भी साढ़े तीन करोड़ रूपये का प्रावधान कर दिया गया है। आज कल साइबर अपराध चल रहा है उसके निराकरण के लिए 79 लाख रूपये का बजट प्रावधान किया गया है। पॉक्सो से संबंधित प्रकरणों में जल्दी निराकरण हो, उसके लिए भी 1 करोड़, 4 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। क्षेत्रीय न्यायालय विज्ञान प्रयोगशाला खोलने के लिए 1 करोड़ 70 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।सबसे बड़ा जो हम नार्को टेस्ट की ओर आगे बढ़ रहे हैं जो मात्र समाचारपत्रों में पढ़ा जाता था अभी खुड़मुड़ा काण्ड आदि जो हुआ, यह गुजरात में होता है और दो-दो, तीन-तीन महीने लाईन लगाना पड़ता है। उसके बाद वह हो पाता है। अब हम यहां रायपुर में नार्को टेस्ट करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हम लोग एम्स के साथ टाईअप करके, अब यहां छत्तीसगढ़ में नार्को टेस्ट करने की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं।

सम्माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं लोक निर्माण विभाग की बात करके, मैं संक्षिप्त में अपनी बात समाप्त करूंगा। सभी ने यह कहा कि राज्य की पहचान सड़कों से होती है। हम लोगों ने भी सड़क निर्माण, पुल, पुलिया के निर्माण की दिशा में काफी काम किया है। हमारा वर्ष 2023-24 का जो बजट है, वह "गढ़बो नवा छत्तीसगढ़" के मूल मंत्र पर आधारित, हमारे विभाग का एक बढ़ता हुआ कदम है। छत्तीसगढ़ राज्य देश के 7 राज्यों की सीमाओं से घिरा हुआ देश का हृदय भाग है। इस दृष्टि से छत्तीसगढ़ में सड़कों के विकास का महत्व, केवल प्रदेश तक सीमित न होकर अंतर्राज्यीय आवागमन में भी महत्वपूर्ण योगदान है।

सम्माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राज्य में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति की जनसंख्या का बाहुल्य है। अनुसूचित जनजाति उपयोजना एवं अनुसूचित जाति उपयोजना से इन क्षेत्रों के विकास हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। हम लोगों ने इसमें काफी काम किया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा अलग-अलग विभागों के जमा मद में जो पैसा रहता है उसके तहत हमारा विभाग प्रशासनिक कार्यालय, शिक्षण संस्थान, अस्पताल आदि भवनों का निर्माण भी करता है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ी सी सांख्यिकीय जानकारी बता दूं। प्रदेश में सड़कों की कुल लम्बाई 1 लाख 5 हजार किलोमीटर है जिनमें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, वन विभाग तथा अन्य विभागों की सड़कें शामिल हैं। मैं आपसे लोक निर्माण विभाग की सड़कों की बात करना चाहूंगा। हमारे लोक निर्माण विभाग की कुल सड़कों लम्बाई 34765 किलोमीटर है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग 3526 किलोमीटर है राज्य मार्ग 4137 किलोमीटर है मुख्य जिला मार्ग 11580 किलोमीटर है अन्य जिला व ग्रामीण मार्ग 15522 किलोमीटर है। विभाग के अंतर्गत विद्यमान 1494 वृहद पुल, 8493 मध्यम पुलों का संधारण भी किया जाता हैं। वर्ष 2022-23 की हमारी कुछ उपलब्धियां हैं। वर्ष 2022-23 में 6842 करोड़ आवंटन के विरूद्ध माह फरवरी, 2023 तक 3491 करोड़ रूपए का व्यय किया जा चुका है, वर्ष 2022-23 में माह 12/2022 तक 2274 किलोमीटर की सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन किया गया है। हमारे लोक निर्माण विभाग की नीति की बात कर रहे थे सरकार बनते ही हम लोगों ने तय किया कि अब प्रदेश के अंदर हम सिंगल लेन सड़क नहीं बनायेंगे। हम सभी सड़कों को डबल लेन बनायेंगे और आप देखेंगे कि जितनी स्वीकृतियां हो रही हैं, सब डबल लेन सड़क की हो रही है। कहीं बहुत छोटा कोई एक, दो गांव के बीच की एप्रोच 1-2 किलोमीटर की होगी जो सिंगल लेन होगी, बाकी सबको हम टू लेन कर रहे हैं। यह हमारी शुरू से नीति है। इनके कार्यकाल में सडकें इसलिए खराब होती थीं कि 03 साल performance guarantee रखते थे। हम लोगों ने उसको विचार करके 05 साल कर दिया। अब ठेकेदार हर सडक को 05 साल मरम्मत करेगा, उसके बाद हमको देगा। उसके बाद हमारी जिम्मेदारी होगी। इसलिए अब सडकें मजबूत बनने लगी हैं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, विगत 04 वर्षो में 764 कलिोमीटर की नवीन सडकें, 728 कलिोमीटर सगिल लेन से डबल लेन

सड़क हम सब लोगों ने किया है। वृहद पुल के भी काम काफी किये हैं। रेलवे ओव्हर ब्रिज/ अंडरब्रिज के 10 कार्य में से 5 कार्य रेलवे द्वारा पूरा कर दिया गया है, 1 कार्य रेलवे द्वारा प्रगति पर है। भवन कार्यों के अंतर्गत 146 भवन कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं एवं 187 कार्य प्रगति पर है। इन लोगों ने कहा कि आप लोगों के कार्यकाल में कोई एक काम बतला दो जिसको बड़ा कहा जाये। यह स्काई वाक की ओर इशारा कर रहे थे। वह जो खड़ा है उसको 04 चार साल में बना भी नहीं सके, कुछ निर्णय नहीं किये, वह दिखता है। यह 15 साल की उपलब्धि है। हम लोगों से कह रहे थे कि आप लोगों के 04 साल की एक उपलब्धि बता दो। उपाध्यक्ष महोदय, मैं उपलब्धि बता देता हूं। नया रायपुर में मुख्यमंत्री निवास उतना बड़ा बन रहा है, राजभवन बन रहा है, विधान सभा अध्यक्ष का निवास बन रहा है, विधान सभा भवन बन रहा है, आई.ए.एस., आई.पी.एस. का भवन बन रहा है। मंत्रियों के बंगले करीब-करीब पूरे हो गये हैं। वह भी आखिरी चरण में है। यह बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हम लोगों के इस 04 साल के कार्यकाल की है। दिल्ली में अभी छत्तीसगढ़ भवन और छत्तीसगढ़ सदन है। वहां जाओ तो पूर्व विधायक, सांसदो को जगह मिलती नहीं है। हम लोग नई दिल्ली के द्वारिका में एक बहुत बड़ा भवन बना रहे हैं। उसके एक-दो महीने के अंदर पूर्ण करके 74 कमरों का एक बड़ा भवन बना रहे हैं, हम लोग लगभग मई में पूरा करके उद्घाटन कर लेंगे। छत्तीसगढ़ के किसी भी आदमी को दिल्ली जाने पर भवन न मिलने की शिकायत न रहे, हमारा 6 मंजिला भवन बनकर नई दिल्ली के द्वारिका में नया तैयार हो गया है। और बहुत जल्दी दो महीने के अंदर हम उसको पूरा करेंगे और उसको भी दिल्ली में देंगे। इसी तर्ज पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने निर्देश किया है कि छत्तीसगढ़ के लोग जहां ज्यादा जाते हैं, तीर्थ यात्रा में, दर्शन करने जाते हैं, जैसे पूरी, शिरडी है, बंबई ईलाज कराने जाते हैं, जम्मू कश्मीर जाते हैं, ऐसी जगहों पर जगह लो और वहां धर्मशाला बनाओ ताकि छत्तीसगढ़ के लोगों को कोई तकलीफ न हो। बंबई में हमारे पास जगह पहले से है। उसको हम लोग देखकर वहां एक बड़ा भवन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ताकि छत्तीसगढ़ के लोग इलाज कराने के लिए बंबई जाते हैं, उनको कहीं भटकने की जरूरत न पडे। इसलिए भी हम लोगों का प्रयास लगातार चल रहा है। मैं विगत 04 साल की उपलब्धि बता दूं। विगत 04 वर्षों में सड़क एवं पुल के 7406 कार्यों के लिये 16,670 करोड़ रुपये की स्वीकृति पी.डब्ल्यू.डी. विभाग को दी गई है और हम लोगों ने इन 04 वर्षो में स्वीकृति किया है। भवनों के 419 कार्यों के लिए लगभग 908 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। विगत 04 वर्षों में राज्य मद के अंतर्गत 9884 किलोमीटर सड़कों का उन्नयन किया गया। इनमें नया डामरीकरण- 4041 किलोमीटर, डामरीकृत नवीनीकरण 3,244 किलोमीटर, चौड़ीकरण- 1,113 किलोमीटर, मजबूतीकरण- 588 किलोमीटर, सीमेंट कांक्रीट रोड- 898 किलोमीटर का निर्माण किया है। विगत 04 वर्षों में हम लोगों ने वृहद पुल- 222, मध्यम पुल- 266 बनाये। विगत 04 वर्षों में 9 रेलवे ओव्हर ब्रिज एवं 6 रेलवे अंडर ब्रिज के कार्य पूर्ण किये गये हैं। इसके अतिरिक्त रेलवे द्वारा 9 अंडर ब्रिज के कार्य पूर्ण किये गये हैं। विगत 04 वर्षों में 5

बायपास के कार्य पूर्ण किये गये हैं। दंतेवाड़ा बायपास, भाटापारा बायपास, घरघोड़ा बायपास, खैरागढ़ बायपास, गुण्डरदेही बायपास के कार्य हम लोगों ने पूर्ण किया है। महत्वपूर्ण योजनाओं के विषय में थोड़ी जानकारी देकर अपनी बात खत्म करूंगा। छत्तीसगढ़ रोड़ एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड की बात कर रहे थे, अभी तक 525 कार्यों के लिए 5708 करोड़ रुपये की स्वीकृति सड़कों के लिए जारी की जा चुकी है। 130 सड़क लंबाई 1043 किलोमीटर एवं 5 पुलों के लिए भी इसमें स्वीकृति है। जवाहर सेतु योजनांतर्गत 127 पुल के लिए 829 करोड़ 42 लाख की स्वीकृति की गई है। इनमें 36 पुल कार्य पूर्ण कर लिया गया है। आर.सी.पी.एल.डब्ल्यू.ई. योजना फेस-2 का काम, आर.आर.पी.-2 का काम, एस.ए.डी.बी. का काम, फस्ट फेस का, सेकंड फेस के लिए भी हमारा काम चल रहा है। एशियन डेव्हलमेंट बैंक की ऋण सहायता कार्य के अंतर्गत 24 कार्य 826 किलोमीटर, लागत राशि 3370 करोड़ के कार्य प्रगति पर है। 4 वर्षों में सी.आर.एफ. योजना अंतर्गत 22 कार्य पूर्ण एवं वर्तमान में 16 कार्य प्रगति पर है। हमको अलग-अलग विभाग के शिक्षा भी मिलते हैं, उसका भी अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। ई-श्रेणी में पंजीयन करा कर जो छोटे नौजवान हैं या बेरोजगार हैं, उनके लिए ई-श्रेणी पंजीयन किया गया ताकी ए.बी.सी.डी. के लोग उसमें मत आये। 6,092 बेरोजगारों का पंजीयन करके 2,711 कार्य 337 करोड़ रूपये के कार्य आवंटित किए गए हैं। जो पेमेंट की बात अभी उठाई जा रही थी। पहले साल डेढ़ सौ करोड़ रूपये का बजट प्रावधान था, लेकिन मांग इतना आया कि उसकी स्वीकृति बहुत ज्यादा हो गया। लगभग 400 करोड़ रूपये का हो गया। तो दूसरे साल के बजट का डेढ़ सौ करोड़ का पेमेंट करना पड़ा है। कुछ पेमेंट बाकी है, जिसे अभी कर दिया जाएगा। अधिकारी एवं कर्मचारियों की पदोन्नति का काम भी होम डिपार्टमेंट हम लोगों ने किया। बहुत साल से पदोन्नति रूका था। पी.डब्ल्यू.डी. में भी हम लोगों ने पदोन्नति किया। हमारे सदस्यों ने निविदा अनुबंध के आधार पर इंजीनियर की बात कही है, उसको भी हम लोगों ने किया। इस प्रकार से पी.डब्ल्यू.डी. डिपार्टमेंट द्वारा जो काम किया गया, उसकी जानकारी भी मैंने आपको दी। कुल मिलाकर एक-दो सड़क पत्थरगांव, घरघोड़ा की बात करते हैं। 15 सालों में भी उसकी स्वीकृति नहीं मिली, जिसको हम लोगों ने स्वीकृत कर दिया। टेण्डर भी हो गया। ठेकेदार को काम मिल भी गया और उसमें काम चालू है। कुल मिलाकर बहुत कम दो-चार सड़कें ऐसी हैं, जिनमें काम रूका हुआ है। उसके अलावा सभी तरफ काम हो गया है, हो रहा है, चालू कर दिया गया है। कहीं की भी प्रकार से आवागमन बाधित नहीं हो रहा है। किसी प्रकार की तकलीफ की बात नहीं है। इसलिए माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैंने अपने विभाग से संबंधित सभी मांगों की बातें आपके सामने रखी हैं। माननीय सदस्यों की बातें भी हम लोगों ने सुनी हैं, उनको लिखा भी है। समय अनुसार उस पर भी कार्रवाई करेंगे। अंत में मैं सभी सदस्यों से निवेदन करता हूं कि मेरे सभी विभागों के मांगों को सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करें। (मेजों की थपथपाहट)

उपाध्यक्ष महोदय :- मैं, पहले कटौती प्रस्तावों पर मत लूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि मांग संख्या - 24, 67, 76, 3, 4, 5, 51 एवं 37 पर प्रस्तुत कटौती प्रस्ताव स्वीकृत किये जायें।

कटौती प्रस्ताव अस्वीकृत हुए।

उपाध्यक्ष महोदय :- अब मैं, मांगों पर मत लूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - दिनांक 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष में राज्य की संचित निधि में से प्रस्तावित व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को :-

मांग संख्या - 24 लोक निर्माण कार्य - सडकें और पुल के लिए - तीन हजार पांच सौ चौरासी करोड़, नौ लाख, चार हजार रूपये,

मांग संख्या – 67 लोक निर्माण कार्य - भवन के लिए - एक हजार पांच सौ उनचास करोड़, तिरानबे लाख, पचास हजार रूपये,

मांग संख्या – 76 लोक निर्माण विभाग से संबअधित विदेशों से सहायत प्राप्त परियोजनाएं क लिए – आठ सौ छत्तीस करोड़, पचहत्तर लाख, अठासी हजार रूपये,

मांग संख्या - 3 पुलिस के लिये - छः हजार चार सौ एक करोड़, अड़सठ लाख, चौरासी हजार रूपये,

मांग संख्या - 4 गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय के लिये - एक सौ सोलह करोड़, बयानबे लाख, छप्पन हजार रूपये,

मांग संख्या - 5 जेल के लिये - दो सौ बीस करोड़, अस्सी लाख, छत्तीस हजार रूपये,

मांग संख्या - 51 धार्मिक न्यास और धर्मस्व के लिये - पैंतालीस करोड़, आठ लाख रूपये तथा

मांग संख्या - 37 पर्यटन के लिये - एक सौ उनसठ करोड़, चालीस लाख, पचास हजार रूपये तक की राशि दी जाये।

मांगों का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

उपाध्यक्ष महोदय :- माननीय शिवरतन शर्मा जी ने अभी आपको जो सूचना दी है उस पर आप कुछ कहना चाहेंगे ?

समय :
6:30 बजे

<u>वक्तव्य</u>

<u>भाजपा द्वारा आयोजित विधानसभा घेराव के संबंध में</u>

गृहमंत्री (श्री ताम्रध्वज साहू) :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भाजपा द्वारा आयोजित विधानसभा घेराव के संबंध में वस्तुस्थिति वर्तमान में निम्नानुसार है -

अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक 15.03.2023 को भाजपा द्वारा विधानसभा घेराव का कार्यक्रम रखा गया था । जिसमें उनके द्वारा पिरदा चौक में सभा रखी गयी थी जिसमें भाजपा के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता शामिल हुए थे। उक्त घेराव कार्यक्रम में भाजपा सांसद श्री अरूण साव, भाजपा विधायक श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री अजय चंद्राकर, श्री नारायण चंदेल, श्री शिवरतन शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए । लगभग 15.30 बजे सभा पश्चात् विधानसभा घेराव के लिये रवाना हुए जिन्हें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बैरीकेट लगाकर रूकने के संबंध में समझाईश दी गयी एवं रोकने का प्रयास किया गया किंतु प्रदर्शनकारी प्रशासन द्वारा लगाये गये बैरीकेट को तोड़ते हुए बलपूर्वक आगे बढ़ गये । सभा स्थल एवं विधानसभा के मध्य लगाये गये 5 में से 4 बैरीकेट को बलपूर्वक तोड़ते हुए पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की करते हुए प्रदर्शनकारी विधानसभा भवन की ओर बढ़े । प्रदर्शनकारियों को रोकने हेतु तीसरे बैरीकेट के पास वाटर केनन एवं टियरगैस का उपयोग किया गया । विधानसभा की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा टर्निंग जीरो पाईंट के पास उन्हें रोका गया । उक्त प्रदर्शन के दौरान अनेक पुलिसकर्मियों को चोंटें आयी हैं जिनका प्राथमिक उपचार कराया जा रहा है, स्थिति नियंत्रण में है ।

प्रदर्शन को नियंत्रित करने एवं विधानसभा के आवागमन को सुचारू बनाने के लिये माननीय सांसद श्री अरूण साव, माननीय विधायकगण श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्री सौरभ सिंह सहित लगभग 100 प्रदर्शनकारियों को बसों के माध्यम से सुरक्षित रवाना किया गया ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सदन में गलतबयानी हो रही है । (व्यवधान)

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- इसमें चर्चा है क्या ?

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इसमें माननीय मंत्री जी की गलतबयानी हो रही है । लाठीचार्ज हुआ है । लाठीचार्ज में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और जो प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही थे वे घायल हुए हैं । किसी पुलिसवाले को चोट नहीं लगी है । केवल लोगों को परेशान करने के लिये, प्रदर्शन में क्यों आये हैं इसलिये टियरगैस छोड़ी गयी, इसलिये वाटर केनन चलाया गया, लाठीचार्ज हुआ । माननीय बृजमोहन जी की और अरूण साव जी की गिरफ्तारी हुई है।

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं समझ रहा हूं कि आपने इतनी घटिया सरहा-सरहा लकड़ी का बैरियर क्यों बनवाया ?

उपाध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही गुरूवार, दिनांक 16 मार्च, 2023 को 11.00 बजे दिन तक के लिये स्थगित ।

(सायं 6 बजकर 33 मिनट पर विधान सभा गुरूवार, दिनांक 16 मार्च, 2023 (फाल्गुन-25, शक संवत् 1944) के पूर्वाह्न 11.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित हुई ।)

दिनेश शर्मा
सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 15 मार्च, 2023

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं